Copyrighted Material

रहस्य की रानी

अगाथा क्रिस्टी

Copyrighted Material

अगाथा क्रिस्टी

गोल्फ कोर्स पर हत्या

जॉन लेन, द बॉडली हेड लिमिटेड, लंदन, 1923
https://onemorelibrary.com

मेरे पति के लिए

जासूसी कहानियों के एक साथी प्रेमी, जिनके प्रति मैं ऋणी हूँ।
बहुत ही उपयोगी सलाह और आलोचना मिली।

अंतर्वस्तु

1 एक सहयात्री
2. मदद की अपील
3. विला जेनेवीव में
4. बेला द्वारा हस्ताक्षरित पत्र
5. श्रीमती रेनॉल्ड की कहानी
6 अपराध स्थल
7 रहस्यमयी मैडम डाउब्रूइल
8 एक अप्रत्याशित मुलाकात
9. एम. गिराउड को कुछ सुराग मिले
10 गेब्रियल स्टोनर
11 जैक रेनॉल्ड
12 पोइरोट कुछ बिंदुओं को स्पष्ट करते हैं
13 चिंतित आँखों वाली लड़की
14 दूसरा शरीर
15 एक तस्वीर
16 बेरोल्डी मामला
17 हम आगे की जांच करते हैं
18 गिराउड अधिनियम
19 मैं अपने दिमाग का इस्तेमाल करता हूँ
20 एक अद्भुत कथन
21 हरक्यूल पोइरोट मामले की जांच में जुट गए!
22 मुझे प्यार मिल गया
आगे 23 कठिनाइयाँ हैं
24 “उसे बचाओ!”
25 एक अप्रत्याशित अंत
26 मुझे एक पत्र प्राप्त हुआ
27 जैक रेनॉल्ड की कहानी
28 यात्रा का अंत

1

एक सहयात्री

मेरा मानना है कि एक प्रसिद्ध किस्सा प्रचलित है कि एक युवा लेखक, अपनी कहानी की शुरुआत को इतना सशक्त और मौलिक बनाने के लिए दृढ़ संकल्पित था कि वह सबसे उदासीन संपादकों का भी ध्यान आकर्षित कर सके और उन्हें बांधे रख सके, उसने निम्नलिखित वाक्य लिखा:

" 'हे भगवान!' डचेस ने कहा।

अजीब बात है, मेरी यह कहानी भी कुछ इसी तरह शुरू होती है। फर्क सिर्फ इतना है कि विस्मयबोधक शब्द बोलने वाली महिला कोई डचेस नहीं थी!

यह जून के शुरुआती दिनों का एक दिन था। मैं पेरिस में कुछ व्यावसायिक काम निपटाकर लौटा था और सुबह की ट्रेन से लंदन जा रहा था, जहाँ मैं अब भी अपने पुराने दोस्त, बेल्जियम के पूर्व जासूस, हरक्यूल पोइरोट के साथ कमरा साझा कर रहा था।

कैलाइस एक्सप्रेस बिल्कुल खाली थी—दरअसल, मेरे डिब्बे में मेरे अलावा सिर्फ़ एक ही यात्री था। मैं होटल से जल्दी-जल्दी निकला था और ट्रेन चलने से ठीक पहले अपना सारा सामान समेटने में व्यस्त था। तब तक मैंने अपने साथी यात्री पर ध्यान ही नहीं दिया था, लेकिन अब अचानक मुझे उसकी मौजूदगी का एहसास हुआ। अपनी सीट से उछलकर उसने खिड़की नीचे की और अपना सिर बाहर निकाला, और थोड़ी देर बाद ही उसने अपना सिर अंदर खींच लिया और ज़ोर से कहा, "हे भगवान!"

अब मैं पुराने ख्यालों की हो गई हूँ। मेरा मानना है कि एक औरत को स्त्रीत्व का भाव रखना चाहिए। मुझे उन आधुनिक सनकी लड़कियों से कोई हमदर्दी नहीं है जो सुबह से शाम तक जैज़ संगीत सुनती हैं, बेहिसाब सिगरेट पीती हैं और ऐसी भाषा का इस्तेमाल करती हैं जिसे सुनकर बिलिंग्सगेट की कोई मछली बेचने वाली भी शर्म से लाल हो जाए!

मैंने थोड़ा भौंहें चढ़ाते हुए ऊपर देखा, सामने एक सुंदर, निंदक चेहरा था, जिसके सिर पर एक छोटी सी लाल टोपी थी। काले घुंघराले बालों का घना गुच्छा उसके दोनों कानों को छुपा रहा था। मुझे लगा कि वह सत्रह साल से थोड़ी ही बड़ी होगी, लेकिन उसका चेहरा पाउडर से ढका हुआ था, और उसके होंठ बेहद गहरे लाल थे। जरा भी संकोच किए बिना, उसने मेरी ओर देखा और एक भावपूर्ण चेहरा बनाया।

"हे भगवान! हमने तो इस सज्जन को चौंका दिया!" उसने काल्पनिक श्रोताओं से कहा। "मैं अपने शब्दों के लिए क्षमा चाहती हूँ! ये बहुत ही अशोभनीय हैं, लेकिन हे भगवान! इसके पीछे एक वजह है! क्या आपको पता है कि मैंने अपनी इकलौती बहन को खो दिया है?"

“सचमुच?” मैंने विनम्रता से कहा। “कितना दुर्भाग्यपूर्ण है।”
“वह नापसंद करते हैं!” महिला ने कहा। “वह मुझे और मेरी बहन को पूरी तरह नापसंद करते हैं—जो कि अनुचित है, क्योंकि उन्होंने उसे देखा तक नहीं है!”
मैंने अपना मुंह खोला, लेकिन उसने मुझे रोक दिया।
“बस करो! मुझे कोई प्यार नहीं करता! मैं बगीचे में जाकर कीड़े खाऊंगा! हाय हाय! मैं टूट गया हूँ!”
वह एक बड़े से फ्रेंच कॉमिक पेपर के पीछे छिप गई। एक-दो मिनट में मैंने देखा कि उसकी आँखें चुपके से पेपर के ऊपर से मुझे देख रही थीं। मैं खुद को मुस्कुराने से रोक नहीं पाया, और एक मिनट में उसने पेपर एक तरफ फेंक दिया और खिलखिलाकर हंस पड़ी।
“मुझे पता था कि तुम उतने आवारा नहीं हो जितना दिखते हो,” वह रोते हुए बोली।
उसकी हंसी इतनी संक्रामक थी कि मैं भी हंसने से खुद को रोक नहीं पाया, हालांकि मुझे "कुतिया" शब्द बिल्कुल पसंद नहीं था। वह लड़की निश्चित रूप से उन सभी चीजों का प्रतीक थी जो मुझे सबसे ज्यादा नापसंद थीं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं था कि मैं अपने रवैये से खुद को हास्यास्पद बना लूं। मैंने नरमी बरतने की तैयारी की। आखिर, वह वाकई बहुत सुंदर थी।
“लो! अब हम दोस्त हैं!” उस चालाक लड़की ने कहा। “मेरी बहन के लिए माफी मांगो—”
मैं बेहद निराश हूँ!
"शाबाश!"
“मुझे अपनी बात पूरी करने दीजिए। मैं यह कहना चाह रहा था कि यद्यपि मैं बहुत दुखी हूँ, फिर भी मैं उसकी अनुपस्थिति को बखूबी सहन कर सकता हूँ।” मैंने थोड़ा झुककर अभिवादन किया।
लेकिन इस सबसे रहस्यमयी युवती ने भौंहें चढ़ाकर अपना सिर हिलाया।
बस करो। मुझे तो ‘शालीन असहमति’ का नाटक ज़्यादा पसंद है। अरे, तुम्हारा चेहरा! ऐसा लग रहा था जैसे कह रहा हो, ‘हममें से एक नहीं।’ और तुम बिल्कुल सही थे—हालाँकि, आजकल ये पहचानना बहुत मुश्किल है। हर कोई एक अर्ध-शासक और एक डचेस में फर्क नहीं कर सकता। अब, मुझे लगता है मैंने तुम्हें फिर से चौंका दिया! तुम जंगल से निकले हो। मुझे इससे कोई आपत्ति नहीं है। हमें तुम्हारे जैसे कुछ और लोगों की ज़रूरत है। मुझे बस बदतमीज़ी करने वाले लोग पसंद नहीं हैं। मुझे गुस्सा आता है।”
उसने अपना सिर जोर से हिलाया।
मैंने मुस्कुराते हुए पूछा, "जब तुम गुस्से में होते हो तो कैसे होते हो?"
“मैं तो बिल्कुल शैतान हूँ! मुझे परवाह नहीं कि मैं क्या कहता हूँ या क्या करता हूँ! एक बार तो मैंने एक आदमी को जान से मार ही डाला था। जी हाँ, सचमुच। वो इसके लायक भी था। मेरे खून में इटैलियन खून है। एक दिन तो मुझे ज़रूर कोई मुसीबत आएगी।”
मैंने विनती करते हुए कहा, "ठीक है, मुझसे नाराज़ मत होइए।"

“मैं ऐसा नहीं करूँगा। मुझे तुम पसंद हो—जब मैंने तुम्हें पहली बार देखा था तभी से। लेकिन तुम्हारे चेहरे पर इतनी नापसंदगी का भाव था कि मैंने कभी सोचा ही नहीं था कि हम दोस्त बन सकते हैं।”
“हाँ, हमने कर लिया है। अपने बारे में कुछ बताइए।”
“मैं एक अभिनेत्री हूँ। नहीं—वैसी नहीं जैसी आप सोच रहे हैं, जो सैवॉय होटल में गहनों से लदी हुई लंच करती हैं और जिनकी तस्वीर हर अखबार में छपती है और बताती हैं कि उन्हें मैडम सो एंड सो की फेस क्रीम कितनी पसंद है। मैं छह साल की बच्ची से ही मंच पर करतब दिखा रही हूँ—कलाबाजियाँ करती हुई।”
मैंने हैरानी से कहा, "मुझे क्षमा करें।"
"क्या आपने कभी बाल कलाबाजों को नहीं देखा?"
"ओह मैं समझा।"
“मैं अमेरिका में पैदा हुआ हूँ, लेकिन मैंने अपना अधिकांश जीवन इंग्लैंड में बिताया है। अब हमारा एक नया शो आ रहा है—”
"हम?"
“मैं और मेरी बहन। थोड़ा गाना-नाचना, थोड़ी बातचीत और थोड़ा-बहुत पुराने जमाने का धंधा भी। यह बिल्कुल नया विचार है, और हर बार उन्हें समझ आ जाता है। इसमें पैसा भी शामिल है—”
मेरी नई परिचित आगे झुकी और तेज़ी से बोलने लगी, उसके कई शब्द मुझे समझ नहीं आ रहे थे। फिर भी, मुझे उसमें दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी। वह बच्ची और औरत का एक अनोखा मिश्रण लग रही थी। हालाँकि वह दुनियादारी में माहिर थी और, जैसा कि उसने कहा, अपना ख्याल रखने में सक्षम थी, फिर भी जीवन के प्रति उसके दृढ़ संकल्प और "सफल होने" की उसकी अटूट इच्छा में एक अजीब सी मासूमियत थी। मेरे लिए अनजान इस दुनिया की झलक आकर्षक थी और मुझे उसकी बातों के दौरान उसके प्यारे से चेहरे पर आई चमक देखकर आनंद आया।
हम एमियंस से गुज़रे। उस नाम ने कई यादें ताज़ा कर दीं। मेरे साथी को मानो सहज ज्ञान से पता चल जाता था कि मेरे मन में क्या चल रहा है।
“क्या आप युद्ध के बारे में सोच रहे हैं?”
मेंने सिर हिलाया।
"मुझे लगता है कि आप इससे उबर चुके थे?"
“ठीक-ठाक हूँ। एक बार घायल हुआ था, और सोम्मे की लड़ाई के बाद मुझे पूरी तरह से सेना से निकाल दिया गया। कुछ समय के लिए मैंने सेना में आधी-अधूरी नौकरी की। अब मैं एक सांसद का निजी सचिव हूँ।”
वाह! यह तो बहुत ही बुद्धिमानी भरा काम है!
“नहीं, ऐसा नहीं है। सच में करने को बहुत कम काम है। आमतौर पर दिन में दो-तीन घंटे ही काम मिलता है। काम भी उबाऊ है। सच कहूँ तो, अगर मेरे पास कोई दूसरा काम न होता तो मुझे समझ नहीं आता कि मैं क्या करता।”

“यह मत कहो कि तुम कीड़े-मकोड़े इकट्ठा करते हो!”
नहीं। मैं एक बहुत ही दिलचस्प आदमी के साथ कमरा साझा करता हूँ। वह बेल्जियम का रहने वाला है—एक पूर्व जासूस। उसने लंदन में एक निजी जासूस के रूप में काम शुरू किया है और वह असाधारण रूप से सफल हो रहा है। वह सचमुच एक बहुत ही अद्भुत छोटा आदमी है। उसने बार-बार यह साबित किया है कि वह उन जगहों पर सही साबित हुआ है जहाँ सरकारी पुलिस विफल रही है।
मेरे साथी ने आंखें चौड़ी करके सुना।
“है ना दिलचस्प? मुझे अपराध बहुत पसंद हैं। मैं फिल्मों में दिखाई जाने वाली सभी रहस्यमयी फिल्में देखती हूँ। और जब कहीं हत्या होती है तो मैं अखबारों में खबर पढ़-पढ़कर सब कुछ जान जाती हूँ।”
मैंने पूछा, "क्या आपको स्टाइल्स केस याद है?"
"देखते हैं, क्या वह वही बूढ़ी औरत थी जिसे जहर दिया गया था? एसेक्स में कहीं?"
मेंने सिर हिलाया।
“यह पोइरोट का पहला बड़ा मामला था। निःसंदेह, अगर वह न होते तो हत्यारा बिना किसी सजा के बच निकलता। यह जासूसी का एक बेहद शानदार कारनामा था।”
अपने विषय में मग्न होते हुए, मैंने घटनाक्रम के मुख्य बिंदुओं को संक्षेप में बताया और अप्रत्याशित और विजयी अंत की ओर बढ़ा। लड़की मंत्रमुग्ध होकर सुन रही थी। वास्तव में, हम इतने मग्न थे कि हमें पता ही नहीं चला और ट्रेन कैलिस स्टेशन पर पहुँच गई।
“हे भगवान!” मेरे साथी ने चिल्लाकर कहा। “मेरा पाउडर-पफ कहाँ है?”
उसने अपने चेहरे पर खूब सारा क्रीम लगाया और फिर अपने होठों पर लिप बाम लगाया, एक छोटे से पॉकेट ग्लास में इसका असर देखती रही और जरा भी आत्म-चेतना का संकेत नहीं दिया।
मैंने हिचकिचाते हुए कहा, "मैं कहता हूँ, यह मेरी ओर से गुस्ताखी है, लेकिन इस तरह की चीजें क्यों करनी चाहिए?"
लड़की ने अपना काम रोक दिया और खुले आश्चर्य से मेरी ओर देखने लगी।
मैंने हकलाते हुए कहा, "ऐसा नहीं है कि तुम इतनी खूबसूरत नहीं हो कि इसके बिना काम चला सको।"
“मेरे प्यारे बेटे! मुझे ये करना ही होगा। सारी लड़कियाँ करती हैं। क्या तुम्हें लगता है कि मैं किसी देहाती लड़की की तरह दिखना चाहती हूँ?” उसने आखिरी बार आईने में देखा, मुस्कुराकर सहमति जताई और आईने और अपने मेकअप बॉक्स को बैग में रख लिया। “अब ठीक है। दिखावा करना थोड़ा झंझट भरा काम है, मैं मानती हूँ, लेकिन अगर कोई लड़की खुद की इज्जत करती है तो ये उसकी जिम्मेदारी है कि वो खुद को लापरवाह न होने दे।”
इस नैतिक भावना का मेरे पास कोई जवाब नहीं था। दृष्टिकोण में बहुत बड़ा अंतर होता है।
मैंने कुछ कुलियों का इंतजाम किया और हम प्लेटफार्म पर उतर गए। मेरी साथी ने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
"अलविदा, और मैं भविष्य में अपनी भाषा का बेहतर ध्यान रखूंगा।"

"ओह, लेकिन क्या आप मुझे नाव पर आपकी देखभाल करने देंगे?"
"हो सकता है वो नाव पर न हो। मुझे देखना होगा कि मेरी बहन कहीं नाव पर चढ़ पाई या नहीं। लेकिन फिर भी धन्यवाद।"
“ओह, लेकिन हम फिर मिलेंगे, है ना? मैं—” मैं हिचकिचाया। “मैं आपकी बहन से मिलना चाहता हूँ।”
हम दोनों हंस पड़े।
“आपकी यह बात बहुत अच्छी लगी। मैं उसे बता दूँगी कि आपने क्या कहा। लेकिन मुझे नहीं लगता कि हम दोबारा मिलेंगे। यात्रा के दौरान आप मेरे प्रति बहुत अच्छे रहे, खासकर मेरे द्वारा की गई बदतमीज़ी के बाद। लेकिन आपके चेहरे पर जो भाव पहली बार दिखे, वे बिल्कुल सच हैं। मैं आपके टाइप की नहीं हूँ। और इससे मुसीबत आती है—मैं यह अच्छी तरह जानती हूँ...”
उसके चेहरे का भाव बदल गया। पल भर के लिए उसके चेहरे से सारी सौम्यता और प्रसन्नता गायब हो गई। वह क्रोधित और प्रतिशोधी लग रही थी।
"तो अलविदा," उसने हल्के लहजे में कहा।
"क्या तुम मुझे अपना नाम तक नहीं बताओगी?" मैंने चिल्लाकर कहा, जब वह मुँह फेरकर चली गई।
उसने पीछे मुड़कर देखा। उसके दोनों गालों पर एक-एक डिंपल उभर आया। वह ग्रूज़ की किसी खूबसूरत पेंटिंग जैसी लग रही थी।
“सिंड्रेला,” उसने कहा और हंस पड़ी।
लेकिन मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मुझे सिंड्रेला से दोबारा कब और कैसे मिलने का मौका मिलेगा।

2

मदद की अपील

अगली सुबह जब मैं नाश्ते के लिए हमारे साझा बैठक कक्ष में दाखिल हुआ तो नौ बजकर पांच मिनट हो चुके थे।

मेरे मित्र पोइरोट, हमेशा की तरह एकदम सटीक, अपने दूसरे अंडे के छिलके पर थपथपा रहे थे।

मेरे अंदर आते ही वह मुस्कुरा उठा।

“आपने अच्छी नींद ली, है ना? उस भयानक यात्रा से उबर गए? यह तो चमत्कार है, आज सुबह आप लगभग बिल्कुल ठीक हैं। क्षमा करें, लेकिन आपकी टाई ठीक नहीं है। मुझे इसे ठीक करने दीजिए।”

मैंने कहीं और हरक्यूल पोइरोट का वर्णन किया है। एक असाधारण छोटा आदमी! कद पाँच फीट चार इंच, अंडाकार सिर जो थोड़ा एक तरफ झुका रहता था, उत्तेजित होने पर चमकती हरी आँखें, कड़क फौजी मूंछें, और असीम गरिमा! वह दिखने में साफ-सुथरा और सलीकेदार था। साफ-सफाई के प्रति उसका गहरा जुनून था। किसी गहने का टेढ़ा लगा होना, धूल का एक कण, या किसी के पहनावे में थोड़ी सी भी गड़बड़ी, उस छोटे आदमी के लिए तब तक यातना के समान थी जब तक कि वह उस समस्या को ठीक करके अपनी भावनाओं को शांत नहीं कर लेता। "व्यवस्था" और "तरीका" उसके लिए भगवान के समान थे। वह मूर्त सबूतों, जैसे पैरों के निशान और सिगरेट की राख, को तुच्छ समझता था और कहता था कि अकेले इनसे कोई जासूस किसी समस्या को हल नहीं कर सकता। फिर वह अपने अंडाकार सिर पर बेतुके आत्मसंतुष्टि से थपथपाता और बड़ी संतुष्टि से कहता: "असली काम तो भीतर से होता है। छोटी-छोटी दिमागी कोशिकाएँ—हमेशा उन छोटी-छोटी दिमागी कोशिकाओं को याद रखना, मेरे दोस्त!"

मैं अपनी सीट पर बैठ गया और पोइरोट के अभिवादन के जवाब में लापरवाही से टिप्पणी की कि कैलिस से डोवर तक एक घंटे की समुद्री यात्रा को "भयानक" विशेषण से शायद ही सम्मानित किया जा सकता है।

पोइरोट ने मेरी टिप्पणी का जोरदार खंडन करते हुए अपने अंडे के चम्मच को लहराया।

“वाह! अगर एक घंटे के लिए भी कोई सबसे भयानक संवेदनाओं और भावनाओं का अनुभव करे, तो उसने कई घंटे जी लिए! क्या आपके किसी अंग्रेज कवि ने यह नहीं कहा है कि समय घंटों से नहीं, बल्कि दिल की धड़कनों से गिना जाता है?”

"मुझे लगता है कि ब्राउनिंग समुद्री बीमारी से कहीं अधिक रोमांटिक चीज का जिक्र कर रहे थे।"

“क्योंकि वह एक अंग्रेज था, एक ऐसा द्वीपवासी जिसके लिए ला मांचे (समुद्री तट) कुछ भी नहीं था। अरे, तुम अंग्रेज! हमारे साथ तो बात अलग है। ज़रा सोचो कि युद्ध की शुरुआत में मेरी एक परिचित महिला ओस्टेंड भाग गई। वहाँ उसे भयानक मानसिक आघात लगा। समुद्र पार किए बिना आगे भागना नामुमकिन था! और उसे समुद्र से बहुत डर लगता था! वह क्या करती? रोज़ाना लेस बोशे (जर्मन सैनिक) करीब आते जा रहे थे। ज़रा उस भयानक स्थिति की कल्पना करो!”
मैंने उत्सुकता से पूछा, "उसने क्या किया?"
“सौभाग्य से उसका पति व्यावहारिक व्यक्ति था। वह बहुत शांत स्वभाव का था, तंत्रिका संबंधी संकटों का उस पर कोई असर नहीं हुआ। स्वाभाविक रूप से जब वह इंग्लैंड पहुंची तो वह पूरी तरह से थक चुकी थी, लेकिन फिर भी उसने सांस ली।”
पोइरोट ने गंभीरता से अपना सिर हिलाया। मैंने यथासंभव अपने चेहरे के भावों को नियंत्रित करने की कोशिश की।
अचानक वह अकड़ गया और नाटकीय अंदाज में टोस्ट रैक की ओर उंगली उठाई।
“अरे, उदाहरण के लिए, यह तो बहुत ही ज़ोरदार है!” वह चिल्लाया।
"यह क्या है?"
“टोस्ट का यह टुकड़ा। क्या आपने इस पर ध्यान नहीं दिया?” उसने उस टुकड़े को रैक से बाहर निकाला और मुझे जांचने के लिए ऊपर उठाया।
“क्या यह वर्गाकार है? नहीं। क्या यह त्रिभुजाकार है? फिर भी नहीं। क्या यह गोल भी है? नहीं। क्या इसकी कोई ऐसी आकृति है जो देखने में मनभावन हो? इसमें समरूपता कैसी है? बिलकुल नहीं।”
मैंने शांत भाव से समझाया, "यह कॉटेज लोफ से काटा गया है।"
पोइरोट ने मुझे गुस्से भरी नजरों से देखा।
“मेरे मित्र हेस्टिंग्स की बुद्धि तो देखो!” उसने व्यंग्यपूर्वक कहा। “क्या तुम्हें यह समझ नहीं आता कि मैंने ऐसी रोटी बनाने से मना किया है—ऐसी बेतरतीब और बेढंगी रोटी, जिसे कोई भी बेकर न बनाए!”
मैंने उसका ध्यान भटकाने की कोशिश की।
"क्या डाक से कोई दिलचस्प खबर आई है?"
पोइरोट ने असंतुष्ट भाव से अपना सिर हिलाया।
“मैंने अभी तक अपने पत्रों की जाँच नहीं की है, लेकिन आजकल कुछ भी दिलचस्प नहीं आता। बड़े अपराधी, सुनियोजित अपराधी, वे तो हैं ही नहीं। हाल ही में मुझे जो मामले सौंपे गए, वे हद से ज़्यादा तुच्छ थे। सच कहूँ तो, मैं तो बस फैशनेबल महिलाओं के खोए हुए पालतू कुत्तों को ढूंढने में लगा हुआ हूँ! आखिरी मामला जिसमें थोड़ी दिलचस्पी थी, वह यार्डली हीरे का पेचीदा मामला था, और वह भी कितने महीने पहले की बात है, मेरे दोस्त?”
उसने निराशा से अपना सिर हिलाया, और मैं जोर से हंस पड़ा।

"पोइरोट, हिम्मत रखो, भाग्य बदलेगा। अपने पत्र खोलो। क्या पता, कोई बड़ा मामला आपके सामने आ जाए।"
पोइरोट मुस्कुराया और अपने पत्रों को खोलने वाले छोटे से साफ-सुथरे लेटर ओपनर को उठाकर उसने अपनी प्लेट के पास पड़े कई लिफाफों के ऊपरी हिस्से को चीर दिया।
“एक बिल। एक और बिल। यह बिल इसलिए आया है क्योंकि बुढ़ापे में मैं फिजूलखर्ची करने लगा हूँ। आह! जैप का एक नोट।”
“जी?” यह सुनकर मेरे कान खड़े हो गए। स्कॉटलैंड यार्ड के इंस्पेक्टर ने हमें एक से अधिक बार किसी न किसी दिलचस्प मामले से परिचित कराया था।
"उन्होंने मुझे (अपने खास अंदाज में) एबरिस्टविथ मामले में एक छोटे से बिंदु के लिए धन्यवाद दिया, जिस पर मैं उनकी गलती सुधारने में सक्षम रहा। मुझे उनकी सेवा करके बहुत खुशी हुई।"
मैंने उत्सुकता से पूछा, "वह आपको धन्यवाद कैसे देता है?" क्योंकि मैं जापानी भाषा अच्छी तरह जानता था।
"उन्होंने बड़ी मेहरबानी से कहा कि मैं अपनी उम्र के हिसाब से बहुत ही समझदार और धैर्यवान व्यक्ति हूं, और उन्हें खुशी है कि उन्हें मुझे इस मामले में शामिल करने का मौका मिला।"
यह जैप की खासियत थी, इसलिए मैं अपनी हंसी नहीं रोक पाया। पोइरोट शांति से अपने पत्र पढ़ते रहे।
“मुझे सुझाव मिला है कि मैं हमारे स्थानीय बॉय स्काउट्स को व्याख्यान दूं। अगर मैं फोरफैनॉक की काउंटेस से मिलने आऊं तो वह मेरी आभारी होंगी। एक और लाडला कुत्ता, निःसंदेह! और अब आखिरी बात। आह —”
मैंने ऊपर देखा और लहजे में आए बदलाव को तुरंत भांप लिया। पोइरोट ध्यान से पढ़ रहे थे। एक मिनट में उन्होंने वह पन्ना मेरी तरफ फेंक दिया।
“यह तो असाधारण है, मेरे मित्र। खुद ही पढ़ लो।”
यह पत्र एक विदेशी प्रकार के कागज पर, विशिष्ट सुस्पष्ट और स्पष्ट लिखावट में लिखा गया था:

“विला जेनेविव
मर्लिनविले-सुर-मेर
फ्रांस

"प्रिय महोदय,
मुझे एक जासूस की सेवाओं की आवश्यकता है और, जिन कारणों का मैं आपको बाद में उल्लेख करूंगा, मैं आधिकारिक पुलिस को नहीं बुलाना चाहता। मैंने आपके बारे में कई स्रोतों से सुना है, और सभी रिपोर्टों से पता चलता है कि आप न केवल बेहद सक्षम व्यक्ति हैं, बल्कि विवेकशील भी हैं। मैं डाक के भरोसे जानकारी नहीं छोड़ना चाहता, लेकिन मेरे एक गुप्त रहस्य के कारण मुझे प्रतिदिन अपने जीवन का भय रहता है। मुझे पूरा विश्वास है कि खतरा निकट है, इसलिए मैं आपसे निवेदन करता हूं कि आप बिना समय गंवाए फ्रांस आ

जाएं। यदि आप मुझे अपने आगमन की सूचना तार द्वारा भेज दें, तो मैं कैलिस में आपसे मिलने के लिए एक कार भेजूंगा। यदि आप अपने सभी मौजूदा मामलों को छोड़कर पूरी तरह से मेरे हितों की रक्षा में जुट जाएं, तो मैं आपका आभारी रहूंगा। मैं आवश्यक मुआवजा देने के लिए तैयार हूं। मुझे संभवतः काफी समय तक आपकी सेवाओं की आवश्यकता होगी, क्योंकि आपको सैंटियागो जाना पड़ सकता है, जहां मैंने अपने जीवन के कई वर्ष बिताए हैं। आप अपनी फीस स्वयं तय कर सकते हैं।
हम आपको एक बार फिर आश्वस्त करते हैं कि मामला अत्यंत अत्यावश्यक है।

"आपका विश्वासी
“पी. टी. रेनॉल्ड।”

हस्ताक्षर के नीचे जल्दबाजी में एक पंक्ति लिखी हुई थी, जो लगभग अपठनीय थी: "भगवान के लिए, आओ!"
मैंने दिल की धड़कनें तेज होते हुए वह पत्र वापस कर दिया।
“आखिरकार!” मैंने कहा। “यहाँ कुछ ऐसा है जो बिल्कुल असाधारण है।”
"जी हां, बिलकुल," पोइरोट ने सोच-विचार करते हुए कहा।
मैंने आगे कहा, "तुम जरूर जाओगे।"
पोइरोट ने सिर हिलाया। वह गहरी सोच में डूबे हुए थे। आखिरकार उन्होंने अपना मन बना लिया और घड़ी की ओर देखा। उनका चेहरा बेहद गंभीर था।
फिर मिलेंगे, मेरे दोस्त। समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। कॉन्टिनेंटल एक्सप्रेस विक्टोरिया से 11 बजे निकलती है। घबराइए मत। बहुत समय है। हम चर्चा के लिए दस मिनट का समय निकाल सकते हैं। आप मेरे साथ चलें, है ना?
"कुंआ-"
"आपने खुद ही मुझे बताया था कि अगले कुछ हफ्तों तक आपके नियोक्ता को आपकी जरूरत नहीं है।"
"ओह, यह तो ठीक है। लेकिन यह मिस्टर रेनॉल्ड इस बात का स्पष्ट संकेत दे रहे हैं कि उनका व्यवसाय निजी है।"
“टा-टा-टा। मैं एम. रेनॉल्ड का काम संभाल लूंगा। वैसे, मुझे लगता है कि मैं यह नाम जानता हूँ?”
“एक मशहूर दक्षिण अमेरिकी करोड़पति हैं। उनका नाम रेनॉल्ड है। मुझे नहीं पता कि यह वही व्यक्ति है या नहीं।”
“लेकिन इसमें कोई शक नहीं। इसी से सैंटियागो का जिक्र समझ में आता है। सैंटियागो चिली में है, और चिली दक्षिण अमेरिका में है! खैर, हम अच्छी प्रगति कर रहे हैं।”
“अरे वाह, पोइरोट,” मैंने उत्साह से कहा, “मुझे इसमें अच्छे खासे मुनाफे की उम्मीद है। अगर हम सफल हुए, तो हमारी किस्मत चमक जाएगी!”

“इस बात को लेकर इतना आश्वस्त मत रहो, मेरे दोस्त। एक अमीर आदमी और उसका पैसा इतनी आसानी से अलग नहीं होते। मैंने खुद एक मशहूर करोड़पति को एक ट्राम में बैठे लोगों को एक गिरा हुआ आधा पैसा ढूंढते हुए देखा है।”
मैंने इस बात की बुद्धिमत्ता को स्वीकार किया।
“खैर,” पोइरोट ने आगे कहा, “यहाँ मुझे पैसे की वजह से कोई आकर्षण नहीं है। बेशक, हमारी जाँच में पूरी छूट मिलना सुखद होगा; इससे समय की बचत होगी, लेकिन इस मामले में कुछ विचित्र बात है जिसने मेरी दिलचस्पी जगाई है। आपने परिशिष्ट पर ध्यान दिया? वह आपको कैसा लगा?”
मैंने विचार किया।
"स्पष्ट रूप से उसने खुद पर पूरा नियंत्रण रखते हुए पत्र लिखा था, लेकिन अंत में उसका आत्म-नियंत्रण टूट गया और क्षणिक आवेग में आकर उसने हताशा भरे वे चार शब्द लिख दिए।"
लेकिन मेरे दोस्त ने पूरे जोश से अपना सिर हिलाया।
“आप गलत हैं। क्या आप नहीं देखते कि हस्ताक्षर की स्याही लगभग काली है, जबकि पोस्टस्क्रिप्ट की स्याही काफी हल्की है?”
“तो?” मैंने हैरानी से कहा।
“हे भगवान, मेरे मित्र, ज़रा दिमाग़ लगाओ! क्या यह स्पष्ट नहीं है? श्री रेनॉल्ड ने अपना पत्र लिखा। बिना उसे मिटाए, उन्होंने उसे ध्यान से दोबारा पढ़ा। फिर, आवेग में नहीं, बल्कि जानबूझकर, उन्होंने वे अंतिम शब्द जोड़े और पन्ने को मिटा दिया।”
"लेकिन क्यों?"
“पार्बलू! ताकि इसका मुझ पर भी वही प्रभाव पड़े जो तुम पर पड़ता है।”
"क्या?"
“हाँ, ज़रूर—मेरे आने की पुष्टि करने के लिए!” उसने पत्र को दोबारा पढ़ा और असंतुष्ट था। यह पर्याप्त मज़बूत नहीं था!
वह रुका, और फिर धीरे से बोला, उसकी आँखों में वह हरी चमक थी जो हमेशा आंतरिक उत्तेजना का प्रतीक होती थी: "और इसलिए, मेरे मित्र, चूंकि वह परिशिष्ट आवेग में नहीं, बल्कि गंभीरता से, ठंडे दिमाग से जोड़ा गया था, इसलिए स्थिति बहुत गंभीर है, और हमें जितनी जल्दी हो सके उसके पास पहुंचना होगा।"
मैंने धीरे से सोचा, "मर्लिनविले। मैंने इसके बारे में सुना है, मुझे लगता है।"
पोइरोट ने सिर हिलाया।
“यह एक शांत, छोटा सा स्थान है—लेकिन बहुत ही शानदार! यह बोलौग्ने और कैलिस के लगभग मध्य में स्थित है। यह तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। शांति चाहने वाले धनी अंग्रेज इसे अपना रहे हैं। मुझे लगता है कि एम. रेनॉल्ड का इंग्लैंड में एक घर है।”

“हां, जहां तक मुझे याद है, रटलैंड गेट में। साथ ही, हर्टफोर्डशायर में कहीं एक बड़ी जगह भी है। लेकिन मैं उनके बारे में बहुत कम जानता हूं, वे सामाजिक रूप से ज्यादा सक्रिय नहीं हैं। मेरा मानना है कि सिटी में दक्षिण अमेरिकी क्षेत्रों में उनकी काफी रुचि है, और उन्होंने अपना अधिकांश जीवन चिली और अर्जेंटीना में बिताया है।”
“ठीक है, सारी जानकारी हम खुद उस आदमी से सुनेंगे। चलो, सामान पैक करते हैं। एक-एक छोटा सूटकेस, और फिर विक्टोरिया के लिए टैक्सी।”
“और काउंटेस?” मैंने मुस्कुराते हुए पूछा।
“आह! जे म’एन फिचे! उसका मामला बिल्कुल भी दिलचस्प नहीं था।”
"आपको इस बात का इतना यकीन क्यों है?"
“क्योंकि उस स्थिति में वह आती, लिखती नहीं। एक महिला इंतजार नहीं कर सकती—हेस्टिंग्स, यह बात हमेशा याद रखना।”
ग्यारह बजे हम विक्टोरिया से डोवर के लिए रवाना हुए। रवाना होने से पहले पोइरोट ने मिस्टर रेनॉल्ड को एक टेलीग्राम भेजकर कैलिस पहुंचने का समय बता दिया था। नाश्ते के समय हुई हमारी बातचीत याद करते हुए मैंने शरारती अंदाज़ में कहा, "पोइरोट, मुझे आश्चर्य है कि आपने समुद्री बीमारी की कुछ दवाइयाँ क्यों नहीं खरीद लीं?"
मेरा दोस्त, जो बेसब्री से मौसम का जायजा ले रहा था, उसने मेरी ओर तिरस्कारपूर्ण चेहरा बनाया।
“क्या आप लावेर्गियर की उत्कृष्ट विधि भूल गए हैं? मैं उनकी विधि का हमेशा अभ्यास करता हूँ। यदि आपको याद हो, तो संतुलन बनाने के लिए सिर को बाएँ से दाएँ घुमाते हुए, साँस अंदर और बाहर लेते हुए, प्रत्येक साँस के बीच छह तक गिनते हैं।”
“हम्म,” मैंने हिचकिचाते हुए कहा। “सैंटियागो, या ब्यूनस आयर्स, या जहाँ भी आप उतरें, वहाँ पहुँचते-पहुँचते आप खुद को संतुलित करने और छह गिनने से काफी थक चुके होंगे।”
“क्या विचार है! क्या आपको यह नहीं लगता कि मैं सैंटियागो जाऊंगी?”
श्री रेनॉल्ड ने अपने पत्र में इसका सुझाव दिया है।
“वह हरक्यूल पोइरोट के तरीकों को नहीं जानता था। मैं इधर-उधर भाग-दौड़ नहीं करता, यात्राएँ नहीं करता और खुद को परेशान नहीं करता। मेरा काम भीतर से होता है— यहीं से—” उसने अपने माथे पर इशारा करते हुए कहा।
हमेशा की तरह, इस टिप्पणी ने मेरी तर्कशक्ति को जगा दिया।
"यह सब ठीक है, पोइरोट, लेकिन मुझे लगता है कि आप कुछ चीजों को बहुत ज्यादा तुच्छ समझने की आदत में पड़ रहे हैं। उंगलियों के निशान से कई बार हत्यारे की गिरफ्तारी और सजा भी हो जाती है।"
"और उसने निःसंदेह एक से अधिक निर्दोष व्यक्ति को फांसी दी है," पोइरोट ने व्यंग्यपूर्वक टिप्पणी की।

लेकिन क्या उंगलियों के निशान, पैरों के निशान, सिगरेट की राख, विभिन्न प्रकार की मिट्टी और अन्य सुरागों का अध्ययन, जिनमें सूक्ष्म विवरणों का अवलोकन शामिल है, अत्यंत महत्वपूर्ण नहीं है?
“बिल्कुल। मैंने कभी इसके विपरीत नहीं कहा। प्रशिक्षित पर्यवेक्षक, विशेषज्ञ, निःसंदेह उपयोगी होते हैं! लेकिन बाकी लोग, हरक्यूलिस पोइरोट जैसे लोग, वे विशेषज्ञों से भी ऊपर हैं! उनके लिए विशेषज्ञ तथ्य लाते हैं, उनका काम अपराध की विधि, उसका तार्किक निष्कर्ष, तथ्यों का उचित क्रम और व्यवस्था; और सबसे बढ़कर, मामले का वास्तविक मनोविज्ञान है। आपने लोमड़ी का शिकार कर लिया है, है ना?”
“मैंने कभी-कभार थोड़ा-बहुत शिकार किया है,” मैंने विषय के इस अचानक परिवर्तन से थोड़ा हैरान होकर कहा। “क्यों?”
“हाँ, लोमड़ी का शिकार करने के लिए कुत्तों की ज़रूरत होती है, है ना?”
मैंने धीरे से सुधार करते हुए कहा, "शिकारी कुत्ते।" "हाँ, बिल्कुल।"
“लेकिन फिर भी,” पोइरोट ने मेरी ओर उंगली हिलाते हुए कहा। “तुम अपने घोड़े से नीचे नहीं उतरे और ज़मीन पर दौड़ते हुए अपनी नाक से सूंघते हुए ज़ोर-ज़ोर से आहें नहीं भरीं?”
मैं खुद पर काबू न रख सका और बेकाबू होकर हंस पड़ा। पोइरोट ने संतुष्टि भरे अंदाज में सिर हिलाया।
“तो, आप खोजी कुत्तों का काम उन्हीं पर छोड़ देते हैं। फिर भी आप मुझसे, हरक्यूल पोइरोट से, यह अपेक्षा करते हैं कि मैं काल्पनिक पदचिह्नों का अध्ययन करने के लिए लेटकर (शायद गीली घास पर) खुद को हास्यास्पद बनाऊं, और सिगरेट की राख को तब भी उठाऊं जब मुझे पता ही न हो कि वह किस तरह की है। प्लायमाउथ एक्सप्रेस रहस्य को याद कीजिए। भले जापानी व्यक्ति रेलवे लाइन का सर्वेक्षण करने के लिए रवाना हुए थे। जब वे लौटे, तो मैं अपने कमरे से हिले बिना ही उन्हें बता सका कि उन्हें ठीक-ठीक क्या मिला था।”
"तो आपका मानना है कि जैप ने अपना समय बर्बाद किया।"
“बिल्कुल नहीं, क्योंकि उनके सबूतों ने मेरी थ्योरी की पुष्टि कर दी। लेकिन अगर मैं जाता तो मेरा समय बर्बाद होता। तथाकथित ‘विशेषज्ञों’ के साथ भी ऐसा ही होता है। कैवेंडिश केस में लिखावट की गवाही याद कीजिए। एक वकील के सवालों से समानता के बारे में गवाही सामने आती है, बचाव पक्ष असमानता दिखाने के लिए सबूत पेश करता है। सारी भाषा बहुत तकनीकी होती है। और नतीजा? वही जो हम सब पहले से जानते थे। लिखावट जॉन कैवेंडिश की लिखावट से हूबहू मिलती थी। और मनोवैज्ञानिक मन के सामने यह सवाल आता है, ‘क्यों?’ क्योंकि यह सचमुच उनकी लिखावट थी? या इसलिए कि कोई चाहता था कि हम सोचें कि यह उनकी लिखावट है? मैंने उस सवाल का जवाब दिया, मेरे दोस्त, और सही जवाब दिया।”
और पोइरोट ने मुझे प्रभावी ढंग से चुप करा दिया, भले ही मुझे पूरी तरह से आश्वस्त न कर पाए हों, और संतुष्टि भरे भाव से पीछे झुक गए।
नाव पर, मैं अपने दोस्त की एकांतता भंग करने की इच्छा को भलीभांति समझता था। मौसम बेहद सुहावना था और समुद्र बिल्कुल शांत था, इसलिए जब कैलिस में उतरते समय मुस्कुराते हुए पोइरोट मुझसे मिले, तो

यह सुनकर मुझे ज़रा भी आश्चर्य नहीं हुआ कि लावेर्गियर की विधि एक बार फिर सही साबित हुई थी। हमारे लिए निराशा का कारण यह था कि हमें लेने के लिए कोई कार नहीं भेजी गई थी, लेकिन पोइरोट ने इसका कारण अपने टेलीग्राम के रास्ते में देरी होना बताया।

“क्योंकि हमें पूरी छूट है, हम एक कार किराए पर लेंगे,” उसने खुशी से कहा। और कुछ ही मिनटों बाद हमने देखा कि हम एक खस्ताहाल गाड़ी में, जो किराए पर मिलने वाली गाड़ियों में सबसे जर्जर थी, मर्लिनविले की ओर चल पड़े।

मेरा मनोबल चरम पर था।

“कितनी खूबसूरत हवा है!” मैंने कहा। “यह यात्रा बेहद आनंददायक होने वाली है।”

"तुम्हारे लिए, हाँ। मुझे अभी बहुत काम करना है, याद रखना, हमारी यात्रा के अंत में।"

“वाह!” मैंने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “तुम सब कुछ पता लगाओगे, श्री रेनॉल्ड की सुरक्षा सुनिश्चित करोगे, हत्यारों को पकड़वाओगे, और सब कुछ शानदार ढंग से समाप्त होगा।”

"तुम बड़े आशावादी हो, मेरे दोस्त।"

“जी हां, मुझे सफलता का पूरा भरोसा है। क्या आप ही एकमात्र हरक्यूल पोइरोट हैं?”

लेकिन मेरा छोटा दोस्त मेरी बातों में नहीं आया। वह गंभीरता से मुझे देख रहा था।

"हेस्टिंग्स, तुम वही हो जिसे स्कॉटिश लोग 'सनकी' कहते हैं। यह विपत्ति का संकेत है।"

“बकवास। खैर, आप मेरी भावनाओं से सहमत नहीं हैं।”

नहीं, लेकिन मुझे डर लग रहा है।

"किसका डर?"

मुझे नहीं पता। लेकिन मुझे एक पूर्वाभास है—एक ऐसी बात जिसे शब्दों में बयान नहीं किया जा सकता!

उन्होंने इतनी गंभीरता से बात की कि मैं अनजाने में ही प्रभावित हो गया।

उन्होंने धीरे से कहा, "मुझे ऐसा लग रहा है कि यह एक बड़ा मामला होने वाला है - एक लंबी, पेचीदा समस्या जिसका समाधान करना आसान नहीं होगा।"

मैं उनसे और भी सवाल करता, लेकिन हम अभी-अभी मर्लिनविले नामक छोटे से कस्बे में प्रवेश कर रहे थे, और हमने विला जेनेवीव का रास्ता पूछने के लिए अपनी गाड़ी की गति धीमी कर दी।

“सीधे आगे जाइए, महोदय, शहर से होते हुए। विला जेनेवीव लगभग आधा मील दूर दूसरी तरफ है। आप उसे आसानी से ढूंढ लेंगे। एक विशाल विला, जहाँ से समुद्र का नजारा दिखता है।”

हमने अपने सूचना देने वाले को धन्यवाद दिया और कस्बे को पीछे छोड़ते हुए आगे बढ़ गए। सड़क पर एक मोड़ आया और हम दूसरी बार रुके। एक किसान हमारी ओर आ रहा था, और हमने उससे दोबारा रास्ता पूछने के लिए उसके आने का इंतज़ार किया। सड़क के किनारे एक छोटा सा विला खड़ा था, लेकिन वह इतना छोटा और जर्जर था कि हमें वह नहीं मिल पाया जिसकी हमें तलाश थी। जब हम इंतज़ार कर रहे थे, तभी उसका द्वार खुला और एक लड़की बाहर आई।

किसान अब हमारे पास से गुजर रहा था, और ड्राइवर अपनी सीट से आगे झुककर रास्ता पूछने लगा।
“विला जेनेवीव? बस इस सड़क पर दाईं ओर कुछ कदम आगे, महोदय। अगर मोड़ न होता तो आप इसे देख सकते थे।”
ड्राइवर ने उसे धन्यवाद दिया और गाड़ी फिर से स्टार्ट कर दी। मेरी निगाहें उस लड़की पर टिकी थीं जो अभी भी गेट पर एक हाथ रखे हमें देख रही थी। मैं सुंदरता का मुग्ध हूँ, और यहाँ एक ऐसी लड़की थी जिसे देखकर कोई भी अनदेखा नहीं रह सकता था। बहुत लंबी, किसी युवा देवी जैसी सुडौल काया वाली, धूप में चमकता उसका खुला सुनहरा सिर, मैंने मन ही मन सोचा कि वह अब तक देखी गई सबसे खूबसूरत लड़कियों में से एक थी। जैसे ही हम ऊबड़-खाबड़ सड़क पर मुड़े, मैंने उसे देखने के लिए अपना सिर घुमाया।
“हे भगवान, पोइरोट,” मैंने कहा, “क्या तुमने उस युवती को देखा?”
पोइरोट ने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
“शुरू हो गया!” उसने बुदबुदाया। “तुम पहले ही एक देवी को देख चुके हो!”
लेकिन, सच कहूँ तो, क्या वह ऐसी नहीं थी?
“संभवतः। मैंने इस तथ्य पर कोई टिप्पणी नहीं की।”
"क्या आपने उसे देखा नहीं?"
“मेरे मित्र, दो लोग शायद ही कभी एक ही चीज़ देखते हैं। उदाहरण के लिए, आपने एक देवी को देखा। मैं—” वह हिचकिचाया।
"हाँ?"
"मैंने केवल एक लड़की को चिंतित आँखों से देखा," पोइरोट ने गंभीरता से कहा।
लेकिन उसी क्षण हम एक बड़े हरे द्वार के सामने रुके, और एक साथ हम दोनों विस्मयबोध से भर उठे। उसके सामने एक प्रभावशाली सार्जेंट डी विले खड़ा था। उसने हमारा रास्ता रोकने के लिए अपना हाथ ऊपर उठाया।
"आप अंदर नहीं जा सकते, महोदय।"
“लेकिन हम श्री रेनॉल्ड से मिलना चाहते हैं,” मैंने चिल्लाकर कहा। “हमारी अपॉइंटमेंट है। यह उनका विला है, है ना?”
जी हां, महोदय, लेकिन—”
पोइरोट आगे की ओर झुके।
"क्या पर?"
“एम. रेनॉल्ड की आज सुबह हत्या कर दी गई।”

3

विला जेनेवीव में

एक पल में पोइरोट कार से कूद पड़ा, उसकी आँखों में उत्साह की चमक थी। उसने उस आदमी को कंधे से पकड़ लिया।

“तुम क्या कह रहे हो? हत्या? कब? कैसे?”

सार्जेंट डी विले ने खुद को सीधा खड़ा किया।

"महाशय, मैं किसी भी प्रश्न का उत्तर नहीं दे सकता।"

“सच है। मैं समझ गया।” पोइरोट ने एक मिनट सोचा। “पुलिस का दफ्तर, वह निस्संदेह अंदर ही है?”

"जी श्रीमान।"

पोइरोट ने एक कार्ड निकाला और उस पर कुछ शब्द लिख दिए।

“वाह! क्या आप कृपा करके इस कार्ड को तुरंत कैंटीन में भेज देंगे?”

उस आदमी ने उसे लिया और कंधे के ऊपर से सिर घुमाकर सीटी बजाई। कुछ ही सेकंड में उसका एक साथी भी वहाँ आ गया और उसे पोइरोट का संदेश दे दिया गया। कुछ मिनटों का इंतज़ार हुआ, फिर एक छोटा, मोटा आदमी, जिसकी बड़ी-बड़ी मूंछें थीं, तेज़ी से गेट की ओर आया। सार्जेंट डी विले ने सलाम किया और एक तरफ हट गया।

“मेरे प्रिय एम. पोइरोट,” नवागंतुक ने कहा, “आपको देखकर मुझे बहुत खुशी हुई। आपका आगमन अत्यंत उपयुक्त समय पर हुआ है।”

पोइरोट का चेहरा खुशी से चमक उठा था।

“श्रीमान बेक्स! आपसे मिलकर सचमुच बहुत खुशी हुई।” उन्होंने मेरी ओर मुड़कर कहा, “ये मेरे एक अंग्रेज मित्र हैं, कैप्टन हेस्टिंग्स—श्रीमान लुसिएन बेक्स।”

कमिसरी और मैंने औपचारिक रूप से एक-दूसरे को प्रणाम किया, फिर एम. बेक्स एक बार फिर पोइरोट की ओर मुड़े।

“मेरे पुराने, मैंने आपको 1909 के बाद से नहीं देखा, उस समय ओस्टेंड में। मैंने सुना था कि आपने सेना छोड़ दी थी?”

“हाँ, मैंने किया है। मैं लंदन में एक निजी व्यवसाय चलाता हूँ।”

"और आप कहते हैं कि आपके पास ऐसी जानकारी है जो हमारी मदद कर सकती है?"

“शायद आपको पहले से ही पता होगा। आपको पता था कि मुझे बुलाया गया था?”
“नहीं। किसके द्वारा?”
“वह मृत व्यक्ति। ऐसा लगता है कि उसे पता था कि उसकी जान लेने की कोशिश की जाएगी। दुर्भाग्य से उसने मुझे बहुत देर से बुलवाया।”
“साक्री टोनरे!” फ्रांसीसी ने हैरानी से कहा। “तो उसने अपनी हत्या का पूर्वाभास कर लिया था? इससे तो हमारे सारे सिद्धांत उलट-पुलट हो गए! लेकिन अंदर आ जाओ।”
उन्होंने फाटक खुला रखा और हम घर की ओर चलने लगे। एम. बेक्स बोलती रहीं:
“जांच मजिस्ट्रेट, एम. हाउटेट को इसकी सूचना तुरंत मिलनी चाहिए। उन्होंने अभी-अभी अपराध स्थल का मुआयना पूरा किया है और पूछताछ शुरू करने वाले हैं। वे एक आकर्षक व्यक्ति हैं। आपको वे पसंद आएंगे। अत्यंत सहानुभूतिशील। अपने तरीकों में मौलिक, लेकिन एक उत्कृष्ट न्यायाधीश।”
"अपराध कब हुआ था?" पोइरोट ने पूछा।
“शव आज सुबह करीब नौ बजे मिला। मैडम रेनॉल्ड और डॉक्टरों के बयानों से पता चलता है कि मौत लगभग सुबह 2 बजे हुई होगी। लेकिन कृपया अंदर आइए।”
हम विला के मुख्य द्वार तक जाने वाली सीढ़ियों पर पहुँच गए थे। हॉल में एक और सार्जेंट डी विले बैठा था। कमिश्नर को देखते ही वह उठ खड़ा हुआ।
“एम. हौटेट अब कहाँ हैं?” दूसरे व्यक्ति ने पूछा।
"सैलून में, महोदय।"
एम. बेक्स ने हॉल के बाईं ओर का दरवाज़ा खोला और हम अंदर चले गए। एम. हाउटेट और उनका क्लर्क एक बड़ी गोल मेज़ पर बैठे थे। हमारे अंदर आते ही उन्होंने ऊपर देखा। कमिसरी ने हमारा परिचय कराया और हमारी उपस्थिति का कारण बताया।
न्यायाधीश एम. हाउटेट एक लंबे, दुबले-पतले व्यक्ति थे, जिनकी गहरी, तीक्ष्ण आँखें थीं और करीने से कटी हुई भूरी दाढ़ी थी, जिसे वे बात करते समय सहलाते रहते थे। शेल्फ के पास एक बुजुर्ग व्यक्ति खड़े थे, जिनके कंधे थोड़े झुके हुए थे, जिनका परिचय हमें डॉ. डूरंड के रूप में कराया गया।
“अत्यंत असाधारण,” कमिश्नर के बोलने के बाद एम. हाउटेट ने टिप्पणी की। “क्या आपके पास पत्र यहाँ है, महोदय?”
पोइरोट ने वह दस्तावेज़ उन्हें सौंप दिया, और मजिस्ट्रेट ने उसे पढ़ा।
“हम्म। वह किसी रहस्य की बात कर रहे हैं। कितना अफ़सोस की बात है कि उन्होंने और स्पष्ट रूप से नहीं बताया। हम आपके बहुत आभारी हैं, श्री पोइरोट। आशा है कि आप हमारी जाँच में सहायता करके हमें सम्मानित करेंगे। या क्या आपको लंदन लौटना पड़ेगा?”
“माननीय न्यायाधीश महोदय, मैं यहीं रुकना चाहता हूँ। मैं अपने मुवक्किल की मृत्यु को रोकने के लिए समय पर नहीं पहुँच सका, लेकिन हत्यारे का पता लगाना मेरा कर्तव्य है।”

मजिस्ट्रेट ने सिर झुकाया।
“ये भावनाएँ आपके लिए सम्मान की बात हैं। साथ ही, निस्संदेह, मैडम रेनॉल्ड आपकी सेवाएँ लेना चाहेंगी। पेरिस स्थित पुलिस बल से श्री गिराउड के आने की हम किसी भी क्षण प्रतीक्षा कर रहे हैं, और मुझे पूरा विश्वास है कि आप और वे अपनी-अपनी जाँच में एक-दूसरे की सहायता कर सकेंगे। इस बीच, मुझे आशा है कि आप मेरी पूछताछ में उपस्थित होकर मुझे सम्मानित करेंगे, और यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि यदि आपको किसी भी प्रकार की सहायता की आवश्यकता हो, तो वह आपके लिए उपलब्ध है।”
“धन्यवाद, महोदय। आप समझ सकते हैं कि इस समय मुझे कुछ भी पता नहीं है। मुझे बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।”
एम. हाउटेट ने कमिसरी को सिर हिलाकर इशारा किया, और बाद वाले ने कहानी आगे बढ़ाई:
आज सुबह, बूढ़ी नौकरानी फ्रांस्वा जब अपना काम शुरू करने के लिए नीचे उतरी, तो उसने सामने का दरवाजा थोड़ा खुला पाया। चोरों के डर से उसने भोजन कक्ष में झाँका, लेकिन चांदी के बर्तन सुरक्षित देखकर उसने इस बारे में और नहीं सोचा और यही निष्कर्ष निकाला कि उसका मालिक निस्संदेह जल्दी उठ गया होगा और टहलने चला गया होगा।
"क्षमा करें महोदय, बीच में टोकने के लिए, लेकिन क्या यह उनकी एक सामान्य आदत थी?"
“नहीं, ऐसा नहीं था, लेकिन बूढ़ी फ्रांस्वा के मन में अंग्रेजों के बारे में आम धारणा थी—कि वे पागल हैं और किसी भी क्षण सबसे अप्रत्याशित काम कर सकते हैं! अपनी मालकिन को हमेशा की तरह बुलाने गई एक युवा नौकरानी, लियोनी, यह देखकर भयभीत हो गई कि उसकी मालकिन के मुंह पर पट्टी बंधी हुई है और उसे बांधा गया है, और लगभग उसी समय यह खबर आई कि एम. रेनॉल्ड का शव मृत अवस्था में मिला है, उसकी पीठ में चाकू से वार किया गया है।”
"कहाँ?"
"यह इस मामले की सबसे असाधारण विशेषताओं में से एक है। मिस्टर पोइरोट, शव एक खुली कब्र में उल्टा पड़ा हुआ था।"
"क्या?"
“हां। गड्ढा अभी-अभी खोदा गया था—विला के मैदान की सीमा से बस कुछ ही गज की दूरी पर।”
और वह कितने समय से मृत था?
डॉ. दुरंड ने इसका उत्तर दिया।
मैंने आज सुबह दस बजे शव का निरीक्षण किया। मृत्यु कम से कम सात घंटे पहले, और संभवतः दस घंटे पहले हुई होगी।
"हम्म, इससे आधी रात से लेकर सुबह 3 बजे के बीच का समय तय हो जाता है।"

"बिल्कुल सही, और मैडम रेनॉल्ड के साक्ष्य के अनुसार यह घटना रात 2 बजे के बाद हुई थी, जिससे संभावना और भी कम हो जाती है। मृत्यु तात्कालिक रही होगी, और स्वाभाविक रूप से स्वयं को नुकसान पहुँचाने वाली नहीं हो सकती थी।"
पोइरोट ने सिर हिलाया, और रसद कर्मचारी ने अपना काम फिर से शुरू किया:
“भयभीत नौकरों ने मैडम रेनॉल्ड को जल्दी से उन रस्सियों से मुक्त किया जिनसे वे बंधी हुई थीं। वे बेहद कमजोर थीं, बंधनों के दर्द से लगभग बेहोश थीं। ऐसा प्रतीत होता है कि दो नकाबपोश आदमी शयनकक्ष में घुस आए, उनका मुंह बंद कर दिया और उन्हें बांध दिया, जबकि उनके पति का जबरन अपहरण कर लिया। यह जानकारी हमें नौकरों से मिली है। दुखद खबर सुनते ही वे तुरंत अत्यधिक घबराहट की स्थिति में आ गईं। डॉक्टर डूरंड के आने पर, उन्होंने तुरंत उन्हें एक शामक दवा दी, और हम अभी तक उनसे पूछताछ नहीं कर पाए हैं। लेकिन हमें पूरा विश्वास है कि वे होश में आने पर अधिक शांत होंगी और पूछताछ का सामना करने में सक्षम होंगी।”
स्टोर मालिक थोड़ी देर रुका।
“और घर के निवासी, महोदय?”
“यहाँ बूढ़ी फ्रांस्वा हैं, जो घर की नौकरानी हैं। वे विला जेनेवीव के पूर्व मालिकों के साथ कई वर्षों तक रहीं। फिर दो युवा बहनें हैं, डेनिस और लियोनी औलार्ड। उनका घर मर्लिनविले में है और वे अत्यंत सम्मानित माता-पिता की संतान हैं। फिर एक ड्राइवर है जिसे श्री रेनॉल्ड इंग्लैंड से अपने साथ लाए थे, लेकिन वह छुट्टी पर है। अंत में, मैडम रेनॉल्ड और उनके बेटे श्री जैक रेनॉल्ड हैं। वह भी इस समय घर से दूर हैं।”
पोइरोट ने अपना सिर झुकाया। एम. हाउटेट बोले:
“मार्चैंड!”
सार्जेंट डी विले प्रकट हुआ।
"फ्रांकोइस नाम की महिला को अंदर लाओ।"
उस आदमी ने सलाम किया और गायब हो गया। एक-दो पल में वह डरी हुई फ्रांस्वा को साथ लेकर लौटा।
“आपका नाम फ्रांस्वा अरिचेट है?”
"जी श्रीमान।"
“आप विला जेनेवीव में लंबे समय से सेवा कर रहे हैं?”
“मैडम ला विस्काउंटेस के साथ ग्यारह साल बिताए। फिर जब उन्होंने इस वसंत में विला बेच दिया, तो मैंने अंग्रेज मिलोर के साथ रहने के लिए सहमति दे दी। मैंने कभी कल्पना भी नहीं की थी कि—”
मजिस्ट्रेट ने उसकी बात बीच में ही काट दी।
“निस्संदेह, निस्संदेह। अब, फ्रांस्वा, इस मुख्य द्वार के मामले में, रात में इसे बंद करने का काम किसका था?”
“मेरा, महोदय। मैंने हमेशा खुद ही इसका ध्यान रखा।”
और कल रात?

मैंने इसे हमेशा की तरह बांध दिया।
“क्या आपको इस बात का पूरा यकीन है?”
“मैं परम पूज्य संतों की कसम खाता हूँ, महोदय।”
"उस समय क्या समय होगा?"
"हमेशा की तरह उसी समय, साढ़े दस बजे, महोदय।"
"घर के बाकी लोग कहाँ हैं, क्या वे सोने चले गए हैं?"
“मैडम कुछ समय पहले सेवानिवृत्त हो चुकी थीं। डेनिस और लियोनी मेरे साथ ऊपर गईं। महाशय अभी भी अपने अध्ययन कक्ष में थे।”
"तो, अगर बाद में किसी ने दरवाजा खोला होगा, तो वह निश्चित रूप से एम. रेनॉल्ड ही रहे होंगे?"
फ्रांस्वा ने अपने चौड़े कंधों को उचका दिया।
“वह ऐसा क्यों करेगा? हर मिनट लुटेरे और हत्यारे आते-जाते रहते हैं! बढ़िया विचार! महाशय कोई मूर्ख नहीं थे। ऐसा तो था नहीं कि उन्हें उस महिला को बाहर जाने देना ही पड़ा हो—”
मजिस्ट्रेट ने तीखी आवाज में हस्तक्षेप किया:
“Cette dame? आपका मतलब किस महिला से है?”
"अरे, वो महिला जो उनसे मिलने आई थी।"
क्या उस शाम कोई महिला उनसे मिलने आई थी?
"जी हां, महोदय—और कई अन्य शामों में भी।"
“वह कौन थी? क्या आप उसे जानते थे?”
उस महिला के चेहरे पर एक धूर्तता भरी मुस्कान फैल गई। "मुझे कैसे पता चलेगा कि वह कौन थी?" उसने बुदबुदाते हुए कहा। "मैंने उसे कल रात अंदर नहीं आने दिया था।"
“अहा!” जांच मजिस्ट्रेट ने मेज पर हाथ पटकते हुए दहाड़ लगाई। “तुम पुलिस से खिलवाड़ करोगे, है ना? मैं मांग करता हूं कि तुम मुझे तुरंत उस महिला का नाम बताओ जो शाम को एम. रेनॉल्ड से मिलने आती थी।”
“पुलिस—पुलिस,” फ्रांस्वा ने बड़बड़ाते हुए कहा। “मैंने कभी सोचा भी नहीं था कि मेरा पुलिस से कोई वास्ता पड़ेगा। लेकिन मैं उसे अच्छी तरह जानती हूँ। वो मैडम डाउब्रूइल थीं।”
रसद कर्मचारी ने विस्मयबोध व्यक्त किया और पूरी तरह से आश्चर्यचकित होकर आगे की ओर झुक गया।
“मैडम डाउब्रूइल—क्या वो विला मार्गुराइट से हैं जो यहीं पास में है?”
“मैंने यही कहा था, महोदय। अरे वाह, वह तो बहुत सुंदर है!” बुढ़िया ने तिरस्कारपूर्वक अपना सिर हिलाया।
“मैडम डाउब्रूइल,” कमिश्नर ने धीमी आवाज़ में कहा। “असंभव।”
“लो,” फ्रांस्वा ने बड़बड़ाते हुए कहा। “सच बोलने का यही नतीजा मिलता है।”
“बिल्कुल नहीं,” जांच मजिस्ट्रेट ने शांत भाव से कहा। “हम बस हैरान थे, बस इतना ही। मैडम डाउब्रूइल और श्री रेनॉल्ड, वे—” वे थोड़ी देर रुके। “क्या? क्या यही बात थी?”

“मुझे कैसे पता चलेगा? लेकिन आपको क्या पता? महोदय, वह तो अंग्रेज़ों के चहेते थे—बहुत अमीर—और मैडम डाउब्रूइल, वह तो गरीब थीं—लेकिन अपनी बेटी के साथ इतनी शांति से रहने के बावजूद बहुत ही सलीकेदार थीं। इसमें कोई शक नहीं, उनका भी एक अतीत रहा है! वह अब जवान नहीं हैं, लेकिन हे भगवान! मैंने, जो आपसे बात कर रही हूँ, उन्हें गली में चलते हुए पुरुषों की निगाहें अपनी ओर मुड़ते हुए देखी हैं। इसके अलावा, आजकल उनके पास खर्च करने के लिए ज़्यादा पैसे हैं—पूरा शहर यह जानता है। उनकी छोटी-मोटी बचतें अब खत्म हो चुकी हैं।” और फ्रांस्वा ने अटल विश्वास के साथ अपना सिर हिलाया।
एम. हौटेट ने चिंतनशील भाव से अपनी दाढ़ी सहलाई।
“और मैडम रेनॉल्ड?” उन्होंने काफी देर बाद पूछा। “उन्होंने इस दोस्ती को कैसे लिया?”
फ्रांस्वा ने अपने कंधे उचका दिए।
“वह हमेशा बेहद मिलनसार और विनम्र थीं। ऐसा लगता था मानो उन्हें किसी बात का शक ही नहीं था। लेकिन फिर भी, क्या ऐसा नहीं है कि दिल को तकलीफ नहीं होती, महोदय? मैंने दिन-ब-दिन मैडम को पीला और दुबला होते देखा है। वह वैसी महिला नहीं रहीं जो एक महीने पहले यहाँ आई थीं। महोदय भी बदल गए हैं। उन्हें भी चिंता होने लगी है। साफ दिख रहा था कि वे मानसिक रूप से बहुत परेशान थे। और भला इसमें आश्चर्य की क्या बात है, जब उनका रिश्ता इतने सलीके से चल रहा हो? कोई संकोच नहीं, कोई सावधानी नहीं। बेशक, उनका अंदाज़ बिल्कुल अंग्रेज़ी जैसा था!”
मैं गुस्से से अपनी सीट पर उछल पड़ा, लेकिन जांच करने वाले मजिस्ट्रेट बिना किसी बाहरी मुद्दे से विचलित हुए अपने प्रश्न पूछते रहे।
“आपका कहना है कि एम. रेनॉल्ड को मैडम डाउब्रूइल को बाहर नहीं जाने देना चाहिए था? क्या वह चली गई थीं?”
"जी हां, महोदय। मैंने उन्हें अध्ययन कक्ष से बाहर आते और दरवाजे की ओर जाते सुना। महोदय ने शुभ रात्रि कहा और उनके पीछे दरवाजा बंद कर दिया।"
“उस समय क्या समय हुआ था?”
"महोदय, लगभग दस बजकर पच्चीस मिनट पर।"
"क्या आपको पता है कि एम. रेनॉल्ड कब सोने गए थे?"
“हमारे आने के लगभग दस मिनट बाद मैंने उसे आते सुना। सीढ़ियाँ इतनी चरमराती हैं कि ऊपर-नीचे जाने वाले हर व्यक्ति की आवाज़ सुनाई देती है।”
“बस इतना ही? रात भर आपको किसी तरह की गड़बड़ी की आवाज नहीं सुनाई दी?”
"कुछ भी नहीं, महोदय।"
सुबह सबसे पहले कौन सा नौकर नीचे आया?
“जी हां, महोदय। मैंने तुरंत देखा कि दरवाजा खुल गया।”
"नीचे की मंजिल की बाकी खिड़कियों का क्या हुआ, क्या वे सभी ठीक से बंद थीं?"

“उनमें से हर एक। कहीं भी कुछ भी संदिग्ध या असामान्य नहीं था।”
"अच्छा, फ्रांस्वा, तुम जा सकती हो।"
बुजुर्ग महिला धीरे-धीरे दरवाजे की ओर बढ़ी। दहलीज पर पहुँचकर उसने पीछे मुड़कर देखा।
“महाशय, मैं आपको एक बात बता दूँ। वह मैडम डाउब्रूइल बहुत बुरी औरत है! हाँ, एक औरत दूसरी औरत के बारे में जानती है। वह बुरी औरत है, याद रखना।” और समझदारी से सिर हिलाते हुए फ्रांस्वा कमरे से चली गई।
मजिस्ट्रेट ने "लियोनी औलार्ड" कहकर पुकारा।
लियोनी आँसुओं में डूबी हुई और हिस्टीरिया जैसी स्थिति में दिखाई दी। एम. हाउटेट ने बड़ी कुशलता से उससे पूछताछ की। उसका बयान मुख्य रूप से उसकी मालकिन के मुँह पर पट्टी बाँधे जाने और बंधे होने की घटना से संबंधित था, जिसका उसने कुछ बढ़ा-चढ़ाकर वर्णन किया। फ्रांस्वा की तरह उसने भी रात भर कुछ नहीं सुना था।
उनकी बहन डेनिस ने उनका स्थान लिया। उन्होंने भी इस बात से सहमति जताई कि उनके स्वामी में हाल के दिनों में काफी बदलाव आया था।
“दिन-ब-दिन वो और भी उदास होता जा रहा था। वो कम खाने लगा। वो हमेशा उदास रहता था।” लेकिन डेनिस की अपनी एक अलग ही थ्योरी थी। “इसमें कोई शक नहीं कि उसके पीछे माफिया लगा हुआ था! दो नकाबपोश आदमी—और कौन हो सकता था? कितना भयानक समाज है वो!”
“बिल्कुल संभव है,” मजिस्ट्रेट ने सहजता से कहा। “अब, मेरी बेटी, क्या कल रात तुमने ही मैडम डाउब्रूइल को घर में प्रवेश दिया था?”
"कल रात नहीं, महोदय, उससे पिछली रात।"
"लेकिन फ्रांस्वा ने अभी-अभी हमें बताया है कि मैडम डाउब्रूइल कल रात यहाँ थीं?"
"नहीं, महोदय। कल रात एक महिला एम. रेनॉल्ड से मिलने आई थी, लेकिन वह मैडम डाउब्रूइल नहीं थीं।"
आश्चर्यचकित होकर मजिस्ट्रेट ने जोर देकर कहा, लेकिन लड़की अपनी बात पर अड़ी रही। वह मैडम डाउब्रूइल को चेहरे से ही पहचानती थी। यह महिला भी सांवली थी, लेकिन कद में छोटी और उम्र में काफी कम थी। कोई भी बात उसके बयान को हिला नहीं सकती थी।
"क्या आपने इस महिला को पहले कभी देखा था?"
“बिल्कुल नहीं, महोदय।” और फिर लड़की ने संकोच से कहा: “लेकिन मुझे लगता है कि वह अंग्रेज़ थी।”
"अंग्रेज़ी?"
जी हां, महोदय। उन्होंने काफी अच्छी फ्रेंच में एम. रेनॉल्ड के बारे में पूछा, लेकिन लहजा—कोई भी उसे पहचान सकता है, है ना? इसके अलावा, जब वे अध्ययन कक्ष से बाहर आए तो वे अंग्रेजी में बात कर रहे थे।
“क्या तुमने सुना उन्होंने क्या कहा? मेरा मतलब है, क्या तुम उसे समझ पाए?”

“मैं तो बहुत अच्छी अंग्रेजी बोलती हूँ,” डेनिस ने गर्व से कहा। “वह महिला इतनी तेज़ी से बोल रही थी कि मैं उसकी बात पूरी तरह समझ नहीं पाई, लेकिन जब महाशय ने उसके लिए दरवाज़ा खोला तो मैंने उनके आखिरी शब्द सुने।” वह थोड़ी देर रुकी, और फिर सावधानीपूर्वक और मेहनत से दोहराया:
"'हाँ-हाँ-बट गौड की खातिर जाओ!'"
“जी हां, लेकिन भगवान के लिए अभी जाओ!” मजिस्ट्रेट ने दोहराया।
उन्होंने डेनिस को विदा किया और कुछ पल सोचने के बाद फ्रांस्वा को वापस बुलाया। उन्होंने उससे पूछा कि क्या उसने मैडम डाउब्रूइल के आने की रात तय करने में कोई गलती तो नहीं की? हालाँकि, फ्रांस्वा अप्रत्याशित रूप से अड़ियल निकली। मैडम डाउब्रूइल कल रात ही आई थीं। निस्संदेह वही थीं। डेनिस खुद को दिलचस्प बनाना चाहती थी, और बस! इसलिए उसने एक अजनबी महिला के बारे में यह मनगढ़ंत कहानी बना ली। अपनी अंग्रेज़ी की जानकारी का भी प्रदर्शन किया! शायद महाशय ने वह वाक्य अंग्रेज़ी में कभी बोला ही नहीं था, और अगर बोला भी होता, तो इससे कुछ साबित नहीं होता, क्योंकि मैडम डाउब्रूइल बिल्कुल सही अंग्रेज़ी बोलती थीं, और आम तौर पर महाशय और मैडम रेनॉल्ड से बात करते समय उसी भाषा का प्रयोग करती थीं। "देखिए, महाशय के पुत्र, श्री जैक, अक्सर यहाँ आते थे, और वे बहुत ही खराब फ्रेंच बोलते थे।"
मजिस्ट्रेट ने इस पर जोर नहीं दिया। इसके बजाय उन्होंने ड्राइवर के बारे में पूछताछ की और पता चला कि कल ही एम. रेनॉल्ड ने कहा था कि उनके कार का इस्तेमाल करने की संभावना नहीं है, और मास्टर्स चाहें तो छुट्टी ले सकते हैं।
पोइरोट की आंखों के बीच उलझन भरी शिकन उभरने लगी थी।
मैंने फुसफुसाते हुए पूछा, "क्या बात है?"
उसने अधीरता से अपना सिर हिलाया और एक सवाल पूछा:
"माफ़ कीजिए, एम. बेक्स, लेकिन क्या एम. रेनॉल्ड खुद कार चला सकते हैं?"
कमिश्नर ने फ्रांस्वा की ओर देखा, और बूढ़ी औरत ने तुरंत जवाब दिया:
"नहीं, महाशय ने स्वयं गाड़ी नहीं चलाई।"
पोइरोट के माथे पर शिकन और गहरी हो गई।
मैंने अधीरता से कहा, "काश आप मुझे बता देते कि आपको क्या परेशान कर रहा है।"
“क्या आप मुझे नहीं देख रहे हैं? अपने पत्र में श्री रेनॉल्ड ने मेरे लिए कार को कैलिस भेजने का जिक्र किया है।”
"शायद उनका मतलब किराए की कार से था," मैंने सुझाव दिया।
“निस्संदेह यही बात है। लेकिन जब आपके पास अपनी गाड़ी है तो किराए पर लेने की क्या ज़रूरत है? कल ही अचानक, बिना किसी सूचना के ड्राइवर को छुट्टी पर क्यों भेज दिया? क्या किसी कारणवश वह हमारे पहुँचने से पहले उसे रास्ते से हटाना चाहता था?”

4

बेला द्वारा हस्ताक्षरित पत्र

फ्रांस्वा कमरे से बाहर जा चुकी थी। मजिस्ट्रेट सोच-विचार करते हुए मेज पर थपथपा रहे थे।
“श्रीमान बेक्स,” उन्होंने विस्तार से कहा, “यहाँ हमारे पास सीधे तौर पर परस्पर विरोधी गवाहियाँ हैं। हमें किस पर विश्वास करना चाहिए, फ्रांस्वा पर या डेनिस पर?”
“डेनिसे,” कमिश्नर ने दृढ़ता से कहा। “उसी ने आगंतुक को अंदर आने दिया। फ्रांस्वा बूढ़ी और जिद्दी है, और जाहिर तौर पर उसे मैडम डाउब्रूइल नापसंद है। इसके अलावा, हमारी जानकारी से पता चलता है कि रेनॉल्ड किसी दूसरी महिला के साथ संबंध में उलझा हुआ था।”
“अरे!” एम. हाउटेट चिल्लाए। “हम एम. पोइरोट को यह बताना भूल गए थे।” उन्होंने मेज पर रखे कागजों में खोजबीन की और अंत में वह कागज मेरे मित्र को दे दिया जिसकी उन्हें तलाश थी। “एम. पोइरोट, यह पत्र हमें मृत व्यक्ति के ओवरकोट की जेब में मिला।”
पोइरोट ने उसे लिया और खोला। वह कुछ हद तक घिसा-पिटा और टूटा हुआ था, और उस पर अंग्रेजी में कुछ अव्यवस्थित लिखावट में लिखा हुआ था:

"मेरे प्रिय:"
आपने इतने दिनों से पत्र क्यों नहीं लिखा? आप अब भी मुझसे प्यार करते हैं, है ना? आपके पत्र आजकल बहुत अलग, ठंडे और अजीब से हो गए हैं, और अब यह लंबी चुप्पी। इससे मुझे डर लगता है। कहीं आप मुझसे प्यार करना ही न छोड़ दें! लेकिन यह असंभव है—मैं कितनी नासमझ बच्ची हूँ—हमेशा कल्पनाएँ करती रहती हूँ! लेकिन अगर आपने मुझसे प्यार करना छोड़ दिया, तो मुझे नहीं पता कि मैं क्या करूँगी—शायद खुदकुशी कर लूँगी! मैं आपके बिना जी नहीं सकती। कभी-कभी मुझे लगता है कि कोई दूसरी औरत हमारे बीच आ रही है। उसे सावधान रहना चाहिए, बस इतना ही—और आपको भी! मैं आपको मार डालना ज़्यादा पसंद करूँगी बजाय इसके कि वह आपको ले जाए! मैं सच कह रही हूँ।
लेकिन वहां, मैं बेतुकी बातें लिख रहा हूँ। आपको पसंद है
मैं, और मैं तुमसे प्यार करता हूँ—हाँ, तुमसे प्यार करता हूँ, तुमसे प्यार करता हूँ, तुमसे प्यार करता हूँ!
“आपकी अपनी ही श्रद्धा
“बेला।”

उसमें न तो पता था और न ही तारीख। पोइरोट ने गंभीर चेहरे के साथ उसे वापस कर दिया।
और धारणा यह है, श्रीमान न्यायाधीश—?
जांच अधिकारी ने अपने कंधे उचका दिए।
“ज़ाहिर है, मिस्टर रेनॉल्ड का इस अंग्रेज़ महिला बेला से नाता था। वह यहाँ आता है, मैडम डाउब्रूइल से मिलता है और उसके साथ साज़िश रचने लगता है। बाद में उसका व्यवहार बदल जाता है और बेला को तुरंत शक हो जाता है। इस पत्र में एक स्पष्ट धमकी है। मिस्टर पोइरोट, पहली नज़र में तो मामला बेहद सीधा-सादा लग रहा था। ईर्ष्या! मिस्टर रेनॉल्ड को पीठ में छुरा घोंपा जाना इस बात की ओर स्पष्ट इशारा करता है कि यह किसी महिला का अपराध था।”
पोइरोट ने सिर हिलाया।
“पीठ में छुरा घोंपा गया, हाँ—लेकिन कब्र नहीं! वह श्रमसाध्य कार्य था, कठिन परिश्रम था—महाशय, उस कब्र को किसी महिला ने नहीं खोदा था। वह एक पुरुष का काम था।”
स्टोर के कर्मचारी ने उत्साह से कहा: "जी हां, आप सही कह रहे हैं। हमने इस बारे में सोचा ही नहीं था।"
“जैसा कि मैंने कहा,” एम. हाउटेट ने आगे कहा, “पहली नज़र में मामला सीधा-सादा लग रहा था, लेकिन नकाबपोश लोगों और एम. रेनॉल्ड से आपको मिले पत्र ने मामले को और जटिल बना दिया है। यहाँ परिस्थितियाँ बिल्कुल अलग हैं, और दोनों का आपस में कोई संबंध नहीं है। जहाँ तक आपको लिखे गए पत्र की बात है, क्या आपको लगता है कि उसमें किसी तरह से इस ‘बेला’ और उसकी धमकियों का ज़िक्र हो सकता है?”
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
"बिल्कुल नहीं। एम. रेनॉल्ड जैसा व्यक्ति, जिसने दूरदराज के इलाकों में साहसिक जीवन व्यतीत किया है, किसी महिला से सुरक्षा की गुहार नहीं लगाएगा।"
जांच मजिस्ट्रेट ने जोर से सिर हिलाया।
“मेरी भी यही राय है। तो फिर हमें पत्र की व्याख्या ढूंढनी होगी—”
“सैंटियागो में,” कमिश्नर ने बात समाप्त की। “मैं तुरंत उस शहर की पुलिस को तार भेजूंगा, जिसमें मैं वहां मारे गए व्यक्ति के जीवन, उसके प्रेम संबंधों, व्यापारिक लेन-देन, मित्रता और उसके किसी भी प्रतिकार के बारे में पूरी जानकारी मांगूंगा। अगर इसके बाद भी हमें उसकी रहस्यमय हत्या का कोई सुराग नहीं मिलता है, तो यह बहुत अजीब होगा।”
स्टोर के कर्मचारी ने स्वीकृति के लिए चारों ओर देखा।
"उत्कृष्ट," पोइरोट ने प्रशंसा करते हुए कहा।
मजिस्ट्रेट ने आगे कहा, "उनकी पत्नी भी हमें कुछ सुराग दे सकती हैं।"
"क्या आपको एम. रेनॉल्ड के सामान में बेला के कोई अन्य पत्र नहीं मिले?" पोइरोट ने पूछा।

“नहीं। बेशक, हमारी पहली कार्रवाई में से एक अध्ययन कक्ष में उनके निजी कागजात की तलाशी लेना था। हालाँकि, हमें कुछ भी दिलचस्प नहीं मिला। सब कुछ ठीक-ठाक और वैध प्रतीत हुआ। एकमात्र असामान्य बात उनकी वसीयत थी। यह रही।”
पोइरोट ने दस्तावेज़ को सरसरी तौर पर पढ़ा।
“तो, श्री स्टोनर को एक हजार पाउंड की विरासत मिली है—वैसे, वो कौन हैं?”
“एम. रेनॉल्ड के सचिव। वे इंग्लैंड में ही रहे, लेकिन सप्ताहांत में एक-दो बार यहाँ आए थे।”
“और बाकी सब कुछ बिना शर्त उनकी प्रिय पत्नी एलोइस को दे दिया गया। सरल शब्दों में लिखा गया, लेकिन पूरी तरह से कानूनी। डेनिस और फ्रांस्वा, दोनों नौकरानियों ने इस पर गवाही दी। इसमें कुछ भी असामान्य नहीं है।” उन्होंने इसे वापस कर दिया।
“शायद,” बेक्स ने कहना शुरू किया, “आपने ध्यान नहीं दिया—”
“तारीख?” पोइरोट ने मुस्कुराते हुए पूछा। “हाँ, मैंने इस पर ध्यान दिया था। दो हफ्ते पहले। शायद यह खतरे के प्रति उसका पहला आभास था। कई अमीर लोग अपनी मृत्यु की संभावना पर विचार न करने के कारण बिना वसीयत बनाए मर जाते हैं। लेकिन जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालना खतरनाक है। हालांकि, यह इस बात की ओर इशारा करता है कि अपने प्रेम प्रसंगों के बावजूद, वह अपनी पत्नी को सचमुच पसंद करता था और उससे स्नेह रखता था।”
“हाँ,” एम. हौटेट ने संशयपूर्वक कहा। “लेकिन यह शायद उनके बेटे के लिए थोड़ा अन्यायपूर्ण होगा, क्योंकि इससे वह पूरी तरह अपनी माँ पर निर्भर हो जाएगा। अगर वह दोबारा शादी कर ले और उसका दूसरा पति उस पर प्रभुत्व हासिल कर ले, तो यह लड़का अपने पिता की संपत्ति का एक पैसा भी कभी नहीं छू पाएगा।”
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
“मनुष्य एक घमंडी प्राणी है। श्री रेनॉल्ड ने निःसंदेह यह सोच लिया होगा कि उनकी विधवा कभी दोबारा शादी नहीं करेगी। जहाँ तक बेटे की बात है, उसकी माँ के हाथों में पैसा छोड़ना शायद एक समझदारी भरा कदम था। धनवानों के बेटे कहावत के अनुसार बेलगाम होते हैं।”
“शायद यह वैसा ही हो जैसा आप कह रहे हैं। अब, एम. पोइरोट, आप निस्संदेह अपराध स्थल का दौरा करना चाहेंगे। मुझे खेद है कि शव को हटा दिया गया है, लेकिन निश्चित रूप से हर संभव कोण से तस्वीरें ली गई हैं, और जैसे ही वे उपलब्ध होंगी, आपको सौंप दी जाएंगी।”
"महामहिम, आपकी सभी शिष्टाचार के लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ।"
रसद कर्मचारी उठ खड़ा हुआ।
"मेरे साथ आइए, महोदय।"
उसने दरवाजा खोला और पोइरोट को आगे जाने के लिए औपचारिक रूप से झुककर प्रणाम किया। पोइरोट ने भी उतनी ही विनम्रता से पीछे हटकर कमिश्नर को झुककर प्रणाम किया।
"महोदय।"

"महोदय।"
अंततः वे हॉल में बाहर निकल आए।
"वो कमरा, क्या वो अध्ययन कक्ष है?" पोइरोट ने अचानक सामने वाले दरवाजे की ओर इशारा करते हुए पूछा।
“जी हाँ। आप इसे देखना चाहेंगे?” बोलते ही उसने दरवाजा खोल दिया और हम अंदर चले गए।
एम. रेनॉल्ड ने अपने निजी उपयोग के लिए जो कमरा चुना था, वह छोटा था, लेकिन बड़े ही सुरुचिपूर्ण और आरामदायक ढंग से सजाया गया था। खिड़की के पास एक औपचारिक लेखन डेस्क थी, जिसमें कई खाने बने हुए थे। चिमनी के सामने चमड़े से ढकी दो बड़ी आरामकुर्सियाँ थीं, और उनके बीच नवीनतम पुस्तकों और पत्रिकाओं से भरी एक गोल मेज थी। दो दीवारों पर किताबों की अलमारियाँ लगी थीं, और कमरे के उस छोर पर, जो खिड़की के ठीक सामने था, एक सुंदर ओक की साइडबोर्ड थी जिसके ऊपर एक सजावटी आकृति बनी हुई थी। पर्दे और पोर्टियर हल्के हरे रंग के थे, और कालीन का रंग भी उनसे मेल खाता था।
पोइरोट कुछ क्षण कमरे में खड़े होकर बातें करते रहे, फिर आगे बढ़े, चमड़े की कुर्सियों की पीठ पर हल्के से हाथ फेरा, मेज से एक पत्रिका उठाई और ओक की साइडबोर्ड की सतह पर धीरे से उंगली फेर दी। उनके चेहरे पर पूर्ण स्वीकृति के भाव थे।
मैंने मुस्कुराते हुए पूछा, "धूल तो नहीं है?"
वह मेरी ओर देखकर मुस्कुराया, मानो मेरी उसकी विशिष्टताओं के बारे में जानकारी की सराहना कर रहा हो।
“बिल्कुल नहीं, मेरे दोस्त! और शायद इस बार यह अफसोस की बात है।”
उसकी चिड़िया जैसी तेज आंखें इधर-उधर दौड़ रही थीं।
“आह!” उसने अचानक राहत भरी आवाज़ में कहा। “चूल्हे के पास की चटाई टेढ़ी हो गई है,” और वह उसे सीधा करने के लिए नीचे झुक गया।
अचानक उसने एक विस्मयबोध व्यक्त किया और उठ खड़ा हुआ। उसके हाथ में कागज का एक छोटा सा टुकड़ा था।
उन्होंने टिप्पणी की, "फ्रांस में भी, इंग्लैंड की तरह, नौकर चटाइयों के नीचे झाड़ू लगाना भूल जाते हैं!"
बेक्स ने उससे वह टुकड़ा ले लिया, और मैं उसे ध्यान से देखने के लिए उसके करीब गया।
"तुम इसे पहचानते हो ना, हेस्टिंग्स?"
मैंने हैरानी से अपना सिर हिलाया—और फिर भी गुलाबी रंग के कागज का वह विशेष शेड मुझे बहुत जाना-पहचाना लगा।
कैंटीन कर्मचारी की सोचने-समझने की प्रक्रिया मेरी तुलना में कहीं अधिक तेज थी।
“चेक का एक टुकड़ा,” उसने हैरानी से कहा।
कागज का टुकड़ा लगभग दो इंच चौकोर था। उस पर स्याही से "डुवीन" शब्द लिखा हुआ था।

“ठीक है,” बेक्स ने कहा। “यह चेक डुवीन नाम के व्यक्ति को देय था, या उसके द्वारा जारी किया गया था।”
"मुझे लगता है कि पहला वाला ही सही है," पोइरोट ने कहा, "क्योंकि अगर मैं गलत नहीं हूं, तो लिखावट एम. रेनॉल्ड की है।"
डेस्क से प्राप्त एक ज्ञापन से तुलना करने पर यह बात शीघ्र ही सिद्ध हो गई।
“हे भगवान,” रसद कर्मचारी ने हताश स्वर में बुदबुदाते हुए कहा, “मैं सचमुच समझ नहीं पा रहा हूँ कि मुझसे यह कैसे छूट गया।”
पोइरोट हँस पड़ा।
“इसका सबक यह है कि हमेशा चटाइयों के नीचे देखो! मेरे दोस्त हेस्टिंग्स आपको बताएंगे कि ज़रा सी भी टेढ़ी चीज़ मेरे लिए मुसीबत होती है। जैसे ही मैंने देखा कि चूल्हे की चटाई सीधी नहीं है, मैंने मन ही मन कहा: ‘अरे! कुर्सी का पैर पीछे धकेलते समय उसमें फंस गया होगा। शायद उसके नीचे कुछ हो जिसे अच्छी फ्रांस्वा ने नज़रअंदाज़ कर दिया हो।’”
“फ्रांकोइस?”
“या डेनिस, या लियोनी। जिसने भी यह कमरा साफ किया हो। चूंकि यहाँ धूल नहीं है, इसलिए कमरा आज सुबह ही साफ किया गया होगा। मैं घटना का कुछ इस तरह से अनुमान लगाता हूँ। कल, शायद पिछली रात, श्री रेनॉल्ड ने डुवीन नाम के किसी व्यक्ति के नाम पर एक चेक जारी किया। बाद में उसे फाड़कर फर्श पर बिखेर दिया गया। आज सुबह—” लेकिन श्री बेक्स पहले ही बेचैनी से घंटी बजा रहे थे।
फ्रांस्वा ने जवाब दिया। हाँ, फर्श पर कागज के बहुत सारे टुकड़े पड़े थे। उसने उनका क्या किया? ज़ाहिर है, रसोई के चूल्हे में डाल दिया होगा! और क्या?
निराशा भरे भाव से बेक्स ने उसे विदा कर दिया। फिर, उसका चेहरा खिल उठा और वह डेस्क की ओर भागा। एक मिनट में ही वह मृत व्यक्ति की चेक बुक में चेक ढूंढने लगा। फिर उसने वही पुरानी हरकत दोहराई। आखिरी पर्ची खाली थी।
“हिम्मत रखो!” पोइरोट ने उसकी पीठ थपथपाते हुए कहा। “निस्संदेह, मैडम रेनॉल्ड हमें डुवीन नाम के इस रहस्यमय व्यक्ति के बारे में सब कुछ बता पाएंगी।”
स्टोर के कर्मचारी का चेहरा साफ हो गया। “यह सच है। चलिए आगे बढ़ते हैं।”
जैसे ही हम कमरे से बाहर निकलने के लिए मुड़े, पोइरोट ने लापरवाही से कहा: "कल रात यहीं पर एम. रेनॉल्ड ने अपने मेहमान का स्वागत किया था, है ना?"
“हाँ, ऐसा ही था—लेकिन आपको कैसे पता चला?”
“इस तरह। मुझे यह चमड़े की कुर्सी के पीछे मिला।”
और उसने अपनी उंगली और अंगूठे के बीच एक लंबा काला बाल उठाया—एक महिला का बाल!
एम. बेक्स हमें घर के पीछे वाले हिस्से में ले गए जहाँ घर से सटा हुआ एक छोटा सा शेड था। उन्होंने अपनी जेब से चाबी निकाली और उसे खोला।

“शव यहीं है। आपके आने से ठीक पहले हमने इसे घटनास्थल से हटा दिया था, क्योंकि फोटोग्राफरों ने भी इसे हटा दिया था।”
उसने दरवाजा खोला और हम अंदर चले गए। मृत व्यक्ति जमीन पर पड़ा था, उसके ऊपर एक चादर थी। एम. बेक्स ने फुर्ती से चादर हटा दी। रेनॉल्ड मध्यम कद का, दुबला-पतला और फुर्तीला आदमी था। वह लगभग पचास वर्ष का लग रहा था, और उसके काले बालों में काफी सफेदी थी। उसकी दाढ़ी साफ थी, लंबी पतली नाक थी, आंखें एक-दूसरे के काफी करीब थीं, और उसकी त्वचा गहरे कांस्य रंग की थी, मानो उसने अपना अधिकांश जीवन उष्णकटिबंधीय आकाश के नीचे बिताया हो। उसके होंठ दांतों से पीछे हटे हुए थे और उसके पीले पड़े चेहरे पर घोर आश्चर्य और भय के भाव स्पष्ट थे।
"उसके चेहरे से ही पता चलता है कि उसे पीठ में छुरा घोंपा गया था," पोइरोट ने टिप्पणी की।
उसने बड़ी नरमी से मृत व्यक्ति को पलटा। कंधों के बीचोंबीच, हल्के भूरे रंग के ओवरकोट पर एक गोल गहरा धब्बा था। उसके बीचोंबीच कपड़े में एक चीरा था। पोइरोट ने उसे गौर से देखा।
"क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि अपराध किस हथियार से किया गया था?"
“यह घाव में ही रह गया था।” रसद कर्मचारी ने एक बड़े कांच के जार में हाथ डाला। उसमें एक छोटी सी वस्तु थी जो मुझे कागज काटने वाले चाकू जैसी लग रही थी। उसका हैंडल काला था और ब्लेड पतला और चमकदार था। पूरी वस्तु दस इंच से अधिक लंबी नहीं थी। पोइरोट ने अपनी उंगली के सिरे से उस फीके पड़े नुकीले हिस्से को धीरे से छुआ।
“अरे बाप रे! ये तो बहुत तेज़ है! हत्या के लिए एक बढ़िया और आसान सा औजार!”
"दुर्भाग्यवश, हमें इस पर उंगलियों के निशान का कोई सुराग नहीं मिला," बेक्स ने अफसोस जताते हुए कहा। "हत्यारे ने दस्ताने पहने होंगे।"
“बेशक उसने किया होगा,” पोइरोट ने तिरस्कार भरे लहजे में कहा। “सैंटियागो में भी उन्हें इसके लिए काफी जानकारी है। अंग्रेजी मीस का सबसे अनाड़ी भी इसे जानता है— प्रेस में बर्टिलॉन प्रणाली को मिली पब्लिसिटी की बदौलत। फिर भी, मुझे इस बात में बहुत दिलचस्पी है कि वहाँ कोई फिंगरप्रिंट नहीं मिले। किसी और के फिंगरप्रिंट छोड़ना कितना आसान है! और फिर पुलिस खुश हो जाती है।” उसने अपना सिर हिलाया। “मुझे बहुत डर है कि हमारा अपराधी योजनाबद्ध तरीके से काम नहीं करता—या तो ऐसा है या फिर उसके पास समय की कमी थी। लेकिन देखते हैं क्या होता है।”
उसने शव को वापस उसकी मूल स्थिति में गिरने दिया।
"मुझे लगता है कि उसने अपने ओवरकोट के नीचे केवल अंतर्वस्त्र पहन रखे थे," उसने टिप्पणी की।
"हां, जांच मजिस्ट्रेट का मानना है कि यह एक विचित्र मुद्दा है।"
ठीक उसी क्षण दरवाजे पर दस्तक हुई, जिसे बेक्स ने अपने पीछे बंद कर दिया था। वह आगे बढ़ा और दरवाजा खोला। वहाँ फ्रांस्वा थी। उसने भयावह जिज्ञासा से अंदर झाँकने का प्रयास किया।
"तो फिर बात क्या है?" बेक्स ने बेसब्री से पूछा।

"महोदया, उन्होंने संदेश भेजा है कि वे काफी हद तक स्वस्थ हो गई हैं और जांच मजिस्ट्रेट से मिलने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।"
“अच्छा,” एम. बेक्स ने फुर्ती से कहा। “एम. हाउटेट को बता दीजिए कि हम तुरंत आ रहे हैं।”
पोइरोट एक पल के लिए रुके, शव की ओर देखते हुए। मुझे एक पल के लिए लगा कि वह शव को संबोधित करने वाले हैं, यह घोषणा करने वाले हैं कि जब तक वह हत्यारे को नहीं खोज लेते, तब तक वह चैन से नहीं बैठेंगे। लेकिन जब उन्होंने बात की, तो वह दबी हुई और अटपटी थी, और उनकी टिप्पणी उस गंभीर क्षण के लिए हास्यास्पद रूप से अनुपयुक्त थी।
उन्होंने संयमित स्वर में कहा, "उन्होंने अपना ओवरकोट बहुत देर तक पहने रखा।"

5

श्रीमती रेनॉल्ड की कहानी

हमें हॉल में एम. हौटेट हमारा इंतज़ार करते हुए मिले, और हम सब एक साथ ऊपर की ओर चल पड़े, फ्रांस्वा हमें रास्ता दिखाने के लिए आगे-आगे चल रही थी। पोइरोट टेढ़े-मेढ़े तरीके से ऊपर गया जिससे मैं हैरान रह गया, जब तक कि उसने मुंह बनाकर फुसफुसाते हुए नहीं कहा:

“इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं कि नौकरों ने एम. रेनॉल्ड को सीढ़ियों पर चढ़ते हुए सुना; क्योंकि उनमें से एक भी तख्ता ऐसा नहीं था जो चरमराहट न करता हो, जो मुर्दों को भी जगा दे!”

सीढ़ियों के शीर्ष पर, एक छोटा सा मार्ग अलग दिशा में मुड़ जाता था।

"नौकरों के रहने का स्थान," बेक्स ने समझाया।

हम एक गलियारे में आगे बढ़ते रहे, और फ्रांस्वा ने उसके दाहिनी ओर के आखिरी दरवाजे पर दस्तक दी। एक धीमी सी आवाज ने हमें अंदर आने का इशारा किया, और हम एक बड़े, धूपदार कमरे में दाखिल हुए, जहाँ से समुद्र दिखाई देता था, जो लगभग एक चौथाई मील की दूरी पर नीला और चमकीला दिख रहा था। तकियों से सजे सोफे पर, डॉ. डूरंड की देखरेख में, एक लंबी, आकर्षक दिखने वाली महिला लेटी हुई थी। वह अधेड़ उम्र की थी, और उसके कभी काले बाल अब लगभग पूरी तरह से सफेद हो चुके थे, लेकिन उसके व्यक्तित्व की तीव्र जीवंतता और मजबूती कहीं भी महसूस की जा सकती थी। आप तुरंत समझ जाते कि आप एक ऐसी महिला के सामने हैं जिसे फ्रांसीसी भाषा में "एक कुशल महिला" कहते हैं।

उन्होंने सिर झुकाकर गरिमापूर्ण ढंग से हमारा अभिवादन किया।

“कृपया बैठ जाइए, महोदय।”

हमने कुर्सियाँ ले लीं, और मजिस्ट्रेट का क्लर्क एक गोल मेज पर बैठ गया।

“मुझे उम्मीद है, महोदया,” एम. हाउटेट ने शुरू किया, “कि पिछली रात जो कुछ हुआ उसे बताने से आपको अनावश्यक रूप से कष्ट नहीं होगा?”

"बिल्कुल नहीं, महोदय। मैं समय का महत्व जानता हूँ, अगर इन दुष्ट हत्यारों को पकड़कर दंडित करना है तो।"

“बहुत खूब, महोदया। मुझे लगता है कि अगर मैं आपसे सवाल पूछूं और आप सिर्फ उनके जवाब दें तो आपको कम थकान होगी। कल रात आप कितने बजे सोई थीं?”

"साढ़े नौ बजे, महोदय। मैं थक गया था।"

"ओर आपके पति?"

"लगभग एक घंटे बाद, मुझे लगता है।"
क्या वह किसी भी तरह से परेशान या विचलित लग रहा था?
"नहीं, सामान्य से अधिक नहीं।"
"फिर क्या हुआ?"
“हम सो रहे थे। मेरी नींद तब खुली जब किसी ने मेरा मुंह दबा दिया। मैंने चीखने की कोशिश की, लेकिन उस हाथ ने मुझे रोक दिया। कमरे में दो आदमी थे। दोनों ने अपना चेहरा नकाब से ढक रखा था।”
"क्या आप उनका थोड़ा-बहुत वर्णन कर सकती हैं, महोदया?"
“एक बहुत लंबा था और उसकी लंबी काली दाढ़ी थी, दूसरा छोटा और मोटा था। उसकी दाढ़ी लाल रंग की थी। दोनों ने अपनी आंखों पर टोपी खींच रखी थी।”
“हम्म,” मजिस्ट्रेट ने सोच-समझकर कहा, “मुझे लगता है कि दाढ़ी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है।”
"आपका मतलब है कि वे झूठे थे?"
जी महोदया। लेकिन अपनी कहानी जारी रखिए।
“मुझे उस छोटे कद के आदमी ने पकड़ रखा था। उसने मेरे मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और फिर मुझे रस्सी से हाथ-पैर बांध दिए। दूसरा आदमी मेरे पति के ऊपर खड़ा था। उसने ड्रेसिंग टेबल से मेरा छोटा सा चाकू उठा लिया था और उसकी नोक मेरे पति के दिल के ठीक ऊपर रखी हुई थी। जब उस छोटे कद के आदमी का काम मुझसे खत्म हो गया, तो वह दूसरे आदमी के पास चला गया और उन्होंने मेरे पति को जबरदस्ती उठाकर बगल वाले ड्रेसिंग रूम में ले गए। मैं डर के मारे लगभग बेहोश हो रही थी, फिर भी मैंने बेताब होकर उनकी बातें सुनीं।”
वे इतनी धीमी आवाज़ में बोल रहे थे कि मुझे उनकी बात सुनाई नहीं दी। लेकिन मैंने भाषा पहचान ली, दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों में बोली जाने वाली मिश्रित स्पेनिश जैसी। ऐसा लग रहा था कि वे मेरे पति से कुछ मांग रहे थे, और थोड़ी देर बाद वे क्रोधित हो गए और उनकी आवाज़ थोड़ी ऊंची हो गई। मुझे लगता है कि लंबा आदमी बोल रहा था। उसने कहा, 'तुम जानते हो कि हम क्या चाहते हैं! रहस्य! वह कहाँ है?' मुझे नहीं पता कि मेरे पति ने क्या जवाब दिया, लेकिन दूसरे ने गुस्से से कहा: 'तुम झूठ बोल रहे हो! हम जानते हैं कि वह तुम्हारे पास है। तुम्हारी चाबियाँ कहाँ हैं?'
“फिर मुझे दराजें खींचने की आवाज़ें सुनाई दीं। मेरे पति के ड्रेसिंग रूम की दीवार पर एक तिजोरी है जिसमें वे हमेशा काफी बड़ी रकम रखते हैं। लियोनी ने मुझे बताया कि तिजोरी में सेंध लगाई गई है और पैसे निकाल लिए गए हैं, लेकिन जाहिर है कि वे जो ढूंढ रहे थे वह वहां नहीं था, क्योंकि थोड़ी देर बाद मैंने उस लंबे आदमी को गाली देते हुए मेरे पति को कपड़े पहनने का आदेश देते सुना। उसके तुरंत बाद, मुझे लगता है कि घर में किसी शोर ने उन्हें परेशान कर दिया होगा, क्योंकि वे मेरे पति को आधे-अधूरे कपड़ों में ही मेरे कमरे में ले आए।”

पोइरोट ने बीच में ही टोकते हुए कहा, "क्षमा कीजिए, लेकिन क्या ड्रेसिंग रूम से बाहर निकलने का कोई और रास्ता नहीं है?"
“नहीं, महोदय, मेरे कमरे में केवल एक ही खुला दरवाज़ा है। वे मेरे पति को जल्दी से अंदर ले गए, छोटा आदमी आगे और लंबा आदमी उसके पीछे, जिसके हाथ में अभी भी खंजर था। पॉल मुझसे मिलने के लिए उनसे अलग होने की कोशिश कर रहा था। मैंने उसकी पीड़ा भरी आँखें देखीं। वह अपने अपहरणकर्ताओं की ओर मुड़ा। उसने कहा, ‘मुझे उससे बात करनी है।’ फिर बिस्तर के पास आकर उसने कहा, ‘सब ठीक है, एलोइस। डरो मत। मैं सुबह होने से पहले लौट आऊँगा।’ लेकिन, हालाँकि उसने अपनी आवाज़ में आत्मविश्वास लाने की कोशिश की, मैं उसकी आँखों में डर देख सकती थी। फिर वे उसे दरवाज़े से बाहर धकेलते हुए, लंबे आदमी ने कहा: ‘एक भी आवाज़ हुई तो समझो तुम मर गए, याद रखना।’”
श्रीमती रेनॉल्ड ने आगे कहा, "उसके बाद, मैं बेहोश हो गई होगी। अगली बात जो मुझे याद है वह यह है कि लियोनी मेरी कलाई मल रही थी और मुझे ब्रांडी दे रही थी।"
मजिस्ट्रेट ने कहा, "मैडम रेनॉल्ड, क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा था कि हत्यारे किस चीज की तलाश कर रहे थे?"
"बिल्कुल नहीं, महोदय।"
"क्या आपको इस बात की कोई जानकारी थी कि आपके पति को किसी बात का डर था?"
“हां। मैंने उसमें बदलाव देखा था।”
"ऐसा कितने समय पहले था?"
श्रीमती रेनॉल्ड विचार करने लगीं।
"शायद दस दिन।"
“और अधिक समय तक नहीं?”
“शायद। मैंने इसे तभी देखा।”
"क्या आपने अपने पति से कारण के बारे में पूछताछ की?"
“एक बार। उसने टालमटोल करते हुए मुझे बात करने से मना कर दिया। फिर भी, मुझे यकीन हो गया था कि वह किसी भयानक चिंता से पीड़ित था। हालांकि, चूंकि वह स्पष्ट रूप से मुझसे यह बात छिपाना चाहता था, इसलिए मैंने ऐसा दिखावा करने की कोशिश की जैसे मैंने कुछ देखा ही नहीं।”
"क्या आपको पता था कि उसने एक जासूस की सेवाएं ली थीं?"
"एक जासूस?" श्रीमती रेनॉल्ड ने बहुत आश्चर्यचकित होकर कहा।
“जी हां, ये सज्जन—श्री हरक्यूल पोइरोट।” पोइरोट ने झुककर अभिवादन किया। “ये आज आपके पति के बुलावे पर आए हैं।” और श्री रेनॉल्ड द्वारा लिखित पत्र अपनी जेब से निकालकर उन्होंने महिला को सौंप दिया।
उसने इसे सचमुच आश्चर्यचकित होकर पढ़ा।

मुझे इस बात का बिल्कुल भी अंदाजा नहीं था। जाहिर है, वह खतरे से पूरी तरह वाकिफ था।
"अब, महोदया, मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि आप मुझसे खुलकर बात करें। क्या आपके पति के दक्षिण अमेरिका में बीते जीवन की कोई ऐसी घटना है जो उनकी हत्या पर प्रकाश डाल सके?"
श्रीमती रेनॉल्ड ने गहन चिंतन किया, लेकिन अंत में उन्होंने अपना सिर हिला दिया।
“मुझे तो कोई याद नहीं आ रहा। बेशक मेरे पति के कई दुश्मन थे, ऐसे लोग जिन पर उन्होंने किसी न किसी तरह से विजय प्राप्त की थी, लेकिन मुझे कोई एक विशिष्ट मामला याद नहीं आ रहा। मैं यह नहीं कह रही कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है—बस इतना कह रही हूँ कि मुझे इसकी जानकारी नहीं है।”
जांच करने वाले मजिस्ट्रेट ने हताशा से अपनी दाढ़ी पर हाथ फेरा।
"और क्या आप इस अत्याचार का समय तय कर सकते हैं?"
“हां, मुझे अच्छी तरह याद है कि मेंटलपीस पर रखी घड़ी में दो बजे थे।” उसने चिमनी के बीचोंबीच रखी चमड़े के डिब्बे वाली आठ दिन चलने वाली घड़ी की ओर इशारा किया।
पोइरोट अपनी सीट से उठे, घड़ी को ध्यान से देखा और संतुष्ट होकर सिर हिलाया।
“और यहाँ भी,” एम. बेक्स ने हैरानी से कहा, “एक कलाई घड़ी है, जिसे हत्यारों ने ड्रेसिंग टेबल से गिरा दिया और टुकड़े-टुकड़े कर दिया। उन्हें जरा भी अंदाजा नहीं था कि यह उनके खिलाफ गवाही देगी।”
उसने धीरे से टूटे हुए कांच के टुकड़ों को उठाया। अचानक उसका चेहरा घोर अचंभित हो गया।
“हे भगवान!” उसने विस्मय से कहा।
"यह क्या है?"
घड़ी की सुइयां सात बजे की ओर इशारा कर रही हैं!
“क्या?” जांच अधिकारी ने आश्चर्यचकित होकर कहा।
लेकिन पोइरोट ने हमेशा की तरह चतुराई से चौंके हुए कमिसरी से टूटी हुई छोटी सी चीज़ ले ली और उसे अपने कान से लगा लिया। फिर वह मुस्कुराया।
"कांच टूट गया है, हाँ, लेकिन घड़ी अभी भी चल रही है।"
रहस्य का स्पष्टीकरण सुनकर सबने राहत भरी मुस्कान बिखेरी। लेकिन मजिस्ट्रेट के मन में एक और बात आई।
"लेकिन क्या सच में अभी सात बज रहे हैं?"
“नहीं,” पोइरोट ने नरमी से कहा, “अभी पाँच बजकर कुछ मिनट ही हुए हैं। शायद घड़ी का समय बढ़ गया है, क्या ऐसा है, महोदया?”
श्रीमती रेनॉल्ड असमंजस में पड़कर भौंहें चढ़ा रही थीं।
"इसमें वृद्धि तो होती है," उसने स्वीकार किया, "लेकिन मैंने इसे इतनी अधिक वृद्धि करते हुए कभी नहीं देखा।"
अधीरता का भाव दिखाते हुए मजिस्ट्रेट ने घड़ी के मामले को छोड़ दिया और अपनी पूछताछ जारी रखी।

“महोदया, सामने का दरवाजा थोड़ा खुला हुआ मिला। ऐसा लगभग निश्चित लगता है कि हत्यारे उसी रास्ते से अंदर आए थे, लेकिन दरवाजे को जबरदस्ती खोलने का कोई निशान नहीं है। क्या आप इसका कोई स्पष्टीकरण दे सकती हैं?”
"हो सकता है कि मेरे पति पिछली रात टहलने के लिए बाहर गए हों और वापस आने पर उसे बंद करना भूल गए हों।"
क्या ऐसा होने की संभावना है?
“बिल्कुल। मेरे पति तो सबसे ज्यादा भुलक्कड़ थे।”
बोलते समय उसके माथे पर हल्की सी शिकन थी, मानो मृत व्यक्ति के चरित्र की यह विशेषता कभी-कभी उसे परेशान करती थी।
“मुझे लगता है कि हम एक निष्कर्ष निकाल सकते हैं,” कमिश्नर ने अचानक कहा। “चूंकि सैनिकों ने एम. रेनॉल्ड को खुद कपड़े पहनने पर जोर दिया, इससे ऐसा लगता है कि जिस जगह वे उसे ले जा रहे थे, वह जगह जहां ‘रहस्य’ छिपा हुआ था, कुछ दूरी पर स्थित थी।”
मजिस्ट्रेट ने सिर हिलाया।
"हां, दूर तो है, लेकिन बहुत दूर भी नहीं, क्योंकि उसने सुबह तक वापस आने की बात कही थी।"
"मर्लिनविले स्टेशन से आखिरी ट्रेन कितने बजे निकलती है?" पोइरोट ने पूछा।
“ग्यारह:50 एक तरफ, और बारह:17 दूसरी तरफ, लेकिन यह अधिक संभावना है कि उनके पास एक मोटर तैयार थी।”
"बिल्कुल," पोइरोट ने कुछ उदास भाव से सहमति जताई।
“जी हां, उन्हें ढूंढने का यह एक तरीका हो सकता है,” मजिस्ट्रेट ने मुस्कुराते हुए कहा। “दो विदेशियों वाली गाड़ी पर किसी का ध्यान जरूर गया होगा। यह बहुत अच्छा सुझाव है, श्री बेक्स।”
वह मन ही मन मुस्कुराया, और फिर गंभीर होते हुए उसने श्रीमती रेनॉल्ड से कहा:
“एक और सवाल है। क्या आप ‘डुवीन’ नाम के किसी व्यक्ति को जानते हैं?”
“डुवीन?” श्रीमती रेनॉल्ड ने सोच-विचार करते हुए दोहराया। “नहीं, फिलहाल मैं यह नहीं कह सकती कि मैं उनसे शादी करना चाहती हूँ।”
"क्या आपने अपने पति को कभी उस नाम के किसी व्यक्ति का जिक्र करते हुए नहीं सुना?"
"कभी नहीं।"
क्या आप किसी ऐसे व्यक्ति को जानते हैं जिसका ईसाई नाम बेला हो?
बोलते समय वह श्रीमती रेनॉल्ड को ध्यान से देख रहा था, मानो उनमें क्रोध या चेतना के कोई लक्षण देख रहा हो, लेकिन उन्होंने बड़ी सहजता से अपना सिर हिलाया। उसने अपने प्रश्न जारी रखे।
क्या आपको पता है कि कल रात आपके पति के घर कोई मेहमान आया था?
अब उसने उसके गालों पर हल्की लालिमा देखी, लेकिन उसने संयम से जवाब दिया।

"नहीं, वह कौन था?"
एक महिला।
"वास्तव में?"
लेकिन फिलहाल मजिस्ट्रेट ने इससे ज्यादा कुछ न कहने का फैसला किया। ऐसा प्रतीत नहीं होता था कि मैडम डाउब्रूइल का इस अपराध से कोई संबंध था, और वह श्रीमती रेनॉल्ड को अनावश्यक रूप से परेशान नहीं करना चाहते थे।
उसने रसद कर्मचारी को इशारा किया, और उसने सिर हिलाकर जवाब दिया। फिर उठकर वह कमरे के उस पार गया और बाहरी शौचालय में रखे कांच के जार को हाथ में लेकर लौटा। उसमें से उसने खंजर निकाला।
“मैडम,” उन्होंने नरमी से कहा, “क्या आप इसे पहचानती हैं?”
उसने हल्की सी चीख मारी।
“हाँ, ये मेरी छोटी सी कटार है।” तभी उसने कटार की नोक पर लगे धब्बे देखे और डर से आँखें चौड़ी करते हुए पीछे हट गई। “क्या ये खून है?”
“जी महोदया। आपके पति की हत्या इसी हथियार से हुई थी।” उसने जल्दी से उसे नज़रों से हटा लिया। “क्या आपको पूरा यकीन है कि यह वही हथियार है जो कल रात आपकी ड्रेसिंग टेबल पर था?”
“ओह, जी हाँ। यह मेरे बेटे का दिया हुआ तोहफा था। वह युद्ध के दौरान वायुसेना में था। उसने अपनी उम्र असल उम्र से ज़्यादा बताई थी।” उनकी आवाज़ में एक माँ का गर्व झलक रहा था। “यह सुव्यवस्थित हवाई जहाज के तार से बना है, और मेरे बेटे ने मुझे युद्ध की स्मृति चिन्ह के रूप में दिया था।”
“जी महोदया, मैं समझ गया। इससे हम एक और मुद्दे पर आते हैं। आपका बेटा इस समय कहाँ है? उसे तुरंत टेलीग्राम भेजना आवश्यक है।”
“जैक? वह ब्यूनस आयर्स के रास्ते में है।”
"क्या?"
“जी हाँ। मेरे पति ने कल उन्हें टेलीग्राम भेजा था। उन्होंने उन्हें व्यापारिक काम से पेरिस भेजा था, लेकिन कल उन्हें पता चला कि उन्हें बिना देरी किए दक्षिण अमेरिका जाना होगा। कल रात चेरबर्ग से ब्यूनस आयर्स के लिए एक नाव रवाना हो रही थी, और उन्होंने उन्हें तार भेजकर कहा कि वे उसे पकड़ लें।”
"क्या आपको इस बात की कोई जानकारी है कि ब्यूनस आयर्स में क्या व्यवसाय था?"
"नहीं, महोदय, मुझे इसके बारे में कुछ नहीं पता, लेकिन ब्यूनस आयर्स मेरे बेटे का अंतिम गंतव्य नहीं है। वह वहां से सड़क मार्ग से सैंटियागो जा रहा था।"
और मजिस्ट्रेट और कमिश्नर ने एक साथ कहा:
"सैंटियागो! फिर से सैंटियागो!"

ठीक उसी क्षण, जब हम सब उस शब्द के उल्लेख से स्तब्ध थे, पोइरोट श्रीमती रेनॉल्ड के पास पहुँचे। वे खिड़की के पास किसी स्वप्न में खोए हुए व्यक्ति की तरह खड़े थे, और मुझे संदेह है कि उन्होंने पूरी तरह से समझ लिया था कि क्या हुआ था। वे महिला के पास रुककर झुके।
"क्षमा कीजिए महोदया, लेकिन क्या मैं आपकी कलाई की जांच कर सकता हूँ?"
हालांकि श्रीमती रेनॉल्ड इस अनुरोध पर थोड़ी आश्चर्यचकित हुईं, फिर भी उन्होंने उन्हें उनके सामने रख दिया। प्रत्येक के चारों ओर एक गहरा लाल निशान था जहाँ रस्सियों ने मांस को काट दिया था। जैसे ही उन्होंने उनका निरीक्षण किया, मुझे लगा कि उनकी आँखों में क्षणिक रूप से दिखाई देने वाली उत्तेजना गायब हो गई।
“वे आपको बहुत पीड़ा पहुंचाते होंगे,” उन्होंने कहा और एक बार फिर वे असमंजस में दिखे।
लेकिन मजिस्ट्रेट उत्तेजित होकर बोल रहे थे।
“युवा एम. रेनॉल्ड से तुरंत वायरलेस के ज़रिए संपर्क करना होगा। सैंटियागो की इस यात्रा के बारे में उनसे जो भी जानकारी मिल सके, वह हमारे लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है।” वह थोड़ा हिचकिचाए। “काश वह आस-पास ही होते, ताकि हम आपको परेशानी से बचा पाते, महोदया।” वह कुछ देर रुके।
“आपका मतलब है,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, “मेरे पति के शव की पहचान?”
मजिस्ट्रेट ने अपना सिर झुकाया।
“मैं एक मजबूत महिला हूँ, महोदय। मुझसे जो भी अपेक्षा की जाती है, मैं उसे सहन कर सकती हूँ। मैं तैयार हूँ —अभी।”
“ओह, कल बहुत जल्दी आ जाएगा, मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ—”
“मैं इसे जल्द से जल्द खत्म करना चाहती हूँ,” उसने धीमी आवाज़ में कहा, उसके चेहरे पर दर्द की एक झलक दिखाई दी। “क्या आप कृपा करके मुझे अपना हाथ दे सकते हैं, डॉक्टर?”
डॉक्टर जल्दी से आगे बढ़े, श्रीमती रेनॉल्ड के कंधों पर एक लबादा डाला गया, और एक धीमी सी कतार सीढ़ियों से नीचे उतरी। एम. बेक्स जल्दी से आगे बढ़कर शेड का दरवाजा खोलने गईं। एक-दो मिनट में श्रीमती रेनॉल्ड दरवाजे पर दिखाई दीं। उनका चेहरा पीला पड़ गया था, लेकिन वे दृढ़ थीं। उनके पीछे, एम. हाउटेट एक चंचल मुर्गी की तरह सहानुभूति और माफी मांगते हुए चहचहा रहे थे।
उसने अपना हाथ अपने चेहरे पर उठाया।
"एक पल रुकिए, महोदय, मैं खुद को तैयार कर लूं।"
उसने अपना हाथ हटा लिया और मृत व्यक्ति की ओर देखा। फिर वह अद्भुत आत्म-संयम, जिसने अब तक उसे संभाले रखा था, उसका साथ छोड़ गया।
“पॉल!” वह चिल्लाई। “पतिदेव! हे भगवान!” और आगे की ओर गिरकर वह बेहोश हो गई।
तुरंत ही पोइरोट उसके पास पहुँच गया, उसने उसकी आँख की पलकें उठाईं और उसकी नब्ज़ जाँची। जब उसे यकीन हो गया कि वह सचमुच बेहोश हो गई है, तो वह एक तरफ हट गया। उसने मेरा हाथ पकड़ लिया।

“मैं कितना मूर्ख हूँ, मेरे दोस्त! अगर कभी किसी स्त्री की आवाज़ में प्रेम और दुःख था, तो मैंने उसे उसी समय सुना था। मेरा छोटा सा विचार पूरी तरह गलत था। कोई बात नहीं! मुझे फिर से शुरुआत करनी होगी!”

6

अपराध स्थल

डॉक्टर और एम. हाउटेट ने मिलकर बेहोश महिला को घर के अंदर ले गए। कमिश्नर उन्हें देखता रहा और अपना सिर हिलाता रहा।
“बेचारी औरत,” उसने मन ही मन बुदबुदाया। “उसे इतना गहरा सदमा लगा कि वह बर्दाश्त नहीं कर पाई। खैर, अब हम कुछ नहीं कर सकते। अब, मिस्टर पोइरोट, क्या हम उस जगह चलें जहाँ अपराध हुआ था?”
"अगर आप चाहें, श्रीमान बेक्स।"

हम घर से होते हुए सामने के दरवाजे से बाहर निकल गए। पोइरोट ने गुजरते हुए सीढ़ियों की ओर देखा और असंतुष्ट भाव से अपना सिर हिलाया।
“मुझे यह बात अविश्वसनीय लगती है कि नौकरों ने कुछ भी नहीं सुना। तीन लोगों के उतरने पर उस सीढ़ी की चरमराहट तो मुर्दों को भी जगा देती!”
"आधी रात का समय था, याद है ना? वे तब तक गहरी नींद में सो रहे थे।"
लेकिन पोइरोट अपना सिर हिलाते रहे, मानो उन्हें यह स्पष्टीकरण पूरी तरह से समझ नहीं आ रहा हो। रास्ते में चलते हुए वे रुके और घर की ओर देखने लगे।
“सबसे पहले तो उन्हें यह जानने की प्रेरणा किस बात से मिली कि सामने का दरवाजा खुला है या नहीं? यह एक बेहद असंभावित बात थी कि वह खुला होगा। यह कहीं अधिक संभावित था कि वे तुरंत खिड़की तोड़ने की कोशिश करते।”
“लेकिन भूतल की सभी खिड़कियों पर लोहे के शटर लगे हुए हैं,” कैंटीन के कर्मचारी ने आपत्ति जताई।
पोइरोट ने पहली मंजिल पर एक खिड़की की ओर इशारा किया।
“यह उसी बेडरूम की खिड़की है जिससे हम अभी-अभी आए हैं, है ना? और देखो—वहाँ एक पेड़ है जिस पर चढ़ना दुनिया का सबसे आसान काम होगा।”
“संभवतः,” दूसरे ने स्वीकार किया। “लेकिन वे फूलों की क्यारी में पैरों के निशान छोड़े बिना ऐसा नहीं कर सकते थे।”
मुझे उसकी बातों में सच्चाई नज़र आई। सामने के दरवाज़े तक जाने वाली सीढ़ियों के दोनों ओर लाल गेरेनियम के दो बड़े अंडाकार फूलों के गमले लगे हुए थे। जिस पेड़ की बात हो रही थी, उसकी जड़ें असल में गमले के बिल्कुल पीछे थीं, और गमले पर कदम रखे बिना उस तक पहुँचना नामुमकिन था।
"देखिए," कमिश्नर ने आगे कहा, "सूखे मौसम के कारण ड्राइववे या रास्तों पर कोई निशान नहीं दिखेंगे; लेकिन फूलों की क्यारी की नरम मिट्टी पर मामला बिल्कुल अलग होता।"
पॉयरॉट बिस्तर के पास गया और उसे ध्यान से देखने लगा। जैसा कि बेक्स ने कहा था, साँचा एकदम चिकना था। उस पर कहीं भी कोई निशान नहीं था।
पोइरोट ने मानो आश्वस्त होकर सिर हिलाया और हम मुड़ गए, लेकिन वह अचानक तेजी से भागा और दूसरी फूलों की क्यारी का निरीक्षण करने लगा।
“एम. बेक्स!” उसने पुकारा। “यहाँ देखिए। यहाँ आपके लिए बहुत सारे सुराग मौजूद हैं।”
स्टोर का कर्मचारी भी उसके साथ शामिल हो गया और मुस्कुराया।
“मेरे प्रिय एम. पोइरोट, ये निस्संदेह माली के बड़े-बड़े कील लगे जूतों के पदचिह्न हैं। वैसे भी, इसका कोई महत्व नहीं है, क्योंकि इस तरफ कोई पेड़ नहीं है, और इसलिए ऊपरी मंजिल तक पहुँचने का कोई साधन नहीं है।”
“सच है,” पोइरोट ने निराश होकर कहा। “तो आपको लगता है कि इन पदचिह्नों का कोई महत्व नहीं है?”

दुनिया में सबसे कम महत्वपूर्ण नहीं।
फिर, मुझे घोर आश्चर्य हुआ जब पोइरोट ने ये शब्द कहे:
मैं आपसे सहमत नहीं हूँ। मेरा मानना है कि ये पदचिह्न अब तक हमने जो कुछ भी देखा है, उसमें सबसे महत्वपूर्ण हैं।
एम. बेक्स ने कुछ नहीं कहा, बस अपने कंधे उचका दिए। वे अपनी असली राय ज़ाहिर करने के लिए बहुत ज़्यादा विनम्र थे।
“क्या हम आगे बढ़ें?” उसने इसके बजाय पूछा।
“ज़रूर। मैं पैरों के निशान के इस मामले की जांच बाद में कर सकता हूँ,” पोइरोट ने प्रसन्नतापूर्वक कहा।
गेट तक जाने वाली सड़क पर सीधे चलने के बजाय, एम. बेक्स एक ऐसे रास्ते पर मुड़ गए जो समकोण पर दो भागों में बँटा हुआ था। यह रास्ता थोड़ी ढलान पर चढ़ते हुए घर के दाहिनी ओर जाता था और इसके दोनों ओर झाड़ियाँ थीं। अचानक यह एक छोटे से खुले मैदान में खुलता था जहाँ से समुद्र का नज़ारा दिखाई देता था। यहाँ एक कुर्सी रखी हुई थी और उससे थोड़ी दूर पर एक जर्जर सी झोपड़ी थी। कुछ कदम आगे बढ़ने पर, छोटी-छोटी झाड़ियों की एक साफ-सुथरी कतार विला के मैदान की सीमा को चिह्नित कर रही थी। एम. बेक्स इन झाड़ियों के बीच से रास्ता बनाते हुए आगे बढ़े और हम एक विस्तृत खुले मैदान में पहुँच गए। मैंने चारों ओर देखा और कुछ ऐसा देखा जिसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया।
“अरे, ये तो गोल्फ का मैदान है,” मैंने चिल्लाकर कहा।
बेक्स ने सिर हिलाया।
उन्होंने बताया, “सीमा का काम अभी पूरा नहीं हुआ है। उम्मीद है कि अगले महीने तक इसे खोला जा सकेगा। आज सुबह तड़के इसी काम में लगे कुछ लोगों ने शव को देखा।”
मैं चौंक उठा। मेरे बाईं ओर थोड़ी दूर, जहाँ मैंने उस क्षण उसे अनदेखा कर दिया था, एक लंबा संकरा गड्ढा था, और उसके पास, औंधे मुंह, एक आदमी का शव पड़ा था! एक पल के लिए, मेरा दिल बुरी तरह धड़क उठा, और मुझे लगा कि त्रासदी फिर से दोहराई गई है। लेकिन कमिश्नर ने झुंझलाहट भरी तीखी आवाज के साथ आगे बढ़कर मेरे भ्रम को दूर कर दिया:
“मेरी पुलिस क्या कर रही थी? उन्हें सख्त आदेश थे कि बिना उचित पहचान पत्र के किसी को भी उस जगह के पास न जाने दें!”
जमीन पर पड़ा हुआ आदमी अपने कंधे के ऊपर से अपना सिर घुमाकर देखने लगा।
"लेकिन मेरे पास उचित प्रमाण पत्र हैं," उन्होंने कहा और धीरे-धीरे अपने पैरों पर खड़े हो गए।
“मेरे प्रिय श्री गिराउड,” कमिश्नर ने पुकारते हुए कहा। “मुझे तो यह भी पता नहीं था कि आप आ गए हैं। जांच मजिस्ट्रेट बड़ी बेसब्री से आपका इंतजार कर रहे थे।”
जब वह बोल रहे थे, मैं उस नए व्यक्ति को बड़ी उत्सुकता से देख रहा था। पेरिस पुलिस के उस प्रसिद्ध जासूस का नाम मुझे पहले से ही पता था, और मैं उन्हें सामने से देखने के लिए बेहद उत्सुक था। वह काफी लंबे थे,

शायद तीस वर्ष के आसपास, भूरे बालों और मूंछों वाले, और फौजी अंदाज वाले। उनके व्यवहार में थोड़ा सा अहंकार झलक रहा था, जिससे पता चलता था कि उन्हें अपनी अहमियत का पूरा एहसास था। बेक्स ने हमारा परिचय कराया और पोइरोट को एक सहकर्मी के रूप में पेश किया। जासूस की आँखों में थोड़ी सी दिलचस्पी झलक उठी।
“मैं आपको नाम से जानता हूँ, एम. पोइरोट,” उन्होंने कहा। “पुराने दिनों में आपकी काफी धाक थी, है ना? लेकिन अब तौर-तरीके बहुत अलग हैं।”
"हालांकि, अपराध काफी हद तक एक जैसे ही होते हैं," पोइरोट ने विनम्रता से कहा।
मैंने तुरंत समझ लिया कि गिराउड शत्रुतापूर्ण रवैया अपनाने को तैयार था। उसे दूसरे के साथ जुड़ाव पसंद नहीं था, और मुझे लगा कि अगर उसे कोई महत्वपूर्ण सुराग मिलता है तो वह उसे अपने तक ही सीमित रखेगा।
“जांच मजिस्ट्रेट—” बेक्स ने फिर से कहना शुरू किया। लेकिन गिराउड ने उसे बीच में ही अशिष्टता से रोक दिया:
“जांच मजिस्ट्रेट की तो ऐसी-तैसी! ज़रूरी बात तो रोशनी है। व्यावहारिक तौर पर देखा जाए तो आधे घंटे में वो चली जाएगी। मुझे इस मामले की पूरी जानकारी है, और घर के लोग कल तक तो ठीक रहेंगे, लेकिन अगर हमें हत्यारों का सुराग ढूंढना है, तो यही वो जगह है जहाँ वो मिलेगा। क्या ये तुम्हारी पुलिस है जो पूरे इलाके में इधर-उधर भाग रही है? मुझे लगा था कि आजकल उन्हें ज़्यादा अक्ल आ गई है।”
“बिल्कुल, उन्होंने निशान बनाए हैं। जिन निशानों की आप शिकायत कर रहे हैं, वे उन कामगारों ने बनाए थे जिन्होंने शव को खोजा था।”
दूसरे ने घृणा से घुरघुराहट की।
“मैं उन पैरों के निशान देख सकता हूँ जहाँ से वे तीनों झाड़ियों से होकर आए थे— लेकिन वे चालाक थे। बीच के पदचिह्नों को तो मुश्किल से पहचाना जा सकता है, वे एम. रेनॉल्ड के हैं, लेकिन दोनों तरफ के पदचिह्नों को बड़ी सावधानी से मिटा दिया गया है। वैसे भी इस सख्त ज़मीन पर देखने लायक कुछ खास होता नहीं, लेकिन वे कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे।”
“बाहरी संकेत,” पोइरोट ने कहा। “आप उसी की तलाश कर रहे हैं, है ना?”
दूसरा जासूस घूरता रहा।
"बिल्कुल।"
पोइरोट के होठों पर हल्की सी मुस्कान आई। ऐसा लग रहा था कि वह कुछ बोलने ही वाले हैं, लेकिन उन्होंने खुद को रोक लिया। वह नीचे झुके और वहाँ पड़े एक फावड़े को देखा।
“कब्र उसी से खोदी गई थी, बिल्कुल सही,” गिराउड ने कहा। “लेकिन इससे तुम्हें कुछ नहीं मिलेगा। यह रेनॉल्ड का अपना फावड़ा था, और इसे इस्तेमाल करने वाले आदमी ने दस्ताने पहने थे। ये रहे।” उसने पैर से इशारा करते हुए दो गंदे, मिट्टी से सने दस्तानों की ओर इशारा किया। “और ये भी रेनॉल्ड के ही हैं— या कम

से कम उसके माली के। मैं तुम्हें बताता हूँ, इस अपराध की योजना बनाने वाले लोग कोई जोखिम नहीं लेना चाहते थे। उस आदमी को उसके ही खंजर से मारा गया था, और उसे उसके ही फावड़े से दफनाया गया होगा। उन्होंने सोचा था कि कोई सुराग नहीं बचेगा! लेकिन मैं उन्हें हरा दूँगा। हमेशा कुछ न कुछ होता है! और मैं उसे ढूंढ निकालूँगा।"

लेकिन अब पोइरोट की दिलचस्पी किसी और चीज़ में थी, एक छोटा सा फीका पड़ा हुआ सीसे का पाइप जो फावड़े के बगल में पड़ा था। उसने उसे अपनी उंगली से धीरे से छुआ।

"और क्या यह भी उसी मृत व्यक्ति का है?" उसने पूछा, और मुझे लगा कि उसके प्रश्न में व्यंग्य का एक सूक्ष्म भाव झलक रहा है।

गिराउड ने यह जताने के लिए अपने कंधे उचका दिए कि वह न तो जानता है और न ही उसे परवाह है।

"शायद यह कई हफ्तों से यहीं पड़ा हुआ है। खैर, मुझे इसमें कोई दिलचस्पी नहीं है।"

"इसके विपरीत, मुझे यह बहुत दिलचस्प लगता है," पोइरोट ने मधुर स्वर में कहा।

मैंने अनुमान लगाया कि वह पेरिस के जासूस को परेशान करने पर तुला हुआ था, और अगर ऐसा था तो वह सफल भी हुआ। दूसरा व्यक्ति अशिष्टता से मुँह फेरते हुए बोला कि उसके पास समय नहीं है, और झुककर उसने ज़मीन की बारीकी से जाँच फिर से शुरू कर दी।

इसी बीच, पोइरोट को जैसे अचानक कोई विचार आया हो, वह सीमा के पार वापस चला गया और उस छोटी सी झोपड़ी का दरवाजा खोलने की कोशिश की।

"वह तो बंद है," गिराउड ने कंधे के ऊपर से कहा। "लेकिन वह तो सिर्फ़ माली का कूड़ा रखने की जगह है। फावड़ा वहाँ से नहीं आया, बल्कि घर के पास बने औजारों के शेड से आया है।"

"अद्भुत," एम. बेक्स ने उत्साह से भरे स्वर में मुझसे कहा। "वह यहाँ आए हुए अभी आधा घंटा ही हुआ है और उसे सब कुछ पता चल गया है! क्या गजब का आदमी है! निःसंदेह गिराउड आज के समय का सबसे महान जासूस है।"

हालाँकि मुझे जासूस बिल्कुल पसंद नहीं था, फिर भी मैं मन ही मन उससे प्रभावित था। मानो उसमें कार्यकुशलता झलक रही थी। मुझे यह महसूस हो रहा था कि अब तक पोइरोट ने कोई खास कमाल नहीं दिखाया था, और यह बात मुझे खटक रही थी। ऐसा लग रहा था कि वह अपना ध्यान उन बेतुकी और बचकानी बातों पर लगा रहा था जिनका मामले से कोई लेना-देना नहीं था। दरअसल, इसी समय उसने अचानक पूछा:

"श्रीमान बेक्स, कृपया मुझे इस सफेदी की हुई रेखा का अर्थ बताएं जो कब्र के चारों ओर फैली हुई है। क्या यह पुलिस की कोई चाल है?"

"नहीं, मिस्टर पोइरोट, यह गोल्फ कोर्स का मामला है। इससे पता चलता है कि यहाँ एक 'बंकएयर' (जैसा कि आप इसे कहते हैं) होना चाहिए।"

“बंकेयर?” पोइरोट मेरी ओर मुड़े। “वह अनियमित गड्ढा होता है जो रेत से भरा होता है और जिसके एक तरफ टीला होता है, है ना?”
मैं सहमत था।
"क्या आप गोल्फ नहीं खेलते, मिस्टर पोइरोट?" बेक्स ने पूछा।
“मैं? बिलकुल नहीं! क्या खेल है!” वह उत्साहित हो गया। “ज़रा सोचिए, हर होल की लंबाई अलग-अलग है। रुकावटें गणितीय रूप से व्यवस्थित नहीं हैं। यहाँ तक कि ग्रीन भी अक्सर एक तरफ होते हैं! बस एक ही चीज़ अच्छी है—उन्हें क्या कहते हैं?—टी बॉक्स! कम से कम वे सममित तो हैं।”
पोइरोट को खेल जिस तरह से लग रहा था, उसे देखकर मैं अपनी हंसी नहीं रोक सका, और मेरे छोटे दोस्त ने बिना किसी दुर्भावना के स्नेहपूर्वक मेरी ओर मुस्कुराया। फिर उसने पूछा:
"लेकिन एम. रेनॉल्ड, क्या वे गोल्फ खेलते थे?"
“जी हां, उन्हें गोल्फ खेलना बहुत पसंद था। उन्हीं की बदौलत और उनके द्वारा दिए गए बड़े चंदे के कारण यह काम आगे बढ़ पा रहा है। यहां तक कि इसके डिजाइन में भी उनकी राय थी।”
पोइरोट ने सोच-समझकर सिर हिलाया।
फिर उन्होंने टिप्पणी की:
“उन्होंने शव को दफनाने के लिए जो जगह चुनी थी, वह बहुत अच्छी नहीं थी? जब लोग जमीन खोदना शुरू करते, तो सब कुछ सामने आ जाता।”
“बिल्कुल सही,” गिराउड ने विजयी भाव से कहा। “और इससे साबित होता है कि वे उस जगह के अजनबी थे। यह एक बेहतरीन अप्रत्यक्ष प्रमाण है।”
“हाँ,” पोइरोट ने संदेह से कहा। “जो भी जानता होगा, वह वहाँ शव को दफनाएगा नहीं—जब तक कि—जब तक कि—वह शव को खोजे जाने देना न चाहे। और यह स्पष्ट रूप से बेतुका है, है ना?”
गिराउड ने जवाब देने की जहमत तक नहीं उठाई।
“हाँ,” पोइरोट ने कुछ असंतुष्ट स्वर में कहा। “हाँ—निस्संदेह—बेतुका!”

7

रहस्यमयी मैडम डाउब्रूइल

जब हम घर की ओर वापस लौट रहे थे, तो एम. बेक्स ने हमें छोड़कर जाने की अनुमति मांगते हुए बताया कि उन्हें तुरंत जांच मजिस्ट्रेट को गिराउड के आने की सूचना देनी होगी। पोइरोट द्वारा यह घोषणा करने पर कि गिराउड ने वह सब देख लिया है जो वह देखना चाहता था, वह स्पष्ट रूप से प्रसन्न हुआ था। जब हम उस स्थान से निकले, तो हमने आखिरी चीज जो देखी, वह थी गिराउड, जो चारों हाथों-पैरों के बल रेंग रहा था, और उसकी खोज में इतनी बारीकी थी कि मैं उसकी प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका। पोइरोट ने मेरे विचारों को भांप लिया, क्योंकि जैसे ही हम अकेले हुए, उसने व्यंग्यपूर्वक टिप्पणी की:

“आखिरकार आपने उस जासूस को देख ही लिया जिसकी आप प्रशंसा करते हैं—वह है इंसानी लोमड़ी शिकारी! है ना, मेरे दोस्त?”

मैंने तीखे स्वर में कहा, "खैर, वो कुछ तो कर रहा है। अगर कुछ ढूंढने लायक होगा तो वो ढूंढ ही लेगा। अब तुम—"

“वाह! मुझे भी कुछ मिला! सीसे के पाइप का एक टुकड़ा।”

"बकवास है, पोइरोट। आप अच्छी तरह जानते हैं कि इसका इससे कोई लेना-देना नहीं है। मेरा मतलब छोटी-छोटी बातों से था—ऐसे सुराग जो हमें निश्चित रूप से हत्यारों तक पहुंचा सकते हैं।"

“मेरे दोस्त, दो फुट लंबा सुराग उतना ही कीमती होता है जितना दो मिलीमीटर का! लेकिन यह एक भ्रम है कि सभी महत्वपूर्ण सुराग बहुत छोटे ही होने चाहिए! जहाँ तक सीसे के पाइप के टुकड़े का अपराध से कोई संबंध न होने की बात है, आप ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि गिराउड ने आपको ऐसा बताया है। नहीं”—जैसे ही मैं एक सवाल पूछने वाला था—“हम इस पर और कुछ नहीं कहेंगे। गिराउड को उसकी खोज में रहने दो, और मुझे अपने विचारों में। मामला काफी सीधा-सादा लगता है—और फिर भी—और फिर भी, मेरे दोस्त, मैं संतुष्ट नहीं हूँ! और क्या आप जानते हैं क्यों? क्योंकि वह घड़ी दो घंटे आगे चल रही है। और फिर कई अजीबोगरीब छोटी-छोटी बातें हैं जो समझ में नहीं आतीं। उदाहरण के लिए, अगर हत्यारों का मकसद बदला लेना था, तो उन्होंने रेनॉल्ड को सोते समय चाकू मारकर काम क्यों नहीं खत्म कर दिया?”

मैंने उसे याद दिलाया, "वे 'रहस्य' जानना चाहते थे।"

पोइरोट ने असंतुष्ट भाव से अपनी आस्तीन से धूल का एक कण झाड़ दिया।

“अच्छा, तो यह ‘रहस्य’ कहाँ है? संभवतः कुछ दूरी पर, क्योंकि वे चाहते हैं कि वह स्वयं कपड़े पहने। फिर भी, उसकी हत्या घर के बिल्कुल पास, लगभग सुनाई देने की दूरी पर हुई है। वैसे भी, यह महज़ संयोग है कि खंजर जैसा हथियार लापरवाही से, आसानी से उपलब्ध स्थिति में पड़ा हो।”
वह भौंहें चढ़ाकर थोड़ी देर रुका, और फिर आगे बोला:
“नौकरों को कुछ सुनाई क्यों नहीं दिया? क्या उन्हें नशा दिया गया था? क्या कोई साथी था और क्या उस साथी ने यह सुनिश्चित किया कि सामने का दरवाजा खुला रहे? मुझे आश्चर्य है कि क्या—”
वह अचानक रुक गया। हम घर के सामने वाली सड़क पर पहुँच चुके थे। अचानक वह मेरी ओर मुड़ा।
“मेरे मित्र, मैं तुम्हें आश्चर्यचकित करने वाला हूँ—तुम्हें प्रसन्न करने वाला हूँ! मैंने तुम्हारी शिकायतों को दिल पर ले लिया है! हम कुछ पदचिह्नों की जाँच करेंगे!”
"कहाँ?"
“उस दाहिनी ओर वाली क्यारी में। एम. बेक्स कहते हैं कि ये माली के पैरों के निशान हैं। चलिए देखते हैं कि क्या सच में ऐसा है। देखिए, वह अपनी ठेलागाड़ी लेकर आ रहा है।”
दरअसल, एक बुजुर्ग व्यक्ति पौधों से भरी ठेलागाड़ी लेकर सड़क पार कर रहा था। पोइरोट ने उसे आवाज़ दी, और उसने ठेलागाड़ी नीचे रख दी और लंगड़ाते हुए हमारी ओर आने लगा।
“क्या आप उससे उसके जूतों में से एक जूता मांगेंगे ताकि पैरों के निशानों से उसकी तुलना कर सकें?” मैंने हांफते हुए पूछा। पोइरोट पर मेरा भरोसा थोड़ा फिर से जाग उठा। चूंकि उसने कहा था कि इस दाहिनी ओर के पलंग में मिले पैरों के निशान महत्वपूर्ण हैं, तो शायद वे महत्वपूर्ण ही होंगे।
“बिल्कुल सही,” पोइरोट ने कहा।
लेकिन क्या उसे यह बहुत अजीब नहीं लगेगा?
वह इसके बारे में बिल्कुल नहीं सोचेगा।
हम और कुछ नहीं कह सके, क्योंकि बूढ़ा आदमी भी हमारे साथ आ गया था।
"महाशय, क्या आपको मुझसे कोई काम है?"
“जी हाँ। आप यहाँ काफी समय से माली हैं, है ना?”
"चौबीस साल, महोदय।"
"और आपका नाम-?"
“ऑगस्टे, महोदय।”
मैं इन शानदार गेरेनियम के पौधों की प्रशंसा कर रहा था। ये सचमुच बहुत ही सुंदर हैं। क्या इन्हें बहुत समय पहले लगाया गया था?
“कुछ समय लगेगा, महोदय। लेकिन निश्चित रूप से, क्यारियों को सुंदर बनाए रखने के लिए, समय-समय पर कुछ नए पौधे लगाने और पुराने पौधों को हटाने के साथ-साथ पुराने फूलों को भी नियमित रूप से तोड़ते रहना चाहिए।”

“कल आपने कुछ नए पौधे लगाए थे, है ना? वो बीच वाले और दूसरी क्यारी वाले भी?”
“महामहिम की नज़र बहुत तेज़ है। पौधों को उगने में हमेशा एक-दो दिन लग जाते हैं। जी हाँ, मैंने कल रात हर क्यारी में दस नए पौधे लगाए। जैसा कि महामहिम को शायद पता ही होगा, तेज़ धूप में पौधे नहीं लगाने चाहिए।”
ऑगस्टे, पोइरोट की दिलचस्पी से बहुत प्रभावित था और वह काफी बातूनी होने के लिए उत्सुक था।
“यह तो एक शानदार नमूना है,” पोइरोट ने इशारा करते हुए कहा। “क्या मुझे इसकी एक टहनी मिल सकती है?”
“जी हाँ, महोदय।” बूढ़ा व्यक्ति क्यारी में घुस गया और पोइरोट द्वारा सराहे गए पौधे से सावधानीपूर्वक एक पत्ती तोड़ ली।
पोइरोट ने दिल खोलकर आभार व्यक्त किया, और ऑगस्टे अपने टीले की ओर चल पड़ा।
“देखा?” पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा, और माली के खुरदरे जूते के निशान को देखने के लिए बिस्तर पर झुक गए। “यह बहुत आसान है।”
"मुझे पता नहीं चल पाया-"
“क्या पैर जूते के अंदर होगा? आप अपनी उत्कृष्ट मानसिक क्षमताओं का पर्याप्त उपयोग नहीं करते। अच्छा, तो फिर उस पदचिह्न का क्या?”
मैंने बिस्तर का ध्यानपूर्वक निरीक्षण किया।
मैंने ध्यानपूर्वक अध्ययन करने के बाद अंत में कहा, "बिस्तर पर बने सभी पैरों के निशान एक ही जूते के थे।"
“क्या आपको ऐसा लगता है? ठीक है, मैं आपसे सहमत हूँ,” पोइरोट ने कहा।
वह बिल्कुल उदासीन लग रहा था, और ऐसा लग रहा था जैसे वह किसी और चीज के बारे में सोच रहा हो।
मैंने कहा, "खैर, अब आपके दिमाग में एक मधुमक्खी कम हो जाएगी।"
“हे भगवान! यह कैसी मुहावरा है! इसका क्या मतलब है?”
मेरा मतलब यह था कि अब आप इन पदचिह्नों में अपनी रुचि छोड़ देंगे।
लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि पोइरोट ने अपना सिर हिला दिया।
“नहीं, नहीं, मेरे दोस्त। आखिरकार मैं सही रास्ते पर हूँ। मुझे अभी भी पूरी जानकारी नहीं है, लेकिन जैसा कि मैंने अभी-अभी एम. बेक्स को इशारा किया, ये पदचिह्न इस मामले में सबसे महत्वपूर्ण और दिलचस्प चीज़ें हैं! बेचारा गिराउड—मुझे आश्चर्य नहीं होगा अगर उसने इन पर बिल्कुल भी ध्यान न दिया हो।”
उसी क्षण, सामने का दरवाजा खुला, और एम. हाउटेट और कमिसरी सीढ़ियों से नीचे आए।
“अरे, श्रीमान पोइरोट, हम आपको ही ढूंढने आ रहे थे,” मजिस्ट्रेट ने कहा। “काफी देर हो चुकी है, लेकिन मैं मैडम डाउब्रूइल से मिलना चाहता हूँ। निस्संदेह, श्रीमान रेनॉल्ड की मृत्यु से वह बहुत दुखी होंगी, और शायद हमें उनसे कोई सुराग मिल जाए। वह रहस्य जो उन्होंने अपनी पत्नी को नहीं बताया, हो सकता है कि उन्होंने

वह उस महिला को बता दिया हो जिसके प्यार ने उन्हें गुलाम बना रखा था। हम जानते हैं कि हमारे सैमसन कहाँ कमजोर हैं, है ना?"
मुझे एम. हाउटेट की भाषा की सुंदरता बहुत पसंद आई। मुझे संदेह था कि जांच अधिकारी अब तक इस रहस्यमय नाटक में अपनी भूमिका का भरपूर आनंद ले रहे होंगे।
"क्या एम. गिराउड हमारे साथ नहीं आएंगे?" पोइरोट ने पूछा।
"एम. गिराउड ने स्पष्ट रूप से दिखा दिया है कि वे मामले को अपने तरीके से चलाना पसंद करते हैं," एम. हाउटेट ने रूखेपन से कहा। यह आसानी से समझा जा सकता था कि गिराउड द्वारा जांच मजिस्ट्रेट के प्रति किए गए लापरवाह व्यवहार से मजिस्ट्रेट पर उनके पक्ष में कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा था। हमने और कुछ नहीं कहा, बल्कि कतार में लग गए। पोइरोट जांच मजिस्ट्रेट के साथ चले, और कमिश्नर और मैं कुछ कदम पीछे-पीछे चले।
"इसमें कोई शक नहीं कि फ्रांस्वा की कहानी काफी हद तक सही है," उन्होंने मुझसे गोपनीय लहजे में कहा। "मैंने मुख्यालय में फोन किया है। ऐसा लगता है कि पिछले छह हफ्तों में तीन बार—यानी जब से एम. रेनॉल्ड मर्लिनविले पहुंचे हैं—मैडम डाउब्रूइल ने अपने बैंक खाते में नोटों के रूप में एक बड़ी रकम जमा की है। कुल मिलाकर यह रकम दो लाख फ्रैंक है!"
मैंने सोचते हुए कहा, "हे भगवान! यह तो लगभग चार हजार पाउंड के आसपास होगा!"
"बिल्कुल सही। जी हां, इसमें कोई शक नहीं कि वह उस पर पूरी तरह फिदा था। लेकिन यह देखना बाकी है कि उसने अपना राज़ उसे बताया था या नहीं। जांच मजिस्ट्रेट को उम्मीद है, लेकिन मैं उनकी राय से सहमत नहीं हूं।"
इस बातचीत के दौरान हम उस गली से नीचे की ओर जा रहे थे जहाँ दोपहर में हमारी कार रुकी थी, और तभी मुझे एहसास हुआ कि विला मार्गुराइट, रहस्यमयी मैडम डाउब्रूइल का घर, वही छोटा सा घर था जहाँ से वह खूबसूरत लड़की निकली थी।
"वह यहाँ कई सालों से रह रही है," कमिश्नर ने घर की ओर इशारा करते हुए कहा। "बहुत चुपचाप, बिना किसी को बताए। मर्लिनविले में उसने जो जान-पहचान बनाई है, उसके अलावा उसके कोई दोस्त या रिश्तेदार नहीं हैं। वह कभी अतीत की बात नहीं करती, न ही अपने पति की। यहाँ तक कि यह भी पता नहीं कि वह ज़िंदा है या मर गया है। उसके बारे में एक रहस्य है, आप समझ रहे हैं ना?" मैंने सिर हिलाया, मेरी दिलचस्पी बढ़ती जा रही थी।
"और—बेटी?" मैंने हिम्मत करके पूछा।
"एक बेहद खूबसूरत युवती—विनम्र, धर्मनिष्ठ, हर वो गुण जो उसे होना चाहिए। उस पर तरस आता है, क्योंकि भले ही उसे अतीत के बारे में कुछ भी पता न हो, लेकिन जो पुरुष उससे विवाह का प्रस्ताव रखना चाहता है, उसे उसके अतीत के बारे में जानकारी अवश्य प्राप्त करनी होगी, और फिर—" कमिश्नर ने व्यंग्यपूर्वक अपने कंधे उचका दिए।

"लेकिन इसमें उसकी कोई गलती नहीं होगी!" मैंने बढ़ते आक्रोश के साथ चिल्लाकर कहा।
“नहीं। लेकिन आप क्या करेंगे? एक पुरुष अपनी पत्नी के पिछले जीवन के बारे में बहुत सतर्क रहता है।”
दरवाजे पर पहुँचते ही मैं आगे बहस करने से रुक गया। एम. हाउटेट ने घंटी बजाई। कुछ मिनट बीतने के बाद, हमें अंदर से कदमों की आहट सुनाई दी और दरवाजा खुल गया। दहलीज पर उस दोपहर की मेरी युवा देवी खड़ी थी। जब उसने हमें देखा, तो उसके गालों का रंग उड़ गया, वह एकदम सफेद पड़ गई और उसकी आँखें भय से चौड़ी हो गईं। इसमें कोई शक नहीं था, वह डरी हुई थी!
“महोदया डाउब्रूइल,” एम. हाउटेट ने अपनी टोपी झाड़ते हुए कहा, “हमें आपको परेशान करने के लिए बहुत खेद है, लेकिन कानून की बाध्यताएँ हैं—क्या आप समझती हैं? आपकी माताजी को मेरा प्रणाम कहिएगा, और क्या वे कृपा करके मुझे कुछ क्षणों के लिए मिलने का समय देंगी?”
एक पल के लिए लड़की स्तब्ध खड़ी रही। उसका बायां हाथ उसकी कमर पर दबा हुआ था, मानो वह अपने दिल की अचानक और अनियंत्रित बेचैनी को शांत करने की कोशिश कर रही हो। लेकिन उसने खुद पर काबू पाया और धीमी आवाज़ में बोली:
मैं जाकर देख लेता हूँ। आप अंदर आ जाइए।
वह हॉल के बाईं ओर के एक कमरे में दाखिल हुई, और हमें उसकी धीमी, गुनगुनी आवाज़ सुनाई दी। फिर एक और आवाज़, लगभग वैसी ही, लेकिन मधुरता के पीछे थोड़ी सी कठोरता लिए हुए, सुनाई दी:
“बिल्कुल। उनसे प्रवेश करने के लिए कहें।”
एक मिनट के भीतर ही हम रहस्यमयी मैडम डाउब्रूइल के आमने-सामने थे।
वह अपनी बेटी जितनी लंबी नहीं थी, और उसके सुडौल शरीर में परिपक्वता की झलक साफ झलकती थी। उसके बाल, बेटी के बालों से अलग, गहरे रंग के थे और बीच से मांग निकालकर मैडोना स्टाइल में संवारे हुए थे। उसकी नीली आँखें, झुकी हुई पलकों से आधी ढकी हुई थीं। उसकी गोल ठुड्डी में एक डिंपल था, और उसके आधे खुले होंठ हमेशा एक रहस्यमयी मुस्कान की ओर बढ़ते प्रतीत होते थे। उसमें कुछ हद तक अतिरंजित स्त्रीत्व था, जो एक साथ कोमल और मोहक दोनों था। हालांकि वह बहुत अच्छी तरह से सजी-संवरी थी, फिर भी वह अब जवान नहीं थी, लेकिन उसका आकर्षण उम्र से परे था।
वहाँ खड़ी, अपनी काली पोशाक में, जिसमें नया सफेद कॉलर और कफ लगा था, और हाथों को आपस में जोड़े हुए, वह सूक्ष्म रूप से आकर्षक और असहाय लग रही थी।
“महाशय, आप मुझसे मिलना चाहते थे?” उसने पूछा।
“जी महोदया।” श्री हाउटेट ने गला साफ किया। “मैं श्री रेनॉल्ड की मृत्यु की जांच कर रहा हूँ। आपने इसके बारे में सुना ही होगा, इसमें कोई संदेह नहीं।”
उसने बिना कुछ बोले अपना सिर झुका लिया। उसके चेहरे के भाव में कोई बदलाव नहीं आया।
"हम आपसे यह पूछने आए हैं कि क्या आप—उह—इससे जुड़े हालातों पर कुछ प्रकाश डाल सकते हैं?"
“मैं?” उसके स्वर में आश्चर्य का भाव उत्कृष्ट था।

जी महोदया। शायद बेहतर होगा अगर हम आपसे अकेले में बात कर सकें। उसने लड़की की ओर अर्थपूर्ण ढंग से देखा।
मैडम डाउब्रूइल उसकी ओर मुड़ीं।
“मार्था, प्रिय—”
लेकिन लड़की ने अपना सिर हिला दिया।
“नहीं, माँ, मैं नहीं जाऊँगी। मैं बच्ची नहीं हूँ। मैं बाईस साल की हूँ। मैं नहीं जाऊँगी।”
मैडम डाउब्रूइल ने जांच कर रहे मजिस्ट्रेट की ओर मुड़कर देखा।
"देखिए, महोदय।"
मैं मैडमोजेल डाउब्रूइल के सामने बोलना पसंद नहीं करूंगा।
"जैसा कि मेरी बेटी कहती है, वह बच्ची नहीं है।"
एक पल के लिए मजिस्ट्रेट असमंजस में पड़ गया।
“ठीक है, महोदया,” उसने अंत में कहा। “जैसा आप चाहें। हमारे पास यह मानने का कारण है कि आप शाम को मृतक के विला में उनसे मिलने जाया करती थीं। क्या यह सच है?”
महिला के पीले गालों पर लाली छा गई, लेकिन उसने शांत स्वर में उत्तर दिया:
मैं आपको ऐसा प्रश्न पूछने के अधिकार से वंचित करता हूँ!
"मैडम, हम एक हत्या की जांच कर रहे हैं।"
"तो फिर इसमें क्या है? मेरा हत्या से कोई लेना-देना नहीं था।"
“महोदया, हम ऐसा बिल्कुल नहीं कहते। लेकिन आप उस मृत व्यक्ति को अच्छी तरह जानती थीं। क्या उसने कभी आपको अपने ऊपर मंडरा रहे किसी खतरे के बारे में बताया था?”
"कभी नहीं।"
"क्या उन्होंने कभी सैंटियागो में अपने जीवन और वहां बनाए गए अपने किसी भी दुश्मन का जिक्र किया था?"
"नहीं।"
तो फिर आप हमारी बिल्कुल भी मदद नहीं कर सकते?
“मुझे डरने की कोई बात नहीं है। मुझे सच में समझ नहीं आता कि आपको मेरे पास आने की क्या ज़रूरत है। क्या उनकी पत्नी आपको वो जानकारी नहीं दे सकती जो आप जानना चाहते हैं?” उनकी आवाज़ में व्यंग्य का हल्का सा भाव था।
"मैडम रेनॉल्ड ने हमें वह सब कुछ बता दिया है जो वह बता सकती थीं।"
“आह!” मैडम डाउब्रूइल ने कहा। “मुझे आश्चर्य हो रहा है—”
“आप किस बात पर आश्चर्य कर रही हैं, महोदया?”
"कुछ नहीं।"

जांच करने वाले मजिस्ट्रेट ने उसकी ओर देखा। वह जानता था कि वह एक द्वंद्वयुद्ध लड़ रहा है, और उसका प्रतिद्वंद्वी कोई मामूली नहीं था।
"क्या आप अपने इस कथन पर कायम हैं कि एम. रेनॉल्ड ने आप पर कोई भरोसा नहीं किया था?"
"आपको ऐसा क्यों लगता है कि वह मुझसे अपनी बातें साझा करेगा?"
“क्योंकि, महोदया,” एम. हाउटेट ने सोची-समझी क्रूरता से कहा। “एक आदमी अपनी प्रेमिका से वो बातें कहता है जो वह हमेशा अपनी पत्नी से नहीं कहता।”
“आह!” वह झपट पड़ी। उसकी आँखों में आग सी चमक उठी। “महाशय, आप मेरा अपमान कर रहे हैं! और वह भी मेरी बेटी के सामने! मैं आपको कुछ नहीं बता सकती। कृपा करके मेरे घर से चले जाइए!”
सारा श्रेय निस्संदेह महिला को ही जाता था। हम विला मार्गुराइट से शर्मिंदा स्कूली बच्चों के झुंड की तरह निकले। मजिस्ट्रेट गुस्से में बड़बड़ा रहे थे। पोइरोट सोच में डूबे हुए लग रहे थे। अचानक वे चौंककर अपनी तंद्रा से बाहर आए और एम. हाउटेट से पूछा कि क्या आस-पास कोई अच्छा होटल है।
“शहर के इस तरफ एक छोटा सा होटल है, होटल डेस बैंस। सड़क से कुछ सौ गज आगे। यह आपकी जांच के लिए सुविधाजनक होगा। तो, मुझे लगता है कि हम सुबह मिलेंगे?”
"जी हां, मैं आपको धन्यवाद देता हूं, एम. हौटेट।"
आपसी शिष्टाचार के साथ, हम अलग हो गए, पोइरोट और मैं मर्लिनविले की ओर चले गए, और बाकी लोग विला जेनेवीव लौट गए।
“फ्रांसीसी पुलिस व्यवस्था वाकई अद्भुत है,” पोइरोट ने उनकी ओर देखते हुए कहा। “उनके पास हर किसी के जीवन के बारे में, छोटी से छोटी बात तक, जो जानकारी होती है, वह असाधारण है। हालांकि वह यहाँ सिर्फ छह सप्ताह से थोड़ा अधिक समय से हैं, लेकिन वे श्री रेनॉल्ड की रुचियों और शौक से भली-भांति परिचित हैं, और वे पल भर में मैडम डाउब्रूइल के बैंक खाते और उसमें हाल ही में जमा हुई रकम के बारे में जानकारी दे सकते हैं! निःसंदेह, डॉसियर एक महान संस्था है। लेकिन वह क्या है?” वह अचानक मुड़े।
एक आकृति बिना टोपी पहने हमारे पीछे सड़क पर दौड़ रही थी। वह मार्थे डाउब्रूइल थी।
“माफ़ कीजिए,” वह हांफते हुए हमारे पास पहुँची और बोली, “मुझे पता है, मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए। आप मेरी माँ को मत बताना। लेकिन क्या यह सच है, जो लोग कह रहे हैं, कि श्री रेनॉल्ड ने मरने से पहले एक जासूस को बुलाया था, और—और वह आप ही हैं?”
“जी हां, महोदया,” पोइरोट ने नरमी से कहा। “यह बिल्कुल सच है। लेकिन आपको यह कैसे पता चला?”
"फ्रांकोइस ने हमारी एमिली को बताया," मार्थे ने शरमाते हुए समझाया।
पोइरोट ने मुंह बनाया।
“इस तरह के मामले में गोपनीयता असंभव है! वैसे इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। अच्छा, महोदया, आप क्या जानना चाहती हैं?”

लड़की हिचकिचाई। वह बोलने के लिए उत्सुक और भयभीत दोनों प्रतीत हो रही थी। अंत में, लगभग फुसफुसाते हुए, उसने पूछा:
क्या किसी पर शक है?
पोइरोट ने उसे ध्यान से देखा।
फिर उन्होंने टालमटोल भरे लहजे में जवाब दिया:
"इस समय संदेह का माहौल है, महोदया।"
“हां, मुझे पता है—लेकिन—क्या कोई खास व्यक्ति?”
"आप क्यों जानना चाहते हैं?"
सवाल सुनकर लड़की डर गई। अचानक मुझे पोइरोट के वो शब्द याद आ गए जो उन्होंने दिन में पहले उसके बारे में कहे थे। "चिंतित आँखों वाली लड़की!"
अंत में उसने उत्तर दिया, “श्री रेनॉल्ड हमेशा मेरे प्रति बहुत दयालु रहे हैं। इसलिए स्वाभाविक है कि मुझे इसमें रुचि हो।”
“मैं समझ गया,” पोइरोट ने कहा। “ठीक है, महोदया, फिलहाल संदेह दो व्यक्तियों के इर्द-गिर्द मंडरा रहा है।”
"दो?"
मुझे ऐसा लगा जैसे उसकी आवाज में आश्चर्य और राहत का भाव था।
उनके नाम अज्ञात हैं, लेकिन माना जाता है कि वे सैंटियागो के चिलीवासी हैं। और अब, महोदया, आप देख रही हैं कि जवान और खूबसूरत होने का क्या नतीजा होता है! मैंने आपके लिए पेशेवर राज़ उजागर कर दिए हैं!
लड़की खिलखिलाकर हंसी और फिर थोड़ी शरमाते हुए उसने उसे धन्यवाद दिया।
मुझे अब वापस जाना होगा। मम्मा मुझे बहुत याद करेंगी।
और वह मुड़ी और वापस सड़क पर दौड़ पड़ी, मानो आधुनिक अटलांटा हो। मैं उसे देखता रह गया।
"मेरे दोस्त," पोइरोट ने अपनी सौम्य व्यंग्यात्मक आवाज में कहा, "क्या हमें पूरी रात यहीं रुके रहना है - सिर्फ इसलिए कि तुमने एक खूबसूरत युवती को देखा है, और तुम्हारा दिमाग चकरा रहा है?"
मैंने हंसते हुए माफी मांगी।
"लेकिन वो बेहद खूबसूरत है, पोइरोट। कोई भी उसकी खूबसूरती पर मुग्ध हो जाए तो उसे माफ किया जा सकता है।"
पोइरोट कराह उठा।
“हे भगवान! लेकिन बात तो ये है कि आपका दिल बहुत जल्दी संवेदनशील हो जाता है!”
मैंने कहा, "पोइरोट, क्या आपको स्टाइल्स केस के बाद का वो समय याद है जब—"

“जब आप एक ही समय में दो आकर्षक महिलाओं से प्यार करते थे, और उनमें से कोई भी आपके लिए नहीं थी? हां, मुझे याद है।”
“आपने मुझे यह कहकर दिलासा दिया कि शायद किसी दिन हम फिर से साथ में शिकार करेंगे, और तब—”
"कुंआ?"
“अच्छा, हम फिर से साथ में शिकार कर रहे हैं, और—” मैं रुका और थोड़ा संकोच से हँस पड़ा।
लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि पोइरोट ने बड़ी गंभीरता से अपना सिर हिलाया।
“अरे, मेरे दोस्त, मार्थे डाउब्रूइल पर दिल मत लगाओ। वो तुम्हारे लिए नहीं है! पापा पोइरोट की बात मानो!”
“अरे वाह!” मैं चिल्लाई, “कैरिस कर्मचारी ने तो मुझे भरोसा दिलाया था कि वह जितनी खूबसूरत है उतनी ही अच्छी भी है! बिलकुल परी जैसी!”
“मैंने जितने भी बड़े-बड़े अपराधी देखे हैं, उनमें से कुछ के चेहरे देवदूतों जैसे थे,” पोइरोट ने हंसमुख अंदाज़ में कहा। “दिमाग की कुछ गड़बड़ी किसी देवी के चेहरे से आसानी से मेल खा सकती है।”
“पोइरोट,” मैं भयभीत होकर चिल्लाई, “आप यह नहीं कह सकते कि आप एक निर्दोष बच्चे पर इस तरह संदेह कर रहे हैं!”
“टा-टा-टा! ज़्यादा उत्तेजित मत होइए! मैंने यह नहीं कहा कि मुझे उस पर शक था। लेकिन आपको मानना पड़ेगा कि मामले के बारे में जानने की उसकी उत्सुकता कुछ असामान्य है।”
मैंने कहा, "इस बार मैं तुम्हारी सोच से कहीं आगे देख पा रहा हूँ। उसकी चिंता खुद के लिए नहीं, बल्कि अपनी माँ के लिए है।"
“मेरे दोस्त,” पोइरोट ने कहा, “हमेशा की तरह, तुम्हें कुछ भी दिखाई नहीं दे रहा है। मैडम डाउब्रूइल अपनी बेटी की चिंता किए बिना भी अपना ख्याल बखूबी रख सकती हैं। मैं मानता हूँ कि मैंने अभी तुम्हें चिढ़ाया था, लेकिन फिर भी मैं अपनी बात दोहराता हूँ। उस लड़की पर दिल मत लगाओ। वह तुम्हारे लिए नहीं है! मैं, हरक्यूल पोइरोट, यह जानता हूँ। हे भगवान! काश मुझे याद आ जाता कि मैंने वह चेहरा कहाँ देखा था!”
मैंने हैरानी से पूछा, "कौन सा चेहरा? बेटी का?"
नहीं। माँ की।
मेरी हैरानी को देखकर उन्होंने जोर से सिर हिलाया।
“लेकिन हाँ—यह वैसा ही है जैसा मैंने आपको बताया। बहुत समय पहले की बात है, जब मैं बेल्जियम में पुलिस में था। मैंने उस महिला को पहले कभी नहीं देखा, लेकिन मैंने उसकी तस्वीर देखी है—और वह भी किसी मामले के सिलसिले में। मुझे लगता है—”
"हाँ?"
"हो सकता है मैं गलत हूँ, लेकिन मुझे लगता है कि यह हत्या का मामला था!"

8

एक अप्रत्याशित मुलाकात

अगली सुबह हम विला में जल्दी पहुँच गए। द्वार पर तैनात पहरेदार ने इस बार हमारा रास्ता नहीं रोका। इसके बजाय, उसने आदरपूर्वक हमें नमस्कार किया और हम घर में चले गए। नौकरानी लियोनी सीढ़ियों से नीचे आ रही थी और ऐसा लग रहा था कि उसे थोड़ी बातचीत करने में कोई आपत्ति नहीं है।

पोइरोट ने श्रीमती रेनॉल्ड के स्वास्थ्य के बारे में पूछताछ की।

लियोनी ने अपना सिर हिलाया।

“बेचारी औरत बहुत परेशान है! वो कुछ खा नहीं रही—बिल्कुल कुछ नहीं! और उसका चेहरा भूत की तरह पीला पड़ गया है। उसे इस हालत में देखना दिल दहला देने वाला है। अरे, मैं तो कभी उस आदमी के लिए इतना दुखी नहीं होऊंगी जिसने मुझे किसी दूसरी औरत के साथ धोखा दिया हो!”

पोइरोट ने सहानुभूतिपूर्वक सिर हिलाया।

“आपकी बात बिल्कुल सही है, लेकिन आप क्या करेंगे? प्रेम करने वाली स्त्री का हृदय अनेक आघातों को क्षमा कर देता है। फिर भी, निस्संदेह पिछले कुछ महीनों में उनके बीच आरोप-प्रत्यारोप के कई दृश्य अवश्य रहे होंगे।”

लियोनी ने फिर से अपना सिर हिलाया।

“कभी नहीं, महोदय। मैंने कभी भी मैडम को विरोध का एक शब्द भी बोलते नहीं सुना— यहाँ तक कि निंदा का भी नहीं! उनका स्वभाव और व्यवहार किसी देवदूत जैसा था—महोदय से बिल्कुल अलग।”

“क्या महाशय रेनॉल्ड का स्वभाव देवदूत जैसा नहीं था?”

बिलकुल नहीं। जब वह क्रोधित होता था, तो पूरे घर को पता चल जाता था। जिस दिन उसका एम. जैक से झगड़ा हुआ—हे भगवान! उनकी चीखें इतनी तेज़ थीं कि बाज़ार तक सुनाई दे सकती थीं!

“जी हां,” पोइरोट ने कहा। “और यह झगड़ा कब हुआ था?”

“ओह! ये तो मिस्टर जैक के पेरिस जाने से ठीक पहले की बात है। उनकी ट्रेन लगभग छूट ही गई थी। वो लाइब्रेरी से बाहर आए और हॉल में छूटा अपना बैग उठाया। उनकी कार ठीक हो रही थी, इसलिए उन्हें स्टेशन के लिए भागना पड़ा। मैं लिविंग रूम की सफाई कर रही थी और मैंने उन्हें गुजरते देखा। उनका चेहरा एकदम सफेद पड़ गया था—बिल्कुल सफेद—और उस पर दो जगह लाल धब्बों की जलन थी। आह, वो तो बहुत गुस्से में थे!”

लियोनी को अपनी कहानी सुनाने में बहुत आनंद आ रहा था।

और वह विवाद किस बारे में था?
“अरे, मुझे तो नहीं पता,” लियोनी ने स्वीकार किया। “यह सच है कि वे चिल्ला रहे थे, लेकिन उनकी आवाज़ इतनी तेज़ और ऊंची थी, और वे इतनी तेज़ी से बोल रहे थे कि केवल अंग्रेज़ी का अच्छा जानकार ही समझ सकता था। लेकिन महोदय, वे तो दिन भर गरजते बादल की तरह थे! उन्हें खुश करना नामुमकिन था!”
ऊपर से दरवाजा बंद होने की आवाज ने लियोनी की वाचालता को अचानक रोक दिया।
“और फ्रांस्वा जो मेरा इंतज़ार कर रही है!” उसने अपने कर्तव्यों की याद आते हुए कहा। “वो बुढ़िया, वो हमेशा डांटती रहती है।”
“एक पल रुकिए, महोदया। जांच मजिस्ट्रेट कहाँ हैं?”
“वे गैराज में खड़ी गाड़ी को देखने गए हैं। कमिश्नर महोदय को कुछ अंदाजा था कि हत्या की रात उस गाड़ी का इस्तेमाल किया गया होगा।”
"क्या शानदार विचार है," पोइरोट ने धीरे से कहा, जैसे ही लड़की गायब हो गई।
"क्या तुम बाहर जाकर उनसे जुड़ोगे?"
नहीं, मैं सैलून में उनके लौटने का इंतजार करूंगी। इस गर्म सुबह में वहां ठंडक है।
चीजों को इस तरह शांति से स्वीकार करने का तरीका मुझे बिल्कुल भी पसंद नहीं आया।
“अगर आपको कोई आपत्ति न हो तो—” मैंने कहा और हिचकिचाया।
"बिल्कुल नहीं। आप अपने दम पर जांच करना चाहते हैं, है ना?"
"खैर, अगर गिराउड कहीं आस-पास हो तो मैं उसे देखना चाहूंगा और यह देखना चाहूंगा कि वह क्या कर रहा है।"
“इंसानी लोमड़ी का शिकारी,” पोइरोट ने आरामदेह कुर्सी पर पीछे झुकते हुए और आंखें बंद करते हुए धीरे से कहा। “ज़रूर, मेरे दोस्त। अलविदा।”
मैं सामने के दरवाजे से बाहर निकला। बहुत गर्मी थी। मैं उसी रास्ते पर मुड़ा जिस पर हम कल गए थे। मेरा इरादा था कि मैं खुद घटनास्थल का मुआयना करूँ। हालाँकि, मैं सीधे घटनास्थल पर नहीं गया, बल्कि झाड़ियों में मुड़ गया, ताकि लगभग सौ गज आगे दाहिनी ओर गोल्फ कोर्स पर पहुँच सकूँ। अगर गिराउड अभी भी वहीं होता, तो मैं उसके आने से पहले ही उसके तरीकों को देखना चाहता था। लेकिन यहाँ झाड़ियाँ बहुत घनी थीं, और मुझे उनमें से रास्ता बनाने में काफी मशक्कत करनी पड़ी। जब मैं आखिरकार गोल्फ कोर्स पर पहुँचा, तो अचानक और इतनी तेज़ी से कि मैं एक युवती से ज़ोर से टकरा गया जो बागान की ओर पीठ करके खड़ी थी।
उसने स्वाभाविक रूप से दबी हुई चीख मारी, लेकिन मैंने भी आश्चर्य से एक विस्मयबोध व्यक्त किया। क्योंकि वह ट्रेन में मेरी दोस्त सिंड्रेला थी!
आश्चर्य दोनों पक्षों को हुआ।
“तुम,” हम दोनों ने एक साथ कहा।

युवती ने सबसे पहले खुद को संभाला।
“मेरी इकलौती चाची!” उसने हैरानी से कहा। “आप यहाँ क्या कर रही हैं?”
“वैसे, तुम हो क्या?” मैंने पलटकर पूछा।
“जब मैंने तुम्हें आखिरी बार देखा था, परसों, तुम एक अच्छे छोटे बच्चे की तरह इंग्लैंड वापस जा रहे थे। क्या उन्होंने तुम्हें सांसद होने के नाते आने-जाने का सीज़न टिकट दे दिया है?”
मैंने भाषण के अंत को नजरअंदाज कर दिया।
मैंने कहा, “जब मैंने तुम्हें आखिरी बार देखा था, तब तुम अपनी बहन के साथ घर जा रही थी, बिल्कुल एक अच्छी बच्ची की तरह। वैसे, तुम्हारी बहन कैसी है?”
मुझे सफेद दांतों की एक झलक देखने को मिली।
“पूछने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद! मेरी बहन ठीक है, आपका शुक्रिया।”
“क्या वह आपके साथ है?”
“वह शहर में ही रही,” उस चतुर महिला ने गरिमापूर्ण ढंग से कहा।
मैंने हंसते हुए कहा, "मुझे विश्वास नहीं होता कि तुम्हारी कोई बहन है। अगर है भी, तो उसका नाम हैरिस है!"
"क्या तुम्हें मेरा याद है?" उसने मुस्कुराते हुए पूछा।
“सिंड्रेला। लेकिन अब तुम मुझे असली कहानी सुनाने वाली हो, है ना?”
उसने शरारती मुस्कान के साथ अपना सिर हिलाया।
"क्या आपको यह भी नहीं पता कि आप यहाँ क्यों आए हैं?"
“अरे वाह! मुझे लगता है आपने मेरे पेशे के सदस्यों के ‘आराम करने’ के बारे में सुना ही होगा।”
"महंगे फ्रांसीसी बार में?"
"अगर आपको पता हो कि कहां जाना है तो यह बहुत सस्ता है।"
मैंने उसे गौर से देखा।
"फिर भी, जब मैं आपसे दो दिन पहले मिला था, तब आपका यहां आने का कोई इरादा नहीं था?"
“हम सभी को कभी न कभी निराशा का सामना करना पड़ता है,” मिस सिंड्रेला ने उपदेशात्मक लहजे में कहा। “बस, मैंने तुम्हें उतना बता दिया जितना तुम्हारे लिए ठीक था। छोटे लड़कों को जिज्ञासु नहीं होना चाहिए। तुमने अभी तक मुझे यह नहीं बताया कि तुम यहाँ क्या कर रहे हो? लगता है, सांसद को साथ लेकर आए हो, और समुद्र तट पर मौज-मस्ती कर रहे हो।”
मैंने सिर हिलाया। "फिर से सोचो। तुम्हें याद है मैंने तुम्हें बताया था कि मेरा एक बहुत अच्छा दोस्त जासूस था?"
"हाँ?"
"और शायद आपने विला जेनेवीव में हुए इस अपराध के बारे में सुना होगा?"
उसने मेरी ओर घूरकर देखा। उसकी छाती ऊपर-नीचे होने लगी और उसकी आँखें चौड़ी और गोल हो गईं।

"आपका मतलब यह तो नहीं है कि आप भी इसमें शामिल हैं?"
मैंने सिर हिलाया। इसमें कोई शक नहीं था कि मैंने बहुत अच्छा स्कोर किया था। मुझे देखते हुए उसकी भावनाएँ स्पष्ट रूप से झलक रही थीं। कुछ सेकंड तक वह चुप रही और मुझे देखती रही। फिर उसने ज़ोर से सिर हिलाया।
“वाह, इससे भी भयानक! मुझे घुमाओ। मैं सारी डरावनी चीजें देखना चाहता हूँ।”
"आपका क्या मतलब है?"
“वाह! बेचारे लड़के, मैंने तुमसे कहा था ना कि मुझे अपराध बहुत पसंद हैं? मैं इस दाढ़ी के लिए ऊँची एड़ी के जूते पहनकर अपने टखनों को क्यों खतरे में डाल रही हूँ? मैं घंटों से इधर-उधर घूम रही हूँ। सामने से भी अंदर जाने की कोशिश की, लेकिन वो अड़ियल फ्रांसीसी पुलिसवाला कुछ भी नहीं मान रहा था। लगता है हेलेन ऑफ ट्रॉय, क्लियोपेट्रा और मैरी ऑफ स्कॉट्स, तीनों मिलकर भी उसे प्रभावित नहीं कर पाएँगी! तुम्हारा इस तरह मिलना वाकई किस्मत की बात है। चलो, मुझे सारी जगहें दिखाओ।”
लेकिन ज़रा रुकिए—मैं नहीं जा सकता। किसी को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं है। वे बहुत सख्त हैं।
"क्या तुम और तुम्हारा दोस्त बड़े कीड़े नहीं हो?"
मैं अपने महत्वपूर्ण पद को छोड़ने के लिए अनिच्छुक था।
मैंने कमजोर आवाज में पूछा, "तुम इतने उत्सुक क्यों हो? और तुम क्या देखना चाहते हो?"
“ओह, सब कुछ! घटना स्थल, हथियार, शव, उंगलियों के निशान या ऐसी ही कोई दिलचस्प चीज़ें। मुझे इससे पहले कभी इस तरह की हत्या के इतने करीब रहने का मौका नहीं मिला। यह बात मुझे ज़िंदगी भर याद रहेगी।”
मैं घृणा से मुंह फेर लिया। आजकल औरतें किस ओर जा रही हैं? उस लड़की का भयानक उत्साह मुझे घिनौना लग रहा था। मैंने उन औरतों की भीड़ के बारे में पढ़ा था जो अदालतों को घेर लेती थीं जब किसी बेचारे आदमी पर मौत की सज़ा का मुकदमा चल रहा होता था। मैं कभी-कभी सोचती थी कि ये औरतें कौन हैं। अब मुझे पता चल गया था। वे सिंड्रेला जैसी थीं, जवान, फिर भी अस्वस्थ उत्तेजना की लालसा से ग्रस्त, किसी भी कीमत पर सनसनी की चाहत रखने वाली, शालीनता या अच्छे भाव की परवाह किए बिना। उस लड़की की सुंदरता ने मुझे अनजाने में ही आकर्षित कर लिया था, फिर भी दिल में मेरी पहली नापसंदगी और घृणा बनी रही। मैंने अपनी मां के बारे में सोचा, जो बहुत पहले गुजर चुकी थीं। वह इस अजीब आधुनिक लड़की के बारे में क्या कहतीं? मेकअप और पाउडर से सजा सुंदर चेहरा, और उसके पीछे छिपा भयानक दिमाग!
"अपना घमंड छोड़ो," महिला ने अचानक कहा। "और खुद को इतना अभिमानी मत समझो। जब तुम्हें इस काम के लिए बुलाया गया था, तो क्या तुमने नाक-भौं सिकोड़कर कहा था कि यह एक घिनौना धंधा है और तुम इसमें शामिल नहीं होना चाहोगे?"
"नहीं, लेकिन-"

"अगर आप यहां छुट्टी मनाने आए होते, तो क्या आप भी मेरी तरह इधर-उधर नहीं घूम रहे होते? बिल्कुल घूम रहे होते।"
मैं एक पुरुष हूँ। तुम एक महिला हो।
“औरत के बारे में आपकी सोच यह है कि वो चूहा देखकर कुर्सी पर चढ़कर चीखने लगती है। ये सब पुरानी सोच है। लेकिन आप मुझे घुमाएंगे ना? देखिए, इससे मेरे लिए बहुत फर्क पड़ सकता है।”
"किस तरह से?"
“वे सभी पत्रकारों को बाहर रख रहे हैं। हो सकता है मैं किसी अखबार के साथ कोई बड़ी खबर प्रकाशित करवा दूं। पता नहीं अंदर की जानकारी के लिए वे कितना पैसा देते हैं।”
मैं झिझक गया। उसने अपना छोटा सा कोमल हाथ मेरे हाथ में रख दिया।
"कृपया—वहाँ एक प्यारी सी बच्ची है।"
मैंने हार मान ली। मन ही मन मुझे पता था कि तमाशा करने वाले की भूमिका निभाना मुझे अच्छा लगेगा। आखिर, उस लड़की का नैतिक रवैया मेरे लिए कोई मायने नहीं रखता था। मुझे थोड़ा डर था कि जांच अधिकारी क्या कहेंगे, लेकिन मैंने यह सोचकर खुद को तसल्ली दी कि इससे कोई नुकसान नहीं हो सकता। हम सबसे पहले उस जगह गए जहाँ शव मिला था। वहाँ एक आदमी पहरा दे रहा था, जिसने मुझे देखते ही पहचान लिया और सम्मानपूर्वक सलाम किया, और मेरे साथी के बारे में कोई सवाल नहीं पूछा। शायद उसने उसे मेरे द्वारा प्रमाणित मान लिया था। मैंने सिंड्रेला को बताया कि शव कैसे मिला, और उसने ध्यान से सुना, बीच-बीच में कुछ समझदारी भरे सवाल भी पूछे। फिर हम विला की ओर चल पड़े। मैं थोड़ा संभलकर चल रहा था, क्योंकि सच कहूँ तो मैं किसी से भी मिलने के लिए बिल्कुल भी उत्सुक नहीं था। मैं लड़की को झाड़ियों के बीच से ले जाकर घर के पीछे वाले हिस्से में ले गया जहाँ एक छोटा सा शेड था। मुझे याद आया कि कल शाम, दरवाजा बंद करने के बाद, एम. बेक्स ने चाबी सार्जेंट डी विले मार्चाउड के पास छोड़ दी थी, "ताकि अगर एम. गिराउड को ऊपर रहते समय इसकी ज़रूरत पड़े तो वह ले सकें।" मुझे लगा कि शायद सुरेते जासूस ने चाबी इस्तेमाल करने के बाद उसे वापस मार्चाउड को दे दी होगी। लड़की को झाड़ियों में छिपाकर, मैं घर में दाखिल हुआ। मार्चौंड सैलून के दरवाजे के बाहर ड्यूटी पर था। अंदर से फुसफुसाहट की आवाजें आ रही थीं।
“क्या महाशय हाउटेट से मिलना चाहते हैं? वह अंदर ही हैं। वह फिर से फ्रांस्वा से पूछताछ कर रहे हैं।”
मैंने जल्दी से कहा, "नहीं, मुझे वह नहीं चाहिए। लेकिन अगर नियमों के खिलाफ नहीं है तो मुझे बाहर बने शेड की चाबी चाहिए।"
“जी हाँ, महोदय।” उन्होंने उसे निकाल कर दिया। “यह रहा। न्यायाधीश महोदय ने आदेश दिया था कि सभी सुविधाएँ आपके लिए उपलब्ध कराई जाएँ। जब आपका काम वहाँ से समाप्त हो जाए, तो आप इसे मुझे लौटा देंगे, बस इतना ही।”
"बिल्कुल।"

मुझे यह जानकर संतोष की अनुभूति हुई कि कम से कम मार्शाँड की नज़र में, मैं पोइरोट के बराबर ही महत्वपूर्ण था। वह लड़की मेरा इंतज़ार कर रही थी। मेरे हाथ में चाबी देखकर वह खुशी से चिल्ला उठी।
“तो अब आपको मिल गया?”
“बिल्कुल,” मैंने शांत भाव से कहा। “फिर भी, आप जानते हैं, मैं जो कर रहा हूँ वह बहुत ही असामान्य है।”
“तुम एकदम परफेक्ट बत्तख रहे हो, और मैं इसे कभी नहीं भूलूंगा। चलो, घर से हमें कोई देख तो नहीं सकता, है ना?”
“एक मिनट रुको।” मैंने उसकी बेताब चाल को रोका। “अगर तुम सच में अंदर जाना चाहती हो तो मैं तुम्हें नहीं रोकूँगी। लेकिन क्या तुम सच में जाना चाहती हो? तुमने कब्र देखी है, आसपास का इलाका देखा है, और इस पूरे मामले की सारी बातें सुन ली हैं। क्या इतना तुम्हारे लिए काफी नहीं है? यह सब बहुत भयानक और अप्रिय होने वाला है।”
उसने कुछ पल के लिए मेरी ओर देखा, उसके चेहरे पर एक ऐसा भाव था जिसे मैं पूरी तरह समझ नहीं पाया। फिर वह हंस पड़ी।
“मुझे इन भयानक अनुभवों के लिए तैयार रहना है,” उसने कहा। “चलो मेरे साथ।”
हम खामोशी से शेड के दरवाजे तक पहुँचे। मैंने दरवाजा खोला और हम अंदर चले गए। मैं शव के पास गया और धीरे से चादर हटाई, ठीक वैसे ही जैसे एम. बेक्स ने पिछली दोपहर की थी। लड़की के होंठों से एक हल्की सी कराह निकली और मैं मुड़कर उसे देखने लगा। अब उसके चेहरे पर खौफ था और उसका वो चंचल उत्साह पूरी तरह से खत्म हो चुका था। उसने मेरी सलाह नहीं मानी थी और अब उसे उसकी अवहेलना की सजा मिल रही थी। मुझे उस पर बहुत दया आ रही थी। अब उसे यह करना ही होगा। मैंने शव को धीरे से पलटा।
मैंने कहा, "देखो, उसे पीठ में छुरा घोंपा गया था।"
उसकी आवाज लगभग न के बराबर थी।
"साथ क्या?"
मैंने कांच के जार की ओर इशारा किया।
“वह खंजर।”
अचानक लड़की लड़खड़ा गई और फिर ढेर हो गई। मैं उसकी सहायता के लिए दौड़ा।
“तुम बेहोश हो रहे हो। यहाँ से बाहर आओ। यह तुम्हारे लिए बहुत असहनीय हो गया है।”
“पानी,” उसने धीरे से कहा। “जल्दी। पानी...”
मैंने उसे वहीं छोड़ दिया और जल्दी से घर के अंदर चला गया। सौभाग्य से कोई नौकर वहाँ नहीं था, और मैं चुपके से एक गिलास पानी लेने में कामयाब रहा और जेब में रखी बोतल से उसमें कुछ बूँदें ब्रांडी मिला दी। कुछ ही मिनटों में मैं वापस आ गया। लड़की उसी हालत में पड़ी थी जैसे मैंने उसे छोड़ा था, लेकिन ब्रांडी और पानी के कुछ घूंटों ने उसे चमत्कारिक रूप से होश में ला दिया।

“मुझे यहाँ से बाहर निकालो—ओह, जल्दी, जल्दी!” वह कांपते हुए चिल्लाई।
मैंने उसे अपनी बांहों में सहारा देकर बाहर हवा में उठाया, और उसने दरवाजा अपने पीछे खींच लिया। फिर उसने एक गहरी सांस ली।
“अब ठीक है। अरे, यह तो बहुत भयानक था! तुमने मुझे अंदर जाने ही क्यों दिया?”
मुझे यह इतना स्त्रीत्वपूर्ण लगा कि मैं मुस्कुराए बिना नहीं रह सकी। मन ही मन, मुझे उसके इस तरह टूट जाने से कोई निराशा नहीं हुई। इससे साबित हुआ कि वह उतनी निर्दयी नहीं थी जितना मैंने सोचा था। आखिरकार, वह एक बच्ची से ज़्यादा कुछ नहीं थी, और उसकी जिज्ञासा शायद अविवेकी ही रही होगी।
मैंने नरमी से कहा, "मैंने तुम्हें रोकने की पूरी कोशिश की थी, तुम्हें पता है ना?"
मुझे लगता है आपने कर लिया होगा। अच्छा, अलविदा।
“देखो, तुम इस तरह अकेले शुरुआत नहीं कर सकते। तुम इसके लायक नहीं हो। मैं तुम्हें मर्लिनविले वापस ले जाने पर जोर देता हूँ।”
“बकवास। मैं अब बिल्कुल ठीक हूँ।”
"मान लो तुम्हें फिर से चक्कर आ जाए? नहीं, मैं तुम्हारे साथ आऊंगा।"
लेकिन उसने बड़ी ऊर्जा के साथ इसका मुकाबला किया। आखिरकार, मैं इतना सफल हो गया कि मुझे उसके साथ कस्बे के बाहरी इलाके तक जाने की अनुमति मिल गई। हम अपने पुराने रास्ते से वापस लौटे, कब्र के पास से फिर गुजरे और सड़क पर मुड़ गए। जहाँ दुकानों की पहली कतार शुरू हुई, वहाँ वह रुक गई और उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया।
अलविदा, और मेरे साथ आने के लिए आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।
"क्या आप अब पूरी तरह से ठीक हैं?"
“जी हां, धन्यवाद। मुझे उम्मीद है कि मुझे ये सब दिखाने से आपको कोई परेशानी नहीं होगी?”
मैंने इस विचार को हल्के ढंग से अस्वीकार कर दिया।
"अच्छा नमस्ते।"
मैंने सुधार करते हुए कहा, "अलविदा। अगर आप यहीं रुक रहे हैं, तो हम फिर मिलेंगे।"
उसने मेरी तरफ मुस्कुराकर देखा।
“हाँ, बिल्कुल। अलविदा।”
"एक मिनट रुकिए, आपने मुझे अपना पता नहीं बताया?"
“ओह, मैं होटल डू फारे में ठहरा हुआ हूँ। यह छोटा सा होटल है, लेकिन काफी अच्छा है। कल आकर मुझसे मिल लेना।”
मैंने शायद कुछ हद तक अनावश्यक दबाव के साथ कहा, "मैं करूँगा।"
मैंने उसे ओझल होते देखा, फिर मुड़कर विला की ओर वापस चल दिया। मुझे याद आया कि मैंने शेड का दरवाजा दोबारा बंद नहीं किया था। सौभाग्य से किसी ने मेरी इस चूक पर ध्यान नहीं दिया था, इसलिए मैंने

चाबी घुमाकर दरवाजा निकाला और उसे सार्जेंट डी विले को लौटा दिया। और ऐसा करते ही अचानक मुझे एहसास हुआ कि सिंड्रेला ने मुझे अपना पता तो दे दिया था, लेकिन मैं उसका नाम नहीं जानता था।

9

एम. गिराउड को कुछ सुराग मिले

हॉल में मैंने जांच मजिस्ट्रेट को बूढ़े माली ऑगस्टे से पूछताछ करते हुए पाया। पोइरोट और कमिश्नर, जो दोनों वहां मौजूद थे, ने क्रमशः मुस्कुराकर और विनम्रतापूर्वक झुककर मेरा अभिवादन किया। मैं चुपचाप एक कुर्सी पर बैठ गया। एम. हाउटेट अत्यंत सावधानी और बारीकी से जांच कर रहे थे, लेकिन उन्हें कोई महत्वपूर्ण जानकारी नहीं मिल पाई।

बागवानी के दस्ताने, जिन्हें ऑगस्टे ने अपना बताया था, वह उन्हें प्रिमूला नामक एक विशेष प्रकार के पौधे को संभालते समय पहनता था, जो कुछ लोगों के लिए विषैला होता था। वह यह नहीं बता सका कि उसने उन्हें आखिरी बार कब पहना था। निश्चित रूप से उसे उनकी कमी महसूस नहीं हुई थी। वे कहाँ रखे थे? कभी एक जगह, कभी दूसरी जगह। फावड़ा आमतौर पर छोटे औजारों के शेड में मिलता था। क्या वह बंद था? बिल्कुल बंद था। चाबी कहाँ रखी थी? अरे वाह, वह तो दरवाजे में ही थी! चोरी करने लायक कोई कीमती सामान नहीं था। भला किसने सोचा होगा कि डाकुओं या हत्यारों का कोई गिरोह आएगा? मैडम ला विस्काउंटेस के ज़माने में ऐसी घटनाएँ नहीं होती थीं। एम. हाउटेट ने यह जताते हुए कि उनका काम खत्म हो गया है, बूढ़ा आदमी आखिरी तक बड़बड़ाता हुआ चला गया। पोइरोट के फूलों की क्यारियों में पैरों के निशानों पर बेतुके ज़ोर को

याद करते हुए, मैंने उसकी गवाही को गौर से देखा। या तो उसका अपराध से कोई लेना-देना नहीं था या वह एक माहिर अभिनेता था। अचानक, जैसे ही वह दरवाजे से बाहर जा रहा था, मेरे मन में एक विचार आया।
“माफ़ कीजिए श्रीमान हौटेट,” मैंने पुकार कर कहा, “लेकिन क्या आप मुझे एक सवाल पूछने की अनुमति देंगे?”
"जी हां, महोदय।"
इससे प्रोत्साहित होकर मैंने ऑगस्टे की ओर रुख किया।
आप अपने जूते कहाँ रखते हैं?
“कागज़ पर!” बूढ़े आदमी ने गुर्राते हुए कहा। “अपने पैरों पर खड़ा हो जाओ। और कहाँ?”
लेकिन जब आप रात को सोने जाते हैं?
मेरे बिस्तर के नीचे।
लेकिन इन्हें साफ कौन करता है?
“कोई नहीं। इन्हें साफ क्यों किया जाए? क्या इसलिए कि मैं एक नौजवान की तरह आगे-आगे घूमता हूँ? रविवार को तो मैं संडे बूट पहनता हूँ, बिल्कुल समझ में आता है, लेकिन बाकी दिनों में—!” उसने कंधे उचका दिए।
मैंने निराश होकर अपना सिर हिलाया।
“अच्छा, अच्छा,” मजिस्ट्रेट ने कहा। “हम ज़्यादा प्रगति नहीं कर पा रहे हैं। निस्संदेह हमें सैंटियागो से वापसी का तार मिलने तक रुकना पड़ेगा। क्या किसी ने गिराउड को देखा है? सच में, उसमें शिष्टाचार की कमी है! मेरा मन कर रहा है कि उसे बुलवा लूँ और—”
“आपको ज्यादा दूर भेजने की जरूरत नहीं पड़ेगी, श्रीमान न्यायाधीश।”
उस धीमी आवाज ने हमें चौंका दिया। गिराउड बाहर खड़ा खुली खिड़की से अंदर देख रहा था।
वह फुर्ती से कमरे में दाखिल हुआ और मेज की ओर बढ़ा।
"यहाँ मैं उपस्थित हूँ, महोदय महोदय, आपकी सेवा में। कृपया पहले उपस्थित न होने के लिए क्षमा करें।"
“बिल्कुल नहीं। बिल्कुल नहीं,” मजिस्ट्रेट ने कुछ उलझन भरे लहजे में कहा।
“बेशक, मैं तो सिर्फ एक जासूस हूँ,” दूसरे ने आगे कहा। “मुझे पूछताछ के बारे में कुछ नहीं पता। अगर मैं पूछताछ कर रहा होता, तो मैं खिड़की खुली रखे बिना ही पूछताछ करना पसंद करता। बाहर खड़ा कोई भी व्यक्ति अंदर की हर बात आसानी से सुन सकता है... लेकिन कोई बात नहीं।”
एम. हौटेट गुस्से से लाल हो गए। जाहिर सी बात है कि जांच मजिस्ट्रेट और मामले के प्रभारी जासूस के बीच कभी भी सुलह नहीं होने वाली थी। शुरुआत में ही दोनों के बीच अनबन हो गई थी। शायद किसी भी हालत में यही हाल होता। गिराउड की नजर में सभी जांच मजिस्ट्रेट मूर्ख थे, और खुद को गंभीर समझने वाले एम. हौटेट को पेरिस के जासूस का लापरवाह रवैया बेहद बुरा लगा।

“जी हाँ, श्रीमान गिराउड,” मजिस्ट्रेट ने कुछ तीखे स्वर में कहा। “निस्संदेह आपने अपना समय एक अद्भुत कार्य में लगाया है? आपके पास हत्यारों के नाम हैं, है ना? और साथ ही वह सटीक स्थान भी जहाँ वे इस समय मौजूद हैं?”
इस विडंबना से अप्रभावित होकर, गिराउड ने उत्तर दिया:
मुझे कम से कम यह तो पता है कि वे कहाँ से आए हैं।
"टिप्पणी?"
गिराउड ने अपनी जेब से दो छोटी वस्तुएँ निकालीं और उन्हें मेज पर रख दिया। हम सब उसके चारों ओर जमा हो गए। वस्तुएँ बहुत ही साधारण थीं: सिगरेट का एक टुकड़ा और एक बिना जली माचिस। जासूस ने पोइरोट की ओर मुड़कर देखा।
“तुम्हें वहाँ क्या दिख रहा है?” उसने पूछा।
उनकी आवाज़ में लगभग क्रूरता थी। इससे मेरे गाल लाल हो गए। लेकिन पोइरोट अविचलित रहे। उन्होंने कंधे उचका दिए।
"सिगरेट का एक टुकड़ा और एक माचिस।"
और इससे आपको क्या पता चलता है?
पोइरोट ने अपने हाथ फैला दिए।
"इससे मुझे कुछ भी पता नहीं चलता।"
“आह!” गिराउड ने संतुष्ट स्वर में कहा। “आपने इन चीजों का अध्ययन नहीं किया है। यह कोई साधारण माचिस नहीं है—कम से कम हमारे देश में तो नहीं। दक्षिण अमेरिका में तो यह काफी आम है। सौभाग्य से यह जली हुई नहीं है। वरना मैं इसे पहचान ही नहीं पाता। जाहिर है, उनमें से किसी एक व्यक्ति ने अपनी सिगरेट का बचा हुआ टुकड़ा फेंक दिया और दूसरी जलाई, जिससे माचिस की डिब्बी से एक माचिस गिर गई।”
“और दूसरी माचिस?” पोइरोट ने पूछा।
“कौन सा मैच?”
“जिससे उसने सिगरेट जलाई थी। क्या आपको वह भी मिल गया?”
"नहीं।"
"शायद आपने ठीक से खोजबीन नहीं की।"
“पूरी तरह से तलाशी नहीं—” एक पल के लिए ऐसा लगा मानो जासूस गुस्से से भड़क उठेगा, लेकिन उसने बड़ी मुश्किल से खुद को संभाला। “मुझे लगता है आपको मज़ाक पसंद है, मिस्टर पोइरोट। लेकिन फिर भी, माचिस हो या न हो, सिगरेट का टुकड़ा ही काफी होगा। यह दक्षिण अमेरिकी सिगरेट है जिसमें मुलेठी के छिलके वाला कागज लगा है।”
पोइरोट ने झुककर अभिवादन किया। रसद अधिकारी ने कहा:

"सिगरेट का टुकड़ा और माचिस शायद एम. रेनॉल्ड के रहे होंगे। याद रखिए, उन्हें दक्षिण अमेरिका से लौटे हुए अभी सिर्फ दो साल ही हुए हैं।"
“नहीं,” दूसरे ने आत्मविश्वास से जवाब दिया। “मैंने पहले ही एम. रेनॉल्ड के सामान की छानबीन कर ली है। उनके द्वारा पी जाने वाली सिगरेट और इस्तेमाल की जाने वाली माचिसें बिल्कुल अलग हैं।”
पोइरोट ने पूछा, "क्या आपको यह अजीब नहीं लगता कि ये अजनबी बिना हथियार, बिना दस्ताने, बिना फावड़े के आए हों और उन्हें ये सारी चीजें इतनी आसानी से मिल गई हों?"
गिराउड ने बड़े ही गर्व भरे अंदाज में मुस्कुराया।
"निस्संदेह यह विचित्र है। वास्तव में, मेरे द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत के बिना, यह अकथनीय होगा।"
“अहा!” एम. हौटेट ने कहा। “एक साथी। घर के अंदर ही एक साथी!”
"या फिर इसके बाहर," गिराउड ने एक अजीब सी मुस्कान के साथ कहा।
“लेकिन किसी ने तो उन्हें अंदर आने दिया होगा? हम यह कैसे मान सकते हैं कि सौभाग्यवश उन्हें अंदर आने का रास्ता मिल गया?”
“ठीक है, माननीय न्यायाधीश महोदय। उनके लिए दरवाजा खोला गया था, लेकिन इसे बाहर से भी उतनी ही आसानी से खोला जा सकता था—किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा जिसके पास चाबी हो।”
लेकिन चाबी किसके पास थी?
गिराउड ने अपने कंधे उचका दिए।
“जहाँ तक इसकी बात है, जिसके पास यह चाबी है, वह इसे मानने से इनकार करेगा, अगर मुमकिन हो तो। लेकिन कई लोगों के पास यह चाबी हो सकती थी। उदाहरण के लिए, जैक रेनॉल्ड, जो उनका बेटा है। यह सच है कि वह दक्षिण अमेरिका जा रहा है, लेकिन हो सकता है कि उसने चाबी खो दी हो या चोरी हो गई हो। फिर माली है—वह यहाँ कई सालों से काम कर रहा है। हो सकता है कि किसी युवा नौकर का कोई प्रेमी हो। चाबी की छाप लेना और नई चाबी बनवाना आसान है। कई संभावनाएं हैं। फिर एक और व्यक्ति है, जिसके पास, मेरे अनुमान से, ऐसी चाबी होने की बहुत अधिक संभावना है।”
"कोण है वोह?"
"मैडम डाउब्रूइल," जासूस ने रूखेपन से कहा।
“अरे, अरे!” मजिस्ट्रेट ने थोड़ा उदास चेहरा बनाते हुए कहा, “तो आपने इसके बारे में सुना है, है ना?”
"मैं सब कुछ सुनता हूँ," गिराउड ने शांत भाव से कहा।
“एक बात तो पक्की है, जो आपने नहीं सुनी होगी,” एम. हौते ने अपने बेहतर ज्ञान का प्रदर्शन करते हुए खुशी से कहा और बिना देर किए पिछली रात आए रहस्यमय आगंतुक की कहानी सुना दी। उन्होंने “डुवीन” के नाम से जारी किए गए चेक का भी जिक्र किया और अंत में “बेला” के हस्ताक्षर वाला पत्र गिराउड को सौंप दिया।
गिराउड चुपचाप सुनता रहा, पत्र का ध्यानपूर्वक अध्ययन किया और फिर उसे वापस कर दिया।

“यह सब बहुत दिलचस्प है, महोदय। लेकिन मेरा सिद्धांत अप्रभावित रहता है।”
“और आपका सिद्धांत क्या है?”
"फिलहाल मैं कुछ कहना नहीं चाहूंगा। याद रखिए, मैंने अभी-अभी अपनी जांच शुरू की है।"
“मुझे एक बात बताइए, मिस्टर गिराउड,” पोइरोट ने अचानक कहा। “आपकी थ्योरी में दरवाज़ा खुला होना तो ठीक है, लेकिन यह नहीं समझाती कि उसे खुला क्यों छोड़ा गया था। जब वे चले गए, तो क्या उनके लिए दरवाज़ा बंद करना स्वाभाविक नहीं होता? अगर कोई सार्जेंट डी विले गलती से घर के पास आ जाता, जैसा कि कभी-कभी लोग यह देखने के लिए आते हैं कि सब ठीक है या नहीं, तो वे तुरंत पकड़े जा सकते थे।”
“अरे! वे भूल गए। गलती तो हुई, मैं मानता हूँ।”
फिर, मुझे आश्चर्य हुआ जब पोइरोट ने लगभग वही शब्द कहे जो उसने पिछली शाम बेक्स से कहे थे:
मैं आपसे सहमत नहीं हूँ। दरवाजा खुला छोड़ना या तो जानबूझकर किया गया था या फिर मजबूरी में, और जो भी सिद्धांत इस तथ्य को स्वीकार नहीं करता वह व्यर्थ ही सिद्ध होगा।
हम सभी उस छोटे कद के व्यक्ति को बड़े आश्चर्य से देख रहे थे। मुझे लगा था कि मैच के दौरान उससे जो अज्ञानता का स्वीकारोक्ति करवाया गया था, उससे उसे अपमानित होना ही चाहिए था, लेकिन यहाँ वह हमेशा की तरह आत्मसंतुष्ट था और बिना किसी झिझक के महान गिराउड को नियम बता रहा था।
जासूस ने अपनी मूंछें मरोड़ते हुए मेरे दोस्त को कुछ व्यंग्यात्मक अंदाज में देखा।
“आप मुझसे सहमत नहीं हैं, है ना? अच्छा, इस मामले में आपको सबसे ज्यादा क्या बात खटकती है? चलिए, आपके विचार जानते हैं।”
“एक बात मुझे महत्वपूर्ण लगती है। मुझे बताइए, श्रीमान गिराउड, क्या इस मामले में आपको कुछ भी परिचित नहीं लगता? क्या यह आपको किसी और बात की याद नहीं दिलाता?”
“परिचित लग रहा है? किसी की याद दिलाता है? मैं तुरंत नहीं कह सकता। मुझे नहीं लगता।”
“आप गलत हैं,” पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। “लगभग इसी तरह का अपराध पहले भी हो चुका है।”
“कब? और कहाँ?”
"अरे, दुर्भाग्यवश, मुझे इस समय याद नहीं आ रहा है—लेकिन मैं याद करने की कोशिश करूंगा। मुझे उम्मीद थी कि आप मेरी मदद कर पाएंगे।"
गिराउड ने अविश्वास से नाक सिकोड़ी।
“नकाबपोश लोगों के कई मामले सामने आए हैं! मुझे उन सभी का विवरण याद नहीं है। ये सभी अपराध कमोबेश एक जैसे ही हैं।”
“व्यक्तिगत स्पर्श जैसी भी कोई चीज़ होती है।” पोइरोट ने अचानक अपना उपदेशात्मक अंदाज़ अपनाया और हम सभी को संबोधित किया। “मैं आज आप सभी से अपराध के मनोविज्ञान के बारे में बात कर रहा हूँ। एम. गिराउड अच्छी तरह जानते हैं कि हर अपराधी का अपना एक तरीका होता है, और पुलिस, जब किसी जाँच के लिए बुलाई जाती है—मान लीजिए चोरी का मामला—तो अक्सर अपराधी के अपनाए गए खास

तरीके से ही उसकी पहचान का सटीक अनुमान लगा सकती है। (हैस्टिंग्स, जैप भी यही बात कहेंगे।) मनुष्य एक मौलिक प्राणी नहीं है। कानून के दायरे में रहकर अपने रोज़मर्रा के सम्मानजनक जीवन में भी वह मौलिक नहीं होता, और कानून के बाहर भी उतना ही मौलिक नहीं होता। अगर कोई व्यक्ति एक अपराध करता है, तो उसके द्वारा किया गया कोई भी दूसरा अपराध उससे मिलता-जुलता होगा। वह अंग्रेज़ हत्यारा जिसने अपनी पत्नियों को उनके बाथटब में डुबोकर मार डाला था, इसका एक उदाहरण है। अगर उसने अपने तरीकों में बदलाव किया होता, तो शायद वह आज तक पकड़ा न जाता। लेकिन उसने मानव स्वभाव के सामान्य नियमों का पालन किया, यह सोचकर कि जो एक बार सफल हो गया है, वह फिर से सफल होगा, और उसे अपनी मौलिकता की कमी का खामियाजा भुगतना पड़ा।”

"और इन सब का मकसद क्या है?" गिराउड ने व्यंग्यपूर्वक कहा।

“जब दो अपराध योजना और क्रियान्वयन में बिल्कुल एक जैसे हों, तो दोनों के पीछे एक ही दिमाग होता है। मैं उसी दिमाग की तलाश कर रहा हूँ, श्रीमान गिराउड—और मैं उसे ढूंढ निकालूँगा। यहाँ हमारे पास एक सच्चा सुराग है—एक मनोवैज्ञानिक सुराग। श्रीमान गिराउड, आप सिगरेट और माचिस की तीलियों के बारे में सब कुछ जानते होंगे, लेकिन मैं, हरक्यूल पोइरोट, इंसान के दिमाग को जानता हूँ!” और उस हास्यास्पद छोटे आदमी ने जोर से अपना माथा थपथपाया।

गिराउड बिल्कुल भी प्रभावित नहीं हुए।

“आपकी जानकारी के लिए,” पोइरोट ने आगे कहा, “मैं आपको एक ऐसी बात भी बताना चाहूंगा जो शायद आपकी नज़र में न आए। त्रासदी के अगले दिन मैडम रेनॉल्ड की कलाई घड़ी दो घंटे आगे हो गई थी। शायद आपको इसे देखना दिलचस्प लगे।”

गिराउड घूरता रहा।

"शायद इसे बढ़ने की आदत थी?"

"दरअसल, मुझे बताया गया है कि ऐसा हुआ था।"

"अच्छा तब!"

“फिर भी, दो घंटे काफी हैं,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “फिर फूलों की क्यारी में पैरों के निशान का मामला भी है।”

उसने खुली खिड़की की ओर सिर हिलाया। गिराउड ने दो उत्सुक कदम बढ़ाए और बाहर देखा।

“यह बिस्तर यहाँ?”

"हाँ।"

"लेकिन मुझे तो कोई पदचिह्न नहीं दिख रहे?"

“नहीं,” पोइरोट ने मेज पर रखी किताबों के छोटे से ढेर को सीधा करते हुए कहा। “ऐसी कोई किताब नहीं है।”

एक पल के लिए, लगभग जानलेवा क्रोध ने गिराउड के चेहरे को ढक लिया। वह अपने उत्पीड़क की ओर दो कदम बढ़ा, लेकिन उसी क्षण सैलून का दरवाजा खुला और मार्चाउड ने घोषणा की।

“श्री स्टोनर, सचिव, अभी-अभी इंग्लैंड से आए हैं। क्या वे अंदर आ सकते हैं?”

10

गेब्रियल स्टोनर

कमरे में दाखिल होने वाला व्यक्ति एक प्रभावशाली व्यक्तित्व था। लंबा कद, सुगठित एथलेटिक शरीर, और गहरे कांस्य रंग के चेहरे और गर्दन के साथ, वह सभा में अपना दबदबा बनाए हुए था। यहां तक कि गिराउड भी उसके सामने क्षीण प्रतीत हो रहा था। जब मैं उसे बेहतर तरीके से जान पाया, तो मुझे एहसास हुआ कि गैब्रियल स्टोनर एक असाधारण व्यक्तित्व था। जन्म से अंग्रेज, उसने दुनिया भर में यात्रा की थी। उसने अफ्रीका में बड़े जानवरों का शिकार किया था, कोरिया की यात्रा की थी, कैलिफोर्निया में पशुपालन किया था, और दक्षिण सागर द्वीपों में व्यापार किया था। वह न्यूयॉर्क के एक रेलवे व्यवसायी का सचिव रह चुका था, और एक साल रेगिस्तान में अरबों के एक मित्रवत कबीले के साथ डेरा डाले हुए बिताया था।

उनकी अचूक दृष्टि ने एम. हौटेट को पहचान लिया।

“इस मामले के प्रभारी जांच मजिस्ट्रेट? आपसे मिलकर खुशी हुई, माननीय न्यायाधीश महोदय। यह बहुत ही भयावह मामला है। श्रीमती रेनॉल्ड कैसी हैं? क्या वह ठीक हैं? उनके लिए यह बहुत बड़ा सदमा रहा होगा।”

“भयानक, भयानक,” एम. हाउटेट ने कहा। “मुझे एम. बेक्स से मिलवाने की अनुमति दें— हमारे पुलिस कमिश्नर, सुरेते के एम. गिराउड। ये सज्जन एम. हरक्यूल पोइरोट हैं। एम. रेनॉल्ड ने उन्हें बुलवाया था, लेकिन वे त्रासदी को टालने के लिए बहुत देर से पहुँचे। एम. पोइरोट के एक मित्र, कैप्टन हेस्टिंग्स।”

स्टोनर ने पोइरोट को कुछ दिलचस्पी से देखा।

"क्या उसने तुम्हें बुलवाया था?"

"तो क्या आपको यह नहीं पता था कि एम. रेनॉल्ड एक जासूस को बुलाने पर विचार कर रहे थे?" एम. बेक्स ने बीच में टोकते हुए पूछा।

“नहीं, मैंने नहीं किया। लेकिन इससे मुझे जरा भी हैरानी नहीं हुई।”

"क्यों?"

“क्योंकि बूढ़ा आदमी घबरा गया था! मुझे नहीं पता कि आखिर हुआ क्या था। उसने मुझसे कभी कुछ नहीं कहा। हमारे बीच वैसे संबंध नहीं थे। लेकिन वह बहुत घबरा गया था—और बुरी तरह से!”

“हम्म!” एम. हाउटेट ने कहा। “लेकिन आपको कारण का कोई अंदाजा नहीं है?”

“मैंने यही कहा था, महोदय।”

“आप मुझे क्षमा करेंगे, श्रीमान स्टोनर, लेकिन हमें कुछ औपचारिकताओं से शुरुआत करनी होगी। आपका नाम?”
“गैब्रियल स्टोनर।”
"आप कितने समय पहले एम. रेनॉल्ड की सचिव बनी थीं?"
"लगभग दो साल पहले, जब वह पहली बार दक्षिण अमेरिका से आए थे। मेरी उनसे एक आपसी दोस्त के माध्यम से मुलाकात हुई और उन्होंने मुझे यह पद प्रदान किया। वह एक बेहद शानदार बॉस भी थे।"
"क्या उन्होंने आपसे दक्षिण अमेरिका में अपने जीवन के बारे में बहुत कुछ बताया?"
"हां, काफी हद तक।"
"क्या आपको पता है कि वह कभी सैंटियागो में था?"
"कई बार, मुझे लगता है।"
"क्या उन्होंने वहां घटी किसी विशेष घटना का जिक्र नहीं किया—ऐसा कुछ भी जिससे उनके खिलाफ किसी प्रकार की प्रतिशोध की भावना उत्पन्न हो सकती थी?"
"कभी नहीं।"
क्या उसने वहां प्रवास के दौरान प्राप्त किसी रहस्य के बारे में बात की थी?
"नहीं।"
"क्या उसने कभी किसी रहस्य के बारे में कुछ कहा था?"
“मुझे याद नहीं। लेकिन फिर भी, उनके बारे में एक रहस्य था। उदाहरण के लिए, मैंने उन्हें कभी उनके बचपन के बारे में या दक्षिण अमेरिका आने से पहले की किसी घटना के बारे में बात करते नहीं सुना। मेरा मानना है कि वे जन्म से फ्रांसीसी कनाडाई थे, लेकिन मैंने उन्हें कभी कनाडा में अपने जीवन के बारे में बात करते नहीं सुना। वे चाहें तो एकदम चुप रह सकते थे।”
"तो, जहाँ तक आपको पता है, उसका कोई दुश्मन नहीं था, और आप हमें किसी ऐसे रहस्य के बारे में कोई सुराग नहीं दे सकते जिसके कब्जे में उसकी हत्या की गई हो?"
"ऐसा है।"
"श्री स्टोनर, क्या आपने श्री रेनॉल्ड के संबंध में डुवीन का नाम कभी सुना है?"
“डुवीन। डुवीन।” उन्होंने सोच-समझकर नाम दोहराया। “मुझे नहीं लगता कि मैंने कभी सुना है। फिर भी यह नाम जाना-पहचाना सा लगता है।”
"क्या आप एम. रेनॉल्ड की एक मित्र को जानते हैं, जिनका ईसाई नाम बेला है?"
श्री स्टोनर ने एक बार फिर अपना सिर हिलाया।
“बेला डुवीन? क्या यही पूरा नाम है? ये तो अजीब बात है! मुझे यकीन है कि मैं इसे जानती हूँ। लेकिन फिलहाल मुझे याद नहीं आ रहा कि किस संदर्भ में।”
मजिस्ट्रेट को खांसी आ गई।

“आप समझते हैं, श्रीमान स्टोनर—मामला इस प्रकार है। कोई संकोच नहीं होना चाहिए। शायद, मैडम रेनॉल्ड के प्रति सम्मान की भावना से—जिनके लिए, जैसा कि मुझे पता चला है, आपके मन में बहुत आदर और स्नेह है—आप—अंततः!” श्री हाउटेट अपनी बात में थोड़ा उलझते हुए बोले, “बिल्कुल कोई संकोच नहीं होना चाहिए।”

स्टोनर उसे घूर रहा था, उसकी आँखों में समझदारी की एक उभरती हुई किरण दिखाई दे रही थी।

“मुझे आपकी बात पूरी तरह समझ नहीं आ रही,” उन्होंने नरमी से कहा। “श्रीमती रेनॉल्ड का इसमें क्या लेना-देना है? मैं उस महिला का बहुत सम्मान और स्नेह करता हूँ; वह एक बहुत ही अद्भुत और असाधारण व्यक्तित्व हैं, लेकिन मुझे यह समझ नहीं आ रहा कि मेरी आपत्तियाँ, या अन्य बातें, उन पर कैसे असर डाल सकती हैं?”

"क्या ऐसा नहीं होगा अगर यह साबित हो जाए कि बेला डुवीन अपने पति के लिए सिर्फ एक दोस्त से बढ़कर कुछ और थी?"

“आह!” स्टोनर ने कहा। “अब मैं समझ गया। लेकिन मैं शर्त लगा सकता हूँ कि आप गलत हैं। उस बूढ़े आदमी ने कभी पेटीकोट की तरफ देखा तक नहीं। वह बस अपनी पत्नी से बहुत प्यार करता था। वे मेरी जानकारी में सबसे समर्पित दंपत्ति थे।”

एम. हौटेट ने धीरे से अपना सिर हिलाया।

“श्रीमान स्टोनर, हमारे पास पुख्ता सबूत हैं—बेला द्वारा श्री रेनॉल्ड को लिखा गया एक प्रेम पत्र, जिसमें उसने उन पर उससे ऊब जाने का आरोप लगाया है। इसके अलावा, हमारे पास इस बात का भी सबूत है कि उनकी मृत्यु के समय, उनका एक फ्रांसीसी महिला, मैडम डाउब्रूइल के साथ प्रेम संबंध था, जो बगल के विला को किराए पर लेती थी। और यही वह व्यक्ति है, जिसके बारे में आप कहते हैं कि उसने कभी किसी महिला के पेटीकोट की ओर देखा भी नहीं!”

सचिव की आंखें सिकुड़ गईं।

“ज़रा रुकिए, माननीय न्यायाधीश जी। आप गलत दिशा में जा रहे हैं। मैं पॉल रेनॉल्ड को जानता था। आपने अभी जो कहा है वह बिल्कुल असंभव है। इसका कोई और स्पष्टीकरण हो सकता है।”

मजिस्ट्रेट ने अपने कंधे उचका दिए।

"इसके अलावा और क्या स्पष्टीकरण हो सकता है?"

आपको ऐसा क्यों लगता है कि यह एक प्रेम प्रसंग था?

“मैडम डाउब्रूइल शाम को उनसे मिलने आती थीं। इसके अलावा, जब से एम. रेनॉल्ड विला जेनेवीव में आए हैं, मैडम डाउब्रूइल ने बैंक में बड़ी रकम नोटों के रूप में जमा की है। कुल मिलाकर, यह राशि आपके अंग्रेजी नोटों में चार हजार पाउंड है।”

स्टोनर ने धीमी आवाज़ में कहा, "मुझे लगता है कि यह सही है। मैंने उनकी रिक्वेस्ट पर उन्हें वो रकम भेजी थी। लेकिन यह कोई साजिश नहीं थी।"

“अरे! हे भगवान! और क्या हो सकता है?”
स्टोनर ने तीखे स्वर में कहा, "ब्लैकमेल! यही तो था।" उसने अपना हाथ मेज पर ज़ोर से पटका।
"आह! वोइला उन आइडी!" मजिस्ट्रेट चिल्लाया, खुद के बावजूद हिल गया।
स्टोनर ने दोहराया, “ब्लैकमेल। बूढ़े आदमी से खूब पैसा वसूला जा रहा था—और वो भी अच्छी खासी रकम से। कुछ ही महीनों में चार हज़ार। बाप रे! मैंने अभी-अभी कहा था कि रेनॉल्ड के बारे में कुछ रहस्य है। ज़ाहिर है, मैडम डाउब्रूइल को इसके बारे में इतनी जानकारी थी कि वो उस पर दबाव बना रही थीं।”
“यह संभव है,” रसद कर्मचारी ने उत्साह से चिल्लाते हुए कहा। “बिल्कुल, यह संभव है।”
"संभव है?" स्टोनर दहाड़ा। "बिल्कुल! बताओ, क्या तुमने श्रीमती रेनॉल्ड से अपने इस प्रेम प्रसंग के बारे में पूछा है?"
"नहीं, महोदय। यदि संभव हो तो हम उन्हें किसी भी प्रकार की असुविधा नहीं पहुंचाना चाहते थे।"
“परेशानी? अरे, वो तो तुम्हारे चेहरे पर ही हंस देगी। मैं तुम्हें बता दूं, वो और रेनॉल्ड सौ में एक अनोखे जोड़े थे।”
“अहा, इससे मुझे एक और बात याद आ गई,” एम. हाउटेट ने कहा। “क्या एम. रेनॉल्ड ने अपनी वसीयत के प्रावधानों के बारे में आपसे कभी भी विश्वास लिया था?”
“मुझे इसके बारे में सब पता है—उसने जब इसे तैयार किया था, तब मैंने इसे उसके वकील को दिखाया था। अगर आप देखना चाहें तो मैं आपको उसके वकीलों का नाम दे सकता हूँ। उनके पास यह मौजूद है। बिल्कुल सरल। आधा हिस्सा उसकी पत्नी के लिए जीवन भर के लिए ट्रस्ट में है, और बाकी आधा उसके बेटे के लिए। कुछ वसीयतें हैं। मुझे लगता है कि उसने मेरे लिए एक हजार डॉलर छोड़े हैं।”
“यह वसीयत कब तैयार की गई थी?”
"लगभग डेढ़ साल पहले।"
"क्या आपको यह जानकर बहुत आश्चर्य होगा, श्री स्टोनर, कि श्री रेनॉल्ड ने लगभग दो सप्ताह पहले एक और वसीयत बनाई थी?"
स्टोनर जाहिर तौर पर बहुत हैरान थे।
मुझे तो इसके बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी। यह कैसा होता है?
उनकी सारी विशाल संपत्ति बिना किसी शर्त के उनकी पत्नी के नाम कर दी गई है। उनके बेटे का कोई जिक्र नहीं है।
श्री स्टोनर ने एक लंबी सीटी बजाई।
“मुझे लगता है कि यह लड़के के साथ कुछ ज्यादा ही बुरा बर्ताव है। उसकी माँ तो उससे बहुत प्यार करती है, लेकिन दुनिया को यह उसके पिता की ओर से आत्मविश्वास की कमी जैसा लगता है। इससे उसके स्वाभिमान को ठेस पहुँचेगी। फिर भी, यह सब इस बात को साबित करता है जो मैंने आपको बताया था, कि रेनॉल्ड और उसकी पत्नी के बीच बहुत अच्छे संबंध थे।”

“बिल्कुल सही, बिल्कुल सही,” एम. हाउटेट ने कहा। “हो सकता है कि हमें कई बिंदुओं पर अपने विचारों पर पुनर्विचार करना पड़े। हमने सैंटियागो को तार भेज दिया है और हमें किसी भी क्षण वहाँ से उत्तर मिलने की उम्मीद है। पूरी संभावना है कि तब सब कुछ स्पष्ट और सीधा हो जाएगा। दूसरी ओर, यदि ब्लैकमेल का आपका सुझाव सही है, तो मैडम डाउब्रूइल हमें बहुमूल्य जानकारी दे सकती हैं।”
पोइरोट ने बीच में ही टिप्पणी की:
“क्या अंग्रेज ड्राइवर एम. स्टोनर, मास्टर्स, एम. रेनॉल्ड के साथ लंबे समय से थे?”
"एक वर्ष से अधिक समय से?"
क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि वह कभी दक्षिण अमेरिका गया है?
मुझे पूरा यकीन है कि उसने ऐसा नहीं किया है। श्री रेनॉल्ड के पास आने से पहले, वह कई वर्षों तक ग्लूस्टरशायर में कुछ लोगों के साथ रहा था जिन्हें मैं अच्छी तरह जानता हूं।
"दरअसल, आप उसके लिए यह साबित कर सकते हैं कि वह संदेह से परे है?"
"बिल्कुल।"
पोइरोट कुछ हद तक निराश लग रहे थे।
इसी बीच मजिस्ट्रेट ने मार्चौंड को तलब किया था।
"मैडम रेनॉल्ड को मेरा प्रणाम। मुझे उनसे कुछ मिनटों की बातचीत करने में खुशी होगी। कृपया उनसे अनुरोध है कि वे परेशान न हों। मैं ऊपर उनका इंतज़ार करूँगा।"
मार्चौंड ने सलाम किया और गायब हो गया।
हमने कुछ मिनट इंतजार किया, और फिर, हमारे आश्चर्य के लिए, दरवाजा खुला, और श्रीमती रेनॉल्ड, अपने गहरे शोक में डूबी हुई, बेहद पीली पड़ चुकीं, कमरे में दाखिल हुईं।
एम. हाउटेट ने ज़ोरदार विरोध जताते हुए एक कुर्सी आगे बढ़ाई, और श्रीमती रेनॉल्ड ने मुस्कुराते हुए उन्हें धन्यवाद दिया। स्टोनर ने गहरी सहानुभूति जताते हुए उनका एक हाथ अपने हाथ में थाम रखा था। उनके पास शब्द नहीं थे। श्रीमती रेनॉल्ड ने एम. हाउटेट की ओर रुख किया।
“आप मुझसे कुछ पूछना चाहते थे, श्रीमान न्यायाधीश।”
“आपकी अनुमति से, महोदया। मुझे पता चला है कि आपके पति जन्म से फ्रांसीसी कनाडाई थे। क्या आप मुझे उनके बचपन या परवरिश के बारे में कुछ बता सकती हैं?”
उसने अपना सिर हिलाया।
“मेरे पति अपने बारे में बहुत कम बोलते थे, महोदय। मुझे पता है कि वे उत्तर-पश्चिम से आए थे, लेकिन मुझे लगता है कि उनका बचपन दुखद रहा होगा, क्योंकि वे उस समय के बारे में कभी बात नहीं करना चाहते थे। हमारा जीवन पूरी तरह से वर्तमान और भविष्य में ही बीता।”
क्या उनके पिछले जीवन में कोई रहस्य था?
श्रीमती रेनॉल्ड ने हल्की सी मुस्कान बिखेरी और अपना सिर हिलाया।

"मुझे यकीन है कि ऐसा कुछ भी रोमांटिक नहीं है, श्रीमान न्यायाधीश।"
एम. हौटेट भी मुस्कुराए।
“सच है, हमें भावुक नहीं होना चाहिए। एक और बात है—” वह हिचकिचाया।
स्टोनर ने उतावलेपन से बीच में ही बात काट दी:
"उनके दिमाग में एक अजीबोगरीब ख्याल बैठा हुआ है, श्रीमती रेनॉल्ड। वे सचमुच यह सोचती हैं कि श्री रेनॉल्ड मैडम डाउब्रूइल के साथ साजिश रच रहे थे, जो जाहिर तौर पर उनके पड़ोस में रहती हैं।"
श्रीमती रेनॉल्ड के गाल लाल हो गए। उन्होंने अपना सिर ऊपर उठाया, फिर अपने होंठ काट लिए, उनका चेहरा कांप रहा था। स्टोनर उन्हें हैरानी से देख रही थी, लेकिन एम. बेक्स आगे झुकी और धीरे से बोलीं: "हमें आपको दुख पहुंचाने के लिए खेद है, महोदया, लेकिन क्या आपके पास यह मानने का कोई कारण है कि मैडम डाउब्रूइल आपके पति की प्रेमिका थीं?"
पीड़ा से कराहते हुए श्रीमती रेनॉल्ड ने अपना चेहरा अपने हाथों में छिपा लिया। उनके कंधे बुरी तरह हिल रहे थे। अंत में उन्होंने अपना सिर उठाया और टूटी हुई आवाज़ में कहा:
"हो सकता है वह रही हो।"
मैंने अपने पूरे जीवन में स्टोनर के चेहरे पर जो हैरानी और अचरज देखा, वैसा पहले कभी नहीं देखा। वह पूरी तरह से अचंभित रह गया था।

11

जैक रेनॉल्ड

आगे बातचीत किस दिशा में बढ़ती, यह मैं नहीं कह सकता, क्योंकि उसी क्षण दरवाजा जोर से खुला और एक लंबा युवक कमरे में दाखिल हुआ।

एक पल के लिए मुझे ऐसा लगा मानो मरा हुआ आदमी फिर से जीवित हो उठा हो। फिर मुझे एहसास हुआ कि इस काले सिर पर एक भी सफ़ेद बाल नहीं थे, और वास्तव में यह एक छोटा सा लड़का था जो बिना किसी औपचारिकता के हमारे बीच आ आया था। वह दूसरों की मौजूदगी की परवाह किए बिना सीधे श्रीमती रेनॉल्ड के पास चला गया।

"माँ!"

“जैक!” एक चीख के साथ उसने उसे अपनी बाहों में भर लिया। “मेरे प्यारे! लेकिन तुम यहाँ क्यों आए हो? तुम्हें तो दो दिन पहले चेरबर्ग से अंज़ोरा जहाज पर सवार होना था?” फिर, अचानक दूसरों की उपस्थिति का एहसास होने पर, वह कुछ गरिमा के साथ मुड़ी, “मेरे बेटे, महोदय।”

“अहा!” एम. हौटेट ने युवक के अभिवादन को स्वीकार करते हुए कहा। “तो आपने अंज़ोरा पर यात्रा नहीं की?”

“नहीं, महोदय। जैसा कि मैं समझाने ही वाला था, इंजन में खराबी के कारण एंज़ोरा चौबीस घंटे रुकी रही। मुझे पिछली रात ही रवाना हो जाना चाहिए था, परसों नहीं, लेकिन संयोगवश शाम का अखबार खरीदते समय मैंने उसमें उस भयानक त्रासदी का ब्योरा देखा जो हम पर आई थी—” उनकी आवाज़ भर्रा गई और उनकी आँखों में आँसू आ गए। “मेरे बेचारे पिता—मेरे बेचारे, बेचारे पिता।”

सपने में खोए हुए व्यक्ति की तरह उसे घूरते हुए, श्रीमती रेनॉल्ड ने दोहराया: "तो आपने यात्रा नहीं की?" और फिर, असीम थकावट के भाव से, उन्होंने मानो स्वयं से बुदबुदाते हुए कहा, "आखिरकार, अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।"

“कृपया बैठ जाइए, श्री रेनॉल्ड,” श्री हौटेट ने कुर्सी की ओर इशारा करते हुए कहा। “मेरी सहानुभूति आपके साथ है। आपको यह खबर सुनकर गहरा सदमा लगा होगा। हालांकि, यह सौभाग्य की बात है कि आप यात्रा करने से बच गए। मुझे उम्मीद है कि आप हमें वह जानकारी दे पाएंगे जिसकी हमें इस रहस्य को सुलझाने के लिए आवश्यकता है।”

“मैं आपकी सेवा में तत्पर हूं, माननीय न्यायाधीश। आप मुझसे जो चाहें पूछ सकते हैं।”

“सबसे पहले, मुझे पता चला है कि यह यात्रा आपके पिता के अनुरोध पर की जा रही थी?”
"बिल्कुल सही, माननीय न्यायाधीश महोदय। मुझे एक टेलीग्राम मिला है जिसमें मुझे बिना देरी किए ब्यूनस आयर्स जाने और वहां से एंडीज पर्वतमाला होते हुए वालपाराइसो और फिर सैंटियागो जाने का निर्देश दिया गया है।"
“अहा। और इस यात्रा का उद्देश्य क्या है?”
मुझे कोई जानकारी नहीं है, श्रीमान न्यायाधीश।
"क्या?"
“नहीं। देखिए, ये रहा टेलीग्राम।”
मजिस्ट्रेट ने उसे लिया और जोर से पढ़ा।
“चेरबर्ग से तुरंत प्रस्थान करें, आज रात ब्यूनस आयर्स के लिए रवाना होने वाली अंज़ोरा पर सवार हों। अंतिम गंतव्य सैंटियागो है। ब्यूनस आयर्स में आपको आगे के निर्देश मिलेंगे। चूक न करें। मामला अत्यंत महत्वपूर्ण है। रेनॉल्ड।” और इस मामले पर पहले कोई पत्राचार नहीं हुआ था?
जैक रेनॉल्ड ने अपना सिर हिलाया।
“यह एकमात्र संकेत है। मुझे पता था कि मेरे पिता, इतने लंबे समय तक वहाँ रहने के कारण, दक्षिण अमेरिका में स्वाभाविक रूप से कई रुचियाँ रखते थे। लेकिन उन्होंने मुझे वहाँ भेजने का कोई सुझाव कभी नहीं दिया था।”
“आपने दक्षिण अमेरिका में काफी समय बिताया है, श्री रेनॉल्ड?”
“मैं बचपन में वहाँ गया था। लेकिन मेरी शिक्षा इंग्लैंड में हुई और मैंने अपनी अधिकांश छुट्टियाँ उसी देश में बिताईं, इसलिए मैं दक्षिण अमेरिका के बारे में उतना नहीं जानता जितना शायद लोग सोचते होंगे। दरअसल, जब मैं सत्रह साल का था तब युद्ध छिड़ गया था।”
"आपने इंग्लिश फ्लाइंग कोर में सेवा की थी, है ना?"
"जी हां, माननीय न्यायाधीश।"
एम. हाउटेट ने सिर हिलाया और अब तक के जाने-माने तरीके से अपनी पूछताछ जारी रखी। जवाब में, जैक रेनॉल्ड ने स्पष्ट रूप से कहा कि उन्हें सैंटियागो शहर या दक्षिण अमेरिकी महाद्वीप में कहीं भी अपने पिता की किसी भी शत्रुता के बारे में कोई जानकारी नहीं थी, उन्होंने हाल ही में अपने पिता के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं देखा था, और उन्होंने उन्हें कभी किसी रहस्य का जिक्र करते हुए नहीं सुना था। उन्होंने दक्षिण अमेरिका के मिशन को व्यापारिक हितों से जुड़ा हुआ माना था।
जब एम. हौटेट एक मिनट के लिए रुके, तो गिराउड की शांत आवाज सुनाई दी।
“मैं अपने खाते से कुछ प्रश्न पूछना चाहूंगा, महोदय न्यायाधीश।”
“बिल्कुल, श्रीमान गिराउड, यदि आप चाहें तो,” मजिस्ट्रेट ने ठंडे स्वर में कहा।
गिराउड ने अपनी कुर्सी को मेज के थोड़ा और करीब खिसका लिया।

"क्या आपके अपने पिता, एम. रेनॉल्ड के साथ अच्छे संबंध थे?"
“बिल्कुल, मैं था,” लड़के ने घमंड से जवाब दिया।
"क्या आप इस बात को सकारात्मक रूप से कहते हैं?"
"हाँ।"
“कोई छोटी-मोटी बहस नहीं, है ना?”
जैक ने कंधे उचकाते हुए कहा, "हर किसी की राय कभी-कभार अलग हो सकती है।"
“बिल्कुल सही, बिल्कुल सही। लेकिन अगर कोई यह दावा करे कि पेरिस जाने से ठीक पहले आपका अपने पिता के साथ हिंसक झगड़ा हुआ था, तो वह व्यक्ति निःसंदेह झूठ बोल रहा होगा?”
मैं गिराउड की चतुराई की प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका। उसका यह दावा कि "मैं सब कुछ जानता हूँ" व्यर्थ नहीं था। जैक रेनॉल्ड इस प्रश्न से स्पष्ट रूप से विचलित हो गया था।
“हमारी आपस में बहस हुई थी,” उन्होंने स्वीकार किया।
“अरे वाह, बहस! उस बहस के दौरान क्या आपने यह वाक्यांश इस्तेमाल किया था: ‘जब आप मर जाएंगे, तो मैं जो चाहूँ वो कर सकूँगा?’”
“शायद मैंने किया हो,” दूसरे ने बुदबुदाते हुए कहा। “मुझे नहीं पता।”
“इसके जवाब में, क्या आपके पिता ने कहा: ‘लेकिन मैं अभी मरा नहीं हूँ!’ जिस पर आपने जवाब दिया: ‘काश आप मर गए होते!’”
लड़के ने कोई जवाब नहीं दिया। वह घबराकर अपने सामने मेज पर रखी चीजों से खेल रहा था।
"मुझे उत्तर चाहिए, कृपया, श्रीमान रेनॉल्ड," गिराउड ने तीखे स्वर में कहा।
गुस्से से चिल्लाते हुए लड़के ने एक भारी कागज काटने वाले चाकू को फर्श पर पटक दिया।
“इससे क्या फर्क पड़ता है? आपको पता होना ही चाहिए। हाँ, मेरा अपने पिता से झगड़ा हुआ था। मैं कह सकता हूँ कि मैंने वो सब बातें कही थीं—मैं इतना गुस्से में था कि मुझे याद भी नहीं कि मैंने क्या कहा! मैं आग बबूला था—मैं उस समय लगभग उन्हें जान से मार देता—लो, इसका पूरा फायदा उठाओ!” वह शर्म से लाल और अड़ियल अंदाज़ में कुर्सी पर पीछे झुक गया।
गिराउड मुस्कुराया, फिर अपनी कुर्सी को थोड़ा पीछे करते हुए बोला:
“बस इतना ही। आप निस्संदेह पूछताछ जारी रखना चाहेंगे, महोदय न्यायाधीश।”
“हाँ, बिल्कुल,” एम. हाउटेट ने कहा। “और आपके झगड़े का विषय क्या था?”
मैं इस बारे में कुछ भी कहने से इनकार करता हूँ।
एम. हौटेट अपनी कुर्सी पर सीधे बैठ गए।
“श्री रेनॉल्ड, कानून से खिलवाड़ करना जायज़ नहीं है!” वह गरजते हुए बोले। “झगड़े का विषय क्या था?”
युवा रेनॉल्ड चुप रहा, उसका मासूम चेहरा उदास और हताश था। तभी एक और आवाज सुनाई दी, शांत और स्थिर, हरक्यूल पोइरोट की आवाज।

“अगर आप चाहें तो मैं आपको सूचित कर दूंगा, माननीय न्यायाधीश।”
"आपको पता है?"
“मुझे बिल्कुल पता है। झगड़े का विषय मैडमोजेल मार्थे डाउब्रूइल थीं।”
रेनॉल्ड चौंककर पीछे मुड़ा। मजिस्ट्रेट आगे की ओर झुका।
“क्या ऐसा है, महोदय?”
जैक रेनॉल्ड ने अपना सिर झुकाया।
“हाँ,” उसने स्वीकार किया। “मैं मैडमोजेल डाउब्रूइल से प्यार करता हूँ और उससे शादी करना चाहता हूँ। जब मैंने अपने पिता को यह बात बताई, तो वे तुरंत बहुत क्रोधित हो गए। स्वाभाविक रूप से, मैं अपनी प्रेमिका का अपमान होते हुए नहीं सुन सका और मुझे भी गुस्सा आ गया।”
एम. हौटेट ने श्रीमती रेनॉल्ड की ओर देखा।
"आप इस बात से अवगत थीं—मोह, महोदया।"
“मुझे इसका डर था,” उसने सरल शब्दों में उत्तर दिया।
“माँ,” लड़के ने चिल्लाकर कहा। “आप भी! मार्था जितनी खूबसूरत है उतनी ही अच्छी भी है। आपको उससे क्या शिकायत हो सकती है?”
मुझे मैडमोजेल डाउब्रूइल से कोई शिकायत नहीं है। लेकिन मैं चाहूँगा कि आप किसी अंग्रेज़ महिला से शादी करें, या अगर किसी फ्रांसीसी महिला से शादी करें तो ऐसी महिला से न करें जिसकी माँ का वंश संदिग्ध हो! उस बुजुर्ग महिला के प्रति उसकी कटुता उसकी आवाज में स्पष्ट रूप से झलक रही थी, और मैं अच्छी तरह समझ सकता था कि यह उसके लिए एक कड़वा झटका रहा होगा जब उसके इकलौते बेटे ने उसकी प्रतिद्वंद्वी की बेटी के साथ प्यार में पड़ने के संकेत दिखाए।
श्रीमती रेनॉल्ड ने मजिस्ट्रेट को संबोधित करते हुए आगे कहा:
“शायद मुझे इस विषय पर अपने पति से बात करनी चाहिए थी, लेकिन मुझे उम्मीद थी कि यह सिर्फ लड़के-लड़की की नोकझोंक होगी जो बिना ध्यान दिए ही जल्दी खत्म हो जाएगी। अब मैं अपनी चुप्पी के लिए खुद को दोषी मानती हूँ, लेकिन जैसा कि मैंने आपको बताया, मेरे पति बहुत चिंतित और परेशान लग रहे थे, अपने सामान्य स्वभाव से बिल्कुल अलग, इसलिए मैं उन्हें और अधिक चिंता न देने के बारे में ही सोच रही थी।”
एम. हौटेट ने सिर हिलाया।
“जब आपने अपने पिता को मैडमोजेल डाउब्रूइल के प्रति अपने इरादों के बारे में बताया,” उन्होंने बात जारी रखते हुए कहा, “तो क्या वे आश्चर्यचकित हुए थे?”
“वह पूरी तरह से स्तब्ध रह गए। फिर उन्होंने मुझे सख्ती से आदेश दिया कि मैं इस तरह के किसी भी विचार को अपने मन से निकाल दूं। वह इस तरह के विवाह के लिए कभी सहमति नहीं देंगे। चिढ़कर मैंने उनसे पूछा कि उन्हें मैडमोजेल डाउब्रूइल से क्या शिकायत है। इसका वह कोई संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके, बल्कि मां-बेटी के जीवन से जुड़े रहस्य का उपहास करते हुए बात की। मैंने उत्तर दिया कि मैं मार्थे से शादी कर रही

हूं, न कि उनके पूर्वजों से, लेकिन उन्होंने इस मामले पर किसी भी तरह की चर्चा करने से साफ इनकार करते हुए मुझे चुप करा दिया। उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले को छोड़ देना चाहिए। इस सब की नाइंसाफी और मनमानी ने मुझे पागल कर दिया—खासकर इसलिए क्योंकि वह खुद हमेशा डाउब्रूइल परिवार का विशेष ध्यान रखते थे और हमेशा उन्हें घर बुलाने का सुझाव देते थे। मेरा आपा टूट गया और हम दोनों में जमकर झगड़ा हुआ। मेरे पिता ने मुझे याद दिलाया कि मैं पूरी तरह से उन पर निर्भर हूं, और शायद इसी के जवाब में मैंने उनकी मृत्यु के बाद अपनी मर्जी से काम करने की बात कही थी—"
पोइरोट ने बीच में ही एक झटपट सवाल पूछकर बात काट दी।
तो क्या आपको अपने पिता की वसीयत की शर्तों की जानकारी थी?
"मुझे पता था कि उन्होंने अपनी आधी संपत्ति मेरे नाम कर दी थी, और बाकी आधी मेरी मां के लिए ट्रस्ट में रखी थी ताकि उनकी मृत्यु के बाद वह मुझे मिल जाए," लड़के ने जवाब दिया।
मजिस्ट्रेट ने कहा, "अपनी कहानी जारी रखिए।"
उसके बाद हम दोनों गुस्से में एक-दूसरे पर चिल्लाने लगे, तभी अचानक मुझे एहसास हुआ कि मेरी पेरिस जाने वाली ट्रेन छूटने वाली है। मुझे स्टेशन की ओर भागना पड़ा, तब भी मैं गुस्से से आग बबूला थी। लेकिन स्टेशन से दूर जाकर मैं शांत हो गई। मैंने मार्थे को पत्र लिखकर सारी घटना बताई, और उसके जवाब ने मुझे और भी तसल्ली दी। उसने मुझे समझाया कि हमें बस दृढ़ रहना है, और कोई भी विरोध अंततः हार मान लेगा। हमारे एक-दूसरे के प्रति प्रेम की परीक्षा होनी ही है, और जब मेरे माता-पिता को पता चलेगा कि यह मेरा कोई हल्का सा मोह नहीं है, तो वे निश्चित रूप से हमारे प्रति नरम पड़ जाएंगे। बेशक, मैंने उसे अपने पिता की इस रिश्ते पर आपत्ति के बारे में नहीं बताया था। मुझे जल्द ही समझ आ गया कि हिंसा से मेरा कोई भला नहीं होगा। मेरे पिता ने मुझे पेरिस में कई पत्र लिखे, जिनमें स्नेह का भाव था और हमारे मतभेद या उसके कारण का कोई जिक्र नहीं था, और मैंने भी उसी लहजे में जवाब दिया।
"तुम वो पत्र प्रस्तुत कर सकते हो, है ना?" गिराउड ने कहा।
मैंने उन्हें अपने पास नहीं रखा।
"कोई बात नहीं," जासूस ने कहा।
रेनॉल्ड ने एक पल के लिए उसकी ओर देखा, लेकिन मजिस्ट्रेट अपने प्रश्न पूछना जारी रखे हुए थे।
"अब दूसरे विषय पर आते हैं, क्या आप डूवीन, एम. रेनॉल्ड के नाम से परिचित हैं?"
"डुवीन?" जैक ने कहा। "डुवीन?" वह आगे झुका और धीरे से मेज से उठाया हुआ कागज़ काटने वाला चाकू उठा लिया। जैसे ही उसने अपना सिर उठाया, उसकी नज़रें गिराउड की निगाहों से मिलीं। "डुवीन? नहीं, मैं खुद को डुवीन नहीं कह सकता।"
"क्या आप यह पत्र पढ़ेंगे, श्री रेनॉल्ड? और मुझे बताएँगे कि क्या आपको इस बात का कोई अंदाजा है कि यह पत्र आपके पिता को किसने संबोधित किया था?"
जैक रेनॉल्ड ने पत्र लिया और उसे पूरा पढ़ा, पढ़ते समय उसके चेहरे का रंग लाल होता चला गया।

“मेरे पिता को संबोधित?” उनके स्वर में भावना और आक्रोश स्पष्ट था।
“हां। हमें यह उसके कोट की जेब में मिला।”
“क्या—” वह हिचकिचाया और अपनी माँ की ओर एक पल के लिए ही देखा। मजिस्ट्रेट समझ गया।
“अभी तक तो नहीं। क्या आप हमें लेखक के बारे में कोई सुराग दे सकते हैं?”
मुझे इस बारे में बिल्कुल भी जानकारी नहीं है।
एम. त्वचा शुष्क है।
“यह तो बेहद रहस्यमय मामला है। खैर, मुझे लगता है कि अब हम उस पत्र को पूरी तरह से खारिज कर सकते हैं। आप क्या सोचते हैं, श्रीमान गिराउड? इससे हमें कोई सुराग नहीं मिल रहा है।”
"बिल्कुल नहीं," जासूस ने जोर देकर सहमति जताई।
“और फिर भी,” मजिस्ट्रेट ने आह भरते हुए कहा, “शुरुआत में तो यह मामला कितना सुंदर और सरल लग रहा था!” उन्होंने श्रीमती रेनॉल्ड की ओर देखा और तुरंत उलझन में पड़कर शर्म से लाल हो गए। “आह, हाँ,” उन्होंने खांसते हुए मेज पर रखे कागज़ों को पलटा। “देखने दीजिए, हम कहाँ थे? ओह, हथियार। मुझे डर है कि इससे आपको तकलीफ हो सकती है, श्री रेनॉल्ड। मुझे पता चला है कि यह आपने अपनी माँ को उपहार में दिया था। बहुत दुखद—बहुत कष्टदायक—”
जैक रेनॉल्ड आगे की ओर झुक गया। पत्र पढ़ते समय उसका चेहरा लाल हो गया था, लेकिन अब वह एकदम सफेद पड़ गया था।
“क्या आपका मतलब यह है कि मेरे पिता की हत्या हवाई जहाज के तार वाले पेपर कटर से हुई थी? लेकिन यह असंभव है! इतनी छोटी सी बात!”
"अफ़सोस, श्री रेनॉल्ड, यह बिल्कुल सच है! मुझे डर है कि यह एक आदर्श छोटा उपकरण है। तेज और इस्तेमाल करने में आसान।"
“यह कहाँ है? क्या मैं इसे देख सकता हूँ? क्या यह अभी भी शरीर में है?”
“ओह, नहीं, इसे हटा दिया गया था। क्या आप इसे देखना चाहेंगे? पक्का करने के लिए? शायद देखना ठीक रहेगा, हालाँकि मैडम ने इसे पहले ही पहचान लिया है। फिर भी—एम. बेक्स, क्या मैं आपको परेशान कर सकती हूँ?”
“ज़रूर, माननीय न्यायाधीश महोदय। मैं इसे तुरंत ले आता हूँ।”
“क्या एम. रेनॉल्ड को शेड में ले जाना बेहतर नहीं होगा?” गिराउड ने सहजता से सुझाव दिया। “निस्संदेह वह अपने पिता का शव देखना चाहेंगे।”
लड़के ने कांपते हुए इनकार का इशारा किया, और मजिस्ट्रेट, जो हमेशा संभव होने पर गिराउड का विरोध करने के लिए तत्पर रहता था, ने जवाब दिया।
“लेकिन नहीं—अभी नहीं। एम. बेक्स कृपा करके इसे हमारे पास यहाँ ले आएंगी।”

कमिश्नर कमरे से बाहर चला गया। स्टोनर जैक के पास गया और उसका हाथ ज़ोर से दबा दिया। पोइरोट उठ खड़ा हुआ था और मोमबत्ती स्टैंड के एक जोड़े को ठीक कर रहा था जो उसकी पारखी नज़र में थोड़ा टेढ़ा लग रहा था। मजिस्ट्रेट उस रहस्यमय प्रेम पत्र को आखिरी बार पढ़ रहा था, ईर्ष्या और पीठ में छुरा घोंपने के अपने पहले सिद्धांत पर अड़ा हुआ था।

अचानक दरवाजा जोर से खुला और सामान बेचने वाला अंदर घुस आया।

“माननीय न्यायाधीश! माननीय न्यायाधीश!”

“लेकिन हाँ। यह क्या है?”

“खंजर! वो गायब हो गया!”

“टिप्पणी गायब हो गई?”

“गायब हो गया। गायब हो गया। जिस कांच के जार में वह रखा था, वह खाली है!”

“क्या?” मैं चिल्लाई। “असंभव। अरे, मैंने तो आज सुबह ही देखा था—” शब्द मेरे मुंह पर ही अटक गए। लेकिन कमरे में मौजूद सभी लोगों का ध्यान मेरी ओर आकर्षित हो गया।

“तुम क्या कह रहे हो?” रसद कर्मचारी चिल्लाया। “आज सुबह?”

मैंने धीरे से कहा, "मैंने इसे आज सुबह वहीं देखा था। सटीक कहें तो लगभग डेढ़ घंटे पहले।"

“तो फिर तुम शेड में गए थे? तुम्हें चाबी कैसे मिली?”

मैंने इसके लिए सार्जेंट डी विले से अनुरोध किया था।

“और आप वहां गए थे? क्यों?”

मैं हिचकिचाया, लेकिन अंत में मैंने फैसला किया कि एकमात्र उपाय यही है कि मैं सारी बात सच-सच बता दूं।

“माननीय न्यायाधीश,” मैंने कहा। “मैंने एक गंभीर गलती की है, जिसके लिए मुझे आपकी क्षमा की आवश्यकता है।”

“तो फिर! आगे बढ़िए, महोदय।”

मैंने कहा, “असल बात तो यह है कि मैं जहाँ था वहाँ से कहीं और जाने की इच्छा रखते हुए, मेरी मुलाकात एक युवती से हुई, जो मेरी परिचित थी। वह सब कुछ देखने की तीव्र इच्छा दिखा रही थी, और मैंने—संक्षेप में, मैंने उसे शरीर दिखाने के लिए चाबी ले ली।”

“अरे वाह! उदाहरण के लिए,” मजिस्ट्रेट ने आक्रोश से कहा। “लेकिन कैप्टन हेस्टिंग्स, आपने बहुत बड़ी गलती की है। यह सरासर अनियमितता है। आपको यह मूर्खता नहीं करनी चाहिए थी।”

मैंने विनम्रता से कहा, "मुझे पता है। आप जो भी कहें, वह कम नहीं होगा, माननीय न्यायाधीश।"

“क्या आपने इस महिला को यहाँ आने के लिए आमंत्रित नहीं किया था?”

"बिल्कुल नहीं। मेरी उनसे मुलाकात बिल्कुल संयोगवश हुई। वह एक अंग्रेज महिला हैं जो संयोगवश मर्लिनविले में ठहरी हुई हैं, हालांकि मुझे इस बात का पता उनसे अचानक हुई मुलाकात से पहले तक नहीं था।"
“वाह वाह,” मजिस्ट्रेट ने नरमी से कहा। “यह तो बहुत ही असामान्य था, लेकिन महिला निःसंदेह युवा और सुंदर है, है ना? जवानी का क्या ही मजा है! ओ जवानी, जवानी!” और उन्होंने भावुक होकर आह भरी।
लेकिन कम रोमांटिक और अधिक व्यावहारिक स्वभाव वाले रसद कर्मचारी ने कहानी को आगे बढ़ाया: लेकिन क्या तुमने जाते समय दरवाजा बंद करके ताला नहीं लगाया था?
“बस यही बात है,” मैंने धीरे से कहा। “इसी के लिए मैं खुद को बहुत दोषी मानती हूँ। मेरी दोस्त यह देखकर बहुत परेशान हो गई थी। वह लगभग बेहोश हो गई थी। मैंने उसे थोड़ी ब्रांडी और पानी दिया, और बाद में उसके साथ शहर वापस जाने की ज़िद की। उत्तेजना में, मैं दरवाज़ा दोबारा बंद करना भूल गई। मैंने ऐसा तभी किया जब मैं विला वापस आ गई।”
“तो कम से कम बीस मिनट तक—” रसद कर्मचारी ने धीरे से कहा। वह रुक गया।
“बिल्कुल,” मैंने कहा।
“बीस मिनट,” रसद कर्मचारी ने सोचा।
“यह बेहद निंदनीय है,” एम. हाउटेट ने अपने सख्त लहजे में कहा। “ऐसा पहले कभी नहीं हुआ।”
अचानक एक और आवाज सुनाई दी।
“क्या आपको यह निंदनीय लगता है, श्रीमान न्यायाधीश?” गिराउड ने पूछा।
"बिल्कुल करता हूँ।"
“वाह! मुझे यह प्रशंसनीय लगता है,” दूसरे ने शांत भाव से कहा।
इस अप्रत्याशित सहयोगी ने मुझे काफी हैरान कर दिया।
“अद्भुत, श्रीमान गिराउड?” मजिस्ट्रेट ने तिरछी नजरों से उनका निरीक्षण करते हुए पूछा।
"एकदम सही।"
और क्यों?
“क्योंकि अब हमें पता चल गया है कि हत्यारा, या उसका कोई साथी, एक घंटे पहले ही विला के पास था। इस जानकारी के बावजूद, अगर हम उसे जल्द ही पकड़ न लें तो यह अजीब बात होगी।” उसकी आवाज़ में धमकी का भाव था। उसने आगे कहा, “उसने उस खंजर को हासिल करने के लिए बहुत बड़ा जोखिम उठाया। शायद उसे डर था कि उस पर उंगलियों के निशान मिल सकते हैं।”
पोइरोट ने बेक्स की ओर रुख किया।
“आपने कहा था कि कोई नहीं है?”
गिराउड ने अपने कंधे उचका दिए।
"शायद वह निश्चित नहीं हो सकता था।"

पोइरोट ने उसकी ओर देखा।
“आप गलत हैं, श्रीमान गिराउड। हत्यारे ने दस्ताने पहने हुए थे। इसलिए वह आश्वस्त रहा होगा।”
“मैं यह नहीं कहता कि हत्यारा स्वयं ही था। यह उसका कोई साथी हो सकता है जिसे इस तथ्य की जानकारी नहीं थी।”
"ये सहयोगी गलत जानकारी से ग्रसित हैं!" पोइरोट ने बुदबुदाते हुए कहा, लेकिन उन्होंने इससे ज्यादा कुछ नहीं कहा।
मजिस्ट्रेट का क्लर्क मेज पर रखे कागजात समेट रहा था। एम. हाउटेट ने हमसे बात की:
“हमारा काम यहाँ समाप्त हो गया है। शायद, श्रीमान रेनॉल्ड, आप अपने बयान पढ़ते समय ध्यान से सुनेंगे। मैंने जानबूझकर सारी कार्यवाही को यथासंभव अनौपचारिक रखा है। मुझे अपने तरीकों में मौलिक कहा गया है, लेकिन मैं मानता हूँ कि मौलिकता की भी अपनी अहमियत होती है। अब यह मामला प्रख्यात श्रीमान गिराउड के कुशल हाथों में है। वे निस्संदेह अपनी प्रतिभा का परिचय देंगे। वास्तव में, मुझे आश्चर्य है कि उन्होंने अब तक हत्यारों को क्यों नहीं पकड़ा! महोदया, मैं एक बार फिर आपको अपनी हार्दिक सहानुभूति का आश्वासन देता हूँ। महोदया, आप सभी को शुभ दिन की शुभकामनाएँ।” और, अपने क्लर्क और कमिश्नर के साथ, वे वहाँ से चले गए।
पोइरोट ने अपनी बड़ी सी घड़ी निकाली और समय देखा।
“चलिए, दोपहर के भोजन के लिए होटल चलते हैं,” उसने कहा। “और तुम मुझे आज सुबह की सारी गलतियाँ विस्तार से बताओगे। कोई हमें देख नहीं रहा है। हमें विदाई लेने की ज़रूरत नहीं है।”
हम चुपचाप कमरे से बाहर निकल गए। जांच मजिस्ट्रेट अपनी कार में बैठकर जा चुके थे। मैं सीढ़ियों से नीचे उतर रहा था कि पोइरोट की आवाज ने मुझे रोक लिया:
“ज़रा रुकिए, मेरे दोस्त।” उन्होंने फुर्ती से अपना नापने का यंत्र निकाला और बड़ी गंभीरता से हॉल में टंगे एक ओवरकोट को कॉलर से लेकर हेम तक नापने लगे। मैंने उसे पहले कभी वहाँ टंगा नहीं देखा था और अंदाज़ा लगाया कि वह या तो मिस्टर स्टोनर का होगा या जैक रेनॉल्ड का।
फिर, थोड़ी संतुष्टि भरी आह के साथ, पोइरोट ने नापने वाले यंत्र को अपनी जेब में वापस रख लिया और मेरे पीछे खुली हवा में बाहर आ गया।

12

पोइरोट ने कुछ बिंदुओं को स्पष्ट किया

"आपने उस ओवरकोट को क्यों नापा?" मैंने थोड़ी जिज्ञासा के साथ पूछा, जब हम गर्म, सफेद सड़क पर इत्मीनान से चल रहे थे।

“पार्बलू! यह देखने के लिए कि यह कितना लंबा था,” मेरे दोस्त ने शांत भाव से उत्तर दिया।

मैं परेशान था। पोइरोट की छोटी-छोटी बातों को रहस्य बनाने की असाध्य आदत मुझे हमेशा चिढ़ाती थी। मैं चुप हो गया और अपने विचारों में खो गया। हालाँकि उस समय मैंने उन शब्दों पर विशेष ध्यान नहीं दिया था, लेकिन श्रीमती रेनॉल्ड ने अपने बेटे से जो कहा था, वे अब मुझे नए अर्थों से भर कर याद आ रहे थे। उन्होंने कहा था, "तो तुम जहाज़ पर नहीं गए?" और फिर जोड़ा था, "आखिरकार, अब इससे कोई फर्क नहीं पड़ता।" उसके कहने का क्या मतलब था? उसके शब्द रहस्यमय और अर्थपूर्ण थे। क्या यह संभव था कि वह हमारी सोच से कहीं अधिक जानती हो? उसने उस रहस्यमय मिशन के बारे में किसी भी जानकारी से इनकार किया था, जिसे उसके पति ने अपने बेटे को सौंपा था। लेकिन क्या वह वास्तव में उतनी अज्ञानी नहीं थी जितना वह दिखावा करती थी? क्या वह चाहे तो हमें सच बता सकती थी, और क्या उसकी चुप्पी किसी सोची-समझी योजना का हिस्सा थी?

जैसे-जैसे मैं इस बारे में सोचता गया, मेरा यकीन बढ़ता गया। श्रीमती रेनॉल्ड जितना बताना चाहती थीं, उससे कहीं ज़्यादा जानती थीं। अपने बेटे को देखकर हैरानी में उन्होंने पल भर के लिए अपनी असलियत ज़ाहिर कर दी थी। मुझे पूरा यकीन था कि अगर उन्हें हत्यारों का नाम नहीं पता, तो कम से कम हत्या का मकसद तो ज़रूर पता होगा। लेकिन कुछ बहुत ही अहम वजहें उन्हें चुप रहने पर मजबूर कर रही होंगी।

“मेरे दोस्त, तुम बहुत गहराई से सोचते हो,” पोइरोट ने मेरी सोच को बीच में रोकते हुए कहा। “तुम्हें ऐसी कौन सी बात आकर्षित करती है?”

मैंने उसे अपनी बात पूरी तरह से आश्वस्त होकर बताई, हालांकि मुझे उम्मीद थी कि वह मेरे संदेह का मजाक उड़ाएगा। लेकिन मुझे आश्चर्य हुआ कि उसने सोच-समझकर सिर हिलाया।

"हेस्टिंग्स, तुम बिलकुल सही कह रहे हो। शुरू से ही मुझे यकीन था कि वह कुछ छिपा रही है। पहले तो मुझे उस पर शक था, अगर साजिश रचने का नहीं तो कम से कम अपराध में मिलीभगत करने का तो ज़रूर।"

“तुम्हें उस पर शक था?” मैंने हैरानी से पूछा।

“लेकिन निश्चित रूप से! उसे बहुत फायदा हुआ है—दरअसल, इस नई वसीयत से सिर्फ उसे ही फायदा हुआ है। इसलिए, शुरू से ही उस पर विशेष ध्यान दिया गया। आपने शायद गौर किया होगा कि मैंने उसके कलाइयों की जांच करने का पहला मौका लिया। मैं देखना चाहता था कि कहीं उसने खुद को बांध तो नहीं लिया था। खैर, मैंने तुरंत देख लिया कि कुछ भी नकली नहीं था, रस्सियाँ सचमुच इतनी कसकर बंधी थीं कि मांस में धंस गई थीं। इससे यह संभावना खत्म हो गई कि उसने अकेले ही अपराध किया था। लेकिन यह अभी भी संभव था कि उसने इसमें मिलीभगत की हो, या किसी साथी के साथ मिलकर साजिश रची हो। इसके अलावा, उसने जो कहानी सुनाई, वह मुझे बहुत जानी-पहचानी लगी—नकाबपोश आदमी जिन्हें वह पहचान नहीं पाई, ‘रहस्य’ का जिक्र—ये सब बातें मैंने पहले भी सुनी या पढ़ी थीं। एक और छोटी सी बात ने मेरे इस विश्वास को पुख्ता कर दिया कि वह सच नहीं बोल रही थी। कलाई घड़ी, हेस्टिंग्स, कलाई घड़ी!”

फिर से वही घड़ी! पोइरोट मुझे उत्सुकता से देख रहा था।

“देखा मेरे दोस्त? समझ में आया?”

“नहीं,” मैंने कुछ चिड़चिड़ेपन से जवाब दिया। “मुझे न तो कुछ दिखता है और न ही समझ आता है। तुम ये सब उलझे हुए रहस्य बनाते हो, और तुमसे स्पष्टीकरण मांगना बेकार है। तुम्हें हमेशा आखिरी क्षण तक सब कुछ अपने पास छिपाकर रखना पसंद है।”

“मेरे दोस्त, गुस्सा मत करो,” पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा। “अगर तुम चाहो तो मैं समझा दूंगा। लेकिन गिराउड को एक शब्द भी मत कहना, समझे? वह मुझे एक बूढ़े और महत्वहीन व्यक्ति की तरह समझता है! देखते हैं! मैंने ईमानदारी से उसे एक संकेत दिया है। अगर वह उस पर अमल नहीं करता है, तो यह उसकी अपनी जिम्मेदारी है।”

मैंने पोइरोट को आश्वस्त किया कि वह मेरे विवेक पर भरोसा कर सकते हैं।

“ठीक है! तो चलिए अब हम अपने दिमाग का इस्तेमाल करें। मुझे बताइए, मेरे मित्र, आपके अनुसार यह त्रासदी किस समय घटी थी?”

“अरे, लगभग दो बजे,” मैंने आश्चर्यचकित होकर कहा। “आपको याद होगा, श्रीमती रेनॉल्ड ने हमें बताया था कि जब पुरुष कमरे में थे तब उन्होंने घड़ी की आवाज सुनी थी।”

“बिल्कुल सही, और इसी आधार पर आप, जांच मजिस्ट्रेट, बेक्स और बाकी सभी लोग बिना किसी और सवाल के समय को स्वीकार करते हैं। लेकिन मैं, हरक्यूल पोइरोट, कहता हूं कि मैडम रेनॉल्ड ने झूठ बोला। अपराध कम से कम दो घंटे पहले हुआ था।”

लेकिन डॉक्टर—

“उन्होंने शव की जांच के बाद घोषणा की कि मृत्यु दस से सात घंटे पहले हुई थी। मेरे मित्र, किसी कारणवश, यह ज़रूरी था कि अपराध वास्तव में जितना समय हुआ था, उससे बाद में हुआ प्रतीत हो। क्या आपने कभी टूटी हुई घड़ी या टाइमर के बारे में पढ़ा है जो अपराध के ठीक समय को रिकॉर्ड करता है? ताकि समय केवल श्रीमती रेनॉल्ड की गवाही पर निर्भर न रहे, किसी ने उस घड़ी की सुइयों को दो बजे पर कर दिया और फिर

उसे ज़मीन पर ज़ोर से पटक दिया। लेकिन, जैसा कि अक्सर होता है, वे अपने ही उद्देश्य में विफल रहे। शीशा टूट गया, लेकिन घड़ी का यंत्र सुरक्षित रहा। यह उनकी ओर से एक अत्यंत घातक चाल थी, क्योंकि इसने तुरंत मेरा ध्यान दो बातों की ओर खींचा— पहली, कि मैडम रेनॉल्ड झूठ बोल रही थीं; दूसरी, कि समय को आगे बढ़ाने का कोई महत्वपूर्ण कारण अवश्य रहा होगा।”

लेकिन इसका क्या कारण हो सकता है?

“अरे, यही तो सवाल है! यहीं तो सारा रहस्य छिपा है। अभी तक मैं इसका स्पष्टीकरण नहीं दे पाया हूँ। मेरे मन में केवल एक ही विचार आता है जिसका इससे संभावित संबंध हो सकता है।”

"और वह यह है कि?"

"मर्लिनविले से आखिरी ट्रेन बारह बजकर सत्रह मिनट पर रवाना हुई।"

मैंने धीरे-धीरे उसका पीछा किया।

"ताकि, अपराध लगभग दो घंटे बाद घटित हो, और उस ट्रेन से जाने वाले किसी भी व्यक्ति के पास एक अचूक सबूत हो!"

“बहुत बढ़िया, हेस्टिंग्स! तुमने कर दिखाया!”

मैं उछल पड़ा।

लेकिन हमें स्टेशन पर पूछताछ करनी होगी। यकीनन उन्होंने उन दो विदेशियों को नहीं देखा होगा जो उस ट्रेन से चले गए! हमें तुरंत वहाँ जाना होगा!

"क्या तुम्हें ऐसा लगता है, हेस्टिंग्स?"

“बिल्कुल। चलिए अब वहां चलते हैं।”

पोइरोट ने बांह पर हल्के से स्पर्श करके मेरी उत्तेजना को नियंत्रित किया।

"अगर आप चाहें तो जरूर जाइए, मेरे दोस्त—लेकिन अगर आप जाते हैं, तो मैं दो विदेशियों के बारे में कोई जानकारी नहीं मांगूंगा।"

मैंने घूरकर देखा, और उसने कुछ अधीरता से कहा:

“अरे, अरे, तुम उस सब बकवास पर विश्वास नहीं करते, है ना? नकाबपोश आदमी और बाकी सारी कहानी!”

उनके शब्दों ने मुझे इतना चौंका दिया कि मुझे समझ ही नहीं आया कि मैं क्या जवाब दूं। उन्होंने शांत भाव से बोलना जारी रखा:

“आपने मुझे गिराउड से यह कहते हुए सुना था, है ना, कि इस अपराध के सभी विवरण मुझे ज्ञात थे? खैर, इससे दो बातें सिद्ध होती हैं: या तो जिस दिमाग ने पहले अपराध की योजना बनाई, उसी ने इस अपराध की भी योजना बनाई, या फिर किसी चर्चित मामले की कोई कहानी हमारे हत्यारे की स्मृति में अचेतन रूप से रह गई और उसी ने उसे इन विवरणों को रचने के लिए प्रेरित किया। मैं इस बारे में बाद में निश्चित रूप से बता पाऊंगा—” वह रुक गया।

मैं अपने मन में कई तरह के मामलों पर विचार कर रहा था।

लेकिन मिस्टर रेनॉल्ड का पत्र? उसमें तो स्पष्ट रूप से एक रहस्य और सैंटियागो का जिक्र है?
“निस्संदेह एम. रेनॉल्ड के जीवन में कोई रहस्य था—इसमें कोई संदेह नहीं हो सकता। दूसरी ओर, मेरे विचार से सैंटियागो शब्द एक छलावा है, जिसे हमें गुमराह करने के लिए बार-बार इस्तेमाल किया जाता है। संभव है कि एम. रेनॉल्ड के मामले में भी इसी तरह इसका इस्तेमाल किया गया हो, ताकि उनका संदेह किसी नज़दीकी क्षेत्र की ओर न जाए। अरे, हेस्टिंग्स, निश्चिंत रहो, जो खतरा तुम्हें सता रहा था, वह सैंटियागो में नहीं था, बल्कि पास ही, फ्रांस में था।”
उन्होंने इतनी गंभीरता और इतने आत्मविश्वास से बात की कि मैं उनकी बात से सहमत हुए बिना नहीं रह सका। लेकिन मैंने एक आखिरी आपत्ति उठाने की कोशिश की:
“और शव के पास मिली माचिस और सिगरेट का टुकड़ा? उनका क्या हुआ?”
पोइरोट के चेहरे पर शुद्ध आनंद की चमक आ गई।
“बोया गया! जानबूझकर वहाँ बोया गया ताकि गिराउड या उसके कबीले का कोई उसे ढूंढ ले! आह, गिराउड कितना चालाक है! एक अच्छा खोजी कुत्ता भी तो ऐसा ही कर सकता है। वह खुद पर बहुत खुश होकर आता है। घंटों तक वह पेट के बल रेंगता रहा। ‘देखो मुझे क्या मिला,’ वह कहता है। और फिर मुझसे पूछता है: ‘यहाँ तुम्हें क्या दिख रहा है?’ मैं, गहरे और सच्चे भाव से उत्तर देता हूँ, ‘कुछ नहीं।’ और गिराउड, महान गिराउड, वह हँसता है, मन ही मन सोचता है, ‘ओह, यह बूढ़ा कितना मूर्ख है!’ लेकिन देखते हैं...”
लेकिन मेरा ध्यान मुख्य तथ्यों पर वापस केंद्रित हो गया था।
“तो फिर नकाबपोश आदमियों की यह सारी कहानी—?”
"यह गलत है।"
“असल में हुआ क्या था?”
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।
“एक व्यक्ति हमें बता सकता था—मैडम रेनॉल्ड। लेकिन वह कुछ नहीं बोलेंगी। धमकियों और मिन्नतों का उन पर कोई असर नहीं हुआ। हेस्टिंग्स, वह एक विलक्षण महिला हैं। उन्हें देखते ही मैं समझ गया था कि मुझे एक असाधारण चरित्र वाली महिला से निपटना है। जैसा कि मैंने आपको बताया, पहले तो मुझे उन पर अपराध में शामिल होने का संदेह हुआ। बाद में मैंने अपना विचार बदल दिया।”
आपने ऐसा क्यों किया?
अपने पति के शव को देखकर उसका सहज और सच्चा दुःख। मैं कसम खाकर कह सकता हूँ कि उसकी उस चीख में जो पीड़ा थी, वह सच्ची थी।
“हां,” मैंने सोच-समझकर कहा, “इन चीजों में कोई गलती नहीं हो सकती।”
“माफ़ कीजिए, मेरे दोस्त—गलती तो हमेशा हो सकती है। एक महान अभिनेत्री को देखिए, क्या उसका शोक अभिनय आपको मंत्रमुग्ध नहीं कर देता और उसकी वास्तविकता से आपको प्रभावित नहीं करता? नहीं, चाहे मेरा अपना विश्वास कितना भी प्रबल क्यों न हो, मुझे संतुष्ट होने से पहले अन्य सबूतों की आवश्यकता थी। एक

महान अपराधी एक महान अभिनेता हो सकता है। इस मामले में मेरा विश्वास मेरे अपने अनुभव पर नहीं, बल्कि इस अकाट्य तथ्य पर आधारित है कि श्रीमती रेनॉल्ड वास्तव में बेहोश हो गई थीं। मैंने उनकी पलकें खोलीं और उनकी नब्ज़ जाँची। कोई छल नहीं था—बेहोशी वास्तविक थी। इसलिए मैं संतुष्ट था कि उनका दुख वास्तविक था, बनावटी नहीं। इसके अलावा, एक छोटा सा दिलचस्प बिंदु यह है कि श्रीमती रेनॉल्ड के लिए अनियंत्रित शोक प्रदर्शित करना अनावश्यक था। अपने पति की मृत्यु की खबर सुनकर उन्हें एक बार आघात लगा था, और उनके शरीर को देखकर उन्हें दोबारा ऐसा हिंसक आघात करने की कोई आवश्यकता नहीं थी। नहीं, श्रीमती रेनॉल्ड अपने पति की हत्यारी नहीं थीं। लेकिन उन्होंने झूठ क्यों बोला? उन्होंने कलाई घड़ी के बारे में झूठ बोला, उन्होंने नकाबपोश के बारे में झूठ बोला। पुरुषों—उसने तीसरी बात पर झूठ बोला। मुझे बताओ, हेस्टिंग्स, खुले दरवाजे के बारे में तुम्हारी क्या व्याख्या है?

मैंने थोड़ा शर्मिंदा होकर कहा, "खैर, मुझे लगता है कि यह एक चूक थी। वे इसे बंद करना भूल गए थे।"

पोइरोट ने अपना सिर हिलाया और आह भरी।

"यह गिराउड की व्याख्या है। इससे मैं संतुष्ट नहीं हूं। उस खुले दरवाजे के पीछे कोई ऐसा अर्थ छिपा है जिसे मैं फिलहाल समझ नहीं पा रहा हूं।"

मैंने अचानक चिल्लाकर कहा, "मेरे पास एक विचार है।"

“बहुत बढ़िया! हमें सुनाइए।”

सुनिए। हम इस बात पर सहमत हैं कि श्रीमती रेनॉल्ड की कहानी मनगढ़ंत है। तो क्या यह संभव नहीं है कि श्री रेनॉल्ड किसी मुलाकात के लिए घर से निकले हों—संभवतः हत्यारे से—और उनके लौटने का इंतज़ार करते हुए सामने का दरवाज़ा खुला छोड़ दिया हो? लेकिन वे वापस नहीं लौटे, और अगली सुबह वे पीठ में चाकू से घायल पाए गए।

"हेस्टिंग्स, यह एक प्रशंसनीय सिद्धांत है, लेकिन आपने दो तथ्यों को हमेशा की तरह नज़रअंदाज़ कर दिया है। पहली बात, मैडम रेनॉल्ड के मुंह पर पट्टी किसने बांधी और उन्हें बांधा? और वे ऐसा करने के लिए घर क्यों लौटे? दूसरी बात, कोई भी आदमी अपने अंडरवियर और ओवरकोट पहनकर किसी मुलाकात के लिए बाहर नहीं जाएगा। कुछ परिस्थितियाँ ऐसी हो सकती हैं जिनमें कोई आदमी पजामा और ओवरकोट पहन सकता है—लेकिन दूसरी परिस्थिति में, कभी नहीं!"

“सच है,” मैंने कुछ निराश होकर कहा।

“नहीं,” पोइरोट ने आगे कहा, “हमें खुले दरवाजे के रहस्य का हल कहीं और खोजना होगा। एक बात तो मुझे लगभग पक्की पता है—वे दरवाजे से नहीं निकले। वे खिड़की से निकले।”

"क्या?"

"एकदम सही।"

लेकिन नीचे फूलों की क्यारी में पैरों के कोई निशान नहीं थे।

“नहीं—और ऐसा होना चाहिए था। सुनो, हेस्टिंग्स। माली, ऑगस्टे ने, जैसा कि तुमने सुना, पिछली दोपहर को ही दोनों क्यारियों में पौधे लगाए थे। एक क्यारी में उसके बड़े-बड़े कील लगे जूतों के ढेरों निशान हैं—दूसरी में एक भी नहीं! देखा? कोई उस रास्ते से गुजरा था, जिसने अपने पैरों के निशान मिटाने के लिए क्यारी की सतह को रेक से समतल किया था।”

उन्हें रेक कहाँ से मिला?

पोइरोट ने अधीरता से कहा, "उन्हें फावड़ा और बागवानी के दस्ताने कहाँ से मिले? इसमें कोई कठिनाई नहीं है।"

“आपको ऐसा क्यों लगता है कि वे उस रास्ते से निकले? निश्चित रूप से यह अधिक संभावना है कि वे खिड़की से अंदर आए और दरवाजे से बाहर निकले।”

“यह संभव तो है। फिर भी मुझे पूरा यकीन है कि वे खिड़की से ही निकले होंगे।”

"मेरे विचार में आप गलत हैं।"

"शायद, मेरे दोस्त।"

मैं सोच में पड़ गया, पोइरोट के अनुमानों से मेरे लिए खुल चुके अटकलों के नए क्षेत्र पर विचार कर रहा था। मुझे याद आया कि फूलों की क्यारी और घड़ी के बारे में उनके रहस्यमय इशारों पर मुझे कितना आश्चर्य हुआ था। उस समय उनकी बातें कितनी अर्थहीन लग रही थीं, और अब पहली बार मुझे एहसास हुआ कि कैसे उन्होंने कुछ मामूली घटनाओं से ही इस मामले से जुड़े रहस्य को बड़ी चतुराई से सुलझा दिया था। मैंने अपने मित्र को देर से ही सही, श्रद्धांजलि अर्पित की। मानो उन्होंने मेरे विचार पढ़ लिए हों, उन्होंने समझदारी से सिर हिलाया।

“तरीका, समझ रहे हो! तरीका! अपने तथ्यों को व्यवस्थित करो। अपने विचारों को व्यवस्थित करो। और अगर कोई छोटा सा तथ्य इसमें फिट न बैठे तो उसे खारिज मत करो, बल्कि उस पर गहराई से विचार करो। भले ही उसका महत्व तुम्हें समझ में न आए, लेकिन यकीन मानो वह महत्वपूर्ण है।”

मैंने सोचते हुए कहा, "इस बीच, हालांकि हम पहले की तुलना में बहुत कुछ जानते हैं, फिर भी हम इस रहस्य को सुलझाने के करीब नहीं हैं कि श्री रेनॉल्ड की हत्या किसने की।"

“नहीं,” पोइरोट ने प्रसन्नतापूर्वक कहा। “वास्तव में हम उससे काफी दूर हैं।”

इस तथ्य से उन्हें कुछ इस तरह की अनोखी संतुष्टि मिली कि मैं आश्चर्य से उन्हें देखता रह गया। उन्होंने मेरी आँखों में देखा और मुस्कुराए।

“लेकिन हाँ, यही बेहतर है। पहले, कम से कम एक स्पष्ट सिद्धांत तो था कि उसकी मृत्यु कैसे और किसके हाथों हुई। अब वह सब खत्म हो गया है। हम अंधकार में हैं। सौ विरोधाभासी बातें हमें उलझन और चिंता में डाल रही हैं। यह ठीक है। यह बहुत अच्छा है। उलझन से ही व्यवस्था उत्पन्न होती है। लेकिन अगर आपको शुरुआत में ही व्यवस्था मिल जाए, अगर कोई अपराध सरल और स्पष्ट लगे, तो समझो, सावधान! यह, कैसे कहें?—धोखा है! बड़ा अपराधी सरल होता है—लेकिन बहुत कम अपराधी बड़े होते हैं। अपने अपराधों को

छिपाने की कोशिश में, वे हमेशा खुद को ही उजागर कर देते हैं। आह, मेरे दोस्त, काश किसी दिन मुझे कोई सचमुच का बड़ा अपराधी मिल जाए—जो अपना अपराध करे, और फिर—कुछ न करे! यहाँ तक कि मैं, हरक्यूल पोइरोट, भी शायद ऐसे अपराधी को पकड़ने में असफल हो जाऊँ।"

लेकिन मैंने उसकी बातों पर ध्यान नहीं दिया था। अचानक मुझे एक ज्ञानोदय हुआ।

"पोइरोट! श्रीमती रेनॉल्ड! अब मुझे समझ आ गया। वह ज़रूर किसी को बचा रही होंगी।"

मेरी टिप्पणी पर पोइरोट की शांत प्रतिक्रिया से मैं समझ गया कि यह विचार उनके मन में पहले ही आ चुका था।

"हां," उन्होंने सोच-समझकर कहा। "किसी की रक्षा करना—या किसी की जांच करना। दोनों में से एक।"

मुझे दोनों शब्दों में बहुत कम अंतर दिखाई दिया, लेकिन मैंने अपने विषय को बड़ी गंभीरता से विकसित किया। पोइरोट ने पूरी तरह से अनिर्णायक रवैया बनाए रखा और दोहराया:

"हो सकता है—हाँ, हो सकता है। लेकिन अभी तक मुझे पता नहीं है! इस सब के पीछे कुछ बहुत गहरा रहस्य छिपा है। आप देखेंगे। कुछ बहुत गहरा।"

फिर, जैसे ही हम अपने होटल में दाखिल हुए, उन्होंने इशारे से मुझे चुप रहने का आदेश दिया।

13

चिंतित आँखों वाली लड़की

हमने भरपूर भूख के साथ दोपहर का भोजन किया। मैं अच्छी तरह समझ गया था कि पोइरोट उस त्रासदी पर चर्चा नहीं करना चाहते थे जहाँ हमारी बातें आसानी से सुनी जा सकती थीं। लेकिन, जैसा कि अक्सर होता है जब कोई एक विषय दिमाग में इतना हावी हो जाता है कि बाकी सब कुछ भूल जाता है, तो कोई और दिलचस्प विषय सामने नहीं आया। कुछ देर तक हम चुपचाप खाते रहे, और फिर पोइरोट ने शरारती अंदाज़ में कहा:

“अरे वाह! और तुम्हारी गलतियाँ! क्या तुम उनका जिक्र नहीं करोगे?”

मुझे अपने चेहरे पर शर्म महसूस हुई।

"ओह, आपका मतलब आज सुबह से है?" मैंने पूरी तरह से बेपरवाही का भाव दिखाने की कोशिश की।

लेकिन मैं पोइरोट का मुकाबला नहीं कर सका। कुछ ही मिनटों में उन्होंने मुझसे पूरी कहानी निकलवा ली, और ऐसा करते समय उनकी आंखें चमक रही थीं।

“टिएन्स! एक बेहद रोमांटिक कहानी। इस मनमोहक युवती का नाम क्या है?”

मुझे यह स्वीकार करना पड़ा कि मुझे नहीं पता था।

“और भी रोमांटिक! पेरिस से ट्रेन में पहली मुलाकात, दूसरी यहाँ। कहते हैं ना कि सफर का अंत प्रेमियों की मुलाकातों में होता है?”

"पोइरोट, बेवकूफ मत बनो।"

“कल वो मैडमोजेल डाउब्रूइल थीं, आज वो मैडमोजेल सिंड्रेला हैं! हेस्टिंग्स, तुम्हारे दिल में तो तुर्कों का दिल बसा है! तुम्हें तो एक हरम बना लेना चाहिए!”

“मेरी खिंचाई करना तो ठीक है। मैडमोजेल डाउब्रूइल बहुत खूबसूरत लड़की हैं, और मैं उनकी बहुत प्रशंसा करता हूँ—मुझे यह स्वीकार करने में कोई आपत्ति नहीं है। दूसरी कुछ भी नहीं है—मुझे नहीं लगता कि मैं उसे फिर कभी देख पाऊँगा। रेल यात्रा के दौरान उनसे बात करना काफी मनोरंजक था, लेकिन वह उस तरह की लड़की नहीं हैं जिस पर मैं कभी मोहित हो जाऊँ।”

"क्यों?"

"खैर—शायद यह घमंडी लगे—लेकिन वह किसी भी मायने में एक सभ्य महिला नहीं है।"

पोइरोट ने सोच-समझकर सिर हिलाया। उनके स्वर में हंसी का भाव कम था जब उन्होंने पूछा:

तो क्या आप जन्म और वंशानुक्रम में विश्वास करते हैं?

"हो सकता है मैं पुराने ख्यालों की हूं, लेकिन मैं निश्चित रूप से अपने वर्ग से बाहर शादी करने में विश्वास नहीं करती। इससे कभी कोई फायदा नहीं होता।"
“मैं आपसे सहमत हूँ, मेरे मित्र। सौ में से निन्यानवे बार ऐसा ही होता है जैसा आप कहते हैं। लेकिन सौवां मौका तो हमेशा होता ही है! खैर, वह सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि आपका उस महिला से दोबारा मिलने का कोई इरादा नहीं है।”
उनके आखिरी शब्द लगभग एक सवाल जैसे थे, और मुझे उनकी तीखी निगाहों का एहसास हुआ। और मेरी आँखों के सामने, आग जैसे चमकीले अक्षरों में, मैंने "होटल डू फ़ारे" शब्द देखे, और मुझे फिर से उनकी आवाज़ सुनाई दी, "आओ और मुझसे मिलो" और मैंने बड़ी शिद्दत से जवाब दिया: "ज़रूर मिलूंगा।"
खैर, इसमें क्या बुराई है? मैंने उस समय जाने का इरादा किया था। लेकिन तब से मुझे सोचने का समय मिल गया था। मुझे वह लड़की पसंद नहीं थी। ठंडे दिमाग से सोचने के बाद, मैं इस निष्कर्ष पर पहुँचा कि मैं उसे बहुत ज़्यादा नापसंद करता हूँ। उसकी घिनौनी जिज्ञासा को मूर्खतापूर्ण ढंग से संतुष्ट करने के लिए मुझे बहुत डांट पड़ी थी, और मैं उसे दोबारा देखने की ज़रा भी इच्छा नहीं रखता था।
मैंने पोइरोट को काफी हल्के-फुल्के अंदाज में जवाब दिया।
"उसने मुझसे उसे ढूंढने के लिए कहा, लेकिन बेशक मैं ऐसा नहीं करूंगा।"
“क्यों ‘बेशक’?”
"खैर—मैं ऐसा नहीं करना चाहता।"
“मैं समझ गया।” उन्होंने कुछ मिनटों तक मुझे ध्यान से देखा। “हाँ। मैं अच्छी तरह समझ गया। और आप समझदार हैं। आपने जो कहा है, उस पर कायम रहें।”
मैंने थोड़ी झुंझलाहट के साथ कहा, "ऐसा लगता है कि यही आपकी हमेशा की सलाह है।"
“अरे, मेरे दोस्त, पापा पोइरोट पर भरोसा रखो। अगर तुम इजाज़त दोगे, तो मैं एक दिन तुम्हारे लिए बहुत ही उपयुक्त शादी का इंतज़ाम कर दूंगा।”
मैंने हंसते हुए कहा, "धन्यवाद, लेकिन इस संभावना से मुझे कोई खास दिलचस्पी नहीं है।"
पोइरोट ने आह भरी और अपना सिर हिलाया।
“अंग्रेज़!” उसने बुदबुदाया। “कोई तरीका नहीं—बिल्कुल भी नहीं। वे सब कुछ किस्मत पर छोड़ देते हैं!”
उसने भौंहें चढ़ाईं और नमकदानी की जगह बदल दी।
"मैडमोजेल सिंड्रेला उसी होटल डी'इंग्लैंड में ठहरी हुई हैं जिसके बारे में आपने मुझे बताया था, है ना?"
नहीं। लाइटहाउस होटल।
"हाँ, मैं भूल गया था।"
एक पल के लिए मेरे मन में शंका कौंध गई। मैंने पोइरोट को किसी होटल के बारे में बताया ही नहीं था। मैंने उनकी तरफ देखा और तसल्ली हुई। वे अपनी रोटी को करीने से छोटे-छोटे चौकोर टुकड़ों में काट रहे थे, पूरी तरह अपने काम में मग्न थे। उन्हें लगा होगा कि मैंने उन्हें बता दिया है कि लड़की कहाँ ठहरी है।

हमने समुद्र के सामने बैठकर कॉफी पी। पोइरोट ने अपनी छोटी सी सिगरेट पी और फिर अपनी जेब से घड़ी निकाली।
उन्होंने कहा, "पेरिस जाने वाली ट्रेन 2:25 बजे निकलती है। मुझे भी निकलना चाहिए।"
“पेरिस?” मैंने हैरानी से पूछा।
“मैंने भी यही कहा था, मेरे दोस्त।”
“आप पेरिस जा रहे हैं? लेकिन क्यों?”
उन्होंने बहुत गंभीरता से जवाब दिया।
"एम. रेनॉल्ड के हत्यारे की तलाश करना।"
"क्या आपको लगता है कि वह पेरिस में है?"
मुझे पूरा यकीन है कि वह नहीं है। फिर भी, मुझे उसे वहीं ढूंढना होगा। आप समझ नहीं रहे हैं, लेकिन मैं आपको सही समय पर सब कुछ समझा दूंगा। यकीन मानिए, पेरिस की यह यात्रा ज़रूरी है। मैं ज़्यादा देर तक दूर नहीं रहूंगा। शायद मैं कल लौट आऊंगा। मैं नहीं चाहता कि आप मेरे साथ चलें। आप यहीं रहिए और गिराउड पर नज़र रखिए। साथ ही, श्री रेनॉल्ड के बेटे से मेलजोल बढ़ाइए। और तीसरी बात, अगर आप चाहें तो मैडमोजेल मार्थे के साथ उसके संबंधों को बिगाड़ने की कोशिश कीजिए। लेकिन मुझे डर है कि आपको इसमें ज़्यादा सफलता नहीं मिलेगी।
मुझे आखिरी टिप्पणी बिल्कुल भी पसंद नहीं आई।
“यह सुनकर मुझे याद आया,” मैंने कहा। “मैं आपसे पूछना चाहता था कि आपको उन दोनों के बारे में कैसे पता चला?”
“मेरे दोस्त—मैं इंसानी फितरत जानता हूँ। एक नौजवान रेनॉल्ड और मैडमोजेल मार्थे जैसी खूबसूरत लड़की को एक साथ मिला दो, तो नतीजा लगभग तय है। फिर, झगड़ा! बात पैसे या औरत की थी, और लियोनी के उस लड़के के गुस्से के वर्णन को याद करके मैंने औरत को चुना। तो मैंने अपना अनुमान लगाया—और मैं सही निकला।”
“और इसीलिए तुमने मुझे उस महिला पर दिल लगाने से मना किया था? तुम्हें पहले से ही शक था कि वह युवा रेनॉल्ड से प्यार करती है?”
पोइरोट मुस्कुराया।
“खैर, मैंने देखा कि उसकी आँखों में चिंता थी। मैं हमेशा मैडमोजेल डाउब्रूइल को चिंतित आँखों वाली लड़की के रूप में ही याद करती हूँ...”
उनकी आवाज इतनी गंभीर थी कि मुझे उससे असहजता महसूस हुई।
"इसका क्या मतलब है, पोइरोट?"
मुझे लगता है, मेरे दोस्त, कि हम बहुत जल्द मिलेंगे। लेकिन मुझे अब जाना होगा।
आपके पास समय का अथाह सागर है।

"शायद—शायद। लेकिन मुझे स्टेशन पर काफी फुर्सत पसंद है। मैं जल्दबाजी नहीं करना चाहता, हड़बड़ी नहीं करना चाहता, खुद को उत्तेजित नहीं करना चाहता।"
मैंने उठते हुए कहा, "हर हाल में मैं आपको विदा करने आऊंगा।"
“तुम ऐसा कुछ भी नहीं करोगे। मैं इसकी मनाही करता हूँ।”
उनका लहजा इतना दृढ़ था कि मैं आश्चर्य से उन्हें देखता रह गया। उन्होंने जोर से सिर हिलाया।
“मेरा मतलब यही है, मेरे दोस्त। अलविदा! क्या आप मुझे गले लगाने की अनुमति देते हैं? अरे नहीं, मैं भूल गया था कि यह अंग्रेज़ों का रिवाज नहीं है। तो फिर, हाथ का एक टुकड़ा।”
पोइरोट के जाने के बाद मैं काफी अकेला महसूस कर रहा था। मैं समुद्र तट पर टहलने लगा और नहाने वालों को देखता रहा, लेकिन उनमें शामिल होने की हिम्मत नहीं हो रही थी। मुझे लगा कि सिंड्रेला शायद किसी खूबसूरत पोशाक में उनके बीच मस्ती कर रही होगी, लेकिन मुझे उसका कोई निशान नहीं दिखा। मैं शहर के दूसरे छोर की ओर रेत पर बेतरतीब ढंग से चलता रहा। तभी मेरे मन में ख्याल आया कि आखिर उस लड़की के बारे में पूछना ही सही होगा। और अंत में इससे परेशानी भी दूर हो जाएगी। बात वहीं खत्म हो जाएगी। मुझे उसके बारे में और परेशान होने की जरूरत नहीं होगी। लेकिन, अगर मैं बिल्कुल नहीं गया, तो हो सकता है वह विला में मुझसे मिलने आ जाए। और यह हर तरह से परेशान करने वाला होगा। बेहतर यही होगा कि मैं उससे थोड़ी देर के लिए मिल लूं, और इस दौरान मैं उसे साफ-साफ बता दूं कि एक शोमैन होने के नाते मैं उसके लिए और कुछ नहीं कर सकता।
इसलिए मैंने बीच छोड़ दिया और अंदर की ओर चलने लगा। जल्द ही मुझे होटल डू फारे मिल गया, जो एक बहुत ही साधारण इमारत थी। मुझे बेहद निराशा हुई कि मुझे उस महिला का नाम नहीं पता था, और अपनी इज्जत बचाने के लिए मैंने अंदर जाकर इधर-उधर देखने का फैसला किया। शायद वह मुझे लाउंज में मिल जाए। मर्लिनविले एक छोटी सी जगह थी, होटल से बीच जाने के लिए निकलना पड़ता था और बीच से वापस होटल आने के लिए निकलना पड़ता था। वहाँ कोई और आकर्षण नहीं था। एक कैसिनो बन रहा था, लेकिन अभी तक पूरा नहीं हुआ था।
मैंने पूरा बीच घूम लिया था और वह मुझे कहीं नहीं दिखी, इसलिए वह होटल में ही होगी। मैं अंदर गया। छोटे से लाउंज में कई लोग बैठे थे, लेकिन मेरी तलाश उनमें से किसी में नहीं थी। मैंने कुछ और कमरों में भी देखा, लेकिन उसका कोई निशान नहीं मिला। मैं कुछ देर इंतजार करता रहा, जब तक कि मेरी बेचैनी बढ़ नहीं गई। मैंने कंसीयज को एक तरफ बुलाया और उसके हाथ में पाँच फ्रैंक थमा दिए।
मैं यहाँ ठहरी हुई एक महिला से मिलना चाहता हूँ। एक युवा अंग्रेज़ महिला, कद में छोटी और सांवली। मुझे उसका नाम नहीं पता।
उस आदमी ने अपना सिर हिलाया और मानो अपनी हंसी दबाने की कोशिश कर रहा हो।
"आपके द्वारा वर्णित नाम की कोई महिला यहाँ नहीं रहती है।"
मैंने सुझाव दिया, "शायद वह अमेरिकी है।" ये लोग बड़े बेवकूफ हैं।

लेकिन वह आदमी अपना सिर हिलाता रहा।
नहीं, महोदय। यहाँ कुल मिलाकर केवल छह या सात अंग्रेज़ और अमेरिकी महिलाएँ हैं, और वे सभी उस महिला से कहीं अधिक उम्र की हैं जिसे आप ढूँढ रहे हैं। महोदय, वह आपको यहाँ नहीं मिलेगी।
वह इतना सकारात्मक था कि मुझे संदेह होने लगा।
लेकिन उस महिला ने मुझे बताया कि वह यहीं ठहर रही है।
"महाशय से कोई गलती हुई होगी—या शायद महिला से ही गलती हुई होगी, क्योंकि एक और सज्जन यहाँ उनके बारे में पूछताछ करने आए थे।"
“तुम क्या कह रहे हो?” मैंने हैरानी से चिल्लाकर पूछा।
"जी हां, महोदय। एक सज्जन व्यक्ति ने उनका वर्णन बिल्कुल वैसे ही किया है जैसे आपने किया है।"
"उनको क्या पसंद था?"
"वह एक छोटे कद का सज्जन व्यक्ति था, अच्छे कपड़े पहने हुए, बहुत साफ-सुथरा, बिल्कुल निर्मल, मूंछें बहुत कड़क थीं, सिर का आकार विचित्र था और आंखें हरी थीं।"
पोइरोट! तो इसीलिए उसने मुझे थाने तक साथ जाने से मना कर दिया था। कितनी गुस्ताखी! मैं उससे विनती करता कि वह मेरे मामलों में दखल न दे। क्या उसे लगता था कि मुझे देखभाल के लिए किसी नर्स की ज़रूरत है? उस आदमी को धन्यवाद देकर मैं वहाँ से चला गया, थोड़ा असमंजस में और अपने दखलंदाज़ी करने वाले दोस्त से अभी भी बहुत नाराज़ था। मुझे अफ़सोस था कि वह फिलहाल मेरी पहुँच से बाहर था। मुझे उसे यह बताने में मज़ा आता कि मैं उसके बेवजह के दखल के बारे में क्या सोचता हूँ। क्या मैंने उसे साफ़-साफ़ नहीं कहा था कि मेरा उस लड़की से मिलने का कोई इरादा नहीं है? सच में, दोस्त कभी-कभी हद से ज़्यादा उत्साही हो जाते हैं!
लेकिन वह महिला कहाँ थी? मैंने अपना गुस्सा एक तरफ रख दिया और इस पहेली को सुलझाने की कोशिश की। ज़ाहिर है, अनजाने में उसने गलत होटल का नाम बता दिया था। तभी मेरे मन में एक और विचार आया। क्या यह अनजाने में हुई गलती थी? या उसने जानबूझकर अपना नाम छुपाया था और मुझे गलत पता दिया था? जितना ज़्यादा मैं इसके बारे में सोचता गया, उतना ही मुझे यकीन होता गया कि मेरा यह आखिरी अनुमान सही था। किसी न किसी कारण से वह इस जान-पहचान को दोस्ती में बदलना नहीं चाहती थी। और हालाँकि आधे घंटे पहले मेरा भी यही विचार था, लेकिन अब जब पासा पलट गया तो मुझे अच्छा नहीं लगा। यह पूरा मामला बेहद निराशाजनक था, और मैं बहुत ही खराब मूड में विला जेनेवीव गया। मैं घर के अंदर नहीं गया, बल्कि शेड के पास वाली छोटी सी बेंच तक जाने वाले रास्ते पर गया और वहाँ उदास मन से बैठ गया।
मेरे विचारों में खलल पास से आती आवाज़ों से पड़ा। एक-दो पल में मुझे एहसास हुआ कि ये आवाज़ें उस बगीचे से नहीं आ रही थीं जिसमें मैं था, बल्कि विला मार्गुराइट के बगल वाले बगीचे से आ रही थीं, और तेज़ी से पास आ रही थीं। एक लड़की की आवाज़ थी, जिसे मैंने खूबसूरत मार्थे की आवाज़ के रूप में पहचान लिया।

“चेरी,” वह कह रही थी, “क्या यह सचमुच सच है? क्या हमारी सारी परेशानियां खत्म हो गई हैं?”
“तुम जानती हो, मार्थे,” जैक रेनॉल्ड ने जवाब दिया। “अब हमें कोई अलग नहीं कर सकता, प्रियतमा। हमारे मिलन की आखिरी बाधा भी दूर हो गई है। कोई भी तुम्हें मुझसे छीन नहीं सकता।”
“कुछ नहीं?” लड़की ने धीमी आवाज़ में कहा। “ओह, जैक, जैक—मुझे डर लग रहा है।”
मुझे एहसास हुआ कि मैं अनजाने में उनकी बातें सुन रहा हूँ, और मैं वहाँ से जाने लगा। जैसे ही मैं उठा, झाड़ियों के बीच से मेरी नज़र उन पर पड़ी। वे दोनों मेरे सामने खड़े थे, लड़के का हाथ लड़की के कंधे पर था और उसकी आँखें लड़की की आँखों में देख रही थीं। वे बेहद खूबसूरत लग रहे थे - सांवला, गठीला लड़का और गोरी युवती। ऐसा लग रहा था मानो वे एक-दूसरे के लिए ही बने हों, और अपने युवा जीवन पर छाए भयानक दुख के बावजूद वे खुश खड़े थे।
लेकिन लड़की के चेहरे पर चिंता के भाव थे, और जैक रेनॉल्ड ने मानो इसे पहचान लिया था, क्योंकि उसने उसे अपने करीब खींच लिया और पूछा:
"लेकिन तुम्हें किस बात का डर है, प्रिय? अब डरने की क्या बात है?"
और फिर मैंने उसकी आँखों में वह भाव देखा, वही भाव जिसके बारे में पोइरोट ने बात की थी, जब वह बुदबुदा रही थी, जिससे मुझे लगभग उसके शब्दों का अंदाजा हो गया।
मुझे तुम्हारे लिए डर लग रहा है...
युवा रेनॉल्ड का जवाब मैं नहीं सुन पाया, क्योंकि मेरा ध्यान झाड़ी के थोड़ा आगे एक अजीब सी चीज़ पर चला गया था। वहाँ एक भूरी झाड़ी दिखाई दी, जो गर्मियों की शुरुआत में कम से कम अजीब तो लग ही रही थी। मैं जाँच करने के लिए आगे बढ़ा, लेकिन मेरे आगे बढ़ते ही वह भूरी झाड़ी अचानक पीछे हट गई और अपनी उंगली होठों पर रखकर मेरी ओर देखने लगी। वह गिराउड था।
सावधानी बरतने की सलाह देते हुए, वह हमें शेड के चारों ओर तब तक ले गया जब तक हम उसकी सुनने की सीमा से बाहर नहीं निकल गए।
मैंने पूछा, "तुम वहां क्या कर रहे थे?"
"बिल्कुल वही जो आप कर रहे थे—सुन रहे थे।"
लेकिन मैं वहां जानबूझकर नहीं गया था!
“आह!” गिराउड ने कहा। “मैं था।”
हमेशा की तरह, मैं उस आदमी की प्रशंसा तो करता था, लेकिन साथ ही उसे नापसंद भी करता था। उसने मुझे तिरस्कारपूर्ण घृणा भरी निगाहों से ऊपर से नीचे तक देखा।
"बीच में दखल देकर तुमने मामला और बिगाड़ दिया। अभी थोड़ी देर में शायद मुझे कुछ काम की बात पता चल जाए। तुमने अपनी उस पुरानी गाड़ी का क्या किया?"
मैंने ठंडे लहजे में जवाब दिया, "एम. पोइरोट पेरिस गए हैं।"

और मैं आपको बता सकता हूँ, श्री गिराउड, कि वह किसी भी तरह से पुराने ख्यालों के व्यक्ति नहीं हैं। उन्होंने कई ऐसे मामलों को सुलझाया है जिन्होंने अंग्रेजी पुलिस को पूरी तरह से हैरान कर दिया था।
“अरे! अंग्रेज़ पुलिस!” गिराउड ने तिरस्कारपूर्वक उंगलियां चटकाईं। “ये तो हमारे जांच मजिस्ट्रेटों के बराबर ही होंगे। तो वो पेरिस चला गया है, है ना? अच्छा हुआ। जितना ज़्यादा वो वहाँ रहेगा, उतना ही अच्छा। लेकिन उसे वहाँ क्या मिलेगा?”
मुझे लगा कि प्रश्न में थोड़ी सी बेचैनी झलक रही है। मैंने खुद को समेट लिया।
मैंने धीमी आवाज़ में कहा, "मैं यह कहने के लिए स्वतंत्र नहीं हूँ।"
गिराउड ने मुझे तीखी निगाहों से घूरा।
“शायद उसमें इतनी समझ होगी कि वह आपको न बताए,” उसने अशिष्टता से कहा। “शुभ दोपहर। मैं व्यस्त हूँ।”
और इतना कहकर वह बिना किसी औपचारिकता के मुड़कर चला गया। विला जेनेवीव में मामला मानो थम सा गया था। जाहिर तौर पर गिराउड मेरी संगति नहीं चाहता था और जो मैंने देखा उससे तो यही लग रहा था कि जैक रेनॉल्ड भी नहीं चाहता था।
मैं वापस कस्बे में गया, आराम से नहाया और होटल लौट आया। मैं जल्दी सो गया, यह सोचकर कि क्या अगले दिन कुछ रोचक होगा।
जो कुछ हुआ उसके लिए मैं बिलकुल भी तैयार नहीं था। मैं डाइनिंग रूम में अपना हल्का नाश्ता कर रहा था, तभी बाहर किसी से बात कर रहा वेटर बहुत उत्साहित होकर वापस आया। वह एक मिनट के लिए हिचकिचाया, अपने नैपकिन से खेलता रहा, और फिर अचानक बोल पड़ा।
“महामहिम मुझे क्षमा करेंगे, लेकिन क्या उनका विला जेनेवीव मामले से कोई संबंध नहीं है?”
“हां,” मैंने उत्सुकता से कहा। “क्यों?”
"लेकिन महाशय को यह खबर नहीं मिली है?"
"क्या ख़बर है?"
“कल रात वहां एक और हत्या हुई है!”
"क्या?"
नाश्ता छोड़कर, मैंने अपनी टोपी उठाई और जितनी तेज़ी से हो सकता था भागा। एक और हत्या—और पोइरोट भाग गया! कितनी बुरी बात है! लेकिन हत्या किसकी हुई थी?
मैं गेट से अंदर भागा। कुछ नौकर-चाकर ड्राइववे में खड़े बातें कर रहे थे और इशारे कर रहे थे। मैंने फ्रांस्वा को पकड़ लिया।
"क्या हुआ है?"

“ओह, महोदय! महोदय! एक और मृत्यु! यह भयानक है। घर पर श्राप है। जी हाँ, मैं सच कह रहा हूँ, श्राप! उन्हें पादरी महोदय को बुलाकर पवित्र जल मंगवाना चाहिए। मैं उस छत के नीचे फिर कभी नहीं सो पाऊँगा। शायद अब मेरी बारी हो, कौन जाने?”

उसने क्रॉस का निशान बनाया।

“हां,” मैं चिल्लाई, “लेकिन किसकी हत्या हुई है?”

“क्या मैं खुद को पहचानता हूँ? एक आदमी—एक अजनबी। उन्होंने उसे ऊपर—शेड में—उसी जगह से सौ गज से भी कम दूरी पर पाया जहाँ उन्हें बेचारे महाशय मिले थे। और बात यहीं खत्म नहीं होती। उसे चाकू मारा गया है—उसी खंजर से उसके दिल में वार किया गया है!”

14

दूसरा शरीर

और इंतज़ार न करते हुए, मैं मुड़ा और दौड़कर शेड की ओर चल पड़ा। वहाँ पहरा दे रहे दोनों आदमी मुझे रास्ता देने के लिए एक तरफ हट गए और मैं उत्साह से भर कर अंदर चला गया।

रोशनी मंद थी, वह जगह पुराने बर्तनों और औजारों को रखने के लिए बनी एक साधारण सी लकड़ी की संरचना थी। मैं जल्दबाजी में अंदर चला गया था, लेकिन दहलीज पर पहुँचते ही मैंने खुद को रोक लिया, क्योंकि मेरे सामने का दृश्य मुझे मंत्रमुग्ध कर रहा था।

गिराउड घुटनों के बल बैठा था, उसके हाथ में एक टॉर्च थी जिससे वह ज़मीन के हर इंच की जाँच कर रहा था। मेरे आने पर उसने भौंहें चढ़ाकर ऊपर देखा, फिर उसके चेहरे पर एक तरह की सौम्य अवहेलना का भाव आ गया।

“अरे, ये तो अंग्रेज़ी है! तो अंदर आ जाओ। देखते हैं कि तुम इस मामले को कैसे समझते हो।”

उसके लहजे से आहत होकर, मैंने अपना सिर झुकाया और अंदर चला गया।

"वह रहा," गिराउड ने दूर कोने की ओर टॉर्च चमकाते हुए कहा।

मैं पार चला गया।

मृत व्यक्ति पीठ के बल सीधा लेटा हुआ था। उसकी लंबाई मध्यम थी, रंग सांवला था और संभवतः उसकी उम्र लगभग पचास वर्ष थी। उसने गहरे नीले रंग का सूट पहना हुआ था, जो अच्छी तरह से सिला हुआ था और संभवतः किसी महंगे दर्जी द्वारा बनाया गया था, लेकिन नया नहीं था। उसका चेहरा बुरी तरह से फड़क रहा था, और उसके बाईं ओर, हृदय के ठीक ऊपर, एक खंजर का हैंडल उठा हुआ था, जो काला और चमकदार था। मैंने उसे पहचान लिया। यह वही खंजर था जिसे मैंने पिछली सुबह कांच के जार में रखा हुआ देखा था!

“मुझे डॉक्टर के आने की बहुत उम्मीद है,” गिराउड ने बताया। “हालांकि हमें उनकी ज़्यादा ज़रूरत नहीं है। इसमें कोई शक नहीं कि उस आदमी की मौत किस वजह से हुई। उसे दिल में चाकू मारा गया था, और उसकी मौत लगभग तुरंत ही हो गई होगी।”

“यह कब हुआ था? कल रात?”

गिराउड ने अपना सिर हिलाया।

“बिलकुल नहीं। मैं चिकित्सीय साक्ष्यों के आधार पर अंतिम निर्णय नहीं लेता, लेकिन उस व्यक्ति की मृत्यु बारह घंटे से अधिक समय पहले हो चुकी है। आपके अनुसार आपने वह खंजर आखिरी बार कब देखा था?”

"कल सुबह करीब दस बजे।"
"तब मैं इस बात को लेकर आश्वस्त होऊंगा कि अपराध उसके कुछ ही समय बाद हुआ था।"
"लेकिन लोग लगातार इस शेड के पास से गुजर रहे थे और वापस आ रहे थे।"
गिराउड अप्रिय ढंग से हँसा।
“तुम तो कमाल कर रहे हो! तुम्हें किसने बताया कि उसकी हत्या इसी शेड में हुई थी?”
“अच्छा—” मैं घबरा गया। “मैंने—मैंने ऐसा मान लिया था।”
“अरे वाह, क्या कमाल का जासूस है! उसे देखो, मेरे प्यारे—क्या दिल में चाकू लगने से घायल आदमी ऐसे गिरता है—सीधे पैर मिलाकर और हाथ बगल में? नहीं। क्या कोई आदमी पीठ के बल लेटकर खुद को चाकू लगने देता है और बचाव के लिए हाथ भी नहीं उठाता? यह बेतुका है, है ना? लेकिन यहाँ देखो—और यहाँ—” उसने टॉर्च ज़मीन पर घुमाई। मैंने नरम मिट्टी में अजीब से अनियमित निशान देखे। “उसे मरने के बाद यहाँ घसीटा गया था। आधा घसीटा, आधा उठाकर दो लोगों ने लाया था। बाहर सख्त ज़मीन पर उनके पैरों के निशान नहीं दिखते, और यहाँ उन्होंने उन्हें मिटाने की पूरी कोशिश की है—लेकिन उन दोनों में से एक औरत थी, मेरे प्यारे दोस्त।”
"एक औरत?"
"हाँ।"
लेकिन अगर निशान मिट ही गए हों, तो आपको कैसे पता चलेगा?
“क्योंकि, भले ही धुंधले हों, महिला के जूते के निशान स्पष्ट रूप से पहचाने जा सकते हैं। साथ ही, इससे—” और आगे झुककर, उन्होंने खंजर के हैंडल से कुछ निकाला और मुझे दिखाने के लिए ऊपर उठाया। यह एक महिला के लंबे काले बाल थे—ठीक वैसे ही जैसे पोइरोट ने पुस्तकालय में आरामकुर्सी से लिए थे।
थोड़ी व्यंग्यात्मक मुस्कान के साथ उसने उसे फिर से खंजर के चारों ओर लपेट दिया।
उन्होंने समझाया, “हम यथासंभव स्थिति को यथावत रखने की कोशिश करेंगे। इससे जांच मजिस्ट्रेट संतुष्ट हैं। खैर, क्या आपको कुछ और नजर आया?”
मुझे अपना सिर हिलाने पर मजबूर होना पड़ा।
उसके हाथों को देखो।
मैंने देखा। नाखून टूटे हुए और बदरंग थे, और त्वचा सख्त थी। इससे मुझे उतना ज्ञान नहीं मिला जितना मैं चाहती थी। मैंने गिराउड की ओर देखा।
मेरी ओर देखते हुए उसने कहा, "ये किसी सज्जन के हाथ नहीं हैं। इसके विपरीत, उसके कपड़े तो किसी धनी व्यक्ति के हैं। है ना अजीब बात?"
“बहुत ही दिलचस्प,” मैंने सहमति जताई।
“और उसके कपड़ों पर कोई निशान नहीं है। इससे हमें क्या पता चलता है? यह आदमी अपनी असलियत से अलग दिखने की कोशिश कर रहा था। वह भेस बदल रहा था। क्यों? क्या उसे किसी बात का डर था? क्या

वह भेस बदलकर भागने की कोशिश कर रहा था? अभी तक हमें इसका जवाब नहीं पता, लेकिन एक बात हम जानते हैं—वह अपनी पहचान छिपाने के लिए उतना ही उत्सुक था जितना हम उसे जानने के लिए।”
उसने एक बार फिर शव की ओर देखा।
“पहले की तरह ही, खंजर के हैंडल पर उंगलियों के निशान नहीं हैं। हत्यारे ने फिर से दस्ताने पहने हुए थे।”
"तो क्या आपको लगता है कि दोनों मामलों में हत्यारा एक ही था?" मैंने उत्सुकता से पूछा।
गिराउड रहस्यमय हो गया।
“मैं क्या सोचता हूँ, इसकी परवाह मत करो। देखते हैं क्या होता है। माशाँड!”
सार्जेंट डे विले दरवाजे पर प्रकट हुआ।
"महोदय?"
“मैडम रेनॉल्ड यहाँ क्यों नहीं हैं? मैंने उन्हें पंद्रह मिनट पहले बुलवाया था?”
"महाशय, वह अब रास्ते से आ रही हैं, और उनके साथ उनका बेटा भी है।"
"अच्छा। लेकिन मुझे एक बार में सिर्फ एक ही चाहिए।"
माशाँड ने सलाम किया और फिर गायब हो गया। कुछ ही क्षण बाद वह श्रीमती रेनॉल्ड के साथ फिर प्रकट हुआ।
“ये रही मैडम।”
गिराउड ने संक्षिप्त रूप से झुककर अभिवादन किया।
“इस तरफ आइए, महोदया।” वह उन्हें सड़क पार ले गया और फिर अचानक एक तरफ खड़े होकर बोला, “ये रहा वो आदमी। क्या आप उसे जानती हैं?”
और जब वह बोल रहा था, उसकी पैनी निगाहें उसके चेहरे पर गड़ी हुई थीं, मानो उसके मन को पढ़ने की कोशिश कर रही हों, उसके हावभाव के हर संकेत को गौर से देख रही हों।
लेकिन श्रीमती रेनॉल्ड एकदम शांत रहीं—मुझे लगा कि वह कुछ ज़्यादा ही शांत थीं। उन्होंने लगभग बिना किसी रुचि के, निश्चित रूप से बिना किसी घबराहट या पहचान के, शव को देखा।
“नहीं,” उसने कहा। “मैंने उसे अपनी पूरी जिंदगी में कभी नहीं देखा। वह मेरे लिए बिलकुल अजनबी है।”
"आपको यकीन है?"
"यकीन के साथ।"
"क्या आप उसमें अपने हमलावरों में से एक को नहीं पहचानते, उदाहरण के लिए?"
“नहीं,” वह हिचकिचाई, मानो इस विचार से अचंभित हो गई हो। “नहीं, मुझे ऐसा नहीं लगता। बेशक उन्होंने दाढ़ी रखी हुई थी—जांच मजिस्ट्रेट को लगा कि नकली दाढ़ी थी, लेकिन फिर भी—नहीं।” अब उसने अपना मन पक्का कर लिया था। “मुझे यकीन है कि इन दोनों में से कोई भी यह आदमी नहीं था।”
“बहुत खूब, महोदया। बस इतना ही।”

वह सिर ऊंचा करके बाहर निकली, उसके बालों में चांदी जैसी लटों पर सूरज की रोशनी चमक रही थी। जैक रेनॉल्ड उसके पीछे आया। वह भी स्वाभाविक ढंग से उस आदमी को पहचानने में असफल रहा।
गिराउड ने बस हल्की सी आवाज़ निकाली। वह खुश था या नाराज़, यह मैं नहीं कह सकता। उसने बस मार्शाँड को पुकारा:
"क्या आपके पास दूसरा वाला भी है?"
"जी श्रीमान।"
"तो उसे अंदर ले आओ।"
दूसरी महिला मैडम डाउब्रूइल थीं। वह आक्रोशित होकर आईं और पुरजोर विरोध जताया।
“मैं इसका विरोध करता हूँ, महोदय! यह घोर अन्याय है! इस सब से मेरा क्या लेना-देना है?”
"मैडम," गिराउड ने निर्मम स्वर में कहा, "मैं एक नहीं, बल्कि दो हत्याओं की जांच कर रहा हूँ! जहाँ तक मुझे पता है, हो सकता है कि आपने ही दोनों हत्याएं की हों।"
“तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई?” वह चिल्लाई। “तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझ पर इस तरह का बेबुनियाद आरोप लगाकर मेरा अपमान करने की! यह तो घिनौना है।”
“बदनाम है ना? इसके बारे में क्या?” झुककर उसने फिर से बाल अलग किए और उन्हें ऊपर उठाया। “क्या आप इसे देख रही हैं, महोदया?” वह उनकी ओर बढ़ा। “क्या आप मुझे देखने की अनुमति देंगी कि यह मेल खाता है या नहीं?”
चीखते हुए वह पीछे की ओर गिर पड़ी, उसका चेहरा होंठों तक सफेद पड़ गया था।
“यह झूठ है—मैं कसम खाता हूँ। मुझे इस अपराध के बारे में कुछ भी नहीं पता—दोनों में से किसी भी अपराध के बारे में। जो कोई भी कहता है कि मैं झूठ बोलता हूँ! हे भगवान! मैं क्या करूँ?”
“शांत हो जाइए, महोदया,” गिराउड ने ठंडे स्वर में कहा। “अभी तक किसी ने आप पर आरोप नहीं लगाया है। लेकिन बेहतर होगा कि आप बिना ज्यादा देर किए मेरे सवालों का जवाब दें।”
"आपकी जो इच्छा हो, महोदय।"
“इस मरे हुए आदमी को देखो। क्या तुमने इसे पहले कभी देखा है?”
पास आते हुए, मैडम डाउब्रूइल के चेहरे पर धीरे-धीरे रौनक लौट आई, उन्होंने कुछ रुचि और जिज्ञासा के साथ पीड़ित को देखा। फिर उन्होंने अपना सिर हिलाया।
"मुझे उसके बारे में नहीं पता।"
उस पर शक करना नामुमकिन सा लग रहा था, उसके शब्द इतने सहज थे। गिराउड ने सिर हिलाकर उसे जाने दिया। "तुम उसे जाने दे रहे हो?" मैंने धीमी आवाज़ में पूछा। "क्या यह समझदारी है? ये काले बाल तो उसी के सिर के हैं ना?"
"मुझे अपने व्यवसाय के बारे में सिखाने की ज़रूरत नहीं है," गिराउड ने रूखेपन से कहा। "वह निगरानी में है। अभी मेरी उसे गिरफ्तार करने की कोई इच्छा नहीं है।"

फिर, भौंहें चढ़ाकर, उसने शव की ओर देखा।
"क्या आपको यह कहना चाहिए कि वह स्पेनिश टाइप का था?" उसने अचानक पूछा।
मैंने चेहरे को ध्यान से देखा।
“नहीं,” मैंने अंत में कहा। “मैं उसे निश्चित रूप से एक फ्रांसीसी ही मानूंगा।”
गिराउड ने असंतोष भरी आवाज निकाली।
"यहाँ भी ऐसा ही।"
वह एक पल के लिए वहीं खड़ा रहा, फिर एक आदेशात्मक इशारे से उसने मुझे एक तरफ कर दिया, और एक बार फिर, हाथों और घुटनों के बल, उसने शेड के फर्श की तलाशी जारी रखी। वह अद्भुत था। उससे कुछ भी नहीं छूटता था। वह इंच-इंच करके फर्श पर गया, बर्तनों को पलटता गया, पुराने बोरों की जाँच करता गया। उसने दरवाजे के पास रखे एक बंडल पर झपट्टा मारा, लेकिन वह केवल एक फटा हुआ कोट और पतलून निकला, और उसने उसे गुस्से से नीचे फेंक दिया। पुराने दस्तानों के दो जोड़े ने उसकी दिलचस्पी जगाई, लेकिन अंत में उसने अपना सिर हिलाया और उन्हें एक तरफ रख दिया। फिर वह बर्तनों के पास वापस गया, उन्हें एक-एक करके व्यवस्थित रूप से पलटने लगा। अंत में, वह खड़ा हुआ, और सोच में डूबा हुआ अपना सिर हिलाया। वह हैरान और परेशान लग रहा था। मुझे लगता है कि वह मेरी उपस्थिति को भूल गया था।
लेकिन, उसी क्षण, बाहर हलचल और शोर सुनाई दिया, और हमारे पुराने मित्र, जांच मजिस्ट्रेट, अपने क्लर्क और एम. बेक्स के साथ, और उनके पीछे डॉक्टर, अंदर आ गए।
“लेकिन यह तो असाधारण है, श्रीमान गिराउड,” एम. हाउटेट चिल्लाए। “एक और अपराध! आह, हम अभी तक इस मामले की तह तक नहीं पहुँच पाए हैं। यहाँ कोई गहरा रहस्य छिपा है। लेकिन इस बार पीड़ित कौन है?”
“यही बात कोई हमें नहीं बता सकता, महोदय न्यायाधीश। उसकी पहचान नहीं हो पाई है।”
डॉक्टर ने पूछा, "लाश कहाँ है?"
गिराउड थोड़ा सा एक तरफ हट गया।
“वहाँ कोने में। जैसा कि आप देख रहे हैं, उसे दिल में चाकू मारा गया है। और उसी खंजर से जो कल सुबह चोरी हुआ था। मुझे लगता है कि चोरी के तुरंत बाद हत्या हुई है—लेकिन यह आपको ही तय करना है। आप खंजर को बेझिझक छू सकते हैं—उस पर कोई उंगलियों के निशान नहीं हैं।”
डॉक्टर मृत व्यक्ति के पास घुटने टेककर बैठ गया, और गिराउड ने जांच कर रहे मजिस्ट्रेट की ओर रुख किया।
“यह एक छोटी-सी समस्या है, है ना? लेकिन मैं इसे हल कर लूंगा।”
“इसलिए कोई उसकी पहचान नहीं कर सकता,” मजिस्ट्रेट ने सोचा। “क्या यह हत्यारों में से एक हो सकता है? हो सकता है कि वे आपस में झगड़ पड़े हों।”

गिराउड ने अपना सिर हिलाया।
“वह आदमी फ्रांसीसी है—मैं इस बात की शपथ ले सकता हूँ—”
लेकिन उसी क्षण डॉक्टर ने आकर उनकी बातचीत में बाधा डाली, जो असमंजस भरे भावों के साथ अपनी एड़ियों पर बैठा हुआ था।
“आप कह रहे हैं कि उसकी हत्या कल सुबह हुई थी?”
"मैंने चाकू की चोरी से मामले को सुलझा लिया," गिराउड ने समझाया। "हो सकता है कि दिन में बाद में उसकी हत्या कर दी गई हो।"
“दिन में बाद में? बिलकुल नहीं! यह आदमी कम से कम अड़तालीस घंटे से मरा हुआ है, और शायद उससे भी अधिक समय से।”
हम दोनों एक-दूसरे को अचंभित निगाहों से देखते रहे।

15

एक तस्वीर

डॉक्टर की बातें इतनी चौंकाने वाली थीं कि हम सब पल भर के लिए दंग रह गए। एक आदमी को खंजर से मारा गया था, जिसके बारे में हमें पता था कि वह सिर्फ चौबीस घंटे पहले चोरी हुआ था, और फिर भी डॉक्टर डूरंड ने पूरे यकीन से कहा कि उसकी मौत कम से कम अड़तालीस घंटे पहले हो चुकी थी! यह सब कुछ हद से ज्यादा अविश्वसनीय था।

डॉक्टर की घोषणा के सदमे से हम अभी उबर ही रहे थे कि तभी मेरे पास एक टेलीग्राम आया। यह होटल से विला भेजा गया था। मैंने उसे फाड़कर खोला। यह पोइरोट का था, और उसमें उनकी वापसी की सूचना थी, जो ट्रेन से दोपहर 12:28 बजे मर्लिनविले पहुंचेगी।

मैंने अपनी घड़ी देखी और पाया कि मेरे पास स्टेशन तक आराम से पहुँचने और वहाँ उससे मिलने के लिए बस थोड़ा ही समय बचा है। मुझे लगा कि इस मामले में हुए नए और चौंकाने वाले घटनाक्रमों के बारे में उसे तुरंत पता चलना अत्यंत महत्वपूर्ण है।

मैंने सोचा, जाहिर है, पोइरोट को पेरिस में अपनी मनचाही चीज ढूंढने में कोई कठिनाई नहीं हुई थी। उनकी त्वरित वापसी इस बात का प्रमाण थी। कुछ ही घंटे काफी थे। मैं सोच रहा था कि वह उस रोमांचक खबर पर कैसी प्रतिक्रिया देंगे जो मुझे उन्हें बतानी थी।

ट्रेन कुछ मिनट लेट थी, और मैं प्लेटफार्म पर यूं ही इधर-उधर घूमता रहा, तभी मेरे मन में यह विचार आया कि त्रासदी वाली शाम को आखिरी ट्रेन से मर्लिनविले छोड़ने वाले लोगों के बारे में कुछ सवाल पूछकर मैं समय बिता सकता हूं।

मैंने मुख्य कुली से संपर्क किया, जो देखने में बुद्धिमान लग रहा था, और उसे इस विषय पर बात करने के लिए राजी करने में मुझे ज्यादा कठिनाई नहीं हुई। उसने गुस्से में कहा कि पुलिस के लिए यह शर्म की बात है कि ऐसे हत्यारों को बिना सजा के घूमने दिया जाए। मैंने संकेत दिया कि हो सकता है कि वे आधी रात की ट्रेन से चले गए हों, लेकिन उसने इस बात को सिरे से खारिज कर दिया। उसे पूरा यकीन था कि उसने दो विदेशियों को जरूर देखा होगा। ट्रेन से लगभग बीस लोग ही गए थे, और वह उन्हें देखे बिना रह ही नहीं सकता था।

मुझे नहीं पता कि यह विचार मेरे मन में कैसे आया—शायद मार्थे डाउब्रेइल के लहजे में छिपी गहरी चिंता के कारण—लेकिन मैंने अचानक पूछा:

“युवा एम. रेनॉल्ड—वह उस ट्रेन से तो नहीं गए थे, है ना?”

“अरे नहीं, महोदय। आधे घंटे के भीतर आकर फिर से निकल जाना, यह तो बिल्कुल भी मजेदार नहीं होगा!”
मैंने उस आदमी को घूर कर देखा, उसके शब्दों का महत्व लगभग मेरी समझ से परे था। फिर मैंने देखा...
मैंने थोड़ा धड़कते हुए कहा, "आपका मतलब है कि एम. जैक रेनॉल्ड उस शाम मर्लिनविले पहुंचे थे?"
जी हां, महोदय। दूसरी तरफ से आने वाली आखिरी ट्रेन, यानी 11:40 बजे वाली ट्रेन तक।
मेरा दिमाग चकरा गया। यही मार्थे की गहरी चिंता का कारण था। जैक रेनॉल्ड अपराध की रात मर्लिनविले में था! लेकिन उसने यह बात क्यों नहीं बताई? इसके विपरीत, उसने हमें यह विश्वास क्यों दिलाया कि वह चेरबर्ग में ही रहा था? उसके भोले-भाले चेहरे को याद करके, मुझे यह मानना मुश्किल हो रहा था कि उसका अपराध से कोई संबंध था। फिर भी इतने महत्वपूर्ण मामले पर उसकी चुप्पी क्यों थी? एक बात तो निश्चित थी, मार्थे को सब पता था। इसीलिए वह चिंतित थी, और पोइरोट से यह जानने के लिए उत्सुकता से पूछताछ कर रही थी कि क्या किसी पर शक है।
मेरी सोच-विचार ट्रेन के आने से बाधित हो गई, और अगले ही पल मैं पोइरोट से मिल रहा था। वह छोटा सा आदमी बेहद खुश था। वह मुस्कुराया और खुशी से चिल्लाया, और मेरी अंग्रेज़ी की झिझक को भूलकर, उसने प्लेटफार्म पर मुझे गर्मजोशी से गले लगा लिया।
“मेरे प्यारे दोस्त, मैं सफल हो गया हूँ—लेकिन एक अद्भुत सफलता!”
“सचमुच? यह सुनकर मुझे बहुत खुशी हुई। क्या आपने यहाँ की ताज़ा खबर सुनी है?”
“तुम्हें कैसे पता चलेगा कि मुझे कुछ खबर मिलेगी? कुछ तो खबर आई है, है ना? बहादुर गिराउड ने किसी को गिरफ्तार किया है? या शायद कई गिरफ्तारियां की हैं? आह, लेकिन मैं उसे बेवकूफ बना दूंगा! लेकिन तुम मुझे कहां ले जा रहे हो, मेरे दोस्त? क्या हम होटल नहीं जाएंगे? मुझे अपनी मूंछों को ठीक करना जरूरी है—यात्रा की गर्मी से वे बुरी तरह ढीली पड़ गई हैं। और हां, मेरे कोट पर धूल जरूर जमी होगी। और मेरी टाई, जिसे मुझे ठीक करना होगा।”
मैंने उनकी आपत्तियों को संक्षेप में ही रोक दिया।
“मेरे प्यारे पोइरोट—इन सब बातों को भूल जाइए। हमें तुरंत विला जाना चाहिए। वहाँ एक और हत्या हुई है!”
मुझे अक्सर निराशा ही हाथ लगी है जब मैंने सोचा था कि मैं अपने दोस्त को कोई महत्वपूर्ण खबर दे रहा हूँ। या तो उसे पहले से ही पता होता है या वह उसे मुख्य मुद्दे से अप्रासंगिक समझकर खारिज कर देता है—और बाद वाले मामले में, घटनाओं ने आमतौर पर उसके अनुमान को सही साबित किया है। लेकिन इस बार मुझे अपनी बात के असर न होने की कोई शिकायत नहीं थी। मैंने कभी किसी को इतना हैरान नहीं देखा था। उसका मुँह खुला रह गया। उसकी सारी चंचलता गायब हो गई। वह मुँह खुला रखकर मुझे घूरता रहा।
“तुम क्या कह रहे हो? एक और हत्या? अरे, तो मैं पूरी तरह गलत हूँ। मैं असफल हो गया। गिराउड मुझ पर खुद ही हंस सकता है—उसके पास इसका कारण होगा!”
"तो आपको इसकी उम्मीद नहीं थी?"

“मैं? बिलकुल नहीं। यह मेरे सिद्धांत को ध्वस्त कर देता है—यह सब कुछ बर्बाद कर देता है—यह—अरे नहीं!” वह एकदम रुक गया और अपनी छाती पीटने लगा। “यह असंभव है। मैं गलत नहीं हो सकता! तथ्यों को व्यवस्थित और सही क्रम में देखने पर केवल एक ही व्याख्या निकलती है। मैं ही सही हूँ! मैं सही हूँ!”
"परन्तु फिर-"
उसने मेरी बात काट दी।
“रुको, मेरे दोस्त। मैं अवश्य ही सही हूँ, इसलिए यह नई हत्या असंभव है जब तक कि—जब तक कि—ओह, रुको, मैं तुमसे विनती करता हूँ। एक शब्द भी मत बोलो—”
वह एक-दो क्षण के लिए चुप रहे, फिर अपने सामान्य अंदाज़ में लौटते हुए उन्होंने शांत और आश्वस्त स्वर में कहा: “पीड़ित एक अधेड़ उम्र का व्यक्ति है। उसका शव अपराध स्थल के पास स्थित एक बंद शेड में मिला था और उसकी मृत्यु कम से कम अड़तालीस घंटे पहले हुई थी। और यह पूरी तरह से संभव है कि उसे एम. रेनॉल्ड की तरह ही चाकू मारा गया था, हालांकि जरूरी नहीं कि पीठ में ही मारा गया हो।”
अब मेरी बारी थी अचंभित होने की—और मैं सचमुच अचंभित हो गया। पोइरोट के बारे में मेरे सारे ज्ञान में, उन्होंने ऐसा कुछ भी आश्चर्यजनक नहीं किया था। और, लगभग स्वाभाविक रूप से, मेरे मन में एक संदेह उत्पन्न हुआ।
“पोइरोट,” मैं चिल्लाई, “तुम मेरा मजाक उड़ा रहे हो। तुम्हें इसके बारे में पहले ही सब कुछ पता चल चुका है।”
उसने तिरस्कारपूर्ण भाव से अपनी गंभीर दृष्टि मुझ पर डाली।
“क्या मैं ऐसा करूंगा? मैं आपको यकीन दिलाता हूं कि मैंने इस बारे में कुछ भी नहीं सुना है। क्या आपने नहीं देखा कि आपकी खबर सुनकर मुझे कितना गहरा सदमा लगा?”
"लेकिन आपको यह सब कैसे पता चल सकता है?"
“तो क्या मैं सही था? मुझे पता था। मेरे दिमाग की छोटी-छोटी कोशिकाएं, मेरे दोस्त, मेरी छोटी-छोटी कोशिकाएं! उन्होंने मुझे बताया। इस तरह, और किसी दूसरे तरीके से नहीं, दूसरी मौत हो सकती थी। अब मुझे सब कुछ बताओ। अगर हम यहां से बाईं ओर मुड़ें, तो हम गोल्फ कोर्स के पार एक शॉर्टकट ले सकते हैं जो हमें विला जेनेवीव के पीछे बहुत जल्दी पहुंचा देगा।”
जैसे-जैसे हम उसके बताए रास्ते पर चलते गए, मैंने उसे वह सब कुछ बताया जो मुझे पता था। पोइरोट ने ध्यान से सुना।
“आप कहते हैं कि घाव में खंजर था? यह तो अजीब बात है। क्या आपको यकीन है कि यह वही खंजर था?”
“बिल्कुल निश्चित। यही बात इसे इतना असंभव बनाती है।”
कुछ भी असंभव नहीं है। हो सकता है कि दो खंजर रहे हों।
मैंने अपनी भौहें ऊपर उठाईं।
“यकीनन ऐसा होना अत्यंत असंभव है? यह एक बेहद असाधारण संयोग होगा।”

“हेस्टिंग्स, तुम हमेशा की तरह बिना सोचे-समझे बोलते हो। कुछ मामलों में दो एक जैसे हथियार मिलना बहुत ही असंभव होता है। लेकिन यहाँ ऐसा नहीं है। यह खास हथियार युद्ध की निशानी है जिसे जैक रेनॉल्ड के आदेश पर बनाया गया था। ज़रा सोचो तो सही, यह बहुत ही असंभव है कि उसने सिर्फ़ एक ही बनवाया हो। बहुत संभव है कि उसने अपने इस्तेमाल के लिए एक और बनवाया हो।”
“लेकिन किसी ने भी ऐसी बात का जिक्र नहीं किया,” मैंने आपत्ति जताई।
पोइरोट के लहजे में उपदेशक का हल्का सा अंदाज़ झलक रहा था। “मेरे मित्र, किसी मामले पर काम करते समय, केवल ‘उल्लेखित’ बातों पर ही ध्यान नहीं दिया जाता। कई महत्वपूर्ण बातों का उल्लेख करने का कोई कारण नहीं होता। इसी तरह, उनका उल्लेख न करने के भी अक्सर अच्छे कारण होते हैं। आप इन दोनों में से कोई भी कारण चुन सकते हैं।”
मैं चुप रहा, अपनी इच्छा के विरुद्ध भी प्रभावित था। कुछ ही मिनटों में हम उस प्रसिद्ध शेड तक पहुँच गए। वहाँ हमारे सभी मित्र मिले और शिष्टाचारवश कुछ बातें करने के बाद पोइरोट ने अपना काम शुरू किया। गिरौड को काम करते हुए देखने के बाद, मेरी दिलचस्पी बढ़ गई थी। पोइरोट ने आसपास के माहौल पर बस सरसरी नज़र डाली। उन्होंने दरवाज़े के पास पड़े फटे-पुराने कोट और पतलून को ही देखा। गिरौड के होठों पर तिरस्कार भरी मुस्कान आ गई, और मानो इसे भांपते हुए पोइरोट ने उस बंडल को फिर से नीचे फेंक दिया।
“माली के पुराने कपड़े?” उसने पूछा।
"बिल्कुल सही," गिराउड ने कहा।
पोइरोट शव के पास घुटनों के बल बैठ गया। उसकी उंगलियां तेज़ी से लेकिन सलीके से चल रही थीं। उसने कपड़ों की बनावट की जांच की और यह सुनिश्चित किया कि उन पर कोई निशान न हों। उसने जूतों और गंदे व टूटे हुए नाखूनों पर विशेष ध्यान दिया। नाखूनों की जांच करते समय उसने गिराउड से एक झटपट सवाल पूछा।
“क्या आपने इन्हें देखा?”
“हां, मैंने उन्हें देखा,” दूसरे ने जवाब दिया। उसके चेहरे पर कोई भाव नहीं दिख रहे थे।
अचानक पोइरोट अकड़ गया।
“डॉ. डूरंड!”
“जी?” डॉक्टर आगे आया।
“होंठों पर झाग है। क्या आपने देखा?”
"मुझे यह बात पता नहीं चली, यह मुझे स्वीकार करना होगा।"
"लेकिन क्या आप इसे अभी देख रहे हैं?"
“ओह, बिल्कुल।”
पोइरोट ने एक बार फिर गिराउड से सवाल पूछा।

"क्या आपने इसे निश्चित रूप से देखा?"
दूसरे ने कोई जवाब नहीं दिया। पोइरोट आगे बढ़े। घाव से खंजर निकाल लिया गया था। वह शरीर के पास एक कांच के जार में रखा था। पोइरोट ने उसकी जांच की, फिर घाव का बारीकी से अध्ययन किया। जब उन्होंने ऊपर देखा, तो उनकी आँखें उत्तेजित थीं, और उसी हरी चमक से दमक रही थीं जिसे मैं अच्छी तरह जानता था।
“यह तो अजीब घाव है! इससे खून नहीं निकला है। कपड़ों पर कोई दाग नहीं है। बस खंजर का ब्लेड थोड़ा फीका पड़ गया है, बस इतना ही। आप क्या सोचते हैं, श्रीमान डॉक्टर?”
मैं केवल इतना ही कह सकता हूं कि यह अत्यंत असामान्य है।
“यह बिलकुल भी असामान्य नहीं है। यह बहुत ही सरल है। उस व्यक्ति को मरने के बाद चाकू मारा गया था।”
और, हाथ के इशारे से उठ रही आवाज़ों के शोर को शांत करते हुए, पोइरोट ने गिराउड की ओर मुड़कर कहा, “श्रीमान गिराउड मुझसे सहमत हैं, है ना, महोदय?”
गिरौद की वास्तविक मान्यता जो भी हो, उन्होंने बिना किसी हिचकिचाहट के इस बात को स्वीकार कर लिया। शांत भाव से और लगभग तिरस्कारपूर्ण ढंग से उन्होंने उत्तर दिया:
मैं बिल्कुल सहमत हूँ।
आश्चर्य और जिज्ञासा की फुसफुसाहट फिर से गूंज उठी।
“लेकिन यह कैसा विचार है!” एम. हाउटेट चिल्लाए। “किसी व्यक्ति की मृत्यु के बाद उसे चाकू मारना! बर्बरता! अभूतपूर्व! शायद किसी अतृप्त घृणा का परिणाम हो।”
“नहीं, माननीय न्यायाधीश महोदय,” पोइरोट ने कहा। “मुझे लगता है कि यह पूरी तरह निर्ममता से किया गया था—एक प्रभाव पैदा करने के लिए।”
“क्या धारणा है?”
"लगभग वैसा ही प्रभाव पैदा हो गया था," पोइरोट ने रहस्यमय ढंग से उत्तर दिया।
एम. बेक्स सोच रही थी।
तो फिर उस आदमी की हत्या कैसे हुई?
“उनकी हत्या नहीं हुई। उनकी मृत्यु हुई। उनकी मृत्यु, माननीय न्यायाधीश महोदय, अगर मैं गलत नहीं हूँ तो मिर्गी के दौरे से हुई!”
पोइरोट के इस बयान ने एक बार फिर काफी हलचल मचा दी। डॉ. डूरंड दोबारा घुटनों के बल बैठ गए और गहन जांच-पड़ताल की। अंत में वे उठ खड़े हुए।
“तो, डॉक्टर?”
“एम. पोइरोट, मुझे लगता है कि आपका कथन सही है। मैं शुरू में ही गुमराह हो गया था। इस अकाट्य तथ्य ने कि उस व्यक्ति को चाकू मारा गया था, मेरा ध्यान अन्य किसी भी संकेत से हटा दिया।”

पोइरोट उस समय के नायक थे। जांच मजिस्ट्रेट ने उनकी जमकर प्रशंसा की। पोइरोट ने शालीनता से जवाब दिया और फिर यह बहाना बनाकर चले गए कि न तो उन्होंने और न ही मैंने अभी तक दोपहर का भोजन किया था, और वे यात्रा की थकान से उबरना चाहते थे। जैसे ही हम शेड से निकलने वाले थे, गिराउड हमारे पास आ गए।

“एक और बात, मिस्टर पोइरोट,” उन्होंने अपनी मधुर व्यंग्यात्मक आवाज में कहा। “हमें यह चीज खंजर के हैंडल के चारों ओर लिपटी हुई मिली। एक महिला के बाल।”

“आह!” पोइरोट ने कहा। “एक महिला के बाल? पता नहीं किस महिला के?”

“मुझे भी आश्चर्य होता है,” गिराउड ने कहा। फिर, झुककर अभिवादन करते हुए, वह हमसे विदा हो गए।

“वह तो बड़े अड़े हुए थे, बेचारे गिराउड,” पोइरोट ने होटल की ओर चलते हुए सोच-विचार करते हुए कहा। “पता नहीं वो मुझे किस दिशा में गुमराह करना चाहते हैं? एक औरत के बाल—हम्म!”

हमने भरपेट भोजन किया, लेकिन मुझे पोइरोट कुछ विचलित और लापरवाह लगे। बाद में हम अपने बैठक कक्ष में गए और वहाँ मैंने उनसे पेरिस की अपनी रहस्यमय यात्रा के बारे में कुछ बताने की विनती की।

"अपनी मर्जी से, मेरे दोस्त। मैं इसे ढूंढने के लिए पेरिस गया था।"

उसने अपनी जेब से अखबार की एक छोटी, धुंधली सी कतरन निकाली। यह एक महिला की तस्वीर की प्रतिलिपि थी। उसने इसे मुझे दे दिया। मैं विस्मयबोध से भर उठी।

"क्या तुम इसे पहचानते हो, मेरे दोस्त?"

मैंने सिर हिलाया। हालाँकि तस्वीर स्पष्ट रूप से कई साल पुरानी थी, और बालों का स्टाइल भी अलग था, फिर भी शक्ल बिल्कुल मिलती-जुलती थी।

“मैडम डाउब्रूइल!” मैंने विस्मय से कहा।

पोइरोट ने मुस्कुराते हुए अपना सिर हिलाया।

“बिल्कुल सही नहीं, मेरे दोस्त। उन दिनों वह खुद को उस नाम से नहीं पुकारती थी। यह कुख्यात मैडम बेरोल्डी की तस्वीर है!”

मैडम बेरोल्डी! पलक झपकते ही मुझे सब कुछ याद आ गया। वह हत्या का मुकदमा जिसने दुनिया भर में इतनी दिलचस्पी जगाई थी।

बेरोल्डी मामला।

16

बेरोल्डी मामला

वर्तमान कहानी की शुरुआत से लगभग बीस वर्ष पूर्व, ल्योंस के मूल निवासी श्री अर्नोल्ड बेरोल्डी अपनी सुंदर पत्नी और नन्ही सी बेटी के साथ पेरिस पहुंचे। श्री बेरोल्डी शराब व्यापारियों की एक फर्म में कनिष्ठ साझेदार थे, एक हट्टे-कट्टे अधेड़ उम्र के व्यक्ति, जिन्हें जीवन की सुख-सुविधाओं का शौक था, अपनी प्यारी पत्नी के प्रति समर्पित थे और हर तरह से साधारण थे। जिस फर्म में श्री बेरोल्डी साझेदार थे, वह छोटी थी और अच्छा प्रदर्शन करने के बावजूद कनिष्ठ साझेदार को अधिक आय नहीं देती थी। बेरोल्डी परिवार के पास एक छोटा सा अपार्टमेंट था और शुरुआत में वे बहुत ही सादगी से रहते थे।

हालांकि श्री बेरोल्डी भले ही साधारण व्यक्ति थे, उनकी पत्नी प्रेम-प्रधान व्यक्तित्व से परिपूर्ण थीं। युवा, सुंदर और अपने विशिष्ट आकर्षण से परिपूर्ण, मैडम बेरोल्डी ने इलाके में हलचल मचा दी, खासकर तब जब उनके जन्म से जुड़े किसी रहस्य की अफवाहें फैलने लगीं। अफवाह थी कि वह एक रूसी ग्रैंड ड्यूक की नाजायज बेटी थीं। कुछ अन्य लोगों का दावा था कि वह एक ऑस्ट्रियाई आर्कड्यूक की बेटी थीं और उनका विवाह कानूनी था, हालांकि यह मॉर्गनेटिक विवाह था। लेकिन सभी कहानियों में एक बात समान थी कि जीन बेरोल्डी एक दिलचस्प रहस्य का केंद्र थीं। जिज्ञासु लोगों द्वारा पूछे जाने पर, मैडम बेरोल्डी ने इन अफवाहों का खंडन नहीं किया। दूसरी ओर, उन्होंने यह स्पष्ट कर दिया कि भले ही उनके होंठ बंद थे, लेकिन इन सभी कहानियों में सच्चाई का आधार था। अपने करीबी दोस्तों से उन्होंने खुलकर बात की, राजनीतिक साजिशों, दस्तावेजों और उन अस्पष्ट खतरों के बारे में बताया जो उन्हें धमका रहे थे। राजसी गहनों को गुपचुप तरीके से बेचे जाने की भी काफी चर्चा थी, जिसमें वह खुद मध्यस्थ की भूमिका निभा रही थी।

बेरोल्डी परिवार के मित्रों और परिचितों में एक युवा वकील जॉर्जेस कॉनो भी थे। जल्द ही यह स्पष्ट हो गया कि आकर्षक जीन ने उनके दिल को पूरी तरह से अपने वश में कर लिया था। मैडम बेरोल्डी ने बड़ी सावधानी से उस युवक को प्रोत्साहित किया, लेकिन हमेशा अपने अधेड़ उम्र के पति के प्रति अपनी पूर्ण निष्ठा को दर्शाती रहीं। फिर भी, कई द्वेषपूर्ण लोगों ने यह कहने में संकोच नहीं किया कि युवा कॉनो जीन के प्रेमी थे—और वह अकेले नहीं थे!

जब बेरोल्डी परिवार पेरिस में लगभग तीन महीने से रह रहा था, तभी एक और शख्सियत का आगमन हुआ। ये थे श्री हिराम पी. ट्रैप, जो संयुक्त राज्य अमेरिका के मूल निवासी और बेहद धनी थे। आकर्षक और

रहस्यमयी मैडम बेरोल्डी से परिचय होने पर वे तुरंत उनके आकर्षण में लीन हो गए। उनकी प्रशंसा स्पष्ट थी, हालांकि वे केवल सम्मानपूर्वक ही उनके प्रति समर्पित थे।

इसी समय के आसपास, मैडम बेरोल्डी अपने दिल की बात खुलकर कहने लगीं। उन्होंने कई मित्रों से अपने पति की चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि उनके पति कई राजनीतिक साजिशों में फंस गए थे, और उन्होंने कुछ महत्वपूर्ण दस्तावेजों का भी जिक्र किया जो उन्हें सुरक्षित रखने के लिए सौंपे गए थे और जिनमें यूरोप भर में दूरगामी महत्व का एक "रहस्य" शामिल था। ये दस्तावेज उन्हें इसलिए सौंपे गए थे ताकि पीछा करने वालों को गुमराह किया जा सके, लेकिन मैडम बेरोल्डी घबराई हुई थीं, क्योंकि उन्होंने पेरिस में क्रांतिकारी मंडल के कई महत्वपूर्ण सदस्यों को पहचान लिया था।

28 नवंबर को वह भयानक घटना घटी। बेरोल्डी परिवार के लिए खाना बनाने और साफ-सफाई करने के लिए रोज़ आने वाली महिला अपने अपार्टमेंट का दरवाज़ा खुला देखकर हैरान रह गई। बेडरूम से आती धीमी कराहें सुनकर वह अंदर गई। वहाँ का दृश्य भयावह था। मैडम बेरोल्डी ज़मीन पर हाथ-पैर बंधे हुए पड़ी थीं, मुंह पर बंधी पट्टी को किसी तरह खोलकर वह धीमी-धीमी कराहें भर रही थीं। बिस्तर पर श्री बेरोल्डी खून से लथपथ पड़े थे, उनके दिल में चाकू घोंपा गया था।

मैडम बेरोल्डी की कहानी बिल्कुल स्पष्ट थी। नींद से अचानक जागते ही उन्होंने देखा कि दो नकाबपोश आदमी उनके ऊपर झुके हुए हैं। उनकी चीखों को दबाते हुए, उन्होंने उन्हें बांध दिया और उनके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। फिर उन्होंने श्री बेरोल्डी से प्रसिद्ध "रहस्य" की मांग की।

लेकिन उस साहसी शराब व्यापारी ने उनकी विनती मानने से साफ इनकार कर दिया। उसके इनकार से क्रोधित होकर, उनमें से एक व्यक्ति ने तुरंत उसे दिल में चाकू घोंप दिया। मरे हुए व्यक्ति की चाबियों से उन्होंने कोने में रखी तिजोरी खोली और कागजों का एक गट्ठा अपने साथ ले गए। दोनों व्यक्तियों की घनी दाढ़ी थी और उन्होंने नकाब पहन रखे थे, लेकिन मैडम बेरोल्डी ने स्पष्ट रूप से कहा कि वे रूसी थे।

इस घटना ने सनसनी मचा दी। इसे अलग-अलग नामों से पुकारा गया, जैसे "निहिलिस्ट अत्याचार", "पेरिस में क्रांतिकारी" और "रूसी रहस्य"। समय बीतता गया, लेकिन दाढ़ी वाले उन रहस्यमय व्यक्तियों का कभी पता नहीं चल पाया। और फिर, जब लोगों की दिलचस्पी कम होने लगी थी, तभी एक चौंकाने वाली घटना घटी। मैडम बेरोल्डी को गिरफ्तार कर लिया गया और उन पर अपने पति की हत्या का आरोप लगाया गया।

जब मुकदमा शुरू हुआ, तो इसने व्यापक रुचि जगाई। आरोपी की युवावस्था और सुंदरता, और उसका रहस्यमय अतीत, इसे एक चर्चित मामला बनाने के लिए काफी थे। लोग कैदी के पक्ष या विपक्ष में बेतहाशा बंट गए। लेकिन उसके समर्थकों को अपने उत्साह पर कई बार करारा प्रहार झेलना पड़ा। मैडम बेरोल्डी का रोमांटिक अतीत, उसका शाही वंश और जिन रहस्यमय षड्यंत्रों में वह फंसी थी, वे सब को कोरी कल्पना साबित कर दिया गया।

यह बात निर्विवाद रूप से सिद्ध हो गई कि जीन बेरोल्डी के माता-पिता एक अत्यंत सम्मानित और साधारण दंपत्ति थे, जो फल व्यापारी थे और ल्योंस के बाहरी इलाके में रहते थे। रूसी ग्रैंड ड्यूक, दरबारी षड्यंत्र और

राजनीतिक साज़िशें—ये सभी प्रचलित कहानियाँ—स्वयं उस महिला से ही जुड़ी हुई थीं! उनके दिमाग से ही ये चतुर मिथक निकले थे, और यह सिद्ध हो गया कि उन्होंने "शाही गहनों" की अपनी मनगढ़ंत कहानी के ज़रिए कई भोले-भाले लोगों से काफ़ी धन इकट्ठा किया था—हालांकि ये गहने महज़ नकली निकले। उनके जीवन की पूरी कहानी बेरहमी से उजागर हो गई। हत्या का मकसद श्री हीराम पी. ट्रैप में पाया गया। श्री ट्रैप ने पूरी कोशिश की, लेकिन लगातार और चतुराई से की गई पूछताछ में उन्हें यह स्वीकार करने के लिए मजबूर होना पड़ा कि वे उस महिला से प्रेम करते थे, और अगर वह स्वतंत्र होतीं, तो वे उनसे शादी का प्रस्ताव रखते। उनके बीच के संबंध केवल निस्वार्थ थे, इस तथ्य ने आरोपी के विरुद्ध मामले को और मज़बूत कर दिया। उस व्यक्ति के सरल और सम्माननीय स्वभाव के कारण उसकी रखैल बनने से वंचित, जीन बेरोल्डी ने अपने वृद्ध और साधारण पति से छुटकारा पाने और एक धनी अमेरिकी की पत्नी बनने की भयावह योजना बनाई थी।
पूरे मामले के दौरान, मैडम बेरोल्डी ने अपने आरोपकर्ताओं का पूरी शांति और आत्मविश्वास के साथ सामना किया। उनकी कहानी कभी नहीं बदली। उन्होंने दृढ़ता से दावा किया कि वे शाही खानदान से थीं और उन्हें बचपन में ही फल विक्रेता की बेटी के स्थान पर नियुक्त कर दिया गया था। हालांकि ये बयान बेतुके और पूरी तरह से निराधार थे, फिर भी बड़ी संख्या में लोगों ने इन्हें सच मान लिया।
लेकिन अभियोजन पक्ष अडिग था। उसने नकाबपोश "रूसी" लोगों को एक मिथक बताकर खारिज कर दिया और दावा किया कि अपराध मैडम बेरोल्डी और उनके प्रेमी जॉर्जेस कॉनो ने किया था। बाद वाले की गिरफ्तारी के लिए वारंट जारी किया गया, लेकिन वह चतुराई से गायब हो गया। सबूतों से पता चला कि मैडम बेरोल्डी को बांधने वाले बंधन इतने ढीले थे कि वह आसानी से खुद को छुड़ा सकती थीं।
फिर, मुकदमे के अंत में, पेरिस से एक पत्र लोक अभियोजक को भेजा गया। यह पत्र जॉर्जेस कॉनो का था और अपने ठिकाने का खुलासा किए बिना, इसमें अपराध का पूरा कबूलनामा था। उसने स्वीकार किया कि उसने मैडम बेरोल्डी के उकसावे पर ही जानलेवा वार किया था। अपराध की योजना उन दोनों के बीच बनी थी। यह मानते हुए कि उसका पति उसके साथ दुर्व्यवहार करता था, और उसके प्रति अपने प्रेम से पागल होकर, एक ऐसा प्रेम जिसके बारे में उसे विश्वास था कि मैडम भी उससे प्रेम करती है, उसने अपराध की योजना बनाई और वह जानलेवा वार किया जिससे उसकी प्रेमिका घृणा के बंधन से मुक्त हो सके। अब, पहली बार, उसे श्री हिरम पी. ट्रैप के बारे में पता चला, और उसे एहसास हुआ कि जिस महिला से वह प्रेम करता था उसने उसे धोखा दिया था! वह उसके लिए नहीं, बल्कि उस धनी अमेरिकी से शादी करने के लिए मुक्त होना चाहती थी। उसने उसे मोहरे की तरह इस्तेमाल किया था, और अब, ईर्ष्या के आवेश में, उसने पलटकर उसे दोषी ठहराया और घोषणा की कि उसने शुरू से अंत तक उसी के उकसावे पर काम किया था।
और फिर मैडम बेरोल्डी ने स्वयं को एक असाधारण महिला साबित किया, जो निस्संदेह वह थीं। बिना किसी संकोच के, उन्होंने अपना पिछला बचाव त्याग दिया और स्वीकार किया कि "रूसी" उनकी मनगढ़ंत कहानी थी। असली हत्यारा जॉर्जेस कॉनो था। आवेश में पागल होकर उसने यह अपराध किया था और धमकी दी थी

कि अगर वह चुप नहीं रहीं तो वह उनसे भयानक बदला लेगा। उसकी धमकियों से भयभीत होकर, उन्होंने सहमति दे दी थी - साथ ही उन्हें यह भी डर था कि अगर उन्होंने सच बताया तो उन पर अपराध में सहभागिता का आरोप लग सकता है। लेकिन उन्होंने अपने पति के हत्यारे से कोई संबंध रखने से दृढ़तापूर्वक इनकार कर दिया था, और उनके इसी रवैये के बदले में उसने उन्हें यह पत्र लिखकर उन पर आरोप लगाया था। उन्होंने पूरी निष्ठा से शपथ ली कि अपराध की योजना बनाने में उनका कोई हाथ नहीं था, कि उस यादगार रात को जब वह जागीं तो उन्होंने जॉर्जेस कॉनो को अपने ऊपर खड़ा पाया, उसके हाथ में खून से सना चाकू था। यह मामला बेहद नाजुक था। मैडम बेरोल्डी की कहानी पर यकीन करना मुश्किल था। लेकिन यह महिला, जिसकी शाही साजिशों की कहानियों को आसानी से मान लिया जाता था, खुद को विश्वसनीय साबित करने की कला में माहिर थी। जूरी के सामने उसका भाषण बेमिसाल था। आँखों से बहते आँसुओं के बीच उसने अपने बच्चे, अपनी स्त्री-सम्मान और बच्चे की खातिर अपनी प्रतिष्ठा को बेदाग रखने की इच्छा के बारे में बात की। उसने माना कि जॉर्जेस कॉनो उसका प्रेमी था, इसलिए शायद उसे इस अपराध के लिए नैतिक रूप से जिम्मेदार ठहराया जा सकता है—लेकिन ईश्वर के सामने इससे ज्यादा कुछ नहीं! वह जानती थी कि कॉनो को कानून के हवाले न करके उसने एक गंभीर गलती की है, लेकिन उसने कांपती हुई आवाज में कहा कि ऐसा कोई भी स्त्री नहीं कर सकती। ... उसने उससे प्यार किया था! क्या वह उसे गिलोटिन तक पहुँचाने के लिए अपने हाथों का इस्तेमाल कर सकती थी? वह कई मामलों में दोषी थी, लेकिन उस पर लगाए गए भयानक अपराध से वह निर्दोष थी।

चाहे जो भी हुआ हो, उनकी वाक्पटुता और व्यक्तित्व ने अंततः जीत दिलाई। अभूतपूर्व उत्साह के माहौल के बीच मैडम बेरोल्डी को बरी कर दिया गया। पुलिस के तमाम प्रयासों के बावजूद, जॉर्जेस कोनो का कभी पता नहीं चला। मैडम बेरोल्डी के बारे में फिर कभी कोई खबर नहीं मिली। बच्चे को साथ लेकर वह पेरिस छोड़कर एक नई जिंदगी शुरू करने के लिए चली गईं।

17

हम आगे की जांच करेंगे

मैंने बेरोल्डी मामले का पूरा विवरण लिख दिया है। बेशक, सभी विवरण मुझे उस समय ठीक से याद नहीं थे, जैसे मैंने उन्हें यहाँ बताया है। फिर भी, मुझे मामला काफी हद तक सही-सही याद था। उस समय इस मामले ने काफी ध्यान आकर्षित किया था और अंग्रेजी अखबारों में इसकी पूरी रिपोर्ट छपी थी, इसलिए मुझे मुख्य विवरणों को याद करने के लिए ज्यादा जोर नहीं लगाना पड़ा।

उस क्षण, मेरी उत्तेजना में, ऐसा लगा जैसे सारा मामला सुलझ गया हो। मैं मानता हूँ कि मैं जल्दबाज़ हूँ, और पोइरोट को मेरी इस जल्दबाज़ी में निष्कर्ष निकालने की आदत पसंद नहीं है, लेकिन मुझे लगता है कि इस मामले में मेरे पास कुछ बहाना था। जिस अद्भुत तरीके से इस खोज ने पोइरोट के दृष्टिकोण को सही ठहराया, वह मुझे तुरंत समझ में आ गया।

मैंने कहा, "पोइरोट, मैं आपको बधाई देता हूँ। अब मुझे सब कुछ समझ आ गया है।"

“अगर यह सचमुच सच है, तो मैं आपको बधाई देता हूँ, मेरे दोस्त। क्योंकि आम तौर पर आप ऐसी चीजें देखने के लिए मशहूर नहीं हैं—है ना?”

मुझे थोड़ी झुंझलाहट हुई।

"अब बस करो, इसे बार-बार मत दोहराओ। तुम अपने इशारों और छोटी-छोटी बातों से इतने रहस्यमय बने रहे हो कि कोई भी यह समझने में नाकाम हो सकता है कि तुम्हारा असली मकसद क्या था।"

पोइरोट ने अपनी छोटी सी सिगरेट को हमेशा की तरह बड़ी कुशलता से जलाया। फिर उसने ऊपर देखा।

“और चूंकि अब तुम सब कुछ देख सकते हो, मेरे मित्र, तो तुम वास्तव में क्या देख रहे हो?”

“जी हां, यह मैडम डाउब्रूइल-बेरोल्डी ही थीं जिन्होंने श्री रेनॉल्ड की हत्या की थी। दोनों मामलों की समानता इस बात को निर्विवाद रूप से सिद्ध करती है।”

“तो क्या आप मानते हैं कि मैडम बेरोल्डी को गलत तरीके से बरी किया गया था? कि वास्तव में वह अपने पति की हत्या में मिलीभगत की दोषी थीं?”

मैंने अपनी आँखें चौड़ी कर लीं।

“बिल्कुल! क्या आप ऐसा नहीं सोचते?”

पोइरोट कमरे के अंत तक गए, अनमने ढंग से एक कुर्सी सीधी की, और फिर सोच-विचार करते हुए बोले।

“हां, यही मेरी राय है। लेकिन इसमें कोई शक नहीं है, मेरे दोस्त। तकनीकी रूप से देखा जाए तो मैडम बेरोल्डी निर्दोष हैं।”

उस अपराध के बारे में शायद। लेकिन इसके बारे में नहीं।
पोइरोट फिर से बैठ गए और मेरी ओर देखने लगे, उनका विचारशील भाव पहले से कहीं अधिक स्पष्ट था।
"तो हेस्टिंग्स, क्या यह निश्चित रूप से आपकी राय है कि मैडम डाउब्रूइल ने एम. रेनॉल्ड की हत्या की थी?"
"हाँ।"
"क्यों?"
उन्होंने मुझसे इतनी अचानक सवाल पूछा कि मैं अचंभित रह गया।
“क्यों?” मैं हकलाते हुए बोला। “क्यों? ओह, क्योंकि—” मैं अचानक रुक गया।
पोइरोट ने मेरी ओर सिर हिलाकर सहमति जताई।
देखिए, यहाँ तो एक अड़चन आ ही जाती है। मैडम डाउब्रूइल (स्पष्टता के लिए मैं उन्हें इसी नाम से पुकारूँगी) ने एम. रेनॉल्ड की हत्या क्यों की? हमें हत्या के पीछे कोई मकसद नज़र नहीं आता। उनकी मृत्यु से उन्हें कोई लाभ नहीं होता; चाहे उन्हें रखैल माना जाए या ब्लैकमेलर, उन्हें नुकसान ही होगा। बिना मकसद के हत्या नहीं हो सकती। पहला अपराध अलग था, वहाँ एक अमीर प्रेमी उनके पति की जगह लेने के लिए तैयार बैठा था।
मैंने आपत्ति जताते हुए कहा, "हत्या का एकमात्र मकसद पैसा नहीं होता।"
“हाँ,” पोइरोट ने शांत भाव से सहमति जताई। “दो अन्य कारण हैं, जिनमें से एक है भावनात्मक आवेश। तीसरा दुर्लभ कारण है किसी विचार के लिए हत्या करना, जो हत्यारे में किसी प्रकार के मानसिक विकार का संकेत देता है। हत्या का उन्माद और धार्मिक कट्टरता इसी श्रेणी में आते हैं। हम इसे यहाँ खारिज कर सकते हैं।”
लेकिन क्या आप उस अपराध को खारिज कर सकते हैं जिसमें प्रेम-प्रसंग शामिल था? क्या आप उसे नकार सकते हैं? यदि मैडम डाउब्रूइल रेनॉल्ड की प्रेमिका थीं, यदि उन्हें लगा कि उनका स्नेह कम हो रहा है, या यदि उनकी ईर्ष्या किसी भी तरह से जागृत हुई, तो क्या उन्होंने क्रोध के क्षण में उन पर हमला नहीं किया होगा?
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
“अगर—ध्यान दें, मैं 'अगर' कह रहा हूँ—मैडम डाउब्रूइल रेनॉल्ड की प्रेमिका थीं, तो उन्हें उनसे ऊबने का समय नहीं मिला होगा। और वैसे भी, आप उनके चरित्र को गलत समझ रहे हैं। वह एक ऐसी महिला हैं जो भावनात्मक तनाव को बखूबी दर्शा सकती हैं। वह एक शानदार अभिनेत्री हैं। लेकिन, निष्पक्ष रूप से देखा जाए तो उनका जीवन उनके बाहरी रूप को गलत साबित करता है। अगर हम उनके जीवन की गहराई से जाँच करें, तो वह शुरू से ही निर्मम और सोची-समझी चालों में बंधी थीं। उन्होंने अपने पति की हत्या में इसलिए साजिश नहीं रची थी कि उनका जीवन उनके युवा प्रेमी के जीवन से जुड़ जाए। उनका लक्ष्य वह धनी अमेरिकी था, जिसकी शायद उन्हें जरा भी परवाह नहीं थी। अगर वह कोई अपराध करतीं, तो हमेशा लाभ के लिए ही करतीं। यहाँ कोई लाभ नहीं था। इसके अलावा, कब्र खोदने का क्या कारण है? वह तो पुरुषों का काम था।”

मैंने अपने इस विश्वास को छोड़ने से इनकार करते हुए सुझाव दिया, "हो सकता है उसका कोई साथी रहा हो।"
“अब मैं एक और आपत्ति पर आता हूँ। आपने दोनों अपराधों के बीच समानता की बात की है। मेरे मित्र, वह समानता किस आधार पर है?”
मैं हैरानी से उसकी ओर देखता रहा।
“अरे, पोइरोट, तुमने ही तो उस पर टिप्पणी की थी! नकाबपोश आदमियों की कहानी, ‘रहस्य’, कागजात!”
पोइरोट थोड़ा मुस्कुराया।
“कृपया इतना क्रोधित न हों। मैं किसी बात का खंडन नहीं करता। दोनों कहानियों की समानता दोनों मामलों को अनिवार्य रूप से आपस में जोड़ती है। लेकिन अब एक बहुत ही रोचक बात पर गौर करें। यह कहानी हमें मैडम डाउब्रूइल नहीं सुना रही हैं—अगर ऐसा होता तो सब कुछ इतना आसान होता—यह मैडम रेनॉल्ड सुना रही हैं। क्या वह दूसरी महिला के साथ मिलीभगत कर रही हैं?”
मैंने धीरे से कहा, "मुझे इस पर विश्वास नहीं हो रहा है। अगर ऐसा है, तो वह दुनिया की सबसे कुशल अभिनेत्री होंगी।"
“टा-टा-टा,” पोइरोट ने अधीरता से कहा। “फिर से आप भावनाओं पर ध्यान दे रहे हैं, तर्क पर नहीं! अगर किसी अपराधी के लिए एक कुशल अभिनेत्री होना ज़रूरी है, तो मान लीजिए कि वह है। लेकिन क्या यह ज़रूरी है? मैं कई कारणों से मैडम रेनॉल्ड और मैडम डाउब्रूइल के बीच मिलीभगत होने पर विश्वास नहीं करता, जिनमें से कुछ मैं आपको पहले ही बता चुका हूँ। बाकी तो स्पष्ट हैं। इसलिए, उस संभावना को खारिज करते हुए, हम सच्चाई के बहुत करीब पहुँच जाते हैं, जो हमेशा की तरह बहुत ही दिलचस्प और रोचक है।”
मैंने चिल्लाकर कहा, "पोइरोट, तुम्हें और क्या पता है?"
“मेरे मित्र, आपको स्वयं निष्कर्ष निकालने होंगे। आपके पास ‘तथ्यों तक पहुंच’ है! अपने दिमाग का इस्तेमाल करें। तर्क करें—गिराउड की तरह नहीं—बल्कि हरक्यूल पोइरोट की तरह।”
लेकिन क्या आप निश्चित हैं?
“मेरे दोस्त, कई मायनों में मैं मूर्ख रहा हूँ। लेकिन आखिरकार मुझे सब कुछ स्पष्ट रूप से समझ आ गया है।”
"क्या तुम सब कुछ जानते हो?"
"मैंने वह खोज कर ली है जो एम. रेनॉल्ड ने मुझे खोज करने के लिए भेजा था।"
और क्या आप हत्यारे को जानते हैं?
मैं एक हत्यारे को जानता हूँ।
"आपका क्या मतलब है?"
“हमारी बातें थोड़ी अटपटी हो जाती हैं। यहाँ एक नहीं, बल्कि दो अपराध हैं। पहला मैंने सुलझा लिया है, दूसरा—खैर, मैं स्वीकार करता हूँ, मुझे पक्का पता नहीं!”
"लेकिन, पोइरोट, मुझे लगा था कि आपने कहा था कि शेड में मिले आदमी की मौत स्वाभाविक थी?"

“टा-टा-टा।” पोइरोट ने अपनी पसंदीदा अधीरता भरी आवाज़ निकाली। “अब भी तुम नहीं समझते। एक अपराध बिना हत्यारे के भी हो सकता है, लेकिन दो अपराधों के लिए दो शवों का होना आवश्यक है।”
उनकी बात मुझे इतनी अस्पष्ट लगी कि मैंने उन्हें कुछ चिंता से देखा। लेकिन वे बिल्कुल सामान्य लग रहे थे। अचानक वे उठे और खिड़की की ओर चले गए।
“ये रहा वो,” उसने कहा।
"कौन?"
“श्री जैक रेनॉल्ड। मैंने विला में एक पत्र भेजा था जिसमें उनसे यहां आने का अनुरोध किया था।”
इससे मेरे विचारों की दिशा बदल गई, और मैंने पोइरोट से पूछा कि क्या उन्हें पता है कि अपराध की रात जैक रेनॉल्ड मर्लिनविले में था। मुझे उम्मीद थी कि मैं अपने चतुर मित्र को सोते हुए पकड़ लूँगा, लेकिन हमेशा की तरह, वह सर्वज्ञानी थे। उन्होंने भी थाने में पूछताछ की थी।
"और इसमें कोई शक नहीं कि यह विचार हमारा नहीं है, हेस्टिंग्स। उत्कृष्ट गिराउड ने भी शायद इस बारे में पूछताछ की होगी।"
“आपको नहीं लगता—” मैंने कहा, और फिर रुक गई। “अरे नहीं, यह तो बहुत भयानक होगा!”
पोइरोट ने जिज्ञासा भरी निगाहों से मेरी ओर देखा, लेकिन मैंने कुछ नहीं कहा। मुझे अभी-अभी यह बात समझ में आई थी कि हालाँकि इस मामले से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ी सात महिलाएँ थीं - श्रीमती रेनॉल्ड, मैडम डाउब्रूइल और उनकी बेटी, रहस्यमय आगंतुक और तीन नौकरानियाँ - लेकिन बूढ़े ऑगस्टे को छोड़कर, जो मुश्किल से गिनती कर पाता था, केवल एक ही पुरुष था - जैक रेनॉल्ड। और किसी पुरुष ने ही कब्र खोदी होगी।
मेरे मन में जो भयावह विचार आया था, उसे और विस्तार से बताने का मुझे समय ही नहीं मिला, क्योंकि जैक रेनॉल्ड को कमरे में लाया गया।
पोइरोट ने पेशेवर अंदाज में उनका अभिवादन किया।
"बैठ जाइए, महोदय। आपको असुविधा पहुंचाने के लिए मुझे अत्यंत खेद है, लेकिन शायद आप समझ जाएंगे कि विला का माहौल मेरे लिए कुछ खास अनुकूल नहीं है। श्री गिराउड और मैं हर बात पर सहमत नहीं हैं। उनका मेरे प्रति शिष्ट व्यवहार मुझे प्रभावित नहीं कर पाया है और आप समझ जाएंगे कि मैं अपनी किसी भी खोज से उन्हें किसी भी तरह का लाभ पहुंचाने का इरादा नहीं रखता।"
“बिल्कुल सही, एम. पोइरोट,” लड़के ने कहा। “वह गिराउड नाम का आदमी एक बदमिजाज और क्रूर इंसान है, और मुझे बहुत खुशी होगी अगर कोई उसे सबक सिखाए।”
तो क्या मैं आपसे एक छोटी सी मदद मांग सकता हूँ?
"निश्चित रूप से।"

“मैं आपसे रेलवे स्टेशन जाने और अगली स्टेशन अब्बालाक तक ट्रेन लेने के लिए कहूंगा। वहां क्लॉकरूम में पता करें कि क्या हत्या की रात दो विदेशियों ने वहां कोई सूटकेस जमा कराया था। यह एक छोटा स्टेशन है, और उन्हें लगभग निश्चित रूप से याद होगा। क्या आप ऐसा करेंगे?”
"बेशक मैं करूँगा," लड़के ने थोड़ा हैरान होते हुए कहा, हालाँकि वह इस काम के लिए तैयार था।
“आप समझ सकते हैं कि मुझे और मेरे दोस्त को कहीं और काम है,” पोइरोट ने समझाया। “एक चौथाई घंटे में ट्रेन है, और मैं आपसे अनुरोध करता हूँ कि आप विला वापस न लौटें, क्योंकि मैं नहीं चाहता कि गिराउड को आपके काम के बारे में ज़रा भी पता चले।”
"ठीक है, मैं सीधे थाने जाऊंगा।"
वह उठ खड़ा हुआ। पोइरोट की आवाज ने उसे रोक दिया।
“एक पल रुकिए, श्रीमान रेनॉल्ड, एक छोटी सी बात है जो मुझे परेशान कर रही है। आपने आज सुबह श्रीमान हौटेट को यह क्यों नहीं बताया कि अपराध की रात आप मर्लिनविले में थे?”
जैक रेनॉल्ड का चेहरा शर्म से लाल हो गया। उसने बड़ी मुश्किल से खुद को काबू में किया।
“आपने गलती की है। मैं चेरबर्ग में था, जैसा कि मैंने आज सुबह जांच मजिस्ट्रेट को बताया था।”
पोइरोट ने उसकी ओर देखा, उसकी आंखें बिल्ली की तरह सिकुड़ गईं, जब तक कि उनमें केवल हरे रंग की एक हल्की सी चमक दिखाई नहीं दी।
“तो फिर यह मेरी ही एक बड़ी गलती है—क्योंकि स्टेशन के कर्मचारी भी यही गलती मानते हैं। उनका कहना है कि आप 11:40 बजे वाली ट्रेन से आए थे।”
एक पल के लिए जैक रेनॉल्ड हिचकिचाया, फिर उसने अपना मन बना लिया।
“और अगर मैंने ऐसा किया भी तो? मुझे लगता है कि आप मुझ पर मेरे पिता की हत्या में शामिल होने का आरोप नहीं लगाना चाहते?” उसने सिर पीछे झुकाकर घमंडी लहजे में सवाल पूछा।
मुझे यह जानने की उत्सुकता है कि आप यहां क्यों आए हैं।
“यह तो काफी सरल है। मैं अपनी मंगेतर, मैडमोजेल डाउब्रूइल से मिलने आया था। मैं एक लंबी समुद्री यात्रा पर जाने वाला था और मुझे पता नहीं था कि मैं कब लौटूँगा। जाने से पहले मैं उससे मिलना चाहता था, ताकि उसे अपने अटूट प्रेम का आश्वासन दे सकूँ।”
"और क्या तुमने उसे देखा था?" पोइरोट की निगाहें एक-दूसरे के चेहरे से हटी ही नहीं।
रेनॉल्ड के जवाब देने से पहले काफी देर तक सन्नाटा छाया रहा। फिर उसने कहा:
"हाँ।"
"और बाद में?"
“मुझे पता चला कि मेरी आखिरी ट्रेन छूट गई थी। मैं सेंट ब्यूवेस तक पैदल गया, जहाँ मैंने एक गैरेज बनाया और एक कार किराए पर ली ताकि वह मुझे वापस चेरबर्ग ले जा सके।”
“सेंट ब्यूवेस? यह तो पंद्रह किलोमीटर है। बहुत लंबी पैदल यात्रा है, श्री रेनॉल्ड।”

मुझे चलने का मन कर रहा था।
पोइरोट ने स्पष्टीकरण स्वीकार करते हुए अपना सिर झुकाया। जैक रेनॉल्ड ने अपनी टोपी और छड़ी उठाई और चले गए। पलक झपकते ही पोइरोट उठ खड़े हुए।
"जल्दी करो, हेस्टिंग्स। हम उसके पीछे जाएंगे।"
अपने लक्ष्य से कुछ दूरी बनाए रखते हुए, हम मर्लिनविले की गलियों से होते हुए उसके पीछे-पीछे चले। लेकिन जब पोइरोट ने देखा कि वह थाने की ओर मुड़ गया है, तो वह रुक गया।
“सब ठीक है। उसने जाल में फँस गया है। वह अब्बालाक जाएगा और पौराणिक विदेशियों द्वारा छोड़े गए पौराणिक सूटकेस के बारे में पूछताछ करेगा। हाँ, मेरे मित्र, यह सब मेरी अपनी कल्पना थी।”
“तुम उसे रास्ते से हटाना चाहते थे!” मैंने हैरानी से कहा।
"हेस्टिंग्स, तुम्हारी पैठ कमाल की है! अब, अगर तुम चाहो तो, हम विला जेनेवीव चलते हैं।"

18

गिराउड अधिनियम

“वैसे, पोइरोट,” मैंने कहा, जब हम गर्म, सफेद सड़क पर चल रहे थे, “मुझे आपसे कुछ बात कहनी है। मुझे यकीन है कि आपका इरादा अच्छा था, लेकिन वास्तव में आपको मुझे बिना बताए होटल डू फारे में जाना बिल्कुल भी उचित नहीं था।”
पोइरोट ने मेरी तरफ तिरछी नजर से जल्दी से देखा।
“और आपको कैसे पता चला कि मैं वहां था?” उसने पूछा।
मुझे बेहद झुंझलाहट हुई जब मैंने महसूस किया कि मेरे गालों का रंग चढ़ रहा है।
मैंने यथासंभव गरिमा बनाए रखते हुए समझाया, "मैं यूं ही इधर-उधर देख रहा था।"
मुझे पोइरोट की हंसी-मजाक से डर लग रहा था, लेकिन मेरी राहत और कुछ हद तक आश्चर्य की बात यह थी कि उन्होंने केवल असामान्य गंभीरता के साथ अपना सिर हिलाया।
“यदि मैंने किसी भी तरह से आपकी भावनाओं को ठेस पहुँचाई है, तो मैं आपसे क्षमा चाहता हूँ। आप जल्द ही बेहतर समझ जाएँगे। लेकिन, मेरा विश्वास कीजिए, मैंने इस मामले पर अपनी पूरी ऊर्जा केंद्रित करने का प्रयास किया है।”
“ओह, कोई बात नहीं,” मैंने माफी से संतुष्ट होकर कहा। “मैं जानती हूँ कि आप सिर्फ मेरे भले के लिए ऐसा कह रहे हैं। लेकिन मैं अपना ख्याल खुद रख सकती हूँ।”
पोइरोट कुछ और कहने ही वाले थे कि उन्होंने खुद को रोक लिया।
विला पहुँचकर, पोइरोट उस शेड की ओर आगे बढ़े जहाँ दूसरा शव मिला था। हालाँकि, वे अंदर नहीं गए, बल्कि उस बेंच के पास रुक गए जिसका ज़िक्र मैंने पहले किया था कि वह विला से कुछ गज की दूरी पर स्थित थी। एक-दो पल सोचने के बाद, वे सावधानीपूर्वक वहाँ से विला जेनेवीव और विला मार्गरिट के बीच की सीमा बनाने वाली झाड़ी तक गए। फिर वे सिर हिलाते हुए वापस लौट आए। झाड़ी के पास लौटकर, उन्होंने अपने हाथों से झाड़ियों को हटाया।
“सौभाग्य से,” उन्होंने कंधे के ऊपर से मुझे कहा, “मैडम मार्थे शायद बगीचे में हों। मैं उनसे बात करना चाहता हूँ और विला मार्गुराइट में औपचारिक रूप से आना पसंद नहीं करूँगा। आह, सब ठीक है, वह रही। प्लीज़, मैडम! प्लीज़! एक पल रुकिए।”

मैं उसी समय उसके पास पहुंचा जब मार्थे डाउब्रेइल, थोड़ी चौंकी हुई सी लग रही थी, उसकी पुकार सुनकर झाड़ी की ओर दौड़ती हुई आई।
“क्या आपसे थोड़ी बात कर सकते हैं, महोदया, यदि अनुमति हो तो?”
"जी हां, महाशय पोइरोट।"
उसकी सहमति के बावजूद, उसकी आँखों में चिंता और भय झलक रहा था।
"महोदया, क्या आपको याद है कि जिस दिन मैं जांच मजिस्ट्रेट के साथ आपके घर आया था, उस दिन आप सड़क पर मेरे पीछे दौड़ी थीं? आपने मुझसे पूछा था कि क्या किसी पर अपराध का संदेह है।"
“और तुमने मुझे दो चिलीवासियों के बारे में बताया था।” उसकी आवाज़ कांपती हुई लग रही थी, और उसका बायां हाथ धीरे से उसकी छाती पर चला गया।
"क्या आप मुझसे वही सवाल दोबारा पूछेंगी, मैडम?"
"आपका क्या मतलब है?"
“यह। अगर आप मुझसे यह सवाल दोबारा पूछेंगे, तो मैं आपको अलग जवाब दूंगा। किसी पर शक है—लेकिन वह चिली का नागरिक नहीं है।”
“कौन?” ये शब्द उसके होठों के बीच से धीमी आवाज़ में निकला।
“एम. जैक रेनॉल्ड।”
“क्या?” यह एक चीख थी। “जैक? असंभव। उस पर शक करने की हिम्मत कौन करता है?”
“गिराउड।”
“गिराउड!” लड़की का चेहरा पीला पड़ गया था। “मुझे उस आदमी से डर लगता है। वह क्रूर है। वह—वह —” वह रुक गई। उसके चेहरे पर साहस और दृढ़ संकल्प झलक रहा था। उसी क्षण मुझे एहसास हुआ कि वह एक योद्धा है। पोइरोट भी उसे ध्यान से देख रहा था।
“आपको तो पता ही होगा कि वह हत्या वाली रात यहीं मौजूद था?” उसने पूछा।
“हां,” उसने बेजान भाव से जवाब दिया। “उसने मुझे बताया था।”
"इस तथ्य को छिपाने की कोशिश करना नासमझी थी," पोइरोट ने कहा।
“जी हां,” उसने अधीरता से जवाब दिया। “लेकिन हम पछतावे में समय बर्बाद नहीं कर सकते। हमें उसे बचाने का कोई तरीका ढूंढना होगा। वह निर्दोष है, बेशक, लेकिन गिरौद जैसे आदमी के सामने यह बात उसकी मदद नहीं करेगी, जिसे अपनी प्रतिष्ठा का ख्याल रखना है। उसे किसी को गिरफ्तार करना ही होगा, और वह कोई और नहीं बल्कि जैक होगा।”
“तथ्य उसके खिलाफ गवाही देंगे,” पोइरोट ने कहा। “क्या तुम्हें यह एहसास है?”
उसने सीधे उसकी ओर देखा और वही शब्द कहे जो मैंने उसे अपनी माँ के ड्राइंग रूम में कहते हुए सुना था।
“मैं बच्चा नहीं हूँ, महोदय। मैं साहसी हो सकता हूँ और सच्चाई का सामना कर सकता हूँ। वह निर्दोष है, और हमें उसे बचाना होगा।”

वह एक प्रकार की हताश ऊर्जा के साथ बोली, फिर चुप हो गई, सोचते हुए उसके चेहरे पर शिकन आ गई।
पोइरोट ने ध्यान से देखते हुए कहा, "मैडम, क्या ऐसी कोई बात नहीं है जो आप छिपा रही हैं और हमें बता सकती हैं?"
उसने असमंजस में सिर हिलाया।
"हाँ, कुछ तो है, लेकिन मुझे नहीं पता कि आप इस पर विश्वास करेंगे या नहीं - यह बहुत ही बेतुका लगता है।"
"खैर, हमें बताइए, मैडम।"
“यही बात है। श्री गिराउड ने मुझे बाद में बुलवाया था, यह देखने के लिए कि क्या मैं अंदर मौजूद उस आदमी की पहचान कर सकती हूँ।” उसने सिर हिलाकर शेड की ओर इशारा किया। “मैं नहीं कर सकी। कम से कम अभी तो नहीं। लेकिन जब से मैं सोच रही हूँ—”
"कुंआ?"
“यह बहुत अजीब लगता है, फिर भी मुझे लगभग यकीन है। मैं आपको बताती हूँ। जिस दिन श्रीमान रेनॉल्ड की हत्या हुई, उस सुबह मैं यहाँ बगीचे में टहल रही थी, तभी मुझे कुछ आदमियों के झगड़ने की आवाज़ सुनाई दी। मैंने झाड़ियों को हटाया और झाँका। उनमें से एक श्रीमान रेनॉल्ड थे और दूसरा एक आवारा था, गंदे चिथड़ों में लिपटा एक भयानक दिखने वाला प्राणी। वह कभी गिड़गिड़ा रहा था तो कभी धमकी दे रहा था। मुझे लगा कि वह पैसे माँग रहा था, लेकिन उसी समय माँ ने मुझे घर से बुलाया और मुझे जाना पड़ा। बस इतना ही—मुझे लगभग यकीन है कि वह आवारा और शेड में मिला मृत व्यक्ति एक ही व्यक्ति है।”
पोइरोट ने विस्मयबोध व्यक्त किया।
"लेकिन आपने उस समय ऐसा क्यों नहीं कहा, मैडम?"
“क्योंकि पहले तो मुझे बस इतना ही लगा कि चेहरा कुछ जाना-पहचाना सा लग रहा है। उस आदमी ने अलग तरह के कपड़े पहने थे और जाहिर तौर पर वह ऊंचे दर्जे का था। लेकिन बताइए, महाशय पोइरोट, क्या यह मुमकिन नहीं है कि इस आवारा ने श्री रेनॉल्ड पर हमला करके उनकी हत्या कर दी हो और उनके कपड़े और पैसे लूट लिए हों?”
“यह एक विचार है, महोदया,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “इससे कई बातें अनसुलझी रह जाती हैं, लेकिन यह निश्चित रूप से एक विचार है। मैं इस पर विचार करूंगा।”
घर से एक आवाज आई।
“मम्मी,” मार्थे ने फुसफुसाते हुए कहा, “मुझे जाना होगा।” और वह पेड़ों के बीच से निकल गई।
"चलो," पोइरोट ने कहा और मेरा हाथ पकड़कर विला की दिशा में मुड़ गया।
मैंने कुछ जिज्ञासा से पूछा, "आप वास्तव में क्या सोचते हैं? क्या वह कहानी सच थी, या लड़की ने अपने प्रेमी से संदेह हटाने के लिए उसे गढ़ा था?"
“यह एक अजीब कहानी है,” पोइरोट ने कहा, “लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि यह बिल्कुल सच है। अनजाने में, मैडमोजेल मार्थे ने हमें एक और बात पर सच बता दिया—और संयोग से जैक रेनॉल्ड को झूठा साबित कर

दिया। क्या आपने ध्यान दिया कि जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्होंने अपराध की रात मार्थे डाउब्रूइल को देखा था, तो वे हिचकिचाए? वे रुके और फिर बोले, 'हाँ।' मुझे शक हुआ कि वे झूठ बोल रहे हैं। मैडमोजेल मार्थे को सतर्क करने से पहले मुझे उनसे मिलना ज़रूरी था। तीन छोटे शब्दों ने मुझे वह जानकारी दे दी जो मैं चाहता था। जब मैंने उनसे पूछा कि क्या उन्हें पता था कि जैक रेनॉल्ड उस रात यहाँ था, तो उन्होंने जवाब दिया, 'उन्होंने मुझे बताया था।' अब, हेस्टिंग्स, उस घटनापूर्ण शाम को जैक रेनॉल्ड यहाँ क्या कर रहा था, और अगर उसने मैडमोजेल मार्थे को नहीं देखा, तो उसने किसे देखा?"

"पोइरोट, आप यकीन नहीं कर सकते कि ऐसा लड़का अपने ही पिता की हत्या कर देगा," मैंने क्षुब्ध होकर कहा।

"मेरे दोस्त," पोइरोट ने कहा, "तुम्हारी भावुकता अविश्वसनीय है! मैंने ऐसी माताओं को देखा है जिन्होंने बीमा के पैसों के लिए अपने छोटे बच्चों की हत्या कर दी! उसके बाद तो कोई भी किसी भी बात पर विश्वास कर सकता है।"

और मकसद क्या था?

"पैसा तो निश्चित रूप से। याद रहे कि जैक रेनॉल्ड को लगता था कि अपने पिता की मृत्यु के बाद उन्हें उनकी आधी संपत्ति मिलेगी।"

लेकिन वो आवारा आदमी। उसका इसमें क्या रोल है?

पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए।

"गिराउड का कहना था कि वह एक सहयोगी था - एक अपाचे जिसने युवा रेनॉल्ड को अपराध करने में मदद की, और जिसे बाद में आसानी से रास्ते से हटा दिया गया।"

लेकिन खंजर के चारों ओर के बाल? उस औरत के बाल?

"आह," पोइरोट ने चौड़ी मुस्कान के साथ कहा। "यह तो गिराउड के छोटे से मजाक का सबसे बेहतरीन हिस्सा है। उनके अनुसार, ये किसी महिला के बाल बिल्कुल नहीं हैं। याद रखिए, आजकल के युवा अपने बालों को पोमेड या हेयरवॉश लगाकर माथे से पीछे की ओर सीधा कंघी करते हैं ताकि वे सपाट रहें। परिणामस्वरूप, कुछ बाल काफी लंबे हो जाते हैं।"

"और आप भी यही मानते हैं?"

"नहीं," पोइरोट ने एक जिज्ञासु मुस्कान के साथ कहा। "क्योंकि मैं जानता हूँ कि ये एक महिला के बाल हैं—और उससे भी बढ़कर, किस महिला के!"

मैंने आत्मविश्वास से कहा, "मैडम डाउब्रूइल।"

"शायद," पोइरोट ने मेरी ओर हैरानी से देखते हुए कहा।

लेकिन मैंने खुद को नाराज होने से रोक लिया।

"अब हम क्या करेंगे?" मैंने विला जेनेवीव के हॉल में प्रवेश करते हुए पूछा।

“मैं श्री जैक रेनॉल्ड के सामान की छानबीन करना चाहता हूँ। इसीलिए मुझे उन्हें कुछ घंटों के लिए रास्ते से हटाना पड़ा।”
"लेकिन क्या गिराउड ने पहले ही खोजबीन नहीं कर ली होगी?" मैंने संदेह से पूछा।
“बिल्कुल। वह एक बीवर की तरह, बड़ी मेहनत से, बांध बनाते हैं। लेकिन उन्होंने उन चीजों की तलाश नहीं की होगी जिनकी मुझे तलाश है—संभवतः अगर वे चीजें उनके सामने भी होतीं, तो भी वे उनका महत्व नहीं समझ पाते। चलिए शुरू करते हैं।”
पोइरोट ने बड़ी सफाई और व्यवस्थित ढंग से एक-एक करके दराजें खोलीं, उनमें रखी चीजों की जांच की और उन्हें ठीक उनकी जगह पर वापस रख दिया। यह एक बेहद नीरस और उबाऊ प्रक्रिया थी। पोइरोट कॉलर, पजामा और मोजों के बीच से होते हुए आगे बढ़ रहे थे। तभी बाहर से आती एक हल्की सी आवाज़ ने मुझे खिड़की की ओर खींच लिया। पल भर में मैं एकदम से सक्रिय हो गया।
“पोइरोट!” मैं चिल्लाया। “अभी-अभी एक कार आई है। उसमें गिराउड, जैक रेनॉल्ड और दो पुलिसकर्मी हैं।”
“हे भगवान!” पोइरोट गुर्राया। “वह जानवर जैसा गिराउड, क्या वह इंतज़ार नहीं कर सकता था? मैं इस आखिरी दराज में रखी चीज़ों को सही तरीके से वापस नहीं रख पाऊँगा। जल्दी करो!”
बिना किसी औपचारिकता के उसने फर्श पर रखी चीज़ें, जिनमें ज़्यादातर टाई और रुमाल थे, बिखेर दीं। अचानक जीत की चीख के साथ पोइरोट ने किसी चीज़ पर झपट्टा मारा, एक छोटा सा चौकोर कार्डबोर्ड, जो स्पष्ट रूप से एक तस्वीर थी। उसे अपनी जेब में ठूंसते हुए, उसने बाकी चीज़ें बेतरतीब ढंग से दराज में रख दीं, और मेरा हाथ पकड़कर मुझे कमरे से बाहर खींचकर सीढ़ियों से नीचे ले गया। हॉल में गिराउड खड़ा था, अपने कैदी को निहार रहा था।
“शुभ दोपहर, श्रीमान गिराउड,” पोइरोट ने कहा। “यह क्या है?”
गिराउड ने जैक की ओर सिर हिलाया।
“वह भागने की कोशिश कर रहा था, लेकिन मैं उससे ज्यादा चालाक था। उसे अपने पिता एम. पॉल रेनॉल्ड की हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है।”
पोइरोट मुड़कर उस लड़के का सामना करने के लिए आगे बढ़ा जो दरवाजे से बेजान होकर टिका हुआ था, उसका चेहरा राख जैसा पीला पड़ गया था।
“इस बारे में आपका क्या कहना है, युवा पुरुष?”
जैक रेनॉल्ड ने उसे पत्थर की तरह घूर कर देखा।
उन्होंने कहा, "कुछ नहीं।"

19

मैं अपने दिमाग का इस्तेमाल करता हूँ

मैं स्तब्ध रह गया। अंत तक, मैं जैक रेनॉल्ड को दोषी मानने को तैयार नहीं था। मुझे उम्मीद थी कि पोइरोट द्वारा चुनौती दिए जाने पर वह अपनी निर्दोषता का जोरदार ऐलान करेगा। लेकिन अब, उसे दीवार के सहारे बेजान और पीला पड़ा हुआ देखकर और उसके मुँह से निकले उस घिनौने कबूलनामे को सुनकर, मेरा संदेह दूर हो गया।

लेकिन पोइरोट ने गिराउड की ओर रुख किया था।

“उसे गिरफ्तार करने के आपके क्या आधार हैं?”

क्या आप मुझसे उम्मीद करते हैं कि मैं उन्हें आपको दे दूं?

"शिष्टाचार के तौर पर, हाँ।"

गिराउड ने उसे संदेह भरी नजरों से देखा। वह कठोर शब्दों में इनकार करने की इच्छा और अपने प्रतिद्वंद्वी पर विजय प्राप्त करने के सुख के बीच फंसा हुआ था।

"मुझे लगता है कि आपको लगता है कि मैंने कोई गलती की है?" उसने व्यंग्य करते हुए कहा।

"मुझे आश्चर्य नहीं होगा," पोइरोट ने थोड़ी सी दुर्भावना के साथ उत्तर दिया।

गिराउड के चेहरे का लाल रंग और भी गहरा हो गया।

“ठीक है, अंदर आ जाओ। तुम खुद ही फैसला कर लेना।” उसने बैठक का दरवाजा खोल दिया और हम अंदर चले गए, जैक रेनॉल्ड को बाकी दो आदमियों की देखरेख में छोड़कर।

“अब, एम. पोइरोट,” गिराउड ने अपनी टोपी मेज पर रखते हुए और अत्यंत व्यंग्यपूर्ण लहजे में कहा, “मैं आपको जासूसी के काम पर एक छोटा सा व्याख्यान दूंगा। मैं आपको दिखाऊंगा कि हम आधुनिक लोग कैसे काम करते हैं।”

“ठीक है!” पोइरोट ने ध्यान से सुनने के लिए खुद को संभालते हुए कहा। “मैं आपको दिखाऊंगा कि पुराने लोग कितनी अच्छी तरह से सुन सकते हैं,” और वह पीछे झुककर अपनी आँखें बंद कर लीं, फिर एक पल के लिए आँखें खोलकर बोले, “चिंता मत करो कि मैं सो जाऊंगा। मैं पूरी सावधानी से सुनूंगा।”

“बिल्कुल,” गिराउड ने कहना शुरू किया, “मैंने चिली के उस सारे छल को जल्द ही समझ लिया। उसमें दो आदमी शामिल थे—लेकिन वे कोई रहस्यमय विदेशी नहीं थे! वह सब एक धोखा था।”

“अब तक तो बहुत ही सराहनीय रहा है, मेरे प्यारे गिराउड,” पोइरोट ने धीरे से कहा। “खासकर माचिस और सिगरेट के टुकड़े वाली उनकी उस चालाकी के बाद तो और भी बढ़िया।”

गिराउड ने घूरकर देखा, लेकिन बोलना जारी रखा:
“कब्र खोदने के लिए किसी न किसी का इस मामले से संबंध जरूर रहा होगा। इस अपराध से किसी को कोई फायदा नहीं हुआ, लेकिन एक आदमी ऐसा जरूर था जिसने सोचा होगा कि उसे फायदा होगा। मैंने जैक रेनॉल्ड और उसके पिता के बीच हुए झगड़े और उसके द्वारा दी गई धमकियों के बारे में सुना था। मकसद साबित हो गया। अब साधनों की बात करते हैं। जैक रेनॉल्ड उस रात मर्लिनविले में था। उसने इस बात को छुपाया—जिससे शक यकीन में बदल गया। फिर हमें दूसरा पीड़ित मिला—जिस पर उसी खंजर से वार किया गया था। हमें पता है कि वह खंजर कब चोरी हुआ था। कैप्टन हेस्टिंग्स समय बता सकते हैं। चेरबर्ग से आने वाला जैक रेनॉल्ड ही एकमात्र व्यक्ति था जो उसे ले जा सकता था। मैंने घर के बाकी सभी सदस्यों का पता लगा लिया है।”
पोइरोट ने बीच में ही बात काट दी:
“आप गलत हैं। एक और व्यक्ति था जो खंजर ले सकता था।”
“आपका जिक्र एम. स्टोनर से हो रहा है? वह सीधे कैलिस से एक कार में मुख्य द्वार पर पहुंचे। अरे, यकीन मानिए, मैंने सब कुछ पता लगा लिया है। एम. जैक रेनॉल्ड ट्रेन से आए थे। उनके आने और घर में दाखिल होने के बीच एक घंटा बीत गया। निस्संदेह, उन्होंने कैप्टन हेस्टिंग्स और उनके साथी को शेड से निकलते देखा, खुद अंदर घुस गए और खंजर लेकर शेड में ही अपने साथी को चाकू मार दिया—”
“जो पहले से ही मर चुका था!”
गिराउड ने अपने कंधे उचका दिए।
“हो सकता है उसने इस बात पर ध्यान न दिया हो। उसने उसे सोते हुए समझा हो। इसमें कोई शक नहीं कि उनकी मुलाकात तय थी। किसी भी हालत में वह जानता था कि यह दूसरी हत्या मामले को बहुत जटिल बना देगी। और ऐसा ही हुआ।”
"लेकिन यह एम. गिराउड को धोखा नहीं दे सका," पोइरोट ने धीरे से कहा।
“तुम मेरा मज़ाक उड़ा रहे हो। लेकिन मैं तुम्हें एक आखिरी अकाट्य सबूत देता हूँ। मैडम रेनॉल्ड की कहानी झूठी थी—शुरू से अंत तक मनगढ़ंत। हम मानते हैं कि मैडम रेनॉल्ड अपने पति से प्यार करती थीं—फिर भी उन्होंने उनके हत्यारे को बचाने के लिए झूठ बोला। एक औरत किसके लिए झूठ बोलेगी? कभी खुद के लिए, अक्सर उस आदमी के लिए जिससे वह प्यार करती है, और हमेशा अपने बच्चों के लिए। यही आखिरी—अकाट्य सबूत है। तुम इसे नज़रअंदाज़ नहीं कर सकते।”
गिरौड रुका, उसका चेहरा लाल हो गया था और वह विजयी भाव से भरा हुआ था। पोइरोट ने उसे स्थिर निगाहों से देखा।
“यही मेरा मत है,” गिराउड ने कहा। “इस पर आपका क्या कहना है?”
"बस एक बात है जिसे आप ध्यान में रखना भूल गए हैं।"
"वह क्या है?"

"जैक रेनॉल्ड को संभवतः गोल्फ कोर्स की योजना की जानकारी थी। वह जानता था कि बंकर खोदना शुरू करते ही शव लगभग तुरंत मिल जाएगा।"
गिराउड जोर से हँस पड़ा।
लेकिन आपकी ये बात बिल्कुल बेवकूफी भरी है! वह चाहता था कि शव मिल जाए! जब तक शव नहीं मिल जाता, वह मृत्यु की कल्पना नहीं कर सकता था, और अपनी विरासत में प्रवेश करने में असमर्थ होता।
जब पोइरोट अपने पैरों पर खड़ा हुआ तो मैंने उसकी आंखों में हरे रंग की एक क्षणिक चमक देखी।
“तो फिर इसे दफनाने की क्या ज़रूरत थी?” उसने धीरे से पूछा। “सोचो, गिराउड। जब जैक रेनॉल्ड के लिए यह फ़ायदेमंद था कि शव जल्द से जल्द मिल जाए, तो फिर कब्र खोदने की ज़रूरत ही क्या थी?”
गिराउड ने कोई जवाब नहीं दिया। वह इस सवाल के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने कंधे उचका दिए, मानो यह जता रहे हों कि यह सवाल उनके लिए महत्वपूर्ण नहीं है।
पोइरोट दरवाजे की ओर बढ़ा। मैं उसके पीछे-पीछे गया।
"एक और बात है जिसे आप ध्यान में रखना भूल गए हैं," उसने पीछे मुड़कर कहा।
"वह क्या है?"
"सीसे के पाइप का टुकड़ा," पोइरोट ने कहा और कमरे से बाहर निकल गया।
जैक रेनॉल्ड अभी भी हॉल में खड़े थे, उनका चेहरा सफेद और भावहीन था, लेकिन जैसे ही हम बैठक से बाहर आए, उन्होंने अचानक ऊपर देखा। उसी क्षण सीढ़ियों पर कदमों की आहट सुनाई दी। श्रीमती रेनॉल्ड नीचे उतर रही थीं। कानून के दो महापुरुषों के बीच खड़े अपने बेटे को देखकर वह मानो पत्थर की तरह जम गईं।
“जैक,” वह हिचकिचाई। “जैक, यह क्या है?”
उसने ऊपर उसकी ओर देखा, उसका चेहरा दृढ़ था।
“उन्होंने मुझे गिरफ्तार कर लिया है, माँ।”
"क्या?"
उसने चीख मारी और किसी के पहुँचने से पहले ही लड़खड़ाकर गिर पड़ी। हम दोनों दौड़े और उसे उठाया। एक मिनट में पोइरोट फिर से खड़ा हो गया।
“सीढ़ियों के कोने पर उसका सिर बुरी तरह से कट गया है। मुझे लगता है कि उसे हल्की चोट भी आई है। अगर गिराउड को उससे बयान चाहिए, तो उसे इंतजार करना होगा। वह शायद कम से कम एक हफ्ते तक बेहोश रहेगी।”
डेनिस और फ्रांस्वा अपनी मालकिन के पास दौड़कर गईं और उन्हें उनकी देखरेख में छोड़कर पोइरोट घर से निकल गए। वे सिर झुकाए, ज़मीन की ओर देखते हुए, गहरी सोच में डूबे हुए चल रहे थे। कुछ देर तक मैं चुप रहा, लेकिन अंत में मैंने उनसे एक सवाल पूछने का साहस किया।
"तो क्या आप मानते हैं, तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद, कि जैक रेनॉल्ड दोषी नहीं हो सकता?"

पोइरोट ने तुरंत जवाब नहीं दिया, बल्कि काफी देर इंतजार के बाद गंभीरता से कहा:
“मुझे नहीं पता, हेस्टिंग्स। इसकी बस थोड़ी सी संभावना है। बेशक, गिराउड पूरी तरह गलत है—शुरू से अंत तक गलत। अगर जैक रेनॉल्ड दोषी है, तो यह गिराउड के तर्कों के बावजूद है, न कि उनके कारण। और उसके खिलाफ सबसे गंभीर आरोप केवल मुझे ही पता है।”
मैंने हैरानी से पूछा, "यह क्या है?"
"अगर तुम भी मेरी तरह पूरे मामले को स्पष्ट रूप से देखते और अपने दिमाग का इस्तेमाल करते, तो तुम्हें भी यह बात समझ आ जाती, मेरे दोस्त।"
इसे ही मैं पोइरोट के चिड़चिड़े जवाबों में से एक कहता था। वह मेरी बात सुने बिना ही आगे बढ़ गया।
“चलिए, हम इस रास्ते से समुद्र की ओर चलें। हम वहाँ उस छोटी सी टीले पर बैठेंगे, जहाँ से समुद्र तट दिखाई देता है, और मामले की समीक्षा करेंगे। आपको वह सब पता चलेगा जो मुझे पता है, लेकिन मैं चाहूँगा कि आप सच्चाई तक अपने प्रयासों से पहुँचें— न कि मेरे द्वारा हाथ पकड़कर ले जाने से।”
पोइरोट के सुझाव के अनुसार, हम घास के टीले पर बैठ गए और समुद्र की ओर देखने लगे। रेत पर थोड़ी दूर से नहाने वालों की हल्की-हल्की आवाज़ें हम तक पहुँच रही थीं। समुद्र का रंग हल्का नीला था और उसकी शांत खामोशी मुझे उस दिन की याद दिला रही थी जब हम मर्लिनविले पहुँचे थे, मेरा उत्साह और पोइरोट का यह सुझाव कि मैं "अजीब" हूँ। तब से कितना लंबा समय बीत गया था! और वास्तव में, केवल तीन दिन ही बीते थे!
“सोचो, मेरे दोस्त,” पोइरोट की आवाज़ ने उत्साहवर्धक ढंग से कहा। “अपने विचारों को व्यवस्थित करो। क्रमबद्ध बनो। अनुशासन में रहो। सफलता का रहस्य इसी में छिपा है।”
मैंने उसकी बात मानने की कोशिश की, और मामले के सभी पहलुओं पर फिर से विचार किया। अनिच्छा से ही सही, मुझे लगा कि एकमात्र स्पष्ट और संभव समाधान गिराउड का ही था—जिसे पोइरोट नापसंद करता था। मैंने फिर से सोचा। अगर कहीं कोई उम्मीद की किरण थी, तो वह मैडम डाउब्रूइल की तरफ थी। गिराउड को बेरोल्डी मामले से उसके संबंध की जानकारी नहीं थी। पोइरोट ने बेरोल्डी मामले को सबसे महत्वपूर्ण बताया था। मुझे वहीं खोजना था। अब मैं सही रास्ते पर था। और अचानक एक चौंका देने वाला विचार मेरे दिमाग में कौंध गया। कांपते हुए मैंने अपनी परिकल्पना तैयार की।
"लगता है तुम्हें थोड़ी समझ है, मेरे दोस्त! पूंजी। हम प्रगति करते हैं।"
मैं उठ बैठा और एक पाइप जलाया।
“पोइरोट,” मैंने कहा, “मुझे लगता है कि हमसे बहुत बड़ी लापरवाही हुई है। मैं ‘हम’ कह रहा हूँ—हालाँकि मुझे लगता है कि मैं सही कह रहा हूँ। लेकिन आपको अपनी इस जानबूझकर की गई गोपनीयता का दंड भुगतना होगा। इसलिए मैं फिर से कहता हूँ कि हमसे बहुत बड़ी लापरवाही हुई है। हम किसी को भूल गए हैं।”
"और वह कौन है?" पोइरोट ने चमकती आंखों से पूछा।

“जॉर्जेस कोनो!”

20

एक अद्भुत कथन

अगले ही पल पोइरोट ने मुझे गर्मजोशी से गले लगा लिया। “आखिरकार! तुम पहुँच गए। और अकेले ही। यह शानदार है! अपनी तर्क-वितर्क जारी रखो। तुम सही हो। जॉर्जेस कोनो को भूलकर हमने निश्चित रूप से गलती की है।”

उस छोटे से आदमी की प्रशंसा से मैं इतना प्रसन्न हुआ कि मैं मुश्किल से ही आगे बोल पाया। लेकिन आखिरकार मैंने खुद को संभाला और बोलना शुरू किया।

"जॉर्जेस कोनो बीस साल पहले लापता हो गए थे, लेकिन हमारे पास यह मानने का कोई कारण नहीं है कि उनकी मृत्यु हो गई है।"

“बिल्कुल नहीं,” पोइरोट ने सहमति जताते हुए कहा। “आगे बढ़ो।”

इसलिए हम यह मान लेंगे कि वह जीवित है।

"बिल्कुल।"

या फिर वह हाल तक जीवित था।

"बेहतर और बेहतर होना!"

“हम मान लेते हैं,” मैंने उत्साह बढ़ाते हुए कहा, “कि उसके बुरे दिन चल रहे हैं। वह अपराधी, बदमाश, आवारा—जो चाहे बन चुका है। संयोग से वह मर्लिनविले पहुँच जाता है। वहाँ उसे वह स्त्री मिलती है जिससे वह हमेशा प्यार करता रहा है।”
“अरे! ये तो बहुत भावुकता है,” पोइरोट ने चेतावनी दी।
मैंने इस कथन को उद्धृत किया है या गलत तरीके से उद्धृत किया है, "जहां नफरत होती है, वहां प्यार भी होता है।" किसी भी हालत में वह उसे वहाँ एक नकली नाम से रहते हुए पाता है। लेकिन उसका एक नया प्रेमी है, अंग्रेज रेनॉल्ड। जॉर्जेस कॉनो, पुराने अन्याय की यादों से ग्रस्त होकर, इस रेनॉल्ड से झगड़ा करता है। वह अपनी प्रेमिका से मिलने आने पर उसका इंतज़ार करता है और उसकी पीठ में छुरा घोंप देता है। फिर, अपने किए पर भयभीत होकर, वह एक कब्र खोदने लगता है। मुझे लगता है कि मैडम डाउब्रूइल अपने प्रेमी को ढूंढने के लिए बाहर आती हैं। उनके और कॉनो के बीच एक भयानक झगड़ा होता है। वह उन्हें शेड में घसीटता है, और वहाँ अचानक मिर्गी के दौरे से गिर जाता है। अब मान लीजिए कि जैक रेनॉल्ड प्रकट होता है। मैडम डाउब्रूइल उसे सब कुछ बताती हैं, उसे बताती हैं कि अगर अतीत का यह घोटाला फिर से सामने आया तो उनकी बेटी के लिए कितने भयानक परिणाम होंगे। उसके पिता का हत्यारा मर चुका है—उन्हें इसे दबाने की पूरी कोशिश करने दो। जैक रेनॉल्ड मान जाता है—घर जाता है और अपनी माँ से मिलता है, और उसे अपने दृष्टिकोण से सहमत करा लेता है। मैडम को यह कहानी सुनाकर कि... डाउब्रूइल ने उसे सुझाव दिया है कि वह खुद को मुंह बंद और बंधे होने की अनुमति देती है। पोइरोट, इस बारे में आपका क्या विचार है?” मैं सफल पुनर्निर्माण के गर्व से लाल होकर पीछे झुक गया।
पोइरोट ने मुझे ध्यानपूर्वक देखा।
अंत में उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि तुम्हें सिनेमा के लिए लिखना चाहिए, मेरे दोस्त।"
"तुम्हारा मतलब है-?"
"जो कहानी आपने मुझे सुनाई है, उस पर एक अच्छी फिल्म बन सकती है—लेकिन इसका रोजमर्रा की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं है।"
मैं मानता हूं कि मैंने सभी विवरणों में नहीं गया हूं, लेकिन—”
“आप तो हद ही कर गए—आपने उन्हें पूरी तरह से नजरअंदाज कर दिया। उन दोनों आदमियों के पहनावे के बारे में क्या? क्या आपका मतलब यह है कि अपने शिकार को चाकू मारने के बाद, कोनो ने अपने कपड़े उतारे, खुद पहने और फिर खंजर वापस रख दिया?”
मैंने कुछ चिढ़कर आपत्ति जताते हुए कहा, "मुझे नहीं लगता कि इससे कोई फर्क पड़ता है। हो सकता है उसने दिन में पहले मैडम डाउब्रूइल से धमकियों के जरिए कपड़े और पैसे हासिल कर लिए हों।"
“धमकियों से—क्या? क्या आप सचमुच यह अनुमान लगा रहे हैं?”
"बिल्कुल। वह रेनॉल्ड्स के सामने उसकी पहचान उजागर करने की धमकी दे सकता था, जिससे शायद उसकी बेटी की शादी की सारी उम्मीदें खत्म हो जातीं।"

“हेस्टिंग्स, तुम गलत हो। वह उसे ब्लैकमेल नहीं कर सकता था, क्योंकि सारा दारोमदार उसी के हाथ में था। याद रखो, जॉर्जेस कॉनो अभी भी हत्या के मामले में वांछित है। उसके मुंह से एक शब्द भी निकला तो उसे मौत की सजा हो सकती है।”
मुझे मजबूरीवश, कुछ हद तक अनिच्छा से, इस सच्चाई को स्वीकार करना पड़ा।
मैंने तीखे लहजे में कहा, "आपका सिद्धांत, बेशक, सभी विवरणों के संबंध में सही है?"
“मेरा सिद्धांत ही सत्य है,” पोइरोट ने शांत स्वर में कहा। “और सत्य तो स्वाभाविक रूप से सही होता है। आपके सिद्धांत में आपने एक मूलभूत गलती की है। आपने अपनी कल्पना को आधी रात की मुलाकातों और भावुक प्रेम दृश्यों में उलझने दिया। लेकिन अपराध की जांच करते समय हमें सामान्य तथ्यों पर ही टिके रहना चाहिए। क्या मैं आपको अपनी विधियाँ दिखाऊँ?”
"जी हां, बिल्कुल, हमें एक प्रदर्शन करने दीजिए!"
पोइरोट एकदम सीधे बैठ गए और अपनी बात पर जोर देने के लिए अपनी तर्जनी उंगली को जोर से हिलाते हुए बोलने लगे।
“मैं भी आपकी तरह ही जॉर्जेस कोनो के मूल तथ्य से शुरू करूँगा। मैडम बेरोल्डी ने अदालत में ‘रूसियों’ के बारे में जो कहानी सुनाई, वह स्पष्ट रूप से मनगढ़ंत थी। यदि वह अपराध में संलिप्तता के आरोप से निर्दोष थीं, तो यह कहानी उन्हीं की बनाई हुई थी, जैसा कि उन्होंने कहा। दूसरी ओर, यदि वह निर्दोष नहीं थीं, तो यह कहानी या तो उन्होंने या जॉर्जेस कोनो ने गढ़ी हो सकती है।”
“अब जिस मामले की हम जांच कर रहे हैं, उसमें हमें वही कहानी मिलती है। जैसा कि मैंने आपको बताया, तथ्यों से यह बहुत कम संभावना है कि मैडम डाउब्रूइल ने इसे प्रेरित किया हो। इसलिए हम इस परिकल्पना की ओर मुड़ते हैं कि कहानी की उत्पत्ति जॉर्जेस कोनो के दिमाग में हुई थी। बहुत बढ़िया। तो जॉर्जेस कोनो ने मैडम रेनॉल्ड को अपना साथी बनाकर अपराध की योजना बनाई। वह सुर्खियों में है, और उसके पीछे एक रहस्यमय व्यक्ति है जिसका उपनाम हमें ज्ञात नहीं है।”
“अब आइए, रेनॉल्ड मामले को शुरू से ध्यानपूर्वक देखें और प्रत्येक महत्वपूर्ण बिंदु को कालानुक्रमिक क्रम में लिखें। क्या आपके पास नोटबुक और पेंसिल है? अच्छा। अब सबसे पहला बिंदु कौन सा है जिसे हमें लिखना है?”
“तुम्हें लिखे गए पत्र के लिए?”
“हमें इसकी जानकारी सबसे पहले यहीं से मिली, लेकिन यह मामले की सही शुरुआत नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मर्लिनविले पहुँचने के कुछ समय बाद ही श्री रेनॉल्ड में जो बदलाव आया, जिसकी पुष्टि कई गवाहों ने की है। हमें मैडम डाउब्रूइल के साथ उनकी मित्रता और उन्हें दी गई बड़ी रकम पर भी विचार करना होगा। यहीं से हम सीधे 23 मई की घटना पर आते हैं।”
पोइरोट रुका, अपना गला साफ किया और मुझे लिखने का इशारा किया।

“23 मई। एम. रेनॉल्ड का अपने बेटे से मार्था डाउब्रूइल से शादी करने की इच्छा को लेकर झगड़ा हो जाता है। बेटा पेरिस के लिए रवाना हो जाता है।”
“24 मई। एम. रेनॉल्ड ने अपनी वसीयत में बदलाव किया और अपनी सारी संपत्ति का नियंत्रण अपनी पत्नी के हाथों में सौंप दिया।”
“7 जून। बगीचे में एक आवारा व्यक्ति से झगड़ा, जिसकी गवाह मार्थे डाउब्रेइल थीं।”
एम. हरक्यूल पोइरोट को सहायता की गुहार लगाते हुए लिखा गया पत्र।
"जैक रेनॉल्ड को टेलीग्राम भेजा गया, जिसमें उन्हें एंज़ोरा नदी के रास्ते ब्यूनस आयर्स जाने का निर्देश दिया गया।"
“मालिक, ड्राइवर को छुट्टी पर भेज दिया गया है।”
“उस शाम एक महिला मिलने आई। जब वह उसे विदा कर रहा था, तो उसने कहा, ‘जी हाँ—लेकिन भगवान के लिए अभी जाओ...’”
पोइरोट रुक गया।
"हेस्टिंग्स, तुम इन तथ्यों में से प्रत्येक को एक-एक करके लो, उन पर अलग-अलग और पूरे संदर्भ में ध्यानपूर्वक विचार करो, और देखो कि क्या तुम्हें इस मामले पर कोई नई रोशनी नहीं मिलती है।"
मैंने पूरी ईमानदारी से वैसा ही करने का प्रयास किया जैसा उसने कहा था। एक-दो क्षण बाद, मैंने कुछ संशय के साथ कहा:
"पहले बिंदुओं के संबंध में, सवाल यह उठता है कि क्या हम ब्लैकमेल के सिद्धांत को अपनाते हैं, या इस महिला के प्रति आसक्ति को।"
"निश्चित रूप से ब्लैकमेल। आपने स्टोनर ने उसके चरित्र और आदतों के बारे में जो कहा, वह सुना ही होगा।"
मैंने तर्क दिया, "श्रीमती रेनॉल्ड ने उनके विचार की पुष्टि नहीं की।"
“हम पहले ही देख चुके हैं कि मैडम रेनॉल्ड की गवाही पर किसी भी तरह से भरोसा नहीं किया जा सकता। इस मामले में हमें स्टोनर पर भरोसा करना होगा।”
फिर भी, अगर रेनॉल्ड का बेला नाम की महिला के साथ अफेयर था, तो मैडम डाउब्रूइल के साथ भी उनका अफेयर होने की संभावना में कोई अंतर्निहित असंभावना नहीं दिखती।
“बिल्कुल नहीं, मैं मानता हूँ, हेस्टिंग्स। लेकिन क्या उसने सच में ऐसा किया था?”
“पोइरोट, वह पत्र। तुम पत्र को भूल गए।”
“नहीं, मैं भूला नहीं हूँ। लेकिन आपको ऐसा क्यों लगता है कि वह पत्र एम. रेनॉल्ड को लिखा गया था?”
“यह उसकी जेब में क्यों मिला और—और—”
“बस इतना ही!” पोइरोट ने बीच में टोकते हुए कहा। “पत्र में किसी का नाम नहीं लिखा था जिससे पता चले कि पत्र किसे संबोधित था। हमने मान लिया कि यह मृत व्यक्ति को ही लिखा गया था क्योंकि यह उसके ओवरकोट की जेब में था। अब, मेरे दोस्त, उस ओवरकोट में मुझे कुछ अजीब लगा। मैंने उसे नापा और कहा

कि वह अपना ओवरकोट बहुत लंबा पहनता था। मेरी इस टिप्पणी से आपको सोचने पर मजबूर होना चाहिए था।”
मैंने स्वीकार किया, "मुझे लगा कि तुम बस यूं ही कुछ कहने के लिए कह रहे हो।"
“वाह, क्या विचार है! बाद में आपने मुझे श्री जैक रेनॉल्ड के ओवरकोट को नापते हुए देखा। खैर, श्री जैक रेनॉल्ड अपना ओवरकोट बहुत छोटा पहनते हैं। इन दोनों तथ्यों को एक तीसरे तथ्य के साथ जोड़कर देखिए, अर्थात् श्री जैक रेनॉल्ड पेरिस जाने के लिए जल्दबाजी में घर से निकले थे, और मुझे बताइए कि आप इससे क्या समझते हैं!”
“मैं समझ गया,” मैंने धीरे से कहा, क्योंकि पोइरोट की बातों का अर्थ मुझे स्पष्ट रूप से समझ आ रहा था। “वह पत्र जैक रेनॉल्ड को लिखा गया था—उसके पिता को नहीं। जल्दबाजी और घबराहट में उसने गलती से गलत ओवरकोट उठा लिया था।”
पोइरोट ने सिर हिलाया।
“स्पष्टीकरण! हम इस बिंदु पर बाद में लौट सकते हैं। फिलहाल, आइए हम इस बात को स्वीकार कर लें कि पत्र का श्री रेनॉल्ड पिता से कोई संबंध नहीं है, और अगली कालानुक्रमिक घटना की ओर बढ़ें।”
मैंने पढ़ा, “23 मई को, श्री रेनॉल्ड का अपने बेटे से मार्था डाउब्रूइल से विवाह करने की इच्छा को लेकर झगड़ा हुआ। बेटा पेरिस के लिए रवाना हो गया। मुझे इसमें कुछ खास टिप्पणी करने लायक नहीं दिखता, और अगले दिन वसीयत में बदलाव करना भी काफी सीधा-सादा लगता है। यह झगड़े का सीधा परिणाम था।”
“हम सहमत हैं, मेरे मित्र—कम से कम कारण के बारे में। लेकिन श्री रेनॉल्ड की इस प्रक्रिया के पीछे वास्तव में क्या मकसद था?”
मैंने हैरानी से अपनी आंखें खोलीं।
"ज़ाहिर है, अपने बेटे के प्रति गुस्सा।"
“फिर भी उन्होंने पेरिस को उनके लिए स्नेहपूर्ण पत्र लिखे?”
"जैक रेनॉल्ड का यही कहना है, लेकिन वह उन्हें पेश नहीं कर सकते।"
"ठीक है, चलिए इस विषय को छोड़ देते हैं।"
“अब हम त्रासदी वाले दिन की बात करते हैं। आपने सुबह की घटनाओं को एक निश्चित क्रम में रखा है। क्या आपके पास इसके लिए कोई औचित्य है?”
मैंने यह पता लगाया है कि मुझे भेजा गया पत्र उसी समय डाक से भेजा गया था जब टेलीग्राम भेजा गया था। मास्टर्स को सूचित किया गया था कि वे कुछ समय बाद छुट्टी ले सकते हैं। मेरी राय में, आवारा व्यक्ति के साथ झगड़ा इन घटनाओं से पहले हुआ था।
"मुझे नहीं लगता कि आप इसे निश्चित रूप से ठीक कर सकते हैं - जब तक कि आप मैडमोजेल डबरेइल से दोबारा पूछताछ न करें।"

“इसकी कोई आवश्यकता नहीं है। मुझे पूरा यकीन है। और अगर तुम यह नहीं समझते, तो तुम कुछ भी नहीं समझते, हेस्टिंग्स!”
मैंने एक पल के लिए उसकी ओर देखा।
“बिल्कुल! मैं बेवकूफ हूँ। अगर वह आवारा जॉर्जेस कोनो था, तो उसके साथ हुई तूफानी मुलाकात के बाद ही श्री रेनॉल्ड को खतरे का आभास हुआ होगा। उन्होंने अपने बेटे को तार भेजा, और आपको बुलवाया, और उन्होंने ड्राइवर मास्टर्स को, जिस पर उन्हें शक था कि वह दूसरे से पैसे ले रहा है, वहाँ से भेज दिया।”
पोइरोट के होठों पर हल्की सी मुस्कान आ गई।
“क्या आपको यह अजीब नहीं लगता कि उसने अपने पत्र में ठीक वही अभिव्यक्तियाँ इस्तेमाल कीं जो मैडम रेनॉल्ड ने बाद में अपनी कहानी में इस्तेमाल की थीं? यदि सैंटियागो का ज़िक्र करना एक अंधापन था, तो रेनॉल्ड ने इसके बारे में क्यों बात की, और— उससे भी बढ़कर— अपने बेटे को वहाँ क्यों भेजा?”
“यह वाकई पेचीदा है, मैं मानती हूँ, लेकिन शायद हमें बाद में इसका कोई स्पष्टीकरण मिल जाए। अब हम शाम की बात करते हैं, और उस रहस्यमयी महिला के आगमन की। मैं स्वीकार करती हूँ कि यह बात मुझे भी पूरी तरह से हैरान कर देती है, जब तक कि वह मैडम डाउब्रूइल न हों, जैसा कि फ्रांस्वा शुरू से कहती आ रही हैं।”
पोइरोट ने अपना सिर हिलाया।
“मेरे दोस्त, मेरे दोस्त, तुम्हारा दिमाग कहाँ भटक रहा है? चेक के उस टुकड़े को याद करो, और इस बात को भी कि बेला डुवीन नाम स्टोनर को कुछ-कुछ जाना-पहचाना सा लगा था। मुझे लगता है कि हम यह मान सकते हैं कि बेला डुवीन जैक की उस अज्ञात पत्र-व्यवहार करने वाली महिला का पूरा नाम है, और वही उस रात विला जेनेवीव आई थी। चाहे वह जैक से मिलने आई हो, या उसका इरादा शुरू से ही उसके पिता से अपील करने का हो, हम निश्चित रूप से नहीं कह सकते, लेकिन मुझे लगता है कि हम मान सकते हैं कि यही हुआ था। उसने जैक पर अपना हक जताया, शायद उसने जैक द्वारा लिखे गए पत्र भी दिखाए, और उस बूढ़े आदमी ने चेक लिखकर उसे मनाने की कोशिश की। उसने गुस्से में आकर वह चेक फाड़ दिया। उसके पत्र की बातें एक सच्चे प्यार में डूबी महिला की हैं, और उसे शायद पैसे की पेशकश से बहुत बुरा लगा होगा। अंत में उसने उससे पीछा छुड़ा लिया, और यहाँ उसके द्वारा इस्तेमाल किए गए शब्द महत्वपूर्ण हैं।”
“ ‘हाँ, हाँ, लेकिन भगवान के लिए अभी जाओ,’ ” मैंने दोहराया। “मुझे लगता है कि वे थोड़े उग्र हैं, शायद, बस इतना ही।”
“बस इतना ही काफी है। वह लड़की के जाने के लिए बहुत बेचैन था। क्यों? सिर्फ इसलिए नहीं कि साक्षात्कार अप्रिय था। नहीं, बात यह थी कि समय बीतता जा रहा था, और किसी कारणवश समय उसके लिए कीमती था।”
मैंने हैरानी से पूछा, "ऐसा क्यों होना चाहिए?"

“यही सवाल हम खुद से पूछते हैं। ऐसा क्यों होना चाहिए? लेकिन बाद में कलाई घड़ी वाली घटना सामने आती है—जो फिर से दिखाती है कि अपराध में समय की बहुत अहम भूमिका है। अब हम असल घटनाक्रम की ओर तेज़ी से बढ़ रहे हैं। जब बेला डुवीन निकलती है, तब साढ़े दस बज रहे होते हैं, और कलाई घड़ी के सबूत से हम जानते हैं कि अपराध बारह बजे से पहले हुआ था, या कम से कम उसे रचा गया था। हमने हत्या से पहले की सभी घटनाओं की समीक्षा कर ली है, अब सिर्फ एक घटना अधूरी रह गई है। डॉक्टर के बयान के अनुसार, जब आवारा व्यक्ति मिला, तब तक उसकी मौत कम से कम अड़तालीस घंटे पहले हो चुकी थी—संभवतः चौबीस घंटे और। अब, हमारे द्वारा चर्चा किए गए तथ्यों के अलावा मेरे पास कोई और सहायक तथ्य नहीं हैं, इसलिए मैं उसकी मौत 7 जून की सुबह हुई मानता हूँ।”

मैं स्तब्ध होकर उसे देखता रहा।

लेकिन कैसे? क्यों? आपको यह कैसे पता चल सकता है?

क्योंकि केवल इसी तरह से घटनाओं के क्रम को तार्किक रूप से समझाया जा सकता है। मेरे मित्र, मैंने तुम्हें कदम-दर-कदम रास्ता दिखाया है। क्या अब तुम्हें वह बात स्पष्ट रूप से दिखाई नहीं दे रही है?

"मेरे प्यारे पोइरोट, मुझे इसमें कुछ भी स्पष्ट नहीं दिख रहा है। मुझे पहले लगा था कि मुझे रास्ता दिखने लगा है, लेकिन अब मैं पूरी तरह से भ्रमित हो गई हूँ।"

पोइरोट ने मेरी ओर उदास निगाहों से देखा और सिर हिलाया। “हे भगवान! यह तो बहुत दुखद है! इतनी अच्छी जानकारी, लेकिन उसमें पद्धति का इतना अभाव। दिमाग को तेज़ करने के लिए एक बेहतरीन अभ्यास है। मैं तुम्हें बताता हूँ—”

“भगवान के लिए, अभी नहीं! तुम सचमुच सबसे चिढ़ाने वाले आदमी हो, पोइरोट। भगवान के लिए, जल्दी बताओ कि एम. रेनॉल्ड को किसने मारा।”

"मुझे अभी तक इसी बात का यकीन नहीं है।"

"लेकिन आपने तो कहा था कि यह बिल्कुल स्पष्ट था?"

“मेरे दोस्त, हमारी बातें एक-दूसरे के विपरीत हैं। याद रखिए, हम दो अपराधों की जाँच कर रहे हैं—जिनके लिए, जैसा कि मैंने आपको बताया, हमारे पास दो आवश्यक सबूत हैं। चिंता मत कीजिए, अधीर मत होइए! मैं सब समझाता हूँ। सबसे पहले, हम मनोविज्ञान का प्रयोग करते हैं। हमें तीन ऐसे बिंदु मिलते हैं जहाँ श्री रेनॉल्ड के दृष्टिकोण और व्यवहार में स्पष्ट परिवर्तन दिखाई देता है—इसलिए तीन मनोवैज्ञानिक बिंदु हैं। पहला मर्लिनविले पहुँचने के तुरंत बाद घटित होता है, दूसरा अपने बेटे से किसी विषय पर झगड़े के बाद, और तीसरा 7 जून की सुबह। अब तीनों कारणों की बात करते हैं। हम कारण संख्या 1 को मैडम डाउब्रूइल से मुलाकात से जोड़ सकते हैं। कारण संख्या 2 अप्रत्यक्ष रूप से उनसे जुड़ा है क्योंकि यह श्री रेनॉल्ड के बेटे और उनकी बेटी के विवाह से संबंधित है। लेकिन कारण संख्या 3 हमसे छिपा हुआ है। हमें इसका अनुमान लगाना होगा। अब, मेरे मित्र, मैं आपसे एक प्रश्न पूछता हूँ; हमें क्या लगता है कि इस अपराध की योजना किसने बनाई थी?”

मैंने संशय से कहा, "जॉर्जेस कोनो," और पोइरोट को संदेह भरी नजरों से देखा।
“बिल्कुल सही। अब गिराउड ने इसे एक सिद्धांत के रूप में स्थापित किया कि एक स्त्री स्वयं को, अपने प्रेमी को और अपने बच्चे को बचाने के लिए झूठ बोलती है। चूंकि हम इस बात से संतुष्ट हैं कि जॉर्जेस कोनो ने ही उसे झूठ बोलने के लिए कहा था, और चूंकि जॉर्जेस कोनो जैक रेनॉल्ड नहीं है, इसलिए तीसरा मामला खारिज हो जाता है। और, यदि अपराध का आरोप अभी भी जॉर्जेस कोनो पर ही लगाया जाए, तो पहला मामला भी उतना ही सही है। इसलिए हम दूसरे मामले पर ही सहमत होते हैं—कि मैडम रेनॉल्ड ने अपने प्रेमी के लिए झूठ बोला—या दूसरे शब्दों में, जॉर्जेस कोनो के लिए। आप इससे सहमत हैं।”
“हां,” मैंने स्वीकार किया। “यह काफी तर्कसंगत लगता है।”
“वाह! मैडम रेनॉल्ड को जॉर्जेस कोनो से प्यार है। तो फिर, जॉर्जेस कोनो कौन हैं?”
"कुचलना।"
"क्या हमारे पास ऐसा कोई सबूत है जिससे यह साबित हो सके कि मैडम रेनॉल्ड उस आवारा से प्यार करती थीं?"
"नहीं, लेकिन-"
“ठीक है। उन सिद्धांतों से चिपके मत रहो जिनका तथ्यों से समर्थन नहीं मिलता। इसके बजाय खुद से पूछो कि मैडम रेनॉल्ड वास्तव में किससे प्यार करती थीं।”
मैंने हैरानी से अपना सिर हिलाया।
"लेकिन, हाँ, आप अच्छी तरह जानते हैं। मैडम रेनॉल्ड किससे इतना प्यार करती थीं कि जब उन्होंने उसका मृत शरीर देखा, तो वे बेहोश होकर गिर पड़ीं?"
मैं अवाक होकर देखता रहा।
“उसका पति?” मैं चौंक गई।
पोइरोट ने सिर हिलाया।
"उसके पति—या जॉर्जेस कोनो, आप उन्हें जो भी नाम देना चाहें।"
मैंने खुद को संभाला।
"लेकिन यह असंभव है।"
“यह ‘असंभव’ कैसे हो सकता है? क्या हमने अभी-अभी इस बात पर सहमति नहीं जताई थी कि मैडम डाउब्रूइल जॉर्जेस कोनो को ब्लैकमेल करने की स्थिति में थीं?”
“हाँ, लेकिन—”
"और क्या उसने एम. रेनॉल्ड को बहुत प्रभावी ढंग से ब्लैकमेल नहीं किया?"
“यह बात काफी हद तक सच हो सकती है, लेकिन—”
“और क्या यह सच नहीं है कि हम एम. रेनॉल्ड के बचपन और परवरिश के बारे में कुछ नहीं जानते? कि वह ठीक बाईस साल पहले एक फ्रांसीसी कनाडाई के रूप में अचानक अस्तित्व में आए?”

मैंने और अधिक दृढ़ता से कहा, "यह सब सच है, लेकिन मुझे लगता है कि आप एक महत्वपूर्ण बिंदु को नजरअंदाज कर रहे हैं।"
“क्या बात है, मेरे दोस्त?”
“हमने तो यह स्वीकार कर लिया है कि जॉर्जेस कोनो ने अपराध की योजना बनाई थी। इससे हम इस हास्यास्पद बयान पर पहुँच जाते हैं कि उसने अपनी ही हत्या की योजना बनाई थी!”
“एह बिएन, मोन अमी,” पोइरोट ने शांत भाव से कहा, “उसने बिल्कुल वही किया!”

21

हरक्यूल पोइरोट इस मामले की जांच कर रहे हैं!

संयमित स्वर में, पोइरोट ने अपना स्पष्टीकरण शुरू किया।
“क्या आपको यह अजीब लगता है, मेरे मित्र, कि कोई व्यक्ति अपनी मृत्यु की योजना बनाए? इतना अजीब कि आप सच्चाई को काल्पनिक मानकर नकारना पसंद करते हैं, और एक ऐसी कहानी पर लौट आते हैं जो वास्तव में दस गुना अधिक असंभव है। हाँ, श्री रेनॉल्ड ने अपनी मृत्यु की योजना बनाई थी, लेकिन एक बात है जो शायद आपकी समझ से परे है—उनका मरने का इरादा नहीं था।”
मैंने हैरानी से अपना सिर हिलाया।
“लेकिन नहीं, असल में यह सब बहुत सरल है,” पोइरोट ने विनम्रता से कहा। “जैसा कि मैंने आपको बताया, एम. रेनॉल्ड द्वारा प्रस्तावित अपराध के लिए हत्यारे की आवश्यकता नहीं थी, बल्कि शव की आवश्यकता थी। आइए, घटनाओं को एक अलग दृष्टिकोण से देखते हुए उनका पुनर्निर्माण करें।”
जॉर्जेस कॉनो न्याय से भागकर कनाडा चला जाता है। वहाँ, वह छद्म नाम से शादी करता है और अंततः दक्षिण अमेरिका में अपार संपत्ति अर्जित करता है। लेकिन उसे अपने देश की याद सताती रहती है। बीस वर्ष बीत चुके हैं, उसका रूप-रंग काफी बदल चुका है, और वह इतना प्रतिष्ठित व्यक्ति बन चुका है कि कोई भी उसे कई वर्ष पहले न्याय से भागे हुए अपराधी से जोड़कर नहीं देख सकता। उसे लगता है कि वापस लौटना बिल्कुल सुरक्षित है। वह इंग्लैंड में अपना ठिकाना बनाता है, लेकिन गर्मियों में फ्रांस में समय बिताने का इरादा रखता है। और दुर्भाग्य, वह कुटिल न्याय जो मनुष्यों के अंत को निर्धारित करता है और उन्हें उनके कर्मों के परिणामों से बचने नहीं देता, उसे मर्लिनविले ले जाता है। वहाँ, पूरे फ्रांस में, केवल एक ही व्यक्ति है जो उसे पहचान सकता है। यह मैडम डाउब्रूइल के लिए सोने की खान है, और वह इस सोने की खान का लाभ उठाने में जरा भी देर नहीं करती। वह असहाय है, पूरी तरह से उसके वश में है। और वह उसका जमकर शोषण करती है।
और फिर वही होता है जो होना ही था। जैक रेनॉल्ड को उस खूबसूरत लड़की से प्यार हो जाता है जिसे वह लगभग हर दिन देखता है, और वह उससे शादी करना चाहता है। इससे उसके पिता भड़क उठते हैं। हर कीमत पर, वह अपने बेटे को इस दुष्ट स्त्री की बेटी से शादी करने से रोकेंगे। जैक रेनॉल्ड अपने पिता के अतीत के बारे में कुछ नहीं जानता, लेकिन मैडम रेनॉल्ड सब कुछ जानती हैं। वह दृढ़ निश्चय वाली महिला हैं और अपने पति के प्रति पूरी तरह समर्पित हैं। वे दोनों सलाह-मशविरा करते हैं। रेनॉल्ड को बचने का केवल एक ही रास्ता दिखाई देता है—मृत्यु। उसे मरने का नाटक करना होगा, असल में किसी दूसरे देश भाग जाना

होगा जहाँ वह एक नए नाम से नई शुरुआत करेगा, और जहाँ मैडम रेनॉल्ड, कुछ समय तक विधवा की भूमिका निभाने के बाद, उससे मिल सकेंगी। यह आवश्यक है कि धन पर उनका नियंत्रण हो, इसलिए वह अपनी वसीयत बदल देता है। उन्होंने शवों के धंधे को शुरू में कैसे चलाने की योजना बनाई थी, यह मुझे नहीं पता—शायद किसी कला छात्र का कंकाल—और आग या इसी तरह की कोई और चीज़, लेकिन उनकी योजनाएँ पूरी होने से बहुत पहले ही एक ऐसी घटना घटित होती है जो उनके पक्ष में जाती है। एक बदचलन, हिंसक और गाली-गलौज करने वाला आवारा, किसी तरह वहाँ पहुँच जाता है। बगीचे में हाथापाई होती है, एम. रेनॉल्ड उसे बाहर निकालने की कोशिश करते हैं, और अचानक मिर्गी का रोगी वह आवारा आदमी गिर पड़ता है। उसकी मौत हो जाती है। एम. रेनॉल्ड अपनी पत्नी को बुलाते हैं। दोनों मिलकर उसे शेड में घसीटते हैं—जैसा कि हम जानते हैं, घटना ठीक बाहर घटी थी—और उन्हें उस अद्भुत अवसर का एहसास होता है जो उन्हें मिला है। वह आदमी एम. रेनॉल्ड से बिल्कुल भी मिलता-जुलता नहीं है, लेकिन वह अधेड़ उम्र का है, एक आम फ्रांसीसी व्यक्ति जैसा। इतना काफी है।

मुझे लगता है कि वे ऊपर बेंच पर बैठे थे, घर से दूर, आपस में बातचीत कर रहे थे। उनकी योजना जल्दी बन गई थी। पहचान पूरी तरह से मैडम रेनॉल्ड के सबूतों पर आधारित होनी थी। जैक रेनॉल्ड और ड्राइवर (जो दो साल से अपने मालिक के साथ था) को रास्ते से हटाना ज़रूरी था। फ्रांसीसी महिला नौकरानियों के शव के पास जाने की संभावना कम थी, और वैसे भी रेनॉल्ड उन लोगों को धोखा देने के लिए उपाय करने का इरादा रखता था जो बारीकियों को नहीं समझते थे। मास्टर्स को भेज दिया गया, जैक को एक टेलीग्राम भेजा गया, ब्यूनस आयर्स को इसलिए चुना गया ताकि रेनॉल्ड द्वारा तय की गई कहानी को विश्वसनीयता मिल सके। मेरे बारे में, एक गुमनाम बुजुर्ग जासूस के रूप में, सुनकर उसने मदद के लिए अपील लिखी, यह जानते हुए कि जब मैं पहुँचूँगा, तो पत्र का प्रस्तुतीकरण जांच मजिस्ट्रेट पर गहरा प्रभाव डालेगा - और निश्चित रूप से ऐसा ही हुआ।

उन्होंने आवारा के शव को एम. रेनॉल्ड के सूट में लपेट दिया और उसके फटे-पुराने कोट और पतलून को शेड के दरवाजे के पास छोड़ दिया, उन्हें घर के अंदर ले जाने की हिम्मत नहीं की। फिर, मैडम रेनॉल्ड की कहानी को विश्वसनीय बनाने के लिए, उन्होंने हवाई जहाज का खंजर उसके दिल में घोंप दिया। उस रात, एम. रेनॉल्ड पहले अपनी पत्नी को बांधकर उसका मुंह बंद कर देंगे, और फिर एक फावड़ा लेकर उस खास जगह पर कब्र खोदेंगे जहाँ उन्हें पता है कि एक—उसे क्या कहते हैं? बंकएयर?—बनाया जाना है। यह आवश्यक है कि शव मिल जाए—मैडम डाउब्रूइल को कोई संदेह नहीं होना चाहिए। दूसरी ओर, अगर थोड़ा समय बीत जाता है, तो पहचान को लेकर कोई भी खतरा काफी कम हो जाएगा। फिर, एम. रेनॉल्ड आवारा के फटे-पुराने कपड़े पहन लेंगे, और स्टेशन की ओर निकल जाएंगे, जहाँ वे 12:10 की ट्रेन से बिना किसी का ध्यान खींचे निकल जाएंगे। चूंकि अपराध दो घंटे बाद हुआ माना जाएगा, इसलिए कोई संदेह नहीं होगा। संभवतः उससे जुड़ सकता है।

अब आप बेला नाम की लड़की के अचानक आने पर उसकी झुंझलाहट देख सकते हैं। देरी का हर पल उसकी योजनाओं के लिए घातक है। हालाँकि, वह जितनी जल्दी हो सके उससे छुटकारा पा लेता है। फिर, काम शुरू! वह सामने का दरवाजा थोड़ा खुला छोड़ देता है ताकि यह लगे कि हत्यारे इसी तरह गए थे। वह मैडम रेनॉल्ड को बांध देता है और उसके मुंह में कपड़ा ठूंस देता है, बाईस साल पहले की अपनी गलती को सुधारते हुए, जब बंधनों के ढीले होने के कारण उसके साथी पर संदेह हुआ था, लेकिन उसे वही कहानी सुनाकर तैयार करता है जो उसने पहले गढ़ी थी, जिससे मौलिकता के प्रति मन की अचेतन घृणा साबित होती है। रात ठंडी है, और वह अपने अंतर्वस्त्रों के ऊपर एक ओवरकोट पहन लेता है, जिसे वह मरे हुए आदमी के साथ कब्र में फेंकने का इरादा रखता है। वह खिड़की से बाहर जाता है, फूलों की क्यारी को ध्यान से समतल करता है, और इस प्रकार अपने खिलाफ सबसे पुख्ता सबूत पेश करता है। वह सुनसान गोल्फ कोर्स पर जाता है, और खोदता है—और फिर—”

"हाँ?"

“और फिर,” पोइरोट ने गंभीरता से कहा, “जिस न्याय से वह इतने लंबे समय से बच रहा था, वह उसे मिल ही जाता है। एक अनजान हाथ उसकी पीठ में छुरा घोंप देता है... अब, हेस्टिंग्स, तुम समझ गए होगे कि मैं दो अपराधों की बात क्यों कर रहा हूँ। पहला अपराध, वह अपराध जिसकी जाँच करने के लिए एम. रेनॉल्ड ने अपने अहंकार में हमें कहा था (अरे, उसने वहाँ एक बड़ी गलती की! उसने हरक्यूल पोइरोट को गलत समझा!), सुलझ गया है। लेकिन इसके पीछे एक गहरा रहस्य छिपा है। और उसे सुलझाना मुश्किल होगा—क्योंकि अपराधी ने अपनी चतुराई से एम. रेनॉल्ड द्वारा तैयार किए गए तरीकों का फायदा उठाया है। यह एक बेहद पेचीदा और उलझा हुआ रहस्य है। गिराउड जैसे युवा पत्रकार, जो मनोविज्ञान पर बिल्कुल भरोसा नहीं करते, लगभग निश्चित रूप से असफल होंगे।”

मैंने प्रशंसा भरे लहजे में कहा, "आप अद्भुत हैं, पोइरोट। सचमुच अद्भुत। आपके सिवा इस दुनिया में कोई और ऐसा नहीं कर सकता था!"

मुझे लगता है मेरी तारीफ से वह खुश हुआ। अपने जीवन में पहली बार, वह लगभग शर्मिंदा सा लग रहा था।

"अरे, तो अब तुम बेचारे बूढ़े पापा पोइरोट से नफरत नहीं करते? क्या तुमने उस मानव शिकारी से अपनी वफादारी वापस बदल ली है?"

गिराउड के लिए उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया शब्द मुझे हमेशा मुस्कुराने पर मजबूर कर देता था।

“बिल्कुल। आपने उस पर शानदार जीत हासिल की है।”

“बेचारा गिराउड,” पोइरोट ने विनम्रता दिखाने की नाकाम कोशिश करते हुए कहा। “निस्संदेह यह सब मूर्खता नहीं है। उसके साथ एक-दो बार दुर्भाग्य हुआ है। उदाहरण के लिए, खंजर के चारों ओर लिपटे उसके काले बाल। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि यह भ्रामक था।”

मैंने धीरे से कहा, "सच कहूँ तो, पोइरोट, मुझे अभी भी ठीक से समझ नहीं आ रहा है कि ये बाल किसके थे?"

“बेशक, मैडम रेनॉल्ड के ही हैं। यहीं तो बदकिस्मती की कहानी शुरू होती है। उनके बाल, जो पहले काले थे, अब लगभग पूरी तरह से सफ़ेद हो चुके हैं। ये आसानी से एक सफ़ेद बाल भी हो सकते थे—और फिर, किसी भी तरह से गिराउड खुद को यह यकीन नहीं दिला पाता कि ये जैक रेनॉल्ड के सिर के बाल हैं! लेकिन ये सब एक ही बात है। तथ्यों को हमेशा सिद्धांत के अनुरूप ढालने के लिए तोड़-मरोड़ कर पेश किया जाता है! क्या गिराउड को शेड में दो व्यक्तियों, एक पुरुष और एक महिला के निशान नहीं मिले थे? और ये उसके मामले के पुनर्निर्माण से कैसे मेल खाता है? मैं आपको बताता हूँ—ये मेल नहीं खाता, और इसलिए हम इनके बारे में अब और नहीं सुनेंगे! मैं आपसे पूछता हूँ, क्या ये काम करने का एक व्यवस्थित तरीका है? महान गिराउड! महान गिराउड तो बस एक खिलौना गुब्बारा है—जो अपने ही महत्व से फूला हुआ है। लेकिन मैं, हरक्यूल पोइरोट, जिसे वह तुच्छ समझता है, वो छोटी सी सुई बनूँगा जो बड़े गुब्बारे को फोड़ देगी—ठीक है!” और उसने एक भावपूर्ण इशारा किया। फिर शांत होकर उन्होंने बोलना शुरू किया:
“निस्संदेह, जब मैडम रेनॉल्ड ठीक हो जाएंगी, तो वह बोलेंगी। उनके बेटे पर हत्या का आरोप लगने की संभावना उनके मन में कभी आई ही नहीं। भला कैसे आती, जब उन्हें पूरा विश्वास था कि वह अंज़ोरा जहाज पर समुद्र में सुरक्षित हैं? आह! वाह! हेस्टिंग्स, क्या गजब की महिला हैं! क्या साहस, क्या आत्म-नियंत्रण! उनसे बस एक ही गलती हुई। उनके अचानक लौटने पर: 'अब कोई फर्क नहीं पड़ता।' और किसी ने ध्यान नहीं दिया—किसी ने उन शब्दों का महत्व नहीं समझा। बेचारी महिला, उन्हें कितनी भयानक भूमिका निभानी पड़ी है। कल्पना कीजिए, जब वह शव की पहचान करने जाती हैं और अपनी अपेक्षा के विपरीत, अपने पति का निर्जीव शरीर देखती हैं, जिसे वह अब तक मीलों दूर मान चुकी थीं, तो उन्हें कितना बड़ा सदमा लगा होगा। इसमें कोई आश्चर्य नहीं कि वह बेहोश हो गईं! लेकिन तब से, अपने दुख और निराशा के बावजूद, उन्होंने कितनी दृढ़ता से अपनी भूमिका निभाई है, और इस पीड़ा ने उन्हें कितना झकझोर दिया होगा। वह एक शब्द भी नहीं कह सकतीं जिससे हमें असली हत्यारों का पता चल सके। अपने बेटे की खातिर, किसी को भी यह पता नहीं चलना चाहिए कि पॉल रेनॉल्ड ही जॉर्जेस कोनो, अपराधी था। सबसे बड़ा झटका यह था कि उसने सार्वजनिक रूप से स्वीकार किया कि मैडम डाउब्रूइल उसके पति की प्रेमिका थी—क्योंकि ब्लैकमेल का ज़रा सा भी संकेत उसके रहस्य को उजागर कर सकता था। उसने बड़ी चतुराई से जांच मजिस्ट्रेट से बात की जब उसने उससे पूछा कि क्या उसके पति के अतीत में कोई रहस्य था। 'मुझे यकीन है, ऐसा कुछ भी रोमांटिक नहीं था, महोदय न्यायाधीश।' यह बिल्कुल सही था, नरम लहजा, दुख भरी हंसी का हल्का सा पुट। तुरंत ही एम. हाउटेट खुद को मूर्ख और अति नाटकीय महसूस करने लगे। हाँ, वह एक महान महिला है! अगर उसने किसी अपराधी से प्यार किया, तो उसने उससे शाही तरीके से प्यार किया!
पोइरोट चिंतन में लीन हो गए।
"एक और बात, पोइरोट, उस सीसे के पाइप के टुकड़े का क्या हुआ?"
“क्या तुम्हें समझ नहीं आया? पीड़ित का चेहरा इस कदर बिगाड़ देना कि उसे पहचानना नामुमकिन हो जाए। यही वो चीज़ थी जिसने मुझे सही राह दिखाई। और वो बेवकूफ़ गिराउड, जो माचिस की तीलियाँ ढूँढ़ने के

लिए उस पर टूट पड़ा था! क्या मैंने तुम्हें नहीं बताया था कि दो फुट लंबा सुराग दो इंच के सुराग जितना ही अच्छा होता है?"
"अच्छा, अब गिराउड धीमी आवाज़ में गाएगा," मैंने अपनी कमियों से ध्यान हटाने के लिए जल्दबाजी में कहा।
"जैसा कि मैंने पहले कहा था, क्या वह ऐसा करेगा? अगर वह गलत तरीके से सही व्यक्ति तक पहुंच गया है, तो वह इस बात को लेकर परेशान नहीं होगा।"
"लेकिन निश्चित रूप से—" मैंने नए रुझान को देखकर विराम लिया।
"देखो, हेस्टिंग्स, हमें अब फिर से शुरू करना होगा। एम. रेनॉल्ड का कत्ल किसने किया? कोई ऐसा व्यक्ति जो उस रात बारह बजे से ठीक पहले विला के पास था, कोई ऐसा व्यक्ति जिसे उसकी मौत से फायदा होता—यह विवरण जैक रेनॉल्ड पर बिल्कुल सटीक बैठता है। अपराध पूर्व नियोजित नहीं रहा होगा। और फिर खंजर!" मैंने शुरू किया, मुझे उस बात का एहसास नहीं हुआ था।
"बिल्कुल," मैंने कहा। "हमें उस आवारा व्यक्ति के पास जो दूसरा खंजर मिला, वह श्रीमती रेनॉल्ड का था। तो फिर दो खंजर थे।"
"बिल्कुल, और चूंकि वे डुप्लिकेट थे, इसलिए यह मानना तर्कसंगत है कि जैक रेनॉल्ड ही मालिक था। लेकिन इससे मुझे इतनी चिंता नहीं है। वास्तव में, मुझे इस बारे में बहुत कम जानकारी है। नहीं, उसके खिलाफ सबसे बड़ा आरोप फिर से मनोवैज्ञानिक है—वंशानुक्रम, मेरे दोस्त, वंशानुक्रम! जैसा बाप वैसा बेटा—आखिरकार, जैक रेनॉल्ड जॉर्जेस कॉनो का बेटा है।"
उनका लहजा गंभीर और निष्ठावान था, और मैं अनजाने में ही उनसे प्रभावित हो गया।
मैंने पूछा, "अभी तुमने जिस छोटे से विचार का जिक्र किया था, वह क्या है?"
उत्तर जानने के लिए, पोइरोट ने अपनी शलजम के आकार की घड़ी देखी और फिर पूछा:
"कैले से दोपहर की नाव कितने बजे आती है?"
"लगभग पांच, मुझे लगता है।"
"यह काफी अच्छा रहेगा। हमारे पास बस थोड़ा समय होगा।"
"क्या आप इंग्लैंड जा रहे हैं?"
"जी हां, मेरे दोस्त।"
"क्यों?"
"संभावित गवाह की तलाश करना।"
"कौन?"
अपने चेहरे पर एक अजीब सी मुस्कान लिए हुए, पोइरोट ने जवाब दिया:
"मिस बेला डुवीन।"
"लेकिन तुम उसे कैसे ढूंढोगे—तुम उसके बारे में क्या जानते हो?"

“मैं उसके बारे में कुछ नहीं जानता—पर मैं काफी कुछ अनुमान लगा सकता हूँ। मान लेते हैं कि उसका नाम बेला डुवीन है, और चूंकि यह नाम एम. स्टोनर को थोड़ा-बहुत जाना-पहचाना लगा था, हालांकि जाहिर तौर पर रेनॉल्ड्स परिवार से इसका कोई संबंध नहीं था, इसलिए संभव है कि वह रंगमंच पर हो। जैक रेनॉल्ड्स एक धनी और बीस साल का नौजवान था। रंगमंच ही उसकी पहली मोहब्बत रही होगी। यह एम. रेनॉल्ड्स द्वारा उसे चेक देकर मनाने की कोशिश से भी मेल खाता है। मुझे लगता है कि मैं उसे ढूंढ ही लूंगा—खासकर इस जानकारी की मदद से।”

और उसने जैक रेनॉल्ड्स के दराज से वह तस्वीर निकाली जिसे मैंने उसे लेते हुए देखा था। कोने पर "बेला की ओर से प्यार भरा संदेश" लिखा था, लेकिन यही वह बात नहीं थी जिसने मेरी आँखों को मोहित कर लिया। तस्वीर उतनी स्पष्ट नहीं थी—लेकिन फिर भी मुझे उसमें कोई शक नहीं था। मुझे एक अजीब सी ठंडक महसूस हुई, मानो मुझ पर कोई असहनीय विपत्ति आ पड़ी हो।

यह सिंड्रेला का चेहरा था।

22

मुझे प्यार मिल गया

एक-दो पल के लिए मैं जैसे जम सी गई, तस्वीर अभी भी मेरे हाथ में थी। फिर, पूरी हिम्मत जुटाकर, मैंने उसे पोइरोट को लौटा दिया। उसी समय, मैंने पोइरोट पर एक नज़र डाली। क्या उन्होंने कुछ देखा था? लेकिन राहत की बात यह थी कि ऐसा लग रहा था कि वह मुझे नहीं देख रहे थे। मेरे व्यवहार में कुछ भी असामान्य था, जो निश्चित रूप से उनकी नज़र से छूट गया था।

वह फुर्ती से उठ खड़ा हुआ।

“हमारे पास समय नहीं है। हमें जल्द से जल्द प्रस्थान करना होगा। सब ठीक है—समुद्र शांत रहेगा!”

प्रस्थान की हड़बड़ी में मेरे पास सोचने का समय नहीं था, लेकिन नाव पर सवार होते ही, पोइरोट की निगरानी से सुरक्षित महसूस करते हुए (वह हमेशा की तरह "लावर्गियर की उत्कृष्ट पद्धति का अभ्यास कर रहा था") मैंने खुद को संभाला और निष्पक्ष रूप से तथ्यों का विश्लेषण किया। पोइरोट को कितना पता था? क्या उसे पता था कि ट्रेन और बेला डुवीन से मेरी जान-पहचान एक ही व्यक्ति से थी? वह होटल डू फारे क्यों गया था? क्या वह मेरी ओर से गया था जैसा मैंने सोचा था? या क्या मैंने ऐसा सिर्फ मूर्खतापूर्ण ढंग से सोचा था, और क्या यह यात्रा किसी गहरे और अधिक भयावह उद्देश्य से की गई थी?

लेकिन आखिर वो इस लड़की को ढूंढने पर इतना तुला क्यों था? क्या उसे शक था कि उसने जैक रेनॉल्ड को अपराध करते देखा था? या उसे शक था—लेकिन ये तो नामुमकिन था! लड़की को बड़े रेनॉल्ड से कोई दुश्मनी नहीं थी, उसकी मौत की कामना करने का कोई मकसद भी नहीं था। आखिर किस बात ने उसे हत्या की जगह पर वापस ला खड़ा किया था? मैंने सारे तथ्यों की बारीकी से जांच की। वो ज़रूर कैलिस में ट्रेन से उतरी होगी, जहाँ उस दिन मेरी उससे विदाई हुई थी। इसीलिए तो मैं उसे नाव पर नहीं ढूंढ पाया था। अगर उसने कैलिस में खाना खाया होता और फिर ट्रेन से मर्लिनविले गई होती, तो वो विला जेनेवीव में लगभग उसी समय पहुँची होती, जिस समय फ्रांस्वा ने बताया था। दस बजे के बाद घर से निकलने के बाद उसने क्या किया था? शायद या तो किसी होटल में गई होगी, या कैलिस लौट गई होगी। और फिर? अपराध मंगलवार रात को हुआ था। गुरुवार सुबह वो फिर से मर्लिनविले में थी। क्या वो कभी फ्रांस से बाहर गई भी थी? मुझे इस पर बहुत शक था। आखिर किस बात ने उसे वहाँ रोके रखा था—जैक रेनॉल्ड को देखने की उम्मीद? मैंने उसे बताया था (जैसा कि उस समय हम मानते थे) कि वह ब्यूनस आयर्स के रास्ते में खुले समुद्र में था। शायद उसे पता था कि अनज़ोरा जहाज़ रवाना नहीं हुआ था। लेकिन यह जानने के लिए उसने जैक को ज़रूर देखा

होगा। क्या पोइरोट यही जानना चाहता था? क्या जैक रेनॉल्ड, मार्थे डाउब्रूइल से मिलने लौटते समय, बेला डुवीन से आमने-सामने आ गया था, वही लड़की जिसे उसने बेरहमी से छोड़ दिया था?
मुझे कुछ उम्मीद की किरण नज़र आने लगी। अगर सच में ऐसा था, तो इससे जैक को ज़रूरी सबूत मिल सकता था। फिर भी, इन परिस्थितियों में उसकी चुप्पी समझ से परे लग रही थी। वह खुलकर क्यों नहीं बोल पाया? क्या उसे डर था कि उसका यह पुराना रिश्ता मार्थे डाउब्रूइल के कानों तक पहुँच जाएगा? मैंने असंतुष्ट होकर सिर हिलाया। मामला काफी हद तक हानिरहित था, एक लड़के-लड़की का नादानी भरा प्रेम प्रसंग, और मैंने व्यंग्यपूर्वक सोचा कि एक करोड़पति का बेटा बिना किसी गंभीर कारण के एक गरीब फ्रांसीसी लड़की के लिए, जो उससे बेइंतहा प्यार करती थी, आसानी से नहीं छोड़ा जा सकता था।
कुल मिलाकर मुझे यह मामला पेचीदा और असंतोषजनक लगा। इस लड़की को पकड़ने में पोइरोट के साथ शामिल होना मुझे बिल्कुल पसंद नहीं था, लेकिन मुझे उसके सामने सब कुछ उजागर किए बिना इससे बचने का कोई रास्ता नहीं दिख रहा था, और किसी कारणवश मैं ऐसा करने से कतरा रहा था।
डोवर पहुँचते ही पोइरोट चुस्त-दुरुस्त और मुस्कुराते हुए फिर से प्रकट हुए, और लंदन तक की हमारी यात्रा बिना किसी घटना के संपन्न हुई। जब हम पहुँचे तो नौ बज चुके थे, और मैंने सोचा कि हमें सीधे अपने कमरों में लौट जाना चाहिए और सुबह तक कुछ नहीं करना चाहिए। लेकिन पोइरोट की योजना कुछ और ही थी।
“हमें जरा भी समय बर्बाद नहीं करना चाहिए, मेरे दोस्त। गिरफ्तारी की खबर परसों तक अंग्रेजी अखबारों में नहीं आएगी, लेकिन फिर भी हमें जरा भी समय बर्बाद नहीं करना चाहिए।”
मुझे उसकी दलील पूरी तरह समझ नहीं आई, लेकिन मैंने उससे बस इतना पूछा कि वह लड़की को कैसे ढूंढने का इरादा रखता है।
“आपको जोसेफ आरोन्स याद हैं, वो थिएटर एजेंट? नहीं? मैंने एक जापानी पहलवान के मामले में उनकी मदद की थी। एक दिन मैं आपको इसके बारे में विस्तार से बताऊंगा। वह निस्संदेह हमें वो जानकारी हासिल करने में मदद कर सकते हैं जो हम जानना चाहते हैं।”
श्री आरोन्स को ढूंढने में हमें कुछ समय लगा और आखिरकार आधी रात के बाद ही हम उन्हें पकड़ने में कामयाब हुए। उन्होंने पोइरोट का अत्यंत गर्मजोशी से स्वागत किया और कहा कि वे किसी भी तरह से हमारी सेवा करने के लिए तत्पर हैं।
उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, "इस पेशे के बारे में ऐसी कोई बात नहीं है जो मुझे पता न हो।"
“एह बिएन, एम. आरोन्स, मैं बेला डुवीन नाम की एक युवती को ढूंढना चाहता हूँ।”
“बेला डुवीन। मैं नाम तो जानती हूँ, लेकिन फिलहाल याद नहीं आ रहा। उनकी कौन सी फिल्म है?”
मुझे यह नहीं पता—लेकिन यह उसकी तस्वीर है।
श्री आरोन्स ने कुछ देर तक उसका अध्ययन किया, फिर उनका चेहरा चमक उठा।
“मिल गया!” उसने अपनी जांघ पर हाथ मारा। “वाह, ये तो डुल्सिबेला किड्स हैं!”
“द डुल्सिबेला किड्स?”

“बस यही बात है। वे बहनें हैं। कलाबाज, नर्तकी और गायिका। बहुत अच्छा प्रदर्शन करती हैं। मुझे लगता है कि वे कहीं प्रांतों में हैं—अगर वे आराम नहीं कर रही हैं। वे पिछले दो-तीन हफ्तों से पेरिस में प्रदर्शन कर रही हैं।”

"क्या आप मुझे बता सकते हैं कि वे ठीक कहाँ हैं?"

"बिल्कुल आसान है। तुम घर जाओ, और मैं तुम्हें सुबह ड्रग्स भेज दूंगा।"

इस वादे के साथ हमने उससे विदा ली। उसने अपना वादा निभाया। अगले दिन लगभग ग्यारह बजे, हमें एक हाथ से लिखा हुआ नोट मिला।

“डुल्सीबेला सिस्टर्स का शो कोवेंट्री के पैलेस में चल रहा है। आपको शुभकामनाएँ।”

बिना देर किए, हम कोवेंट्री के लिए रवाना हो गए। पोइरोट ने थिएटर में कोई पूछताछ नहीं की, बल्कि उस शाम के विविध प्रदर्शन के लिए सीटें बुक करवाकर ही संतुष्ट हो गए।

यह शो हद से ज़्यादा उबाऊ था—या शायद सिर्फ़ मेरे मूड की वजह से ऐसा लग रहा था। जापानी परिवार बड़ी मुश्किल से संतुलन बनाए हुए थे, हरे रंग की शाम की पोशाक और करीने से संवारे हुए बालों वाले दिखावटी फैशनेबल पुरुष समाज की बातें दोहराते और शानदार नृत्य करते नज़र आए, तगड़ी गायिकाएँ अपनी ऊँची आवाज़ में गाती रहीं, और एक हास्य कलाकार जॉर्ज रोबे बनने की कोशिश करता रहा और बुरी तरह नाकाम रहा।

आखिरकार वो नंबर आया जिसने डुल्सिबेला किड्स के आने की घोषणा की। मेरा दिल ज़ोर से धड़कने लगा। वो वहाँ थी—वो दोनों वहाँ थीं, एक सुनहरे बालों वाली, दूसरी सांवली, कद में एक जैसी, छोटी-छोटी रोएँदार स्कर्ट और बड़े-बड़े भूरे रंग के रिबन पहने हुए। वे बेहद आकर्षक बच्चे लग रहे थे। उन्होंने गाना शुरू किया। उनकी आवाज़ें ताज़ी और सुरीली थीं, थोड़ी पतली और संगीत हॉल जैसी, लेकिन मनमोहक।

यह एक बेहद खूबसूरत प्रस्तुति थी। उन्होंने बड़ी कुशलता से नृत्य किया और कुछ चतुराई भरे करतब दिखाए। उनके गीतों के बोल स्पष्ट और आकर्षक थे। जब कार्यक्रम समाप्त हुआ, तो जोरदार तालियों की गड़गड़ाहट हुई। स्पष्ट था कि डुल्सिबेला किड्स सफल रहे।

अचानक मुझे लगा कि मैं अब और नहीं रुक सकता। मुझे बाहर निकलकर खुली हवा में जाना होगा। मैंने पोइरोट को जाने का सुझाव दिया।

“ज़रूर जाओ, मेरे दोस्त। मैं अपना मनोरंजन कर रहा हूँ और अंत तक यहीं रहूँगा। मैं बाद में तुमसे मिलूँगा।”

थिएटर से होटल तक बस कुछ ही कदम थे। मैं बैठक में गया, व्हिस्की और सोडा मंगवाया और खाली अंगीठी को टकटकी लगाकर उसे पीता रहा। मैंने दरवाजा खुलने की आवाज सुनी और सोचा कि पोइरोट होगा, इसलिए मैंने सिर घुमाया। फिर मैं उछल पड़ा। दरवाजे पर सिंड्रेला खड़ी थी। वह रुक-रुक कर बोल रही थी, उसकी सांसें छोटी-छोटी आ रही थीं।

“मैंने तुम्हें आगे देखा। तुम और तुम्हारा दोस्त। जब तुम जाने के लिए उठे, तो मैं बाहर इंतज़ार कर रहा था और तुम्हारे पीछे-पीछे आया। तुम यहाँ क्यों हो—कोवेंट्री में? आज रात तुम वहाँ क्या कर रहे थे? क्या तुम्हारे साथ जो आदमी था, वही जासूस है?”
वह वहीं खड़ी थी, उसके स्टेज ड्रेस के ऊपर लिपटा हुआ लबादा उसके कंधों से फिसल रहा था। मैंने उसके गालों की सफेदी देखी, जो रूज के नीचे छिपी थी, और उसकी आवाज़ में दहशत सुनी। और उस पल मुझे सब कुछ समझ आ गया—समझ आ गया कि पोइरोट उसे क्यों ढूंढ रहा था, वह किस बात से डर रही थी, और आखिरकार मुझे अपने दिल की बात भी समझ आ गई।
“हां,” मैंने धीरे से कहा।
"क्या वह मुझे ढूंढ रहा है?" उसने धीमी आवाज़ में पूछा।
फिर, जब मैंने एक पल के लिए कोई जवाब नहीं दिया, तो वह बड़ी कुर्सी के पास नीचे खिसक गई और फूट-फूटकर, कड़वे स्वर में रोने लगी।
मैं उसके पास घुटनों के बल बैठ गया, उसे अपनी बाहों में भर लिया और उसके चेहरे से बालों को पीछे की ओर हटाया।
“रो मत, बच्ची, रो मत, भगवान के लिए। तुम यहाँ सुरक्षित हो। मैं तुम्हारा ख्याल रखूँगी। रो मत, प्यारी। रो मत। मुझे पता है—मुझे सब पता है।”
"अरे, लेकिन आप ऐसा नहीं करते!"
“मुझे लगता है कि मैंने किया।” और कुछ देर बाद, जब उसकी सिसकियाँ धीमी पड़ने लगीं, तो मैंने पूछा:
“खंजर तो तुमने ही लिया था, है ना?”
"हाँ।"
“इसीलिए तो तुम चाहते थे कि मैं तुम्हें चारों ओर घुमाऊं? और इसीलिए तुमने बेहोश होने का नाटक किया?”
उसने फिर सिर हिलाया। उस क्षण मेरे मन में यह अजीब सा विचार आया, लेकिन अचानक मेरे मन में यह बात आई कि मुझे खुशी है कि उसका इरादा वही था जो था—न कि वह व्यर्थ और निरर्थक जिज्ञासा जिसका आरोप मैंने उस समय उस पर लगाया था। उस दिन उसने कितनी बहादुरी से अपनी भूमिका निभाई थी, जबकि वह भीतर ही भीतर भय और घबराहट से व्याकुल रही होगी। बेचारी छोटी सी आत्मा, एक क्षणिक आवेगपूर्ण कार्रवाई का बोझ उठा रही थी।
मैंने थोड़ी देर बाद पूछा, "तुमने खंजर क्यों लिया?"
उसने बच्चे की तरह सरलता से जवाब दिया:
मुझे डर था कि कहीं उस पर उंगलियों के निशान न हों।
लेकिन क्या आपको याद नहीं था कि आपने दस्ताने पहने थे?
उसने अचंभित होकर अपना सिर हिलाया और फिर धीरे से बोली:
क्या तुम मुझे पुलिस के हवाले करने वाले हो?

“हे भगवान! नहीं।”
उसकी आँखें लंबे समय तक और गंभीरता से मेरी आँखों में देखती रहीं, और फिर उसने धीमी, शांत आवाज़ में पूछा, जो मानो खुद से ही डरी हुई लग रही थी:
"क्यों नहीं?"
प्यार का इज़हार करने के लिए वह जगह और समय दोनों ही अजीब लग रहे थे— और भगवान जानता है, मैंने अपनी कल्पना में भी कभी नहीं सोचा था कि प्यार इस रूप में मेरे पास आएगा। लेकिन मैंने सीधे और स्वाभाविक ढंग से जवाब दिया:
"क्योंकि मैं तुमसे प्यार करता हूँ, सिंड्रेला।"
उसने शर्म से अपना सिर नीचे झुका लिया और टूटी हुई आवाज में बुदबुदाई:
“तुम ऐसा नहीं कर सकते—तुम ऐसा नहीं कर सकते—अगर तुम्हें पता होता तो—” और फिर, मानो खुद को संभालते हुए, उसने सीधे मेरी ओर देखा और पूछा:
तो फिर आपको क्या पता है?
“मुझे पता है कि आप उस रात मिस्टर रेनॉल्ड से मिलने आए थे। उन्होंने आपको एक चेक दिया और आपने उसे गुस्से में फाड़ दिया। फिर आप घर से चले गए—” मैं रुक गया।
"आगे क्या?"
मुझे नहीं पता कि आपको पता था कि जैक रेनॉल्ड उस रात आने वाला है, या आप बस उसे देखने के मौके की प्रतीक्षा कर रहे थे, लेकिन आप प्रतीक्षा तो कर ही रहे थे। शायद आप दुखी थे और यूं ही इधर-उधर भटक रहे थे—लेकिन किसी भी हालत में बारह बजने से ठीक पहले आप वहीं आसपास थे, और आपने गोल्फ कोर्स पर एक आदमी को देखा—"
मैं फिर रुक गया। उसके कमरे में प्रवेश करते ही मैं पल भर में सच्चाई पर पहुँच गया था, लेकिन अब तस्वीर मेरे सामने और भी अधिक स्पष्ट रूप से उभर आई। मैंने श्री रेनॉल्ड के मृत शरीर पर ओवरकोट का विशिष्ट पैटर्न स्पष्ट रूप से देखा, और मुझे वह अद्भुत समानता याद आई जिसने मुझे एक पल के लिए यह विश्वास दिला दिया था कि मृत व्यक्ति जी उठा है, जब उसका बेटा अचानक हमारे बैठक कक्ष में आ पहुँचा था।
“आगे बोलो,” लड़की ने स्थिर स्वर में दोहराया।
“मुझे लगता है उसकी पीठ तुम्हारी तरफ थी—लेकिन तुमने उसे पहचान लिया, या तुम्हें लगा कि तुमने उसे पहचान लिया है। उसकी चाल और हाव-भाव तुम्हें जाने-पहचाने लगे, और उसके ओवरकोट का डिज़ाइन भी।” मैं रुका। “पेरिस से आते समय ट्रेन में तुमने मुझे बताया था कि तुम्हारी रगों में इतालवी खून है, और एक बार इसी वजह से तुम लगभग मुसीबत में पड़ गई थी। तुमने जैक रेनॉल्ड को लिखे एक पत्र में धमकी दी थी। जब तुमने उसे वहाँ देखा, तो तुम्हारा गुस्सा और ईर्ष्या तुम पर हावी हो गई—और तुमने उस पर हमला कर दिया! मुझे एक पल के लिए भी यकीन नहीं होता कि तुम्हारा इरादा उसे जान से मारने का था। लेकिन तुमने उसे मार डाला, सिंड्रेला।”

उसने अपने चेहरे को ढकने के लिए अपने हाथ ऊपर उठा लिए और रुंधी हुई आवाज में बोली:
“तुम सही कह रहे हो... तुम सही कह रहे हो... जैसा तुम बता रहे हो, मुझे सब कुछ समझ आ रहा है।” फिर वो लगभग बेरहमी से मेरी तरफ मुड़ी। “और तुम मुझसे प्यार करते हो? जो तुम जानते हो, उसके बावजूद तुम मुझसे प्यार कैसे कर सकते हो?”
“मुझे नहीं पता,” मैंने थोड़ी थकी हुई आवाज़ में कहा। “मुझे लगता है प्यार ऐसा ही होता है—एक ऐसी चीज़ जिसे हम रोक नहीं सकते। मैंने कोशिश की है, मुझे पता है—जबसे मैं तुमसे पहली बार मिली थी। और प्यार मेरे लिए बहुत प्रबल रहा है।”
और फिर अचानक, जब मुझे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं थी, वह फिर से फूट-फूट कर रोने लगी, खुद को फर्श पर गिरा दिया और बेतहाशा रोने लगी।
“ओह, मैं नहीं कर सकती!” वह रो पड़ी। “मुझे नहीं पता क्या करूं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि किस तरफ जाऊं। हे भगवान, मुझ पर दया करो, मुझ पर दया करो, कोई तो मुझे बताओ कि मुझे क्या करना चाहिए!”
मैं फिर से उसके पास घुटनों के बल बैठ गया और यथासंभव उसे दिलासा देने लगा।
“मुझसे मत डरो, बेला। भगवान के लिए, मुझसे मत डरो। मैं तुमसे प्यार करता हूँ, यह सच है—लेकिन बदले में मुझे कुछ नहीं चाहिए। बस मुझे तुम्हारी मदद करने दो। अगर तुम्हें उससे प्यार करना ही है, तो करो, लेकिन मुझे तुम्हारी मदद करने दो क्योंकि वह नहीं कर सकता।”
ऐसा लगा मानो मेरे शब्दों से वह पत्थर की तरह जम गई हो। उसने अपने हाथों से सिर उठाया और मुझे घूरने लगी।
“क्या तुम्हें ऐसा लगता है?” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “क्या तुम्हें लगता है कि मैं जैक रेनॉल्ड से प्यार करती हूँ?”
फिर, आधी हंसते हुए, आधी रोते हुए, उसने जोश से अपनी बाहें मेरी गर्दन के चारों ओर लपेट लीं और अपना प्यारा सा नम चेहरा मेरे चेहरे से सटा दिया।
“मैं तुमसे जितना प्यार करती हूँ, उतना नहीं,” उसने फुसफुसाते हुए कहा। “कभी नहीं, जितना मैं तुमसे प्यार करती हूँ!”
उसके होंठ मेरे गालों को छू गए, और फिर, मेरे होंठों को खोजते हुए, उसने मुझे बार-बार चूमा, एक ऐसी मिठास और जोश के साथ जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। उस चुंबन की बेबाकी—और उस आश्चर्य को मैं कभी नहीं भूलूंगा—नहीं, जब तक मैं जीवित रहूंगा!
दरवाजे से आई एक आवाज ने हमें ऊपर देखने के लिए मजबूर कर दिया। पोइरोट वहां खड़े होकर हमारी ओर देख रहे थे।
मैंने जरा भी संकोच नहीं किया। एक छलांग में मैं उसके पास पहुंचा और उसकी बाहों को उसके बगल में जकड़ लिया।
मैंने उस लड़की से कहा, "जल्दी करो। यहाँ से निकल जाओ। जितनी जल्दी हो सके। मैं उसे पकड़ लूँगा।"

मेरी तरफ देखते ही वह कमरे से बाहर भाग गई। मैंने पोइरोट को लोहे की पकड़ में जकड़ रखा था।
“मेरे दोस्त,” दूसरे ने नरमी से कहा, “तुम ये सब बहुत अच्छे से करते हो। बलवान आदमी मुझे अपनी पकड़ में लिए हुए है और मैं बच्चे की तरह असहाय हूँ। लेकिन ये सब थोड़ा अजीब और हास्यास्पद है। चलो बैठो और शांत हो जाओ।”
“तुम उसका पीछा नहीं करोगे?”
“हे भगवान! नहीं। क्या मैं गिराउड हूँ? मुझे छोड़ दो, मेरे दोस्त।”
पोइरोट को यह जानकर सम्मान देने के लिए कि मैं बुद्धिमत्ता में उनका मुकाबला नहीं कर सकता, मैंने उन पर संदेह भरी नजर रखी और अपनी पकड़ ढीली कर दी, और वह एक आरामकुर्सी में धंस गए, कोमलता से अपनी बाहों को सहलाते हुए।
"हेस्टिंग्स, जब तुम उत्तेजित होते हो तो तुम बैल की तरह ताकतवर हो जाते हो! अच्छा, और क्या तुम्हें लगता है कि तुमने अपने पुराने दोस्त के साथ अच्छा व्यवहार किया है? मैं तुम्हें उस लड़की की तस्वीर दिखाता हूँ और तुम उसे पहचान लेते हो, लेकिन एक शब्द भी नहीं बोलते।"
“अगर आपको पता था कि मैं इसे पहचानता हूँ, तो इसकी कोई ज़रूरत ही नहीं थी,” मैंने थोड़ी कड़वाहट से कहा। तो पोइरोट को सब पता था! मैंने उसे एक पल के लिए भी धोखा नहीं दिया था।
“वाह! तुम्हें पता नहीं था कि मुझे यह पता है। और आज रात तुम उस लड़की को भागने में मदद कर रहे हो, जबकि हमने उसे इतनी मुश्किल में पाया है! अरे वाह! बात यहाँ तक आ गई है—क्या तुम मेरे साथ काम करोगे या मेरे खिलाफ, हेस्टिंग्स?”
एक-दो पल के लिए मैंने कोई जवाब नहीं दिया। अपने पुराने दोस्त से नाता तोड़ना मेरे लिए बहुत कष्टदायक था। फिर भी मुझे उससे मुकाबला करना ही था। क्या वह मुझे कभी माफ़ करेगा, मैंने सोचा? अब तक वह अजीब तरह से शांत था, लेकिन मैं जानता था कि उसमें अद्भुत आत्म-नियंत्रण था।
मैंने कहा, "पोइरोट, मुझे खेद है। मैं स्वीकार करता हूँ कि मैंने इस मामले में आपके साथ बुरा व्यवहार किया है। लेकिन कभी-कभी कोई विकल्प नहीं होता। और भविष्य में मुझे अपना रास्ता खुद तय करना होगा।"
पोइरोट ने कई बार सिर हिलाया।
“मैं समझ गया,” उसने कहा। उसकी आँखों से व्यंग्य भरी चमक पूरी तरह गायब हो चुकी थी, और उसने जिस ईमानदारी और दयालुता से बात की, उसने मुझे आश्चर्यचकित कर दिया। “यही तो है, मेरे मित्र, है ना? यह प्रेम है जो आ गया है—जैसा तुमने कल्पना की थी, वैसा नहीं, बल्कि दुख की बात है, खून से लथपथ पैरों के साथ। अच्छा, अच्छा—मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी। जब मुझे एहसास हुआ कि इस लड़की ने ही खंजर लिया होगा, तो मैंने तुम्हें चेतावनी दी थी। शायद तुम्हें याद हो। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। लेकिन, मुझे बताओ, तुम्हें कितना पता है?”
मैंने सीधे उसकी आंखों में देखा।

“पोइरोट, आप जो कुछ भी मुझे बताएंगे, उससे मुझे कोई हैरानी नहीं होगी। यह बात समझ लीजिए। लेकिन अगर आप मिस डुवीन की तलाश फिर से शुरू करने का सोच रहे हैं, तो मैं चाहता हूं कि आप एक बात स्पष्ट रूप से जान लें। अगर आपको लगता है कि वह अपराध में शामिल थीं, या वही रहस्यमयी महिला थीं जो उस रात मिस्टर रेनॉल्ड से मिलने आई थीं, तो आप गलत हैं। मैं उस दिन उनके साथ फ्रांस से घर लौटा था, और उसी शाम विक्टोरिया में उनसे अलग हो गया था, इसलिए यह स्पष्ट रूप से असंभव है कि वह मर्लिनविले में थीं।”

“आह!” पोइरोट ने मेरी ओर सोच-विचार करते हुए देखा। “और तुम अदालत में इस बात की कसम खाओगे?”

मैं निश्चित रूप से ऐसा करूंगा।

पोइरोट उठे और झुककर अभिवादन किया।

“मेरे दोस्त! प्यार जिंदाबाद! यह चमत्कार कर सकता है। तुमने जो सोचा है वह वाकई अद्भुत है। यह तो हरक्यूल पोइरोट को भी मात दे सकता है!”

23

आगे कठिनाइयाँ हैं

जैसा मैंने अभी बताया, तनाव भरे क्षण के बाद प्रतिक्रिया होना स्वाभाविक है। उस रात मैं जीत की भावना के साथ सोने गया, लेकिन जब जागा तो मुझे एहसास हुआ कि मैं अभी भी पूरी तरह से खतरे से बाहर नहीं हूँ। सच है, मैंने जो बहाना अचानक बनाया था, उसमें मुझे कोई कमी नहीं दिख रही थी। मुझे बस अपनी कहानी पर अड़े रहना था, और मुझे समझ नहीं आ रहा था कि बेला को इसके सामने कैसे दोषी ठहराया जा सकता है। ऐसा तो था नहीं कि हमारे बीच कोई पुरानी दोस्ती थी जिसे कुरेदकर उन्हें यह शक हो कि मैं झूठी गवाही दे रहा हूँ। यह साबित किया जा सकता था कि असल में मैंने उस लड़की को सिर्फ तीन बार देखा था। नहीं, मैं अब भी अपने विचार से संतुष्ट था—क्या पोइरोट ने भी यह स्वीकार नहीं किया था कि यह उनके लिए कारगर नहीं था?

लेकिन वहाँ मुझे सावधानी बरतने की ज़रूरत महसूस हुई। मेरे छोटे दोस्त का क्षण भर के लिए घबरा जाना स्वाभाविक था। मुझे उसकी क्षमताओं पर इतना भरोसा था कि मैं यह सोच भी नहीं सकता था कि वह इस स्थिति में संतुष्ट रहेगा। जब बात उसकी बुद्धि से मुकाबला करने की आती थी, तो मैं अपनी बुद्धि को बहुत कमतर समझता था। पोइरोट हार आसानी से स्वीकार नहीं करेगा। किसी न किसी तरह, वह मुझ पर पलटवार करने की कोशिश करेगा, और वह भी ठीक उसी तरह और उसी समय, जब मुझे इसकी बिल्कुल भी उम्मीद नहीं होगी।

अगली सुबह नाश्ते पर हमारी मुलाकात ऐसे हुई मानो कुछ हुआ ही न हो। पोइरोट का स्वभाव शांत था, फिर भी मुझे उनके व्यवहार में एक नया संकोच सा महसूस हुआ। नाश्ते के बाद मैंने टहलने जाने का इरादा जताया। पोइरोट की आँखों में एक शरारती चमक दिखाई दी।

“यदि आप जानकारी चाहते हैं, तो आपको परेशान होने की आवश्यकता नहीं है। मैं आपको वह सब कुछ बता सकता हूँ जो आप जानना चाहते हैं। डुल्सिबेला सिस्टर्स ने अपना अनुबंध रद्द कर दिया है और कोवेंट्री छोड़कर एक अज्ञात स्थान के लिए रवाना हो गई हैं।”

"क्या सचमुच ऐसा है, पोइरोट?"

"हेस्टिंग्स, आप मेरी बात मानिए। मैंने आज सुबह सबसे पहले पूछताछ की। आखिर आप और क्या उम्मीद कर रहे थे?"

सच ही था, इन परिस्थितियों में और कुछ उम्मीद नहीं की जा सकती थी। सिंड्रेला को मेरे आश्वासन से मिली थोड़ी सी घबराहट का फायदा मिल गया था, और वह पीछा करने वाले की पहुँच से बचने में एक पल भी नहीं गंवाएगी। यही मेरा इरादा और योजना थी। फिर भी, मैं इस बात से अवगत था कि मैं नई मुश्किलों के जाल में फँसने वाला हूँ।

मेरे पास उस लड़की से संपर्क करने का कोई साधन नहीं था, और यह अत्यंत आवश्यक था कि उसे मेरी बचाव रणनीति के बारे में पता चले, जिसे मैं अपनाने के लिए तैयार था। बेशक, यह संभव था कि वह किसी न किसी तरह से मुझे संदेश भेजने की कोशिश करे, लेकिन मुझे इसकी संभावना बहुत कम लगती थी। उसे पता होगा कि पोइरोट द्वारा संदेश को रोके जाने का कितना खतरा है, जिससे वह एक बार फिर उसका पीछा करने लगेगा। स्पष्ट रूप से उसके पास एकमात्र रास्ता यही था कि वह फिलहाल पूरी तरह से गायब हो जाए।

लेकिन, इसी बीच पोइरोट क्या कर रहे थे? मैंने उन्हें ध्यान से देखा। वे अपने सबसे भोले-भाले अंदाज़ में दूर कहीं टकटकी लगाए देख रहे थे। उनका शांत और स्थिर रूप मुझे बिल्कुल भी आश्वस्त नहीं कर रहा था। पोइरोट के साथ मैंने यह सीख लिया था कि वे जितने कम खतरनाक दिखते हैं, उतने ही खतरनाक होते हैं। उनकी शांति ने मुझे चिंतित कर दिया। मेरी नज़र में परेशानी देखकर वे सौम्य मुस्कान के साथ मुस्कुराए।

"क्या तुम असमंजस में हो, हेस्टिंग्स? क्या तुम खुद से पूछ रहे हो कि मैं उसका पीछा क्यों नहीं करता?"

"हाँ—कुछ इसी तरह का।"

“अगर आप मेरी जगह होते, तो आप भी यही करते। मैं समझता हूँ। लेकिन मैं उन लोगों में से नहीं हूँ जो किसी भूसे के ढेर में सुई ढूँढ़ने के लिए इधर-उधर भागते फिरते हैं, जैसा कि आप अंग्रेज कहते हैं। नहीं—मैडम बेला डुवीन को जाने दीजिए। मुझे पूरा यकीन है कि समय आने पर मैं उन्हें ढूँढ़ लूँगा। तब तक, मैं इंतज़ार करने में संतुष्ट हूँ।”

मैंने संदेह भरी निगाहों से उसे देखा। क्या वह मुझे गुमराह करने की कोशिश कर रहा था? मुझे एक अजीब सी बेचैनी महसूस हो रही थी कि अब भी वही स्थिति को अपने नियंत्रण में रखे हुए है। मेरी श्रेष्ठता का भाव धीरे-धीरे कम हो रहा था। मैंने लड़की के भागने की योजना बनाई थी और उसके जल्दबाजी भरे कृत्य के परिणामों से उसे बचाने के लिए एक शानदार रणनीति भी तैयार की थी—लेकिन मैं मन ही मन चैन से नहीं रह पा रहा था। पोइरोट की पूर्ण शांति ने मेरे मन में हजारों आशंकाएं जगा दीं।

मैंने कुछ संकोच के साथ कहा, "मुझे लगता है, पोइरोट, मुझे यह नहीं पूछना चाहिए कि आपकी योजनाएँ क्या हैं? मैंने यह अधिकार खो दिया है।"

लेकिन ऐसा बिल्कुल नहीं है। इनमें कोई रहस्य नहीं है। हम बिना देरी किए फ्रांस लौटेंगे।

"हम?"

“बिल्कुल सही—‘हम!’ आप अच्छी तरह जानते हैं कि आप पापा पोइरोट को अपनी नज़रों से ओझल नहीं होने दे सकते। है ना, मेरे दोस्त? लेकिन अगर आप चाहें तो हर हाल में इंग्लैंड में ही रहें—”

मैंने अपना सिर हिलाया। उसने बिलकुल सही बात कही थी। मैं उसे अपनी नज़रों से ओझल नहीं होने दे सकता था। हालाँकि जो कुछ हुआ था उसके बाद मैं उसके भरोसे की उम्मीद नहीं कर सकता था, फिर भी मैं उसके कार्यों पर नज़र रख सकता था। बेला के लिए एकमात्र खतरा उसी से था। गिराउड और फ्रांसीसी पुलिस को बेला की कोई परवाह नहीं थी। हर हाल में मुझे पोइरोट के पास रहना होगा।
जब ये विचार मेरे मन में चल रहे थे, तब पोइरोट ने मुझे ध्यान से देखा और संतुष्टि से सिर हिलाया।
“मैं सही हूँ, है ना? और चूंकि आप नकली दाढ़ी जैसी किसी बेतुकी चीज़ का इस्तेमाल करके मेरा पीछा करने में पूरी तरह सक्षम हैं—जिसे हर कोई आसानी से पहचान लेगा—इसलिए मैं चाहता हूँ कि हम साथ-साथ यात्रा करें। मुझे बहुत बुरा लगेगा अगर कोई आपका मज़ाक उड़ाए।”
“ठीक है, तो फिर। लेकिन आपको चेतावनी देना उचित होगा—”
“मैं जानता हूँ—मैं सब जानता हूँ। तुम मेरे दुश्मन हो! तो फिर मेरे दुश्मन बने रहो। मुझे इससे ज़रा भी चिंता नहीं है।”
"जब तक सब कुछ निष्पक्ष और पारदर्शी है, मुझे कोई आपत्ति नहीं है।"
“तुममें ‘निष्पक्ष खेल’ के लिए अंग्रेजों का पूरा जुनून है! अब जब तुम्हारी शंकाएं दूर हो गई हैं, तो चलो तुरंत चलते हैं। समय बर्बाद करने का कोई समय नहीं है। इंग्लैंड में हमारा प्रवास संक्षिप्त लेकिन पर्याप्त रहा। मुझे पता है—जो मैं जानना चाहता था।”
लहजा हल्का था, लेकिन मैंने शब्दों में एक छिपी हुई धमकी को महसूस किया।
“फिर भी—” मैंने कहना शुरू किया और रुक गया।
“फिर भी—जैसा कि आप कहते हैं! निःसंदेह आप अपनी भूमिका से संतुष्ट हैं। मैं तो जैक रेनॉल्ड के बारे में ही सोचता रहता हूँ।”
जैक रेनॉल्ड! ये शब्द सुनकर मैं चौंक गया। मैं इस मामले के इस पहलू को पूरी तरह भूल चुका था। जैक रेनॉल्ड जेल में, और उसके सिर पर फांसी की तलवार मंडरा रही थी! मुझे अपनी भूमिका और भी भयावह लगने लगी। मैं बेला को बचा सकता था—हाँ, लेकिन ऐसा करने में मैं एक निर्दोष व्यक्ति को मौत के मुंह में भेजने का जोखिम उठा रहा था।
मैंने उस विचार को भय से दूर धकेल दिया। ऐसा हो ही नहीं सकता। वह बरी हो जाएगा। निश्चित रूप से वह बरी हो जाएगा! लेकिन वह ठंडा डर फिर लौट आया। मान लीजिए कि वह बरी नहीं हुआ? तब क्या होगा? क्या यह मेरे अंतरात्मा पर बोझ बनेगा— भयानक विचार! क्या अंत में यही स्थिति आएगी? एक फैसला। बेला या जैक रेनॉल्ड? मेरे दिल की आवाज़ कह रही थी कि मैं अपनी प्रेमिका को किसी भी कीमत पर बचाऊं। लेकिन, अगर यह कीमत किसी और को चुकानी पड़ी, तो समस्या बदल जाएगी।
वह लड़की खुद क्या कहेगी? मुझे याद आया कि जैक रेनॉल्ड की गिरफ्तारी की खबर मेरे मुंह से एक शब्द भी नहीं निकली थी। अभी तक उसे इस बात की बिल्कुल भी जानकारी नहीं थी कि उसका पूर्व प्रेमी एक ऐसे जघन्य अपराध के आरोप में जेल में है जो उसने किया ही नहीं था। जब उसे पता चलेगा, तो वह क्या करेगी?

क्या वह अपनी जान बचाने के लिए उसकी जान की कीमत चुकाने देगी? निश्चित रूप से उसे कोई जल्दबाजी वाला कदम नहीं उठाना चाहिए। जैक रेनॉल्ड को उसकी किसी भी दखल के बिना बरी किया जा सकता था, और शायद किया भी जाएगा। अगर ऐसा हुआ तो अच्छा है। लेकिन अगर वह बरी नहीं हुआ... तो यही भयानक, अनसुलझी समस्या थी। मुझे लगता था कि उसे कड़ी सजा मिलने का कोई खतरा नहीं था। उसके मामले में अपराध की परिस्थितियां बिल्कुल अलग थीं। वह ईर्ष्या और अत्यधिक उकसावे का बहाना बना सकती थी, और उसकी जवानी और खूबसूरती उसके पक्ष में काफी मायने रखती। यह तथ्य कि एक दुखद गलती से बूढ़े मिस्टर रेनॉल्ड को सजा मिली, न कि उनके बेटे को, अपराध के मकसद को नहीं बदलेगा। लेकिन किसी भी मामले में, अदालत की सजा चाहे कितनी भी नरम क्यों न हो, इसका मतलब लंबी कैद ही होगा।

नहीं, बेला को बचाना ही होगा। और साथ ही, जैक रेनॉल्ड को भी बचाना होगा। यह कैसे होगा, यह मुझे स्पष्ट रूप से समझ नहीं आ रहा था। लेकिन मैंने पोइरोट पर पूरा भरोसा रखा। वह जानता था। चाहे कुछ भी हो जाए, वह एक निर्दोष व्यक्ति को बचा लेगा। उसे असली कारण के अलावा कोई और बहाना ढूंढना होगा। यह मुश्किल हो सकता है, लेकिन वह किसी न किसी तरह कर लेगा। और बेला पर शक न होने और जैक रेनॉल्ड के बरी होने से सब कुछ संतोषजनक ढंग से समाप्त हो जाएगा।

मैंने बार-बार खुद से यही कहा, लेकिन मेरे दिल की गहराई में अभी भी एक ठंडा डर बना हुआ था।

24

"उसे बचा लो!"

हम शाम की नाव से इंग्लैंड से रवाना हुए और अगली सुबह हम सेंट-ओमर पहुँच गए, जहाँ जैक रेनॉल्ड को ले जाया गया था। पोइरोट ने तुरंत एम. हाउटेट से मुलाकात की। चूंकि उन्हें मेरे साथ आने पर कोई आपत्ति नहीं थी, इसलिए मैं उनके साथ चला गया।

विभिन्न औपचारिकताओं और प्रारंभिक प्रक्रियाओं के बाद, हमें जांच मजिस्ट्रेट के कमरे में ले जाया गया। उन्होंने हमारा हार्दिक स्वागत किया।
मुझे बताया गया था कि आप इंग्लैंड लौट आए हैं, एम. पोइरोट। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि ऐसा नहीं है।
“यह सच है कि मैं वहां गया था, माननीय न्यायाधीश महोदय, लेकिन यह केवल एक संक्षिप्त यात्रा थी। एक मामूली मुद्दा, लेकिन मुझे लगा कि इसकी जांच करना सार्थक हो सकता है।”
“और ऐसा हुआ भी—है ना?”
पोइरोट ने अपने कंधे उचका दिए। एम. हाउटेट ने आह भरते हुए सिर हिलाया।
“मुझे डर है कि हमें हार मान लेनी चाहिए। वह जानवर गिराउड, उसके तौर-तरीके बेहद घिनौने हैं, लेकिन वह निस्संदेह चालाक है! उसके गलती करने की संभावना बहुत कम है।”
“क्या आपको ऐसा नहीं लगता, माननीय न्यायाधीश?”
अब जांच मजिस्ट्रेट की बारी थी कि वह अपने कंधे उचका दे।
“Eh bien, speaking frankly—in confidence, c’est entendu—can you come to any other conclusion?”
"सच कहूँ तो, माननीय न्यायाधीश महोदय, मुझे कई ऐसे बिंदु प्रतीत होते हैं जो अस्पष्ट हैं।"
"जैसे कि-?"
लेकिन पोइरोट इस मामले में उलझने को तैयार नहीं थे।
“मैंने अभी तक उनका ब्यौरा नहीं तैयार किया है,” उन्होंने कहा। “यह मेरा एक सामान्य विचार था। मुझे वह युवक पसंद था, और यह जानकर मुझे बहुत दुख होगा कि वह इतने जघन्य अपराध का दोषी है। वैसे, इस मामले में उसका क्या कहना है?”
मजिस्ट्रेट ने भौंहें चढ़ाईं।
“मैं उसे समझ नहीं पा रहा हूँ। वह किसी भी तरह का बचाव करने में असमर्थ लगता है। उससे सवाल पूछना बहुत मुश्किल हो रहा है। वह बस सामान्य इनकार कर देता है, और उसके बाद तो वह पूरी तरह से चुप रहता है। मैं कल उससे फिर पूछताछ करूँगा; शायद आप उपस्थित रहना चाहेंगे?”
हमने अत्यंत विनम्रता के साथ निमंत्रण स्वीकार किया।
“यह एक दुखद मामला है,” मजिस्ट्रेट ने आह भरते हुए कहा। “मैडम रेनॉल्ड के प्रति मेरी गहरी सहानुभूति है।”
“मैडम रेनॉल्ड कैसी हैं?”
“उसे अभी तक होश नहीं आया है। एक तरह से यह राहत की बात है, बेचारी, उसे बहुत कुछ झेलना पड़ा है। डॉक्टरों का कहना है कि कोई खतरा नहीं है, लेकिन जब उसे होश आएगा तो उसे यथासंभव शांत रखना होगा। मुझे पता चला है कि गिरने के साथ-साथ सदमे ने भी उसकी इस हालत का कारण बनाया है। अगर

उसका दिमाग खराब हो जाए तो यह भयानक होगा; लेकिन मुझे इस पर बिल्कुल भी आश्चर्य नहीं होगा—नहीं, सच में, बिल्कुल भी नहीं।"

एम. हौटेट उदास आनंद के भाव से सिर हिलाते हुए पीछे की ओर झुक गए, क्योंकि उन्होंने उस निराशाजनक संभावना की कल्पना की थी।

आखिरकार वह होश में आया और चौंककर देखने लगा।

"यह सुनकर मुझे याद आया। मेरे पास आपके लिए एक पत्र है, श्रीमान पोइरोट। मुझे देखने दीजिए, मैंने इसे कहाँ रख दिया?"

वह अपने कागजात खंगालने लगा। आखिरकार उसे वह पत्र मिल गया और उसने उसे पोइरोट को सौंप दिया।

उन्होंने बताया, "यह मुझे गुप्त रूप से भेजा गया था ताकि मैं इसे आपको भेज सकूं। लेकिन चूंकि आपने अपना पता नहीं दिया, इसलिए मैं ऐसा नहीं कर सका।"

पोइरोट ने उत्सुकता से पत्र का अध्ययन किया। यह एक लंबी, घुमावदार, विदेशी लिखावट में लिखा गया था, और लिखावट स्पष्ट रूप से एक महिला की थी। पोइरोट ने इसे खोला नहीं। इसके बजाय उन्होंने इसे अपनी जेब में रखा और खड़े हो गए।

"तो कल मिलते हैं, माननीय न्यायाधीश महोदय। आपकी विनम्रता और सौहार्द के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद।"

लेकिन बिलकुल नहीं। मैं हमेशा आपकी सेवा में तत्पर हूँ। ये युवा जासूस, जो गिराउड के स्कूल से हैं, सब एक जैसे हैं—अशिष्ट, ताना मारने वाले लोग। उन्हें यह एहसास नहीं है कि मेरे जैसे अनुभवी जांच अधिकारी में एक खास समझ और एक खास हुनर होना स्वाभाविक है। आखिरकार! पुराने ज़माने की शिष्टता मुझे कहीं ज़्यादा पसंद है। इसलिए, मेरे प्रिय मित्र, आप मुझे जैसे चाहें वैसे आदेश दें। हम दोनों को कुछ न कुछ तो पता है—है ना?

और दिल खोलकर हंसते हुए, खुद से और हमसे मुग्ध होकर, एम. हाउटेट ने हमें विदाई दी। मुझे यह बताते हुए खेद हो रहा है कि गलियारे से गुजरते समय पोइरोट ने मुझसे सबसे पहले यही कहा:

"वह तो एक मशहूर बूढ़ा मंदबुद्धि है! दया करने की मूर्खता तो उसमें भी है!"

हम इमारत से बाहर निकल ही रहे थे कि अचानक हमारी मुलाकात गिराउड से हुई, जो पहले से कहीं ज्यादा सजे-धजे दिख रहे थे और खुद से बेहद खुश थे।

"अहा! श्री पोइरोट," उसने बेपरवाही से कहा। "तो आप इंग्लैंड से लौट आए हैं?"

"जैसा कि आप देख रहे हैं," पोइरोट ने कहा।

मुझे लगता है कि अब इस मामले का अंत ज्यादा दूर नहीं है।

"मैं आपसे सहमत हूँ, एम. गिराउड।"

पोइरोट ने धीमी आवाज़ में बात की। उनका उदास चेहरा देखकर सामने वाले को खुशी हुई।

“बेहद सीधे-सादे अपराधियों में से! खुद का बचाव करने का ज़रा भी ख्याल नहीं। यह तो असाधारण है!”
"यह इतना असाधारण है कि सोचने पर मजबूर कर देता है, है ना?" पोइरोट ने सौम्य स्वर में सुझाव दिया।
लेकिन गिराउड सुन तक नहीं रहा था। वह सौहार्दपूर्ण ढंग से अपनी छड़ी घुमा रहा था।
"शुभ दिन, श्री पोइरोट। मुझे खुशी है कि आप अंततः युवा रेनॉल्ड के अपराध से संतुष्ट हो गए हैं।"
"क्षमा कीजिए! लेकिन मैं बिल्कुल भी संतुष्ट नहीं हूँ। जैक रेनॉल्ड निर्दोष है।"
गिराउड एक पल के लिए घूरता रहा—फिर जोर से हंस पड़ा, और अपने सिर पर हल्के से हाथ मारते हुए बोला: "टोके!"
पोइरोट सजग हो गया। उसकी आँखों में एक खतरनाक चमक दिखाई दी।
“श्रीमान गिराउड, पूरे मामले के दौरान आपका मेरे प्रति व्यवहार जानबूझकर अपमानजनक रहा है! आपको सबक सिखाने की ज़रूरत है। मैं आपसे 500 फ्रैंक की शर्त लगाता हूँ कि मैं श्री रेनॉल्ड के हत्यारे को आपसे पहले ढूंढ लूँगा। क्या यह तय है?”
गिराउड असहाय होकर उसे देखता रहा और फिर बुदबुदाया:
"छूना!"
"अब बताओ," पोइरोट ने आग्रह किया, "क्या इस पर सहमति बन गई है?"
मुझे आपसे पैसे लेने की कोई इच्छा नहीं है।
"अपने मन को शांत कर लो—ऐसा नहीं होगा!"
"अच्छा, ठीक है, मैं सहमत हूँ! आप कहते हैं कि मेरा व्यवहार आपके प्रति अपमानजनक है। खैर, एक-दो बार आपके व्यवहार ने मुझे परेशान किया है।"
“यह सुनकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई,” पोइरोट ने कहा। “सुप्रभात, श्रीमान गिराउड। आइए, हेस्टिंग्स।”
सड़क पर चलते हुए मैंने एक शब्द भी नहीं कहा। मेरा दिल भारी था। पोइरोट ने अपने इरादे बहुत स्पष्ट रूप से ज़ाहिर कर दिए थे। बेला को उसके कृत्य के परिणामों से बचाने की अपनी क्षमता पर मुझे पहले से कहीं अधिक संदेह होने लगा था। गिराउड के साथ इस दुर्भाग्यपूर्ण मुठभेड़ ने पोइरोट को झकझोर दिया था और उसे अपनी पूरी क्षमता का इस्तेमाल करने के लिए प्रेरित किया था।
अचानक मुझे अपने कंधे पर किसी का हाथ महसूस हुआ और मैंने मुड़कर देखा तो सामने गैब्रियल स्टोनर थे। हम रुक गए और उनका अभिवादन किया, और उन्होंने हमारे साथ होटल तक टहलने का प्रस्ताव रखा।
“और आप यहाँ क्या कर रहे हैं, मिस्टर स्टोनर?” पोइरोट ने पूछा।
“हमें अपने दोस्तों का साथ देना चाहिए,” दूसरे ने रूखेपन से जवाब दिया। “खासकर तब जब उन पर अन्यायपूर्ण आरोप लगाए गए हों।”
“तो फिर आपको विश्वास नहीं है कि जैक रेनॉल्ड ने अपराध किया था?” मैंने उत्सुकता से पूछा।

“बिल्कुल नहीं। मैं उस लड़के को जानता हूँ। मैं मानता हूँ कि इस धंधे में एक-दो ऐसी बातें हुई हैं जिन्होंने मुझे पूरी तरह से चौंका दिया है, लेकिन फिर भी, भले ही वह इसे मूर्खतापूर्ण तरीके से ले रहा हो, मैं कभी यह नहीं मानूंगा कि जैक रेनॉल्ड एक हत्यारा है।”
सचिव के प्रति मेरा दिल प्रसन्न हो गया। उनके शब्दों से मानो मेरे दिल से एक गहरा बोझ उतर गया हो।
मैंने कहा, “मुझे इसमें कोई शक नहीं कि बहुत से लोग आपकी तरह ही महसूस करते हैं। उनके खिलाफ सबूत सचमुच बहुत कम हैं। बल्कि मैं कहूँ तो उनके बरी होने में कोई संदेह नहीं था—बिल्कुल भी संदेह नहीं।”
लेकिन स्टोनर ने मेरी उम्मीद के मुताबिक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।
“काश मैं भी आपकी तरह सोच पाता,” उसने गंभीरता से कहा। फिर वह पोइरोट की ओर मुड़ा। “महाशय, आपकी क्या राय है?”
"मुझे लगता है कि उसके खिलाफ हालात बहुत खराब दिख रहे हैं," पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा।
"क्या आपको लगता है कि वह दोषी है?" स्टोनर ने तीखे स्वर में कहा।
नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि उसके लिए अपनी बेगुनाही साबित करना मुश्किल होगा।
स्टोनर ने बुदबुदाते हुए कहा, “वह बहुत ही अजीब व्यवहार कर रहा है। बेशक मैं समझता हूँ कि इस मामले में जितना दिख रहा है उससे कहीं ज़्यादा कुछ है। गिराउड को इस बात का अंदाज़ा नहीं है क्योंकि वह बाहरी है, लेकिन यह सब कुछ बहुत ही अजीब रहा है। इस बारे में जितना कम कहा जाए उतना अच्छा है। अगर श्रीमती रेनॉल्ड कुछ छिपाना चाहती हैं, तो मैं उनकी बात मान लूँगा। यह उनका शो है, और मैं उनके फैसले का बहुत सम्मान करता हूँ, इसलिए मैं इसमें दखल नहीं देना चाहता, लेकिन जैक का यह रवैया मुझे समझ नहीं आ रहा। कोई भी सोचेगा कि वह दोषी कहलाना चाहता है।”
“लेकिन ये तो सरासर बेतुका है,” मैं चीखते हुए बोली। “एक तो वो खंजर—” मैं रुक गई, ये सोचकर कि पोइरोट मुझसे कितना खुलासा करवाना चाहेंगे। मैंने सोच-समझकर शब्दों का चुनाव करते हुए कहा, “हम जानते हैं कि उस शाम वो खंजर जैक रेनॉल्ड के पास नहीं हो सकता था। श्रीमती रेनॉल्ड ये बात जानती हैं।”
“सच है,” स्टोनर ने कहा। “जब वह ठीक हो जाएगी, तो वह निस्संदेह ये सब और भी बहुत कुछ कहेगी। अच्छा, मुझे अब जाना होगा।”
“एक पल रुकिए।” पोइरोट ने अपना हाथ रोककर उनसे कहा, “क्या आप यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि अगर मैडम रेनॉल्ड को होश आ जाए तो मुझे तुरंत सूचना भेज दी जाए?”
“बिल्कुल। यह आसानी से हो जाएगा।”
“पोइरोट, खंजर वाली बात तो सही है,” मैंने ऊपर जाते हुए कहा। “मैं स्टोनर के सामने ठीक से बोल नहीं पा रहा था।”

“आपने बिलकुल सही कहा। बेहतर यही होगा कि हम इस जानकारी को यथासंभव अपने तक ही सीमित रखें। जहाँ तक खंजर की बात है, आपकी बात से जैक रेनॉल्ड को कोई मदद नहीं मिलेगी। आपको याद है ना कि लंदन से रवाना होने से पहले आज सुबह मैं एक घंटे के लिए अनुपस्थित था?”
"हाँ?"
“खैर, मुझे उस फर्म को ढूंढने का काम सौंपा गया था जिसे जैक रेनॉल्ड ने अपने स्मृति चिन्हों को परिवर्तित करने के लिए नियुक्त किया था। यह बहुत मुश्किल नहीं था। खैर, हेस्टिंग्स, उन्होंने उनके आदेश पर दो नहीं, बल्कि तीन पेपर-चाकू बनाए।”
"ताकि-?"
“तो, अपनी माँ को एक और बेला डुवीन को एक देने के बाद, तीसरा चाकू उसने निस्संदेह अपने लिए रख लिया होगा। नहीं, हेस्टिंग्स, मुझे डर है कि चाकू का सवाल उसे गिलोटिन से बचाने में हमारी मदद नहीं करेगा।”
“ऐसा नहीं होगा,” मैं आहत होकर रो पड़ी।
पोइरोट ने अनिश्चितता से अपना सिर हिलाया।
मैंने पूरे विश्वास के साथ कहा, "तुम उसे बचा लोगे।"
पोइरोट ने मेरी ओर रूखेपन से देखा।
"क्या तुमने इसे असंभव नहीं बना दिया, मेरे मित्र?"
मैंने बुदबुदाते हुए कहा, "कोई और तरीका।"
“आह! सप्रिस्टी! लेकिन आप मुझसे चमत्कार की अपेक्षा कर रहे हैं। नहीं—और कुछ मत कहिए। चलिए देखते हैं इस पत्र में क्या लिखा है।”
और उसने अपनी जेब से लिफाफा निकाला।
पढ़ते समय उनके चेहरे पर शिकन आ गई, फिर उन्होंने वह पतला सा पन्ना मुझे थमा दिया।
"दुनिया में और भी महिलाएं हैं जो पीड़ा झेलती हैं, हेस्टिंग्स।"
लिखावट धुंधली थी और ऐसा प्रतीत होता था कि नोट बहुत घबराहट में लिखा गया था:

प्रिय एम. पोइरोट:
“अगर आपको यह संदेश मिले, तो मैं आपसे विनती करती हूँ कि मेरी मदद करें। मेरे पास मदद के लिए कोई नहीं है, और हर हाल में जैक को बचाना है। मैं आपसे घुटनों के बल विनती करती हूँ कि हमारी मदद करें।”

“मार्था डाउब्रूइल।”

मैंने उसे वापस कर दिया और आगे बढ़ गया।

"आपको जाना होगा?"
“तुरंत। हम एक गाड़ी मंगवाएंगे।”
आधे घंटे बाद हम विला मार्गुराइट पहुँच गए। मार्था दरवाजे पर हमारा स्वागत करने के लिए खड़ी थी और पोइरोट को अपने दोनों हाथों से पकड़कर अंदर ले गई।
“अरे, आप आ गए—आपका आना अच्छा लगा। मैं हताश थी, समझ नहीं आ रहा था कि क्या करूँ। मुझे जेल में उससे मिलने भी नहीं दे रहे। मैं बहुत परेशान हूँ, लगभग पागल हो गई हूँ। क्या यह सच है कि वह अपराध स्वीकार करता है? यह तो सरासर पागलपन है। यह असंभव है कि उसने ऐसा किया हो! मैं एक पल के लिए भी इस पर विश्वास नहीं करूँगी।”
"मुझे भी इस पर विश्वास नहीं है, मैडमोजेल," पोइरोट ने विनम्रता से कहा।
“लेकिन फिर वह बोलता क्यों नहीं? मेरी समझ में नहीं आता।”
"शायद इसलिए कि वह किसी की जांच कर रहा है," पोइरोट ने उसे देखते हुए सुझाव दिया।
मार्थे ने भौंहें चढ़ाईं।
“किसी की जासूसी? आपका मतलब उसकी माँ से है? आह, मुझे शुरू से ही उस पर शक था। इतनी बड़ी दौलत किसे मिलेगी? उसे। विधवा का लिबास पहनना और पाखंडी बनना आसान है। और कहते हैं कि जब उसे गिरफ्तार किया गया तो वह गिर पड़ी—बिल्कुल ऐसे।” उसने नाटकीय अंदाज़ में कहा। “और निस्संदेह, सचिव श्री स्टोनर ने उसकी मदद की। वे दोनों पक्के दोस्त हैं। यह सच है कि वह उससे उम्र में बड़ी है—लेकिन पुरुषों को क्या फर्क पड़ता है—अगर कोई औरत अमीर हो!”
उसकी आवाज़ में थोड़ी कड़वाहट झलक रही थी।
मैंने लिखा, "स्टोनर इंग्लैंड में था।"
“वो तो ऐसा कहता है—लेकिन कौन जानता है?”
“मैडमोजेली,” पोइरोट ने धीमी आवाज़ में कहा, “अगर हमें साथ मिलकर काम करना है, तो हमें पहले सब कुछ स्पष्ट कर लेना चाहिए। सबसे पहले, मैं आपसे एक सवाल पूछूंगा।”
"जी श्रीमान?"
क्या आपको अपनी मां का असली नाम पता है?
मार्था ने एक मिनट तक उसे देखा, फिर अपना सिर अपनी बाहों पर झुकाकर फूट-फूटकर रोने लगी।
“कोई बात नहीं,” पोइरोट ने उसके कंधे पर थपथपाते हुए कहा। “शांत हो जाओ, प्यारी बच्ची, मुझे दिख रहा है कि तुम जानती हो। अब दूसरा सवाल, क्या तुम जानती हो कि एम. रेनॉल्ड कौन थे?”
“एम. रेनॉल्ड,” उसने अपने हाथों से सिर उठाया और आश्चर्य से उसकी ओर देखा।
“अरे, मुझे लगता है कि आपको यह नहीं पता। अब मेरी बात ध्यान से सुनिए।”
उन्होंने चरण दर चरण मामले को समझाया, ठीक वैसे ही जैसे उन्होंने इंग्लैंड जाने वाले दिन मुझे समझाया था। मार्थे मंत्रमुग्ध होकर सुनती रही। जब उन्होंने अपनी बात समाप्त की, तो उसने एक गहरी साँस ली।

लेकिन आप अद्भुत हैं—शानदार! आप दुनिया के सबसे महान जासूस हैं।
एक झटके में वह अपनी कुर्सी से उठी और पूरी तरह से फ्रांसीसी शैली में समर्पण भाव से उसके सामने घुटने टेक दिए।
“महाशय, उन्हें बचा लीजिए,” वह रोते हुए बोली। “मैं उनसे बहुत प्यार करती हूँ। ओह, उन्हें बचा लीजिए, उन्हें बचा लीजिए—उन्हें बचा लीजिए!”

25

एक अप्रत्याशित परिणाम

अगली सुबह हम जैक रेनॉल्ड की जांच के दौरान मौजूद थे। समय भले ही कम रहा हो, लेकिन उस युवा कैदी में आए बदलाव को देखकर मैं दंग रह गया। उसके गाल पिचके हुए थे, आंखों के नीचे गहरे काले घेरे थे, और वह थका हुआ और व्याकुल लग रहा था, मानो कई रातों से नींद के लिए तड़पता रहा हो। हमें देखकर उसने कोई भाव नहीं दिखाया।

कैदी और उसके वकील, मैत्रे ग्रोसियर, के लिए कुर्सियाँ लगाई गईं। एक शक्तिशाली पहरेदार, जिसके हाथ में चमकीली तलवार थी, दरवाजे के सामने खड़ा था। धैर्यवान वकील अपनी मेज पर बैठा था। पूछताछ शुरू हुई।

मजिस्ट्रेट ने पूछा, "रेनॉल्ड, क्या आप इस बात से इनकार करते हैं कि आप अपराध की रात मर्लिनविले में मौजूद थे?"

जैक ने तुरंत जवाब नहीं दिया, फिर उसने दयनीय ढंग से हिचकिचाते हुए कहा:

मैंने—मैंने—आपको बताया था कि मैं चेरबर्ग में था।

मैत्रे ग्रोसियर ने भौंहें चढ़ाईं और आह भरी। मुझे तुरंत समझ आ गया कि जैक रेनॉल्ड अपने कानूनी प्रतिनिधि की निराशा के बावजूद, अपनी इच्छा के अनुसार अपना मामला चलाने पर अड़ा हुआ था।

मजिस्ट्रेट ने अचानक मुड़ा।

"स्टेशन के गवाहों को भेजो।"

कुछ ही क्षणों में दरवाजा खुला और एक आदमी अंदर आया जिसे मैंने मर्लिनविले स्टेशन पर कुली के रूप में पहचाना।

"क्या आप 7 जून की रात को ड्यूटी पर थे?"

"जी श्रीमान।"

"क्या आपने 11:40 बजे वाली ट्रेन के आने का गवाह बने?"

"जी श्रीमान।"

“कैदी को देखो। क्या तुम उसे उन यात्रियों में से एक के रूप में पहचानते हो जो उतरे थे?”

"जी हां, माननीय न्यायाधीश।"

“क्या आपके गलत होने की कोई संभावना नहीं है?”

नहीं, महोदय। मैं एम. जैक रेनॉल्ड को अच्छी तरह जानता था।
"और न ही तारीख के बारे में आपकी कोई गलती है?"
"नहीं, महोदय। क्योंकि हमें हत्या के बारे में अगली सुबह, 8 जून को पता चला था।"
एक अन्य रेलवे अधिकारी को बुलाया गया, जिसने पहले अधिकारी के साक्ष्य की पुष्टि की। मजिस्ट्रेट ने जैक रेनॉल्ड की ओर देखा।
“इन लोगों ने आपकी पहचान सकारात्मक रूप से की है। आप इस बारे में क्या कहना चाहेंगे?”
जैक ने अपने कंधे उचका दिए।
"कुछ नहीं।"
एम. हौटेट ने ग्रैफियर के साथ एक नजर का आदान-प्रदान किया, क्योंकि बाद वाले की कलम की खरोंच से उत्तर दर्ज हो गया था।
मजिस्ट्रेट ने आगे कहा, "रेनॉल्ड, क्या तुम इसे पहचानते हो?"
उसने अपने बगल में रखी मेज से कुछ उठाया और कैदी की ओर बढ़ा दिया। हवाई जहाज के खंजर को पहचानते ही मैं सिहर उठा।
“क्षमा कीजिए,” मैत्रे ग्रोसियर चिल्लाए। “मैं इस प्रश्न का उत्तर देने से पहले अपने मुवक्किल से बात करना चाहता हूँ।”
लेकिन जैक रेनॉल्ड को बेचारे ग्रोसियर की भावनाओं की कोई परवाह नहीं थी। उसने उसे एक तरफ कर दिया और धीरे से जवाब दिया:
"मैं इसे ज़रूर पहचानता हूँ। यह युद्ध की स्मृति चिन्ह के रूप में मैंने अपनी माँ को उपहार में दिया था।"
"क्या आपकी जानकारी के अनुसार उस कटार की कोई प्रतिकृति मौजूद है?"
एक बार फिर मैत्रे ग्रोसियर भड़क उठे, और एक बार फिर जैक ने उन्हें चुप करा दिया।
“मुझे इसकी जानकारी नहीं है। यह जगह मैंने खुद डिज़ाइन की थी।”
जवाब की बेबाकी देखकर मजिस्ट्रेट भी लगभग चौंक गया। सचमुच, ऐसा लग रहा था मानो जैक जानबूझकर अपनी किस्मत को खतरे में डाल रहा हो। मैं समझ गया कि बेला की खातिर, इस बात को छुपाना उसके लिए कितना ज़रूरी था कि मामले में एक और खंजर भी था। जब तक यह माना जाता कि केवल एक ही हथियार है, तब तक उस लड़की पर शक होने की संभावना नहीं थी जिसके पास दूसरा पेपर-नाइफ था। वह बहादुरी से उस औरत की रक्षा कर रहा था जिसे उसने कभी प्यार किया था—लेकिन इसकी कीमत उसे खुद चुकानी पड़ रही थी! मुझे धीरे-धीरे उस चुनौती की गंभीरता का एहसास होने लगा जो मैंने पोइरोट को इतनी आसानी से सौंप दी थी। सच के अलावा किसी और तरीके से जैक रेनॉल्ड को बरी कराना आसान नहीं होगा।
एम. हाउटेट ने एक बार फिर बात की, इस बार उनका लहजा बेहद तीखा था:
“मैडम रेनॉल्ड ने हमें बताया कि अपराध की रात यह खंजर उनकी ड्रेसिंग टेबल पर था। लेकिन मैडम रेनॉल्ड एक माँ हैं! रेनॉल्ड, यह बात आपको ज़रूर चौंकाएगी, लेकिन मुझे लगता है कि मैडम रेनॉल्ड को गलतफहमी

हुई होगी, और शायद अनजाने में ही आप इसे अपने साथ पेरिस ले गए होंगे। आप निश्चित रूप से मेरी बात का खंडन करेंगे—”
मैंने देखा कि लड़के के हथकड़ी लगे हाथ मुट्ठी की तरह भींच गए। उसके माथे पर पसीने की बूँदें उभरी हुई थीं, और उसने बड़ी मुश्किल से कर्कश आवाज में एम. हाउटेट की बात काट दी:
मैं आपका विरोध नहीं करूंगा। यह संभव है।
यह एक चौंका देने वाला क्षण था। मैत्रे ग्रोसियर विरोध करते हुए खड़े हो गए:
“मेरे मुवक्किल को काफी मानसिक तनाव हुआ है। मैं यह स्पष्ट करना चाहूंगा कि मैं उनके कहे गए शब्दों के लिए उन्हें जिम्मेदार नहीं मानता।”
मजिस्ट्रेट ने गुस्से से उसे शांत किया। एक पल के लिए उसके मन में संदेह उत्पन्न हुआ। जैक रेनॉल्ड ने शायद अपनी भूमिका कुछ ज़्यादा ही निभा दी थी। वह आगे झुका और कैदी को ध्यान से देखने लगा।
"क्या आप पूरी तरह से समझते हैं, रेनॉल्ड, कि आपके द्वारा दिए गए उत्तरों के आधार पर मेरे पास आपको मुकदमे के लिए भेजने के अलावा कोई विकल्प नहीं होगा?"
जैक का पीला पड़ा चेहरा लाल हो गया। उसने स्थिर निगाहों से पीछे देखा।
“महामहिम हौते, मैं शपथ लेता हूँ कि मैंने अपने पिता की हत्या नहीं की।”
लेकिन मजिस्ट्रेट का क्षणिक संदेह समाप्त हो गया। वह एक छोटी, अप्रिय हंसी हंसा।
“निस्संदेह, निःसंदेह—हमारे कैदी हमेशा निर्दोष होते हैं! अपने ही मुख से तुम दोषी ठहराए गए हो। तुम कोई बचाव, कोई बहाना पेश नहीं कर सकते—केवल एक निराधार दावा जो किसी बच्चे को भी धोखा नहीं दे सकता!—कि तुम दोषी नहीं हो। तुमने अपने पिता, रेनॉल्ड की हत्या की—क्रूर और कायरतापूर्ण हत्या—उस धन के लिए जो तुम्हें उनकी मृत्यु के बाद मिलने की उम्मीद थी। तुम्हारी माँ इस अपराध में सहायक थी। निःसंदेह, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि उसने एक माँ के रूप में कार्य किया, अदालतें उसे वह रियायत देंगी जो वे तुम्हें नहीं देंगी। और यह उचित भी है! तुम्हारा अपराध एक भयानक अपराध था—जिससे देवताओं और मनुष्यों को घृणा होनी चाहिए!” एम. हाउटेट अपने भाषण का आनंद ले रहे थे, अपने भावों को उभार रहे थे, उस क्षण की गंभीरता में डूबे हुए थे, और न्याय के प्रतिनिधि के रूप में अपनी भूमिका का आनंद ले रहे थे।
“तुमने हत्या की—और तुम्हें अपने कर्मों का फल भुगतना होगा। मैं तुमसे एक मनुष्य के रूप में नहीं, बल्कि न्याय के रूप में, शाश्वत न्याय के रूप में बोल रहा हूँ, जो—”
एम. हौटेट की बातचीत बीच में ही रुक गई—जिससे उन्हें बेहद गुस्सा आया। दरवाजा धक्का देकर खोला गया।
“महोदया महोदय, महोदया महोदय,” सेवक हकलाते हुए बोला, “एक महिला हैं जो कहती हैं—जो कहती हैं—”
“कौन क्या कह रहा है?” गुस्से से भरे मजिस्ट्रेट ने चिल्लाकर कहा। “यह सरासर अनियमितता है। मैं इसे प्रतिबंधित करता हूँ—मैं इसे पूरी तरह प्रतिबंधित करता हूँ।”

लेकिन एक दुबली-पतली आकृति ने हकलाते हुए पुलिसकर्मी को धक्का देकर एक तरफ कर दिया। काले वस्त्र पहने, चेहरे को ढके लंबे घूंघट से ढकी हुई, वह कमरे में आगे बढ़ी।

मेरा दिल बुरी तरह धड़क उठा। वह आ ही गई थी! मेरे सारे प्रयास व्यर्थ हो गए थे। फिर भी, मैं उस साहस की प्रशंसा किए बिना नहीं रह सका जिसने उसे इतनी दृढ़ता से यह कदम उठाने के लिए प्रेरित किया था।

उसने अपना घूंघट उठाया—और मैं दंग रह गई। क्योंकि, हालांकि वह बिल्कुल सिंड्रेला जैसी दिखती थी, पर वह सिंड्रेला नहीं थी! दूसरी ओर, अब जब मैंने उसे मंच पर पहने हुए सुनहरे विग के बिना देखा, तो मैंने उसे जैक रेनॉल्ड के कमरे में लगी तस्वीर वाली लड़की के रूप में पहचान लिया।

“क्या आप ही जज डी इंस्ट्रक्शन हैं, एम. हाउटेट?” उसने पूछा।

“हाँ, लेकिन मैं मना करता हूँ—”

“मेरा नाम बेला डुवीन है। मैं श्री रेनॉल्ड की हत्या के आरोप में खुद को पुलिस के हवाले करना चाहती हूं।”

26

मुझे एक पत्र प्राप्त हुआ

"मेरा दोस्त:

जब आपको यह मिलेगा तो आपको सब पता चल जाएगा। ऐसा कुछ भी नहीं जो मैं कर सकूँ। बेला को ले जाया जाएगा। वह खुद को सौंपने के लिए बाहर गई है। मैं संघर्ष करते-करते थक गया हूँ। अब तुम्हें पता चल जाएगा कि मैंने तुम्हें धोखा दिया था, कि तुम

आपने मुझ पर भरोसा किया, और मैंने झूठ बोलकर आपका भरोसा तोड़ा। शायद आपको यह बात समझ में न आए, लेकिन आपके जीवन से हमेशा के लिए जाने से पहले, मैं आपको यह बताना चाहता हूँ कि आखिर हुआ क्या था। अगर मुझे पता होता कि आपने मुझे माफ कर दिया है, तो मेरी जिंदगी आसान हो जाती। मैंने यह सब अपने लिए नहीं किया था—मैं बस इतना ही कह सकता हूँ।

मैं उस दिन से शुरू करूंगा जब मैं आपसे नाव वाली ट्रेन में मिला था।

पेरिस। उस समय बेला को लेकर मैं चिंतित था। वह जैक रेनॉल्ड के लिए इतनी बेताब थी कि उसके लिए ज़मीन पर लेट जाती। जब जैक का व्यवहार बदलने लगा और उसने कम लिखना शुरू कर दिया, तो बेला का मानसिक संतुलन बिगड़ने लगा। उसे लगने लगा कि जैक किसी और लड़की में दिलचस्पी रखता है—और ज़ाहिर है, बाद में उसकी बात बिल्कुल सही साबित हुई। उसने मर्लिनविले स्थित उनके विला में जाकर जैक से मिलने का मन बना लिया था। उसे पता था कि मैं इसके खिलाफ हूँ, इसलिए उसने मुझे चकमा देने की कोशिश की। मुझे कैलिस में पता चला कि वह ट्रेन में नहीं है, और मैंने ठान लिया कि मैं उसके बिना इंग्लैंड नहीं जाऊँगा। मुझे एक अजीब सी बेचैनी महसूस हो रही थी कि अगर मैं इसे रोक नहीं पाया, तो कुछ भयानक हो जाएगा।

“पेरिस से आने वाली अगली ट्रेन में मेरी मुलाकात हुई। वह भी उसी ट्रेन में थी, और मैंने तय किया। मैं तुरंत मर्लिनविले चली गई। मैंने उससे अपनी पूरी ताकत से बहस की, लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। वह बहुत गुस्से में थी और अपनी मनमानी करने पर तुली हुई थी। खैर, मैंने उससे पल्ला झाड़ लिया। मैंने अपनी तरफ से पूरी कोशिश कर ली थी! काफी देर हो चुकी थी।

हम एक होटल में गए, और बेला मर्लिनविले के लिए रवाना हो गई। मैं अब भी उस भावना को दूर नहीं कर पा रहा था जिसे किताबों में 'आसन्न आपदा' कहा गया है।

अगला दिन आया—लेकिन बेला नहीं आई। उसने कहीं और जाने का प्लान बना लिया था।

वो मुझसे होटल में मिलने आई थी, लेकिन वो नहीं आई। दिन भर उसका कोई अता-पता नहीं चला। मेरी चिंता बढ़ती ही गई। फिर शाम को अखबार में खबर आई।

"यह बहुत भयानक था! मैं निश्चित रूप से नहीं कह सकती थी—लेकिन मैं

मुझे बहुत डर लग रहा था। मुझे समझ आ गया कि बेला पापा रेनॉल्ड से मिली थी और उसने उन्हें अपने और जैक के बारे में बताया था, और उन्होंने बेला का अपमान किया था या कुछ ऐसा ही। हम दोनों को ही बहुत जल्दी गुस्सा आ जाता है।

फिर नकाबपोश विदेशियों का सारा मामला सामने आया, और मैं

मुझे थोड़ी राहत महसूस होने लगी। लेकिन फिर भी मुझे इस बात की चिंता सता रही थी कि बेला मुझसे मिलने नहीं आई थी।

अगली सुबह तक मैं इतना घबरा गया था कि बस किसी तरह वहाँ तक पहुँच पाया था...

मैं जाकर देखती हूँ कि मुझे क्या-क्या दिख सकता है। सबसे पहले, मेरी मुलाकात तुमसे हुई। तुम तो सब जानते ही हो... जब मैंने उस मरे हुए आदमी को देखा, जो जैक जैसा दिखता था और जैक का ही शानदार ओवरकोट पहने हुए था, तो मैं समझ गई! और वहाँ वही कागज़ काटने वाला चाकू था—छोटा सा चाकू!—जो जैक ने बेला को दिया था! दस में से एक चांस है कि उस पर बेला के उंगलियों के निशान होंगे। मैं तुम्हें उस पल की बेबसी और दहशत को शब्दों में बयान नहीं कर सकती। मुझे बस एक ही बात साफ़-साफ़ दिखी—मुझे वह खंजर छीनना है और उन्हें पता चलने से पहले ही उसे लेकर भाग जाना है। मैंने बेहोश होने का नाटक किया और जब तुम पानी लेने गए थे, तब मैंने वह चाकू उठाया और उसे अपने कपड़ों में छिपा लिया।

मैंने आपको बताया था कि मैं होटल डू फारे में रुका हुआ था, लेकिन

दरअसल, मैं सीधे कैलिस वापस गया और फिर पहली नाव से इंग्लैंड के लिए रवाना हो गया। जब हम इंग्लिश चैनल के बीच में थे, तो मैंने उस छोटे से खंजर को समुद्र में फेंक दिया। तब मुझे लगा कि मैं चैन की सांस ले सकता हूँ।

"बेला लंदन में हमारे घर पर थी। वह ऐसी दिख रही थी जैसे..."

इस दुनिया में कुछ भी नहीं। मैंने उसे बताया कि मैंने क्या किया है, और यह भी कि फिलहाल वह काफी हद तक सुरक्षित है। उसने मुझे घूरा, और फिर हंसने लगी... हंसती रही... हंसती रही... उसकी हंसी सुनना भयानक था! मुझे लगा कि सबसे अच्छा यही होगा कि मैं...

खुद को व्यस्त रखो। अगर उसे अपने किए पर पछतावा करने का समय मिल जाता तो वह पागल हो जाती।

सौभाग्य से हमें तुरंत एक सगाई मिल गई।

और फिर, मैंने आपको और आपके दोस्त को हमें देखते हुए देखा।

रात... मैं बहुत घबराई हुई थी। आपको शक तो हुआ ही होगा, वरना आप हमारा पीछा नहीं करते। मुझे सबसे बुरा पता था, इसलिए मैं आपके पीछे आई। मैं बहुत परेशान थी। और फिर, कुछ कहने से पहले ही, मुझे

अचानक याद आया कि आपको मुझ पर शक था, बेला पर नहीं! या कम से कम आपको लगा कि मैं बेला हूँ क्योंकि मैंने ही खंजर चुराया था।

"काश, प्रिय, तुम मेरे मन की बातें देख पातीं।"

उस पल... शायद तुम मुझे माफ़ कर दोगे... मैं बहुत डरी हुई थी, उलझन में थी और हताश थी। ... मुझे बस इतना ही समझ आ रहा था कि तुम मुझे बचाने की कोशिश करोगे। मुझे नहीं पता था कि तुम उसे बचाने के लिए तैयार होगे या नहीं... मुझे लगा कि शायद नहीं—यह एक जैसी बात नहीं थी! और मैं जोखिम नहीं उठा सकती थी! बेला मेरी जुड़वाँ बहन है—मुझे उसके लिए सबसे अच्छा करना था। इसलिए मैं झूठ बोलती रही। ... मुझे बुरा लगा—मुझे अभी भी बुरा लगता है। ... बस इतना ही— काफी है, तुम कहोगे, मुझे उम्मीद है। मुझे तुम पर भरोसा करना चाहिए था। ... अगर मैंने किया होता—

“जैसे ही अखबार में यह खबर छपी कि जैक रेनॉल्ड

अगर उसे गिरफ्तार कर लिया जाता, तो सब कुछ खत्म हो जाता। बेला यह देखने का भी इंतजार नहीं करती कि आगे क्या होता है।

मैं बहुत थक गया हूँ। ... मैं अब और नहीं लिख सकता। ...”

उसने अपना नाम सिंड्रेला के रूप में लिखना शुरू किया था, लेकिन फिर उसे काटकर उसकी जगह "डल्सी डुवीन" लिख दिया।

यह एक खराब ढंग से लिखा गया, धुंधला पत्र था, लेकिन मैंने इसे आज तक संभाल कर रखा है।

जब मैं इसे पढ़ रहा था तब पोइरोट मेरे साथ थे। पन्ने मेरे हाथ से गिर गए और मैंने उनकी ओर देखा।

"क्या आपको हर समय पता था कि यह दूसरा वाला था?"

“जी हां, मेरे दोस्त।”

आपने मुझे क्यों नहीं बताया?

"शुरुआत में तो मुझे यह मानना ही मुश्किल लग रहा था कि आप ऐसी गलती कर सकते हैं। आपने तस्वीर देखी थी। दोनों बहनें काफी हद तक एक जैसी हैं, लेकिन उन्हें पहचानना नामुमकिन नहीं है।"

लेकिन सुनहरे बाल?

"एक विग, जिसे मंच पर एक चटख विरोधाभास पैदा करने के लिए पहना जाता है। क्या यह कल्पना की जा सकती है कि जुड़वा बच्चों में से एक गोरा हो और दूसरा सांवला?"

"उस रात कोवेंट्री के होटल में तुमने मुझे यह बात क्यों नहीं बताई?"

“तुम्हारे तौर-तरीके कुछ ज्यादा ही सख्त थे, मेरे दोस्त,” पोइरोट ने रूखेपन से कहा। “तुमने मुझे मौका ही नहीं दिया।”

लेकिन उसके बाद?

“अरे, बाद में! खैर, सबसे पहले तो मुझे आप पर विश्वास न करने से दुख हुआ। और फिर, मैं देखना चाहता था कि क्या आपकी भावनाएँ समय की कसौटी पर खरी उतरेंगी। दरअसल, क्या आपके लिए वह प्यार था, या क्षणिक आकर्षण। मुझे आपको आपकी गलती में ज्यादा देर तक नहीं छोड़ना चाहिए था।”
मैंने सिर हिलाया। उसका लहजा इतना स्नेहपूर्ण था कि मेरे लिए नाराज़गी की कोई गुंजाइश नहीं थी। मैंने चिट्ठी के पन्नों पर नज़र डाली। अचानक मैंने उन्हें ज़मीन से उठाया और उसकी तरफ बढ़ा दिया।
मैंने कहा, "इसे पढ़ो। मैं चाहता हूँ कि तुम पढ़ो।"
उसने चुपचाप उसे पूरा पढ़ा, फिर मेरी तरफ देखा।
"हेस्टिंग्स, आपको किस बात की चिंता है?"
पोइरोट का यह बिल्कुल नया मिजाज था। उनका व्यंग्यात्मक रवैया मानो गायब हो गया था। मैं बिना किसी खास कठिनाई के अपनी बात कह सका।
वह कुछ नहीं कहती—वह कुछ नहीं कहती—मतलब, यह तो बिल्कुल नहीं कि वह मेरी परवाह करती है या नहीं!
पोइरोट ने पन्ने पलट दिए।
"मुझे लगता है कि आप गलत हैं, हेस्टिंग्स।"
“कहाँ?” मैंने उत्सुकता से आगे झुकते हुए पूछा।
पोइरोट मुस्कुराया।
"वह तुम्हें पत्र की हर पंक्ति में यही बताती है, मेरे दोस्त।"
लेकिन मैं उसे कहाँ ढूँढूँ? पत्र पर कोई पता नहीं है। उस पर बस एक फ्रांसीसी मुहर लगी है, बस इतना ही।
“ज्यादा परेशान मत होइए! इसे पापा पोइरोट पर छोड़ दीजिए। जैसे ही मुझे पांच मिनट का समय मिलेगा, मैं उसे आपके लिए ढूंढ लूंगा!”

27

जैक रेनॉल्ड की कहानी

"बधाई हो, मिस्टर जैक," पोइरोट ने लड़के का हाथ प्यार से दबाते हुए कहा।
युवा रेनॉल्ड रिहा होते ही हमारे पास आया था—मर्लिनविले जाकर मार्था और अपनी माँ से मिलने से पहले। स्टोनर उसके साथ था। उसकी गर्मजोशी लड़के के मुरझाए चेहरे के बिल्कुल विपरीत थी। यह स्पष्ट था कि लड़का मानसिक रूप से टूटने की कगार पर था। यद्यपि वह तत्काल खतरे से बच गया था, लेकिन उसकी रिहाई की परिस्थितियाँ इतनी पीड़ादायक थीं कि उसे पूरी तरह से राहत महसूस नहीं हो रही थी। उसने पोइरोट को उदास मुस्कान के साथ देखा और धीमी आवाज़ में कहा:
मैंने उसकी रक्षा के लिए यह सब सहा, और अब सब व्यर्थ हो गया है!
स्टोनर ने व्यंग्यपूर्वक कहा, "आप उस लड़की से यह उम्मीद नहीं कर सकते थे कि वह आपकी जान की कीमत स्वीकार कर लेगी। जब उसने आपको सीधे गिलोटिन की ओर जाते देखा, तो वह अवश्य ही सामने आ जाती।"
“अरे बाप रे! और तुम भी उसी राह पर जा रहे थे!” पोइरोट ने हल्की सी शरारत भरी मुस्कान के साथ कहा। “अगर तुम आगे बढ़ते रहते तो मैत्रे ग्रोसियर की क्रोध से हुई मौत का बोझ तुम्हारे अंतरात्मा पर होता।”
“मुझे लगता है कि वो भले ही अच्छे इरादों वाला बेवकूफ था,” जैक ने कहा। “लेकिन उसने मुझे बहुत परेशान कर दिया। दरअसल, मैं उस पर भरोसा नहीं कर सकता था। लेकिन हे भगवान! बेला का क्या होगा?”
“अगर मैं तुम्हारी जगह होता,” पोइरोट ने स्पष्टवादिता से कहा, “तो मैं खुद को बेवजह परेशान नहीं करता। फ्रांसीसी अदालतें युवाओं और सुंदरता के प्रति बहुत उदार हैं, और अपराध भावुक होता है। एक चतुर वकील परिस्थितियों को कम करने का एक बड़ा तर्क गढ़ देगा। यह तुम्हारे लिए सुखद नहीं होगा—”
“मुझे इसकी परवाह नहीं है। देखिए, मिस्टर पोइरोट, एक तरह से मैं अपने पिता की हत्या का दोषी महसूस करता हूँ। लेकिन अगर मैं और उस लड़की के साथ मेरा रिश्ता न होता, तो वो आज ज़िंदा और स्वस्थ होते। और फिर मेरी उस मनहूस लापरवाही का नतीजा, जिसमें मैंने गलत ओवरकोट उठा लिया। मैं उनकी मौत के लिए खुद को ज़िम्मेदार महसूस करने से खुद को रोक नहीं सकता। ये बात मुझे हमेशा सताती रहेगी!”
“नहीं, नहीं,” मैंने शांत भाव से कहा।
“बेशक, यह सोचना मेरे लिए बहुत भयानक है कि बेला ने मेरे पिता को मार डाला,” जैक ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा, “लेकिन मैंने उसके साथ शर्मनाक बर्ताव किया था। मार्थे से मिलने के बाद, जब मुझे अपनी गलती का एहसास हुआ, तो मुझे उसे लिखकर ईमानदारी से सब कुछ बता देना चाहिए था। लेकिन मैं झगड़े

से इतना डरा हुआ था, और इस बात से भी कि कहीं यह बात मार्थे तक न पहुँच जाए, और वह इसे ज़रूरत से ज़्यादा गंभीर न समझ ले, कि— खैर, मैं डरपोक था, और यही उम्मीद करता रहा कि मामला अपने आप शांत हो जाएगा। मैं बस बहता चला गया, सच कहूँ तो—यह महसूस किए बिना कि मैं उस बेचारी बच्ची को बेबस कर रहा था। अगर उसने सच में मुझे चाकू मारा होता, जैसा कि वह चाहती थी, तो मुझे मेरी करनी का फल मिलना चाहिए था। और जिस तरह से वह अब सामने आई है, वह वाकई हिम्मत की बात है। मैं तो आखिर तक यह सब बर्दाश्त कर लेता।"

वह एक-दो पल चुप रहा, और फिर अचानक एक अलग ही बात कहने लगा:

"मुझे समझ नहीं आ रहा कि रात के उस समय गवर्नर अंडरवियर और मेरा ओवरकोट पहनकर क्यों घूम रहे थे। शायद उन्होंने विदेशी लोगों को चकमा दे दिया था, और मेरी माँ को शायद यह गलतफहमी हो गई होगी कि जब वे आए तो रात के 2 बज रहे थे। या—या, यह सब कोई साजिश तो नहीं थी? मेरा मतलब है, मेरी माँ ने सोचा ही नहीं होगा—सोच ही नहीं सकती थी—कि यह मैं था?"

पोइरोट ने उसे तुरंत आश्वस्त कर दिया।

"नहीं, नहीं, श्रीमान जैक। इस बारे में चिंता न करें। बाकी बातें मैं आपको किसी दिन समझा दूंगा। यह काफी विचित्र है। लेकिन क्या आप हमें ठीक-ठीक बता सकते हैं कि उस भयानक शाम को क्या हुआ था?"

"बताने के लिए बहुत कम है। जैसा कि मैंने आपको बताया, मैं चेरबर्ग से मार्थे से मिलने आया था, दुनिया के दूसरे छोर पर जाने से पहले। ट्रेन लेट हो गई थी, इसलिए मैंने गोल्फ कोर्स से होकर शॉर्टकट लेने का फैसला किया। मैं वहाँ से विला मार्गुराइट के परिसर में आसानी से पहुँच सकता था। मैं लगभग वहाँ पहुँच ही गया था कि—"

वह रुका और उसने घूंट भरा।

"हाँ?"

"मैंने एक भयानक चीख सुनी। वह तेज़ नहीं थी—घुटने और हांफने जैसी आवाज़ थी—लेकिन उसने मुझे डरा दिया। एक पल के लिए मैं वहीं जम गया। फिर मैं एक झाड़ी के कोने से मुड़ा। चाँदनी थी। मैंने कब्र देखी, और एक आकृति औंधे मुँह लेटी हुई थी, जिसकी पीठ में एक खंजर गड़ा हुआ था। और फिर—और फिर—मैंने ऊपर देखा और उसे देखा। वह मुझे ऐसे देख रही थी जैसे उसने कोई भूत देख लिया हो—शायद उसने मुझे पहले भूत ही समझा होगा—डर से उसके चेहरे के सारे भाव थम गए थे। और फिर उसने एक चीख मारी, और मुड़कर भाग गई।"

वह रुक गया, अपनी भावनाओं पर काबू पाने की कोशिश कर रहा था।

"और उसके बाद?" पोइरोट ने नरमी से पूछा।

"मुझे सच में नहीं पता। मैं कुछ देर तक वहीं रुका रहा, जैसे स्तब्ध हो। फिर मुझे एहसास हुआ कि मुझे जितनी जल्दी हो सके वहां से निकल जाना चाहिए। मुझे यह ख्याल नहीं आया कि वे मुझ पर शक करेंगे,

लेकिन मुझे डर था कि कहीं मुझे उसके खिलाफ गवाही देने के लिए न बुलाया जाए। जैसा कि मैंने आपको बताया, मैं सेंट ब्यूवेस तक पैदल गया और वहां से एक कार लेकर चेरबर्ग वापस आ गया।"
दरवाजे पर दस्तक हुई और एक सेवक टेलीग्राम लेकर अंदर आया, जिसे उसने स्टोनर को सौंप दिया। स्टोनर ने उसे फाड़कर खोला। फिर वह अपनी सीट से उठ खड़ा हुआ।
उन्होंने कहा, "श्रीमती रेनॉल्ड को होश आ गया है।"
"आह!" पोइरोट उछलकर खड़े हो गए। "चलो हम सब तुरंत मर्लिनविले चलें!"
तुरंत ही हड़बड़ी में प्रस्थान किया गया। जैक के कहने पर स्टोनर पीछे रुकने और बेला डुवीन के लिए हर संभव मदद करने के लिए सहमत हो गया। पोइरोट, जैक रेनॉल्ड और मैं रेनॉल्ड की कार में निकल पड़े। दौड़ में चालीस मिनट से थोड़ा अधिक समय लगा। जैसे ही हम विला मार्गुराइट के द्वार के पास पहुँचे, जैक रेनॉल्ड ने पोइरोट की ओर प्रश्नवाचक दृष्टि डाली।
"अगर आप पहले जाकर मेरी मां को यह खुशखबरी सुनाएं कि मैं रिहा हो गया हूं तो कैसा रहेगा?"
"आप मैडमोजेल मार्थे को ये बात खुद बताएँगे, है ना?" पोइरोट ने मुस्कुराते हुए कहा। "लेकिन हाँ, मैं भी कुछ ऐसा ही प्रस्ताव रखने वाला था।"
जैक रेनॉल्ड ने और इंतज़ार नहीं किया। गाड़ी रोककर, वह तुरंत बाहर कूदा और दौड़कर सामने के दरवाजे की ओर चल पड़ा। हम गाड़ी में बैठकर विला जेनेवीव की ओर चल दिए।
मैंने कहा, "पोइरोट, क्या आपको याद है कि हम पहले दिन यहाँ कैसे पहुँचे थे? और हमें एम. रेनॉल्ड की हत्या की खबर मिली थी?"
"अहा! हाँ, बिल्कुल। ज़्यादा समय भी नहीं बीता है। लेकिन तब से लेकर अब तक बहुत कुछ घटित हुआ है—खासकर तुम्हारे लिए, मेरे दोस्त!"
"पोइरोट, तुमने बेल—मेरा मतलब डल्सी—को खोजने के लिए क्या किया है?"
"शांत हो जाओ, हेस्टिंग्स। मैं सब कुछ व्यवस्थित करता हूँ।"
मैंने बड़बड़ाते हुए कहा, "तुम इसमें बहुत ज्यादा समय लगा रहे हो।"
पोइरोट ने विषय बदल दिया।
घंटी बजते ही उन्होंने उपदेश देते हुए कहा, "पहले शुरुआत, अब अंत। और अगर पूरे मामले पर गौर करें तो अंत बेहद असंतोषजनक है।"
"जी हां, बिल्कुल," मैंने आह भरी।
"हेस्टिंग्स, आप इसे भावनात्मक दृष्टिकोण से देख रहे हैं। मेरा मतलब यह नहीं था। हम उम्मीद करते हैं कि मैडमोजेल बेला के साथ नरमी बरती जाएगी, और आखिरकार जैक रेनॉल्ड दोनों लड़कियों से शादी नहीं कर सकता। मैंने पेशेवर दृष्टिकोण से बात की थी। यह कोई सुव्यवस्थित और नियमित अपराध नहीं है, जैसा कि एक जासूस को पसंद आता है। जॉर्जेस कॉनो द्वारा तैयार किया गया दृश्य-विन्यास, वह तो वाकई उत्तम है,

लेकिन अंत—अरे नहीं! एक लड़की के गुस्से में एक आदमी की आकस्मिक मौत—अरे, इसमें भला क्या व्यवस्था या तरीका है?"
और पोइरोट की विचित्रताओं पर मेरी हंसी के बीच ही, फ्रांस्वा ने दरवाजा खोल दिया।
पॉयरॉट ने बताया कि उन्हें श्रीमती रेनॉल्ड से तुरंत मिलना है, और बुढ़िया उन्हें ऊपर ले गईं। मैं बैठक कक्ष में ही रहा। कुछ देर बाद पॉयरॉट वापस आए। वे असामान्य रूप से गंभीर दिख रहे थे।
"हेस्टिंग्स, तुम यहीं हो! हे भगवान, आगे तो तेज आंधी आने वाली है!"
"तुम्हारा क्या मतलब है?" मैंने चिल्लाकर पूछा।
पोइरोट ने सोच-समझकर कहा, "मुझे इस पर शायद ही यकीन होता, लेकिन महिलाएं बहुत अप्रत्याशित होती हैं।"
मैंने खिड़की से बाहर देखते हुए कहा, "ये रहे जैक और मार्थे डाउब्रूइल!"
पोइरोट कमरे से बाहर उछलकर निकला और बाहर सीढ़ियों पर उस युवा जोड़े से मिला।
"अंदर मत जाओ। बेहतर होगा कि तुम अंदर न जाओ। तुम्हारी माँ बहुत नाराज़ हैं।"
"मुझे पता है, मुझे पता है," जैक रेनॉल्ड ने कहा। "मुझे तुरंत उसके पास जाना चाहिए।"
लेकिन नहीं, मैं तुमसे कहता हूँ। ऐसा न करना ही बेहतर है।
लेकिन मार्थे और मैं—"
"किसी भी हालत में, मैडमोजेल को अपने साथ मत ले जाना।" अगर ज़रूरी हो तो घोड़े पर सवार हो जाना, लेकिन मेरे मार्गदर्शन में चलना तुम्हारे लिए बुद्धिमानी होगी।
पीछे सीढ़ियों पर एक आवाज सुनकर हम सब चौंक गए।
"आपके सहयोग के लिए धन्यवाद, एम. पोइरोट, लेकिन मैं अपनी इच्छा स्पष्ट कर दूंगा।"
हम अचंभित होकर देखते रह गए। लियोनी के हाथ का सहारा लिए सीढ़ियों से नीचे उतर रही थीं श्रीमती रेनॉल्ड, जिनके सिर पर अभी भी पट्टी बंधी थी। फ्रांसीसी लड़की रो रही थी और अपनी मालकिन से बिस्तर पर वापस जाने की विनती कर रही थी।
"मैडम आत्महत्या कर लेंगी। यह डॉक्टर के सभी निर्देशों के विपरीत है!"
लेकिन श्रीमती रेनॉल्ड आगे आईं।
"माँ!" जैक चिल्लाते हुए आगे बढ़ा। लेकिन माँ ने इशारे से उसे पीछे धकेल दिया।
"मैं तुम्हारी माँ नहीं हूँ! तुम मेरे बेटे नहीं हो! आज से और इसी क्षण से मैं तुम्हें त्याग देती हूँ।"
"माँ," लड़के ने स्तब्ध होकर कहा।
एक पल के लिए वह डगमगाती हुई, उसकी आवाज़ में व्याप्त पीड़ा के सामने लड़खड़ाती हुई प्रतीत हुई। पोइरोट ने मध्यस्थता का इशारा किया, लेकिन तुरंत ही उसने खुद पर काबू पा लिया।
"तुम्हारे पिता का खून तुम्हारे सिर पर है। तुम उनकी मृत्यु के नैतिक रूप से दोषी हो। तुमने इस लड़की के कारण उनका विरोध किया और उनकी अवहेलना की, और दूसरी लड़की के प्रति अपने निर्दयी व्यवहार से

तुमने उनकी मृत्यु का कारण बनाया। मेरे घर से निकल जाओ। कल मैं ऐसे कदम उठाऊंगा जिससे यह सुनिश्चित हो जाएगा कि तुम उनके धन का एक पैसा भी कभी हाथ नहीं लगा पाओगे। अपने पिता के सबसे बड़े शत्रु की बेटी की मदद से दुनिया में अपना रास्ता खुद बनाओ!"
और धीरे-धीरे, बड़ी तकलीफ से, वह वापस ऊपर की ओर चली गई।
हम सब अवाक रह गए—ऐसे प्रदर्शन के लिए हम बिल्कुल भी तैयार नहीं थे। जैक रेनॉल्ड, जो पहले से ही बहुत कुछ झेल चुके थे, लड़खड़ा गए और लगभग गिर ही पड़े। पोइरोट और मैं तुरंत उनकी सहायता के लिए दौड़े।
"वह कुछ ज्यादा ही थका हुआ लग रहा है," पोइरोट ने मार्थे से धीरे से कहा। "हम उसे कहाँ ले जाएं?"
लेकिन घर! विला मार्गुराइट। हम उसकी देखभाल करेंगे, मैं और मेरी माँ। मेरा बेचारा जैक!
हम उस लड़के को विला ले गए, जहाँ वह अचेत अवस्था में एक कुर्सी पर बेजान होकर गिर पड़ा। पोइरोट ने उसके सिर और हाथों को छुआ।
"उसे बुखार है। लंबे समय से चल रहे तनाव का असर दिखने लगा है। और अब ऊपर से यह झटका भी लग गया है। उसे बिस्तर पर लिटा दो, और मैं और हेस्टिंग्स डॉक्टर को बुलाते हैं।"
तुरंत एक डॉक्टर को बुलाया गया। मरीज की जांच करने के बाद, डॉक्टर ने बताया कि यह सिर्फ नसों में खिंचाव का मामला है। पूरी तरह आराम और शांति मिलने पर लड़का अगले दिन तक लगभग ठीक हो सकता है, लेकिन अगर उसे उत्तेजित किया गया तो मस्तिष्क ज्वर होने की संभावना है। बेहतर होगा कि कोई रात भर उसके साथ रहे।
अंततः, अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करने के बाद, हमने उसे मार्था और उसकी माँ की देखरेख में छोड़कर शहर की ओर प्रस्थान किया। हमारे भोजन का सामान्य समय बीत चुका था और हम दोनों को बहुत भूख लगी थी। जिस पहले रेस्तरां में हम पहुँचे, वहाँ एक बेहतरीन ऑमलेट और उसके बाद उतना ही शानदार एंट्रेकोट परोसे गए, जिससे हमारी भूख मिट गई।
जब आखिरकार कैफे नोइर का भोजन समाप्त हो गया, तो पोइरोट ने कहा, "अब रात के ठहरने की जगह का समय आ गया है। क्या हम अपने पुराने दोस्त, होटल डेस बैंस में रुकें?"
हम बिना देर किए वहाँ पहुँच गए। जी हाँ, महोदय के लिए समुद्र के नज़ारे वाले दो अच्छे कमरे उपलब्ध थे।
तभी पोइरोट ने एक ऐसा सवाल पूछा जिसने मुझे चौंका दिया।
"क्या मिस रॉबिन्सन नाम की एक अंग्रेज महिला आ गई हैं?"
जी हां, महोदय। वह छोटे से सैलून में हैं।
आह!"
"पोइरोट," मैं गलियारे में उनके साथ कदम मिलाकर चलते हुए चिल्लाई, "आखिर मिस रॉबिन्सन कौन हैं?"
पोइरोट ने मेरी ओर देखकर कृपा भरी मुस्कान बिखेरी।
"मैंने तुम्हारे लिए शादी का इंतजाम कर दिया है, हेस्टिंग्स।"

लेकिन, मैं कहता हूँ—"
"वाह!" पोइरोट ने मुझे दरवाजे की दहलीज पर धक्का देते हुए कहा। "क्या तुम्हें लगता है कि मैं मर्लिनविले में डुवीन का नाम जोर-शोर से प्रचारित करना चाहता हूँ?"
सचमुच सिंड्रेला ही थी जो हमारा स्वागत करने उठी। मैंने उसके दोनों हाथ अपने हाथों में ले लिए। मेरी आँखों ने बाकी सब कुछ कह दिया।
पोइरोट ने अपना गला साफ किया।
"मेरे बच्चों," उन्होंने कहा, "फिलहाल हमारे पास भावुक होने का समय नहीं है। हमारे सामने काम है। महोदया, क्या आप वह कर पाईं जो मैंने आपसे करने को कहा था?"
इसके जवाब में, सिंड्रेला ने अपने बैग से कागज़ में लिपटी एक वस्तु निकाली और चुपचाप पोइरोट को सौंप दी। पोइरोट ने उसे खोला। मैं चौंक गया—क्योंकि यह वही हवाई जहाज़ वाला खंजर था जिसे मैंने सुना था कि उसने समुद्र में फेंक दिया था। अजीब बात है, औरतें हमेशा सबसे संवेदनशील वस्तुओं और दस्तावेजों को नष्ट करने में कितनी अनिच्छुक होती हैं!
"बहुत बढ़िया, मेरे बच्चे," पोइरोट ने कहा। "मैं तुमसे बहुत खुश हूँ। अब जाओ और आराम करो। मुझे और हेस्टिंग्स को काम करना है। तुम उससे कल मिलोगे।"
"तुम कहाँ जा रहे हो?" लड़की ने आँखें चौड़ी करते हुए पूछा।
आपको इसके बारे में कल सब कुछ पता चल जाएगा।
क्योंकि तुम जहाँ भी जाओगे, मैं भी तुम्हारे साथ आऊँगा।
लेकिन मैडमोजेल—"
मैं भी आ रहा हूँ, मैं तुम्हें बता रहा हूँ।
पोइरोट को एहसास हो गया कि आगे बहस करना व्यर्थ है। उसने हार मान ली।
"तो आइए, महोदया। लेकिन यह मनोरंजक नहीं होगा। संभवतः कुछ भी नहीं होगा।"
लड़की ने कोई जवाब नहीं दिया।
बीस मिनट बाद हम चल पड़े। अब काफी अंधेरा हो चुका था, एक घुटन भरी, उमस भरी शाम थी। पोइरोट शहर से बाहर विला जेनेवीव की दिशा में आगे-आगे चल रहे थे। लेकिन जब वे विला मार्गुराइट पहुंचे तो रुक गए।
मैं यह सुनिश्चित करना चाहूँगा कि जैक रेनॉल्ड के साथ सब ठीक चल रहा है। मेरे साथ आओ, हेस्टिंग्स। मैडमोजेल शायद बाहर ही रहेंगी। मैडम डाउब्रूइल कुछ ऐसा कह सकती हैं जिससे उन्हें ठेस पहुँचे।
हमने फाटक खोला और रास्ते पर चल दिए। घर के किनारे पहुँचते ही मैंने पोइरोट का ध्यान पहली मंजिल की एक खिड़की की ओर दिलाया। खिड़की के पर्दे पर मार्थे डाउब्रूइल का चेहरा साफ दिखाई दे रहा था।
"आह!" पोइरोट ने कहा। "मुझे लगता है कि यही वह कमरा है जहाँ हमें जैक रेनॉल्ड मिलेगा।"

मैडम डाउब्रूइल ने हमारे लिए दरवाज़ा खोला। उन्होंने बताया कि जैक भी लगभग वैसा ही है, लेकिन शायद हम खुद देखना चाहेंगे। वह हमें ऊपर ले गईं और शयनकक्ष में ले गईं। मार्था डाउब्रूइल एक मेज पर रखे दीपक के पास कढ़ाई कर रही थीं। हमारे अंदर आते ही उन्होंने अपनी उंगली होठों पर रख ली।
जैक रेनॉल्ड बेचैन और अधूरी नींद सो रहा था, उसका सिर इधर-उधर घूम रहा था और उसका चेहरा अभी भी जरूरत से ज्यादा लाल था।
"क्या डॉक्टर फिर से आ रहे हैं?" पोइरोट ने फुसफुसाते हुए पूछा।
“जब तक हम नहीं भेजेंगे, तब तक नहीं। वह सो रहा है—यही तो बड़ी बात है। मम्मा ने उसके लिए हर्बल चाय बनाई है।”
कमरे से निकलते ही वह अपनी कढ़ाई लेकर फिर से बैठ गई। मैडम डाउब्रूइल सीढ़ियों से नीचे हमारे साथ आईं। चूंकि मुझे उनके अतीत के बारे में पता था, इसलिए मेरी नज़रें इस महिला पर और भी ज़्यादा टिक गईं। वह वहाँ झुकी नज़रों से खड़ी थीं, उनके होठों पर वही हल्की सी रहस्यमयी मुस्कान थी जो मुझे याद थी। और अचानक मुझे उनसे डर लगने लगा, जैसे किसी खूबसूरत ज़हरीले साँप से डर लगता है।
"मुझे उम्मीद है कि हमने आपको विचलित नहीं किया है, महोदया," पोइरोट ने विनम्रता से कहा और हमारे बाहर निकलने के लिए दरवाजा खोल दिया।
"बिल्कुल नहीं, महोदय।"
“वैसे,” पोइरोट ने मानो किसी बात को याद करते हुए कहा, “एम. स्टोनर आज मर्लिनविले में नहीं थे, है ना?”
मुझे इस प्रश्न का अर्थ बिल्कुल समझ में नहीं आया, जिसे मैं अच्छी तरह जानता था कि पोइरोट के संदर्भ में यह अर्थहीन था।
मैडम डाउब्रूइल ने अत्यंत संयम से उत्तर दिया:
"मुझे पता नहीं है कि।"
“क्या उन्होंने श्रीमती रेनॉल्ड से साक्षात्कार नहीं किया है?”
"मुझे यह कैसे पता चलेगा, महोदय?"
“जी हां,” पोइरोट ने कहा। “मुझे लगा कि आपने उसे आते-जाते देखा होगा, बस इतना ही। शुभ रात्रि, महोदया।”
“क्यों—” मैंने कहना शुरू किया।
“कोई ‘क्यों’ मत पूछो, हेस्टिंग्स। उसके लिए बाद में समय मिलेगा।”
हम सिंड्रेला के साथ फिर से मिल गए और विला जेनेवीव की दिशा में तेज़ी से आगे बढ़े। पोइरोट ने एक बार रोशन खिड़की और काम में झुकी हुई मार्थे के चेहरे की ओर पीछे मुड़कर देखा।
“हर हाल में उसकी कड़ी सुरक्षा की जा रही है,” उसने बुदबुदाते हुए कहा।
विला जेनेवीव पहुँचकर, पोइरोट ड्राइववे के बाईं ओर कुछ झाड़ियों के पीछे छिप गए, जहाँ से हमें अच्छा नज़ारा तो दिख रहा था, लेकिन हम पूरी तरह से नज़रों से छिपे हुए थे। विला में घोर अंधेरा था, निस्संदेह सभी

लोग बिस्तर पर सो रहे थे। हम लगभग तुरंत ही श्रीमती रेनॉल्ड के शयनकक्ष की खिड़की के नीचे पहुँच गए, जो खिड़की खुली हुई थी। मुझे लगा कि पोइरोट की निगाहें इसी जगह पर टिकी हुई थीं।
“हम क्या करेंगे?” मैंने फुसफुसाते हुए पूछा।
"घड़ी।"
"लेकिन-"
मुझे कम से कम एक घंटे, शायद दो घंटे तक कुछ भी होने की उम्मीद नहीं है, लेकिन—”
लेकिन उनकी बात एक लंबी, पतली, धीमी चीख से बाधित हो गई:
"मदद करना!"
घर के दाहिनी ओर दूसरी मंजिल के कमरे में एक तेज रोशनी चमकी। वहीं से चीखने की आवाज आई। और हमारी आंखों के सामने ही खिड़की के पर्दे पर दो लोगों के संघर्ष करते हुए दिखने वाली एक परछाई उभर आई।
“हे भगवान!” पोइरोट चिल्लाया। “उसने अपना कमरा बदल लिया होगा!”
तेजी से आगे बढ़ते हुए, उसने सामने के दरवाजे पर बेतहाशा दस्तक दी। फिर फूलों की क्यारी में लगे पेड़ की ओर दौड़ते हुए, वह बिल्ली की फुर्ती से उस पर चढ़ गया। मैं उसके पीछे-पीछे गया, और एक ही छलांग में वह खुली खिड़की से अंदर घुस गया। पीछे मुड़कर देखा तो डल्सी मेरे पीछे पेड़ की डाल तक पहुँच रही थी। मैंने कहा, "अपना ख्याल रखना।"
“अपनी दादी का ख्याल रखो!” लड़की ने पलटकर जवाब दिया। “यह तो मेरे लिए बच्चों का खेल है।”
पोइरोट खाली कमरे से तेजी से गुजरा और गलियारे की ओर जाने वाले दरवाजे पर जोर-जोर से दस्तक दे रहा था।
"बाहर से ताला लगा हुआ है और कुंडी लगी हुई है," उसने गुर्राते हुए कहा। "और इसे तोड़ने में समय लगेगा।"
मदद के लिए पुकारने की आवाज़ धीरे-धीरे कम होती जा रही थी। मैंने पोइरोट की आँखों में निराशा देखी। हम दोनों ने मिलकर दरवाज़े पर ज़ोर से धक्का दिया।
खिड़की से सिंड्रेला की शांत और भावहीन आवाज आई:
"तब तक बहुत देर हो जाएगी, मुझे लगता है कि मैं ही एकमात्र ऐसा व्यक्ति हूं जो कुछ कर सकता है।"
इससे पहले कि मैं उसे रोकने के लिए हाथ बढ़ा पाता, वह मानो ऊपर की ओर उछल पड़ी। मैं दौड़ा और बाहर देखा। मेरी हैरानी का ठिकाना नहीं रहा, मैंने उसे छत से हाथों के बल लटकते हुए देखा, जो झटकों के बल रोशनी वाली खिड़की की ओर बढ़ रही थी।
“हे भगवान! वह तो मारी जाएगी,” मैं चिल्लाई।
“तुम भूल गए। हेस्टिंग्स, वो एक पेशेवर कलाबाज है। भगवान की कृपा से ही उसने आज रात हमारे साथ आने की जिद की है। मैं बस यही प्रार्थना करता हूँ कि वो समय पर पहुँच जाए। आह!”

जैसे ही लड़की दाहिनी खिड़की से गायब हुई, रात के सन्नाटे में एक भयानक चीख गूंज उठी; फिर सिंड्रेला की साफ आवाज में ये शब्द सुनाई दिए:
“नहीं, तुम नहीं कर सकते! मैंने तुम्हें पकड़ लिया है—और मेरी कलाई लोहे की तरह मजबूत है।”
ठीक उसी क्षण, फ्रांस्वा ने सावधानीपूर्वक हमारी जेल का दरवाजा खोला। पोइरोट ने उसे बिना किसी औपचारिकता के एक तरफ धकेल दिया और गलियारे से होते हुए उस दरवाजे के पास पहुँच गया जहाँ अन्य नौकरानियाँ जमा थीं।
"यह अंदर से बंद है, महोदय।"
अंदर से किसी के गिरने की तेज़ आवाज़ आई। एक-दो पल बाद चाबी घूमी और दरवाज़ा धीरे से खुल गया। बेहद पीली पड़ी सिंड्रेला ने हमें अंदर आने का इशारा किया।
“क्या वह सुरक्षित है?” पोइरोट ने पूछा।
"हां, मैं बिलकुल सही समय पर पहुंची। वह बहुत थकी हुई थी।"
श्रीमती रेनॉल्ड बिस्तर पर आधी बैठी और आधी लेटी हुई थीं। वह हांफ रही थीं।
“मुझे लगभग गला घोंट ही दिया था,” उसने दर्द भरी आवाज़ में कहा। लड़की ने ज़मीन से कुछ उठाया और पोइरोट को दे दिया। यह रेशम की रस्सी से बनी एक लिपटी हुई सीढ़ी थी, जो बहुत पतली लेकिन काफी मजबूत थी।
“एक भाग निकला,” पोइरोट ने कहा। “खिड़की के पास, जब हम दरवाजा पीट रहे थे। दूसरा कहाँ है?”
लड़की थोड़ा किनारे हट गई और इशारा किया। ज़मीन पर एक आकृति पड़ी थी जो किसी गहरे रंग के कपड़े में लिपटी हुई थी, जिसकी एक तह ने उसका चेहरा छिपा रखा था।
"मृत?"
उसने सिर हिलाया।
"मुझे भी ऐसा ही लगता है।"
"सिर संगमरमर के फेंडर से टकराया होगा।"
“लेकिन वो कौन है?” मैंने चिल्लाकर पूछा।
“एम. रेनॉल्ड, हेस्टिंग्स का हत्यारा। और मैडम रेनॉल्ड की हत्या का प्रयास करने वाला।”
मैं अचंभित और असमंजस में था, घुटनों के बल बैठ गया, और कपड़े की तह को उठाकर मार्थे डाउब्रूइल के मृत सुंदर चेहरे को देखा!

28

यात्रा का अंत

उस रात की आगे की घटनाओं की मेरी यादें धुंधली हैं। पोइरोट मेरे बार-बार पूछे गए सवालों पर ध्यान ही नहीं दे रहे थे। वे श्रीमती रेनॉल्ड के सोने के कमरे में बदलाव के बारे में उन्हें न बताने के लिए फ्रांस्वा को फटकार लगाने में व्यस्त थे।

मैंने उसका ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने और अपनी बात मनवाने के दृढ़ निश्चय के साथ उसे कंधे से पकड़ लिया।

“लेकिन आपको पता होना चाहिए था,” मैंने विरोध जताते हुए कहा। “आपको आज दोपहर उससे मिलने के लिए ले जाया गया था।”

पोइरोट ने कुछ क्षणों के लिए मेरी ओर ध्यान देने की कृपा की।

उन्होंने बताया, "उसे सोफे पर लिटाकर बीच वाले कमरे में ले जाया गया था - जो उसका शयनकक्ष था।"

“लेकिन, महोदय,” फ्रांस्वा चिल्लाई, “मैडम ने अपराध के तुरंत बाद ही अपना कमरा बदल दिया था! वे यादें —वे बहुत ही भयावह थीं!”

“तो फिर मुझे क्यों नहीं बताया गया?” पोइरोट ने मेज पर हाथ पटकते हुए और भयंकर क्रोध में आकर चिल्लाते हुए कहा। “मैं तुमसे पूछता हूँ—क्यों—मुझे—नहीं—बताया गया? तुम एक बूढ़ी औरत हो, बिलकुल मूर्ख! और लियोनी और डेनिस भी कोई कम नहीं हैं। तुम सब तिगुने मूर्ख हो! तुम्हारी मूर्खता के कारण तुम्हारी मालकिन की जान जाते-जाते बची। लेकिन इस बहादुर बच्ची की वजह से—”

उसने अपनी बात अधूरी छोड़ दी और कमरे के उस पार दौड़कर उस लड़की के पास पहुंचा जो श्रीमती रेनॉल्ड की सेवा में झुकी हुई थी, और उसने उसे फ्रांसीसी उत्साह के साथ गले लगा लिया - जिससे मुझे थोड़ी झुंझलाहट हुई।

पोइरोट के एक तीखे आदेश से मैं अपने मानसिक भ्रम से बाहर आया कि श्रीमती रेनॉल्ड की ओर से तुरंत डॉक्टर को बुलाओ। उसके बाद, मैं पुलिस को बुला सकता हूँ। और उन्होंने मेरी नाराज़गी को और बढ़ाने के लिए कहा:
"यहाँ वापस आना आपके लिए शायद ही फ़ायदेमंद होगा। मैं आपके लिए समय निकालने के लिए बहुत व्यस्त रहूँगी, और मैडमोजेल, मैं यहाँ एक तरह से 'गार्डे-मालाद' (अस्पष्ट) बन गई हूँ।"
मैंने जितना हो सका गरिमा के साथ विश्राम किया। अपने काम निपटाकर मैं होटल लौट आया। मुझे कुछ भी समझ नहीं आ रहा था कि रात में क्या हुआ था। रात की घटनाएँ अकल्पनीय और असंभव लग रही थीं। किसी ने मेरे सवालों का जवाब नहीं दिया। ऐसा लग रहा था मानो किसी ने उन्हें सुना ही न हो। गुस्से में मैंने खुद को बिस्तर पर पटक दिया और एक स्तब्ध और पूरी तरह से थके हुए व्यक्ति की तरह गहरी नींद सो गया।
मैं जब जागा तो देखा कि खुली खिड़कियों से सूरज की रोशनी अंदर आ रही थी और पोइरोट साफ-सुथरे और मुस्कुराते हुए बिस्तर के बगल में बैठे थे।
“आखिरकार तुम जाग गए! लेकिन तुम तो बड़े ही मशहूर सोने वाले हो, हेस्टिंग्स! क्या तुम्हें पता है कि लगभग ग्यारह बज चुके हैं?”
मैंने कराहते हुए अपना हाथ अपने सिर पर रख लिया।
मैंने कहा, "मुझे लगता है मैं सपना देख रही थी। क्या आपको पता है, मैंने सचमुच सपना देखा कि हमें श्रीमती रेनॉल्ड के कमरे में मार्थे डाउब्रूइल का शव मिला, और आपने उसे श्री रेनॉल्ड की हत्या का दोषी घोषित किया?"
“तुम सपना नहीं देख रहे थे। यह सब बिलकुल सच है।”
"लेकिन बेला डुवीन ने मिस्टर रेनॉल्ड की हत्या की?"
"अरे नहीं, हेस्टिंग्स, उसने ऐसा नहीं किया! उसने कहा कि उसने किया था—हाँ—लेकिन ऐसा उसने अपने प्रिय व्यक्ति को गिलोटिन से बचाने के लिए किया था।"
"क्या?"
“जैक रेनॉल्ड की कहानी याद कीजिए। वे दोनों एक ही क्षण घटनास्थल पर पहुँचे, और दोनों ने एक-दूसरे को अपराधी मान लिया। लड़की भय से उसे घूरती है, और फिर चीखते हुए भाग जाती है। लेकिन, जब उसे पता चलता है कि अपराध का भेद खुल गया है, तो वह इसे सहन नहीं कर पाती, और खुद को दोषी ठहराने और उसे निश्चित मृत्यु से बचाने के लिए आगे आती है।”
पोइरोट अपनी कुर्सी पर पीछे की ओर झुक गए और अपनी उंगलियों के सिरों को हमेशा की तरह आपस में मिला लिया।
“यह मामला मुझे पूरी तरह से संतोषजनक नहीं लगा,” उन्होंने न्यायिक लहजे में कहा। “शुरू से ही मुझे यह दृढ़ विश्वास था कि हम एक सोची-समझी और निर्मम साजिश के तहत किए गए अपराध से निपट रहे हैं, जिसे किसी ऐसे व्यक्ति ने अंजाम दिया है जिसने पुलिस को गुमराह करने के लिए एम. रेनॉल्ड की ही योजनाओं का

(बड़ी चतुराई से) इस्तेमाल किया है। महान अपराधी (जैसा कि आपको याद होगा मैंने एक बार आपसे कहा था) हमेशा बेहद सरल होता है।"
मेंने सिर हिलाया।
"अब, इस सिद्धांत का समर्थन करने के लिए, अपराधी को श्री रेनॉल्ड की योजनाओं की पूरी जानकारी होनी चाहिए थी। इससे हम मैडम रेनॉल्ड की ओर बढ़ते हैं। लेकिन तथ्य उनके अपराध के किसी भी सिद्धांत का समर्थन नहीं करते। क्या कोई और भी हो सकता था जिसे उनकी योजनाओं की जानकारी हो? हाँ। मार्थे डाउब्रूइल के स्वयं के बयान से हमें यह स्वीकारोक्ति मिलती है कि उन्होंने श्री रेनॉल्ड और उस आवारा व्यक्ति के बीच झगड़ा सुना था। यदि वह यह सुन सकती थीं, तो कोई कारण नहीं है कि उन्होंने बाकी सब कुछ न सुना हो, खासकर यदि श्री और मैडम रेनॉल्ड इतने लापरवाह थे कि बेंच पर बैठकर अपनी योजनाओं पर चर्चा कर रहे थे। याद कीजिए कि आपने उस जगह से मार्थे और जैक रेनॉल्ड की बातचीत कितनी आसानी से सुनी थी।"
"लेकिन मार्थे के पास मिस्टर रेनॉल्ड की हत्या करने का क्या मकसद हो सकता है?" मैंने तर्क दिया।
"मकसद क्या था? पैसा! एम. रेनॉल्ड कई बार करोड़पति बन चुके थे, और उनकी मृत्यु के बाद (जैसा कि मार्थे और जैक मानते थे) उनकी विशाल संपत्ति का आधा हिस्सा उनके बेटे को मिल जाएगा। आइए मार्थे डाउब्रूइल के दृष्टिकोण से इस दृश्य का पुनर्निर्माण करें।"
मार्थे डाउब्रूइल, रेनॉल्ड और उसकी पत्नी के बीच की बातचीत सुन लेती है। अब तक वह डाउब्रूइल माँ और बेटी के लिए आमदनी का एक अच्छा ज़रिया रहा है, लेकिन अब वह उनकी मेहनत से छुटकारा पाना चाहता है। पहले तो शायद उसका इरादा उसे ऐसा करने से रोकना था। लेकिन उसकी जगह एक और साहसिक विचार आ जाता है, और वह विचार जीन बेरोल्डी की बेटी को डराए बिना नहीं रह पाता! फिलहाल, मिस्टर रेनॉल्ड जैक से उसकी शादी में अड़ियल रुकावट बने हुए हैं। अगर जैक अपने पिता की बात नहीं मानता, तो वह कंगाल हो जाएगा—जो मैडमोजेल मार्थे को बिल्कुल भी मंजूर नहीं है। सच कहूँ तो, मुझे शक है कि उसने कभी जैक रेनॉल्ड की परवाह भी की हो। वह भावनाओं का दिखावा कर सकती है, लेकिन असल में वह अपनी माँ की तरह ही ठंडी और हिसाब-किताब करने वाली है। मुझे यह भी शक है कि क्या उसे लड़के के दिल पर अपना पूरा नियंत्रण था। उसने उसे चकाचौंध कर दिया था, लेकिन उससे अलग होने पर, जैसे उसके पिता उसे आसानी से अलग कर सकते थे, वह उसे खो सकती थी। लेकिन एम. रेनॉल्ड की मृत्यु हो गई है और जैक उनके लाखों की संपत्ति का वारिस है। शादी तुरंत हो सकती है और एक ही झटके में वह धनवान बन जाएगी—वह मामूली हज़ारों नहीं जो अब तक उससे वसूले गए हैं। और उसका चतुर दिमाग इस बात की सरलता को समझ लेता है। यह सब कितना आसान है। एम. रेनॉल्ड अपनी मृत्यु की सारी योजना बना रहे हैं —उसे बस सही समय पर हस्तक्षेप करना है और इस तमाशे को एक भयावह वास्तविकता में बदल देना है। और यहीं दूसरा बिंदु आता है जिसने मुझे निश्चित रूप से मार्थे डाउब्रूइल की ओर प्रेरित किया—खंजर! जैक

रेनॉल्ड ने तीन स्मृति चिन्ह बनवाए थे। एक उसने अपनी माँ को दिया, एक बेला डुवीन को; क्या यह अत्यधिक संभव नहीं था कि उसने तीसरा स्मृति चिन्ह मार्थे डाउब्रूइल को दिया हो?
तो संक्षेप में कहें तो, मार्थे डाउब्रूइल के खिलाफ चार महत्वपूर्ण बिंदु थे:
"(1) मार्थे डाउब्रेउइल ने एम. रेनॉल्ड की योजनाओं को सुन लिया होगा।
"(2) मार्थे डाउब्रेउइल को एम. रेनॉल्ड की मृत्यु का कारण बनने में प्रत्यक्ष रुचि थी।
"(3) मार्थे डाउब्रूइल कुख्यात मैडम बेरोल्डी की बेटी थी, जो मेरी राय में नैतिक और वस्तुतः अपने पति की हत्यारी थी, हालाँकि यह जॉर्जेस कोनो का हाथ हो सकता है जिसने वास्तव में प्रहार किया था।
"(4) जैक रेनॉल्ड के अलावा मार्थे डाउब्रूइल एकमात्र ऐसी व्यक्ति थीं जिनके पास तीसरा खंजर होने की संभावना थी।"
पोइरोट रुका और उसने अपना गला साफ किया।
"बेशक, जब मुझे दूसरी लड़की, बेला डुवीन के अस्तित्व के बारे में पता चला, तो मुझे एहसास हुआ कि यह पूरी तरह संभव है कि उसने एम. रेनॉल्ड की हत्या की हो। यह समाधान मुझे ठीक नहीं लगा, क्योंकि, जैसा कि मैंने आपको बताया, हेस्टिंग्स, मेरे जैसे विशेषज्ञ को अपने तलवार के योग्य प्रतिद्वंद्वी से मिलना पसंद है। फिर भी, अपराध को वैसे ही स्वीकार करना चाहिए जैसे वह है, न कि जैसा हम उसे देखना चाहते हैं। यह बहुत संभव नहीं लग रहा था कि बेला डुवीन अपने हाथ में एक यादगार पेपर-चाकू लेकर घूम रही होगी, लेकिन निश्चित रूप से उसके मन में जैक रेनॉल्ड से बदला लेने का विचार हमेशा से रहा होगा। जब उसने वास्तव में सामने आकर हत्या कबूल की, तो ऐसा लगा कि सब कुछ खत्म हो गया है। और फिर भी—मैं संतुष्ट नहीं था, मेरे दोस्त। मैं संतुष्ट नहीं था।..."
मैंने मामले की दोबारा बारीकी से जांच की, और मैं पहले वाले ही निष्कर्ष पर पहुंचा। अगर बेला डुवीन नहीं, तो अपराध करने वाली एकमात्र दूसरी व्यक्ति मार्थे डाउब्रूइल ही हो सकती थी। लेकिन मेरे पास उसके खिलाफ एक भी सबूत नहीं था!
"और फिर आपने मुझे मैडमोजेल डल्सी का वह पत्र दिखाया, और मुझे इस मामले को हमेशा के लिए सुलझाने का एक मौका मिल गया। असली खंजर डल्सी डुवीन ने चुराया था और समुद्र में फेंक दिया था—क्योंकि, जैसा कि वह सोचती थी, वह उसकी बहन का था। लेकिन अगर किसी भी तरह से, वह उसकी बहन का नहीं, बल्कि जैक द्वारा मार्थे डाउब्रूइल को दिया गया खंजर था—तो बेला डुवीन का खंजर अभी भी सुरक्षित होगा! मैंने आपसे एक शब्द भी नहीं कहा, हेस्टिंग्स (यह रोमांस का समय नहीं था) लेकिन मैंने मैडमोजेल डल्सी को ढूंढा, उन्हें उतनी जानकारी दी जितनी मुझे आवश्यक लगी, और उन्हें अपनी बहन के सामान में खोजने के लिए कहा। मेरी खुशी की कल्पना कीजिए, जब वह (मेरे निर्देशों के अनुसार) मिस रॉबिन्सन बनकर उस कीमती स्मृति चिन्ह के साथ मुझसे मिलीं!"
"इसी बीच मैंने मैडमोजेल मार्थे को सबके सामने लाने के लिए कदम उठाए। मेरे आदेश पर, श्रीमती रेनॉल्ड ने अपने बेटे को ठुकरा दिया और अगले दिन वसीयत बनाने की घोषणा की, जिससे वह अपने पिता की संपत्ति

के किसी भी हिस्से का हकदार न रहे। यह एक हताशा भरा कदम था, लेकिन ज़रूरी भी था, और मैडम रेनॉल्ड जोखिम उठाने के लिए पूरी तरह तैयार थीं—हालाँकि दुर्भाग्य से उन्होंने अपने कमरे में बदलाव का ज़िक्र भी नहीं किया। मुझे लगता है उन्होंने मान लिया था कि मुझे सब पता है। सब कुछ वैसा ही हुआ जैसा मैंने सोचा था। मार्थे डाउब्रूइल ने रेनॉल्ड की करोड़ों की संपत्ति पर आखिरी बार ज़ोरदार दावा किया—और नाकाम रही!"

मैंने कहा, "मुझे सबसे ज्यादा हैरानी इस बात पर है कि वह हमारी नजरों के बिना घर में कैसे घुस गई। यह तो बिलकुल चमत्कार जैसा लगता है। हमने उसे विला मार्गुराइट में छोड़ा था, हम सीधे विला जेनेवीव गए—और फिर भी वह हमसे पहले ही वहाँ मौजूद थी!"

"अरे, लेकिन हमने उसे पीछे नहीं छोड़ा। जब हम हॉल में उसकी माँ से बात कर रहे थे, तब वह विला मार्गुराइट से पिछले रास्ते से निकल गई थी। वहीं पर, जैसा कि अमेरिकी कहते हैं, उसने हरक्यूल पोइरोट को चकमा दिया!"

लेकिन उस पर्दे पर पड़ने वाली परछाई? हमने उसे सड़क से ही देख लिया था।

"अरे हाँ, जब हमने ऊपर देखा, तो मैडम डाउब्रूइल को ऊपर दौड़कर अपनी जगह लेने का समय मिल चुका था।"

"मैडम डाउब्रूइल?"

"हाँ। एक बूढ़ी है, एक जवान, एक सांवली, एक गोरी, लेकिन पर्दे पर बनी आकृति के लिए उनके चेहरे बिल्कुल एक जैसे हैं। मुझे भी शक नहीं था—मैं तो तिहरा मूर्ख था! मुझे लगा था कि मेरे पास बहुत समय है—कि वह विला में प्रवेश पाने की कोशिश बहुत बाद में करेगी। वह खूबसूरत मैडमोजेल मार्थे वाकई बुद्धिमान थी।"

"और उसका मकसद श्रीमती रेनॉल्ड की हत्या करना था?"

"हाँ। तब सारी संपत्ति उसके बेटे को मिल जाती। लेकिन यह तो आत्महत्या होती, मेरे दोस्त! मार्थे डाउब्रूइल के शव के पास ज़मीन पर मुझे एक पैड, क्लोरोफॉर्म की एक छोटी बोतल और मॉर्फिन की घातक खुराक वाली एक हाइपोडर्मिक सिरिंज मिली। समझे? पहले क्लोरोफॉर्म—फिर जब पीड़ित बेहोश हो जाए तो सुई चुभोना। सुबह तक क्लोरोफॉर्म की गंध पूरी तरह गायब हो चुकी थी, और सिरिंज वहीं पड़ी थी जहाँ वह मैडम रेनॉल्ड के हाथ से गिरी थी। वह क्या कहते, उत्कृष्ट एम. हाउटेट? 'बेचारी औरत! मैंने तुमसे क्या कहा था? खुशी का सदमा, यह तो बाकी सब पर भारी पड़ गया! क्या मैंने यह नहीं कहा था कि अगर उसका दिमाग खराब हो जाए तो मुझे आश्चर्य नहीं होगा। कुल मिलाकर एक बेहद दुखद मामला, रेनॉल्ड कांड!'

"हालाँकि, हेस्टिंग्स, चीजें मैडमोजेल मार्थे की योजना के मुताबिक नहीं हुईं। सबसे पहले तो, मैडम रेनॉल्ड जाग रही थीं और उनका इंतज़ार कर रही थीं। संघर्ष शुरू हुआ। लेकिन मैडम रेनॉल्ड अभी भी बेहद कमज़ोर थीं। मार्थे डाउब्रूइल के पास आखिरी मौका था। आत्महत्या का विचार अब खत्म हो चुका था, लेकिन अगर वह अपने मजबूत हाथों से मैडम रेनॉल्ड को चुप करा सकतीं, जब हम अभी भी दूसरे दरवाजे के अंदर

से दस्तक दे रहे थे, तब अपनी छोटी रेशमी सीढ़ी से भाग सकतीं और हमारे वापस आने से पहले विला मार्गुराइट पहुँच सकतीं, तो उनके खिलाफ कुछ भी साबित करना मुश्किल होगा। लेकिन उन्हें मात दे दी गई —हर्क्यूल पोइरोट ने नहीं—बल्कि अपनी फौलादी कलाबाज़ ने।"

मैंने पूरी कहानी पर विचार किया।

"पोइरोट, आपको मार्थे डाउब्रूइल पर पहली बार कब शक हुआ? जब उसने हमें बताया कि उसने बगीचे में झगड़ा सुना था?"

पोइरोट मुस्कुराया।

"मेरे मित्र, क्या तुम्हें याद है जब हम पहले दिन मर्लिनविले में दाखिल हुए थे? और वह खूबसूरत लड़की जो हमें द्वार पर खड़ी दिखी थी? तुमने मुझसे पूछा था कि क्या मैंने उस युवती को नहीं देखा था, और मैंने तुम्हें जवाब दिया था कि मैंने तो बस एक चिंतित आँखों वाली लड़की को देखा था। मार्थे डाउब्रूइल के बारे में मैंने शुरू से यही सोचा है। वह चिंतित आँखों वाली लड़की! वह चिंतित क्यों थी? जैक रेनॉल्ड के लिए नहीं, क्योंकि तब उसे पता नहीं था कि वह पिछली शाम मर्लिनविले में था।"

"वैसे," मैंने हैरानी से कहा, "जैक रेनॉल्ड कैसा है?"

"अब काफी बेहतर है। वह अभी भी विला मार्गुराइट में ही है। लेकिन मैडम डाउब्रूइल गायब हो गई हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।"

"क्या आपको लगता है कि वह अपनी बेटी के साथ थी?"

"हम कभी नहीं जान पाएंगे। मैडम एक ऐसी महिला हैं जो अपने राज़ छिपाकर रख सकती हैं। और मुझे बहुत संदेह है कि पुलिस उन्हें कभी ढूंढ पाएगी।"

क्या जैक रेनॉल्ड को इस बारे में बताया गया है?

"अभी तक नहीं।"

"यह उसके लिए बहुत बड़ा सदमा होगा।"

"स्वाभाविक रूप से। फिर भी, हेस्टिंग्स, क्या तुम जानते हो? मुझे संदेह है कि उसका दिल कभी गंभीरता से जुड़ा था। अब तक हमने बेला डुवीन को मोहक स्त्री और मार्थे डाउब्रूइल को वह लड़की माना है जिससे वह वास्तव में प्यार करता था। लेकिन मुझे लगता है कि अगर हम शब्दों को उलट दें तो हम सच्चाई के करीब पहुंच जाएंगे। मार्थे डाउब्रूइल बहुत खूबसूरत थी। उसने जैक को मोहित करने की ठान ली थी और वह सफल भी हुई, लेकिन याद करो उस दूसरी लड़की से रिश्ता तोड़ने में उसकी अजीब सी हिचकिचाहट को। और देखो कि वह उसे फंसाने के बजाय गिलोटिन पर जाने को तैयार था। मुझे थोड़ा सा अंदाजा है कि जब उसे सच्चाई पता चलेगी तो वह भयभीत हो जाएगा—घृणा से भर जाएगा, और उसका झूठा प्यार पिघल जाएगा।"

"गिराउड के बारे में क्या?"

"वह मानसिक रूप से बहुत परेशान है! उसे पेरिस वापस लौटना पड़ा है।"

हम दोनों मुस्कुराए।

पोइरोट की भविष्यवाणी काफी हद तक सच साबित हुई। जब अंततः डॉक्टर ने जैक रेनॉल्ड को सच सुनने के लिए पर्याप्त रूप से स्वस्थ घोषित किया, तो पोइरोट ने ही उसे यह बात बताई। यह सदमा वाकई बहुत भयानक था। फिर भी जैक ने मेरी उम्मीद से कहीं बेहतर तरीके से खुद को संभाला। उसकी माँ के स्नेह ने उसे उन कठिन दिनों से उबरने में मदद की। अब माँ और पुत्र एक दूसरे से अविभाज्य थे।
अभी एक और खुलासा होना बाकी था। पोइरोट ने श्रीमती रेनॉल्ड को यह बता दिया था कि वह उनका रहस्य जानता है, और उन्हें यह आश्वासन दिया था कि जैक को उसके पिता के अतीत से अनजान नहीं रखा जाना चाहिए।
"सच को छुपाने से कभी फायदा नहीं होता, महोदया! हिम्मत रखिए और उसे सब कुछ बता दीजिए।"
भारी मन से श्रीमती रेनॉल्ड ने सहमति दे दी, और उनके बेटे को पता चला कि जिस पिता से वह प्यार करता था, वह वास्तव में कानून से भागा हुआ अपराधी था। पोइरोट ने हिचकिचाते हुए पूछे गए प्रश्न का तुरंत उत्तर दे दिया।
“आप निश्चिंत हो जाइए, श्री जैक। दुनिया को कुछ नहीं पता। जहाँ तक मैं समझता हूँ, पुलिस को अपने विश्वास में लेने की मेरी कोई बाध्यता नहीं है। पूरे मामले के दौरान मैंने उनके लिए नहीं, बल्कि आपके पिता के लिए काम किया है। अंततः उन्हें न्याय मिला, लेकिन किसी को यह जानने की आवश्यकता नहीं है कि वह और जॉर्जेस कोनो एक ही व्यक्ति थे।”
बेशक, इस मामले में कई ऐसे पहलू थे जो पुलिस के लिए अनसुलझे रहे, लेकिन पोइरोट ने चीजों को इतने विश्वसनीय तरीके से समझाया कि उनके बारे में सभी सवाल धीरे-धीरे शांत हो गए।
लंदन लौटने के कुछ ही समय बाद, मैंने पोइरोट के मेंटलपीस पर सजे एक शानदार फॉक्सहाउंड कुत्ते की मूर्ति देखी। मेरी जिज्ञासा भरी नज़र के जवाब में, पोइरोट ने सिर हिलाया।
“हाँ, बिल्कुल! मुझे मेरे 500 फ्रैंक मिल गए! क्या वह शानदार आदमी नहीं है? मैं उसे गिराउड कहता हूँ!”
कुछ दिनों बाद जैक रेनॉल्ड दृढ़ भाव लिए हमसे मिलने आया।
“एम. पोइरोट, मैं आपसे विदा लेने आया हूँ। मैं लगभग तुरंत ही दक्षिण अमेरिका के लिए रवाना हो रहा हूँ। मेरे पिता के उस महाद्वीप में बड़े-बड़े व्यवसाय थे, और मैं वहाँ एक नई जिंदगी शुरू करना चाहता हूँ।”
“क्या आप अकेले जा रहे हैं, मिस्टर जैक?”
“मेरी मां मेरे साथ आ रही हैं—और मैं स्टोनर को अपना सचिव बनाए रखूंगा। उन्हें दुनिया के एकांत इलाके पसंद हैं।”
“क्या आपके साथ कोई और नहीं जाता?”
जैक का चेहरा लाल हो गया।
"तुम्हारा मतलब है-?"
“एक लड़की जो तुमसे बहुत प्यार करती है—जो तुम्हारे लिए अपनी जान कुर्बान करने को भी तैयार है।”

“मैं उससे कैसे पूछ सकता हूँ?” लड़के ने बुदबुदाते हुए कहा। “इतनी सारी घटनाओं के बाद, क्या मैं उसके पास जाकर—अरे, मैं उसे कैसी बेतुकी कहानी सुनाऊँगा?”
"महिलाओं में इस तरह की कहानियों के लिए सहारे गढ़ने की अद्भुत प्रतिभा होती है।"
“हाँ, लेकिन—मैं कितना बड़ा मूर्ख रहा हूँ!”
"हम सभी के साथ कभी न कभी ऐसा हुआ है," पोइरोट ने दार्शनिक लहजे में कहा।
लेकिन जैक का चेहरा सख्त हो गया था।
“एक और बात है। मैं अपने पिता का बेटा हूँ। यह जानते हुए क्या कोई मुझसे शादी करेगा?”
“तुम कहते हो कि तुम अपने पिता के पुत्र हो। हेस्टिंग्स तुम्हें बताएगा कि मैं वंशानुक्रम में विश्वास करता हूँ—”
"तो ठीक है-"
“रुको। मैं एक महिला को जानती हूँ, एक साहसी और सहनशील महिला, जो महान प्रेम करने में सक्षम है, सर्वोच्च आत्म-बलिदान करने में सक्षम है—”
लड़के ने ऊपर देखा। उसकी आँखों में नरमी आ गई।
"मेरी माँ!"
“जी हाँ। तुम अपनी माँ के भी बेटे हो और अपने पिता के भी। तो फिर मैडमोजेल बेला के पास जाओ। उन्हें सब कुछ बता दो। कुछ भी मत छुपाओ—और देखो वो क्या कहती हैं!”
जैक अनिर्णायक लग रहा था।
“उसके पास एक लड़के की तरह नहीं, बल्कि एक पुरुष की तरह जाओ—एक ऐसा पुरुष जो अतीत और वर्तमान के भाग्य से झुका हुआ है, लेकिन एक नए और अद्भुत जीवन की आशा रखता है। उससे कहो कि वह इसे तुम्हारे साथ साझा करे। शायद तुम्हें इसका एहसास न हो, लेकिन एक-दूसरे के प्रति तुम्हारा प्यार अग्नि परीक्षा से गुजरा है और खरा उतरा है। तुम दोनों एक-दूसरे के लिए अपनी जान तक कुर्बान करने को तैयार रहे हो।”
और इन पन्नों के विनम्र इतिहासकार, कैप्टन आर्थर हेस्टिंग्स का क्या हुआ?
ऐसी चर्चा है कि वह समुद्र पार एक फार्महाउस में रेनॉल्ड्स के साथ शामिल हो जाएगा, लेकिन इस कहानी के अंत के लिए मैं विला जेनेवीव के बगीचे में एक सुबह की ओर लौटना पसंद करूंगा।
मैंने कहा, “मैं तुम्हें बेला नहीं बुला सकती, क्योंकि यह तुम्हारा नाम नहीं है। और डल्सी नाम भी अपरिचित सा लगता है। इसलिए सिंड्रेला ही ठीक रहेगा। तुम्हें याद है ना, सिंड्रेला ने राजकुमार से शादी की थी। मैं राजकुमार तो नहीं हूँ, लेकिन—”
उसने मेरी बात काट दी।
“सिंड्रेला ने उसे ज़रूर चेतावनी दी होगी! देखो, वह राजकुमारी बनने का वादा तो नहीं कर सकती थी। आखिर वह तो बस एक छोटी सी नौकरानी ही तो थी—”
मैंने बीच में टोकते हुए कहा, "अब राजकुमार की बारी है बोलने की। क्या आपको पता है उन्होंने क्या कहा?"

"नहीं?"

“राजकुमार ने कहा, ‘अरे बाप रे!’ और उसे चूम लिया!”

और मैंने अपने शब्दों के अनुरूप कार्य किया।

***** समाप्त *****

sjeet